स्वाध्याय स्वमन्थन स्वावलम्बन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

164

इलाहाबाद

DFD/[redacted]-02
फैशन डिजाइनिंग

DFD[redacted] 2
पंचम खण्ड - बेसिक्स ऑफ गारमेन्ट ड्राइंग

शान्तिपुरम् (सेक्टर-एफ), फाफामऊ, इलाहाबाद - 211013

उत्तर प्रदेश
राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

DFD/[redacted] - 02

फैशन डिजाइनिंग

बेसिक डिजाइन एवं स्केचिंग-२

ब्लॉक

५

बेसिक्स ऑफ गारमेन्ट ड्राइंग

यूनिट-१

गैदर्स, प्लीट्स इत्यादि को कैसे स्केच करें

यूनिट-२

कॉलर, कफ्स इत्यादि को कैसे स्केच करें

यूनिट-३

गैदर्स, प्लीट्स इत्यादि को कैसे रंगें

यूनिट-४

कॉलर, कफ्स इत्यादि को कैसे रंगें

ब्लॉक-१

पाठ्यक्रम प्रतिरूपः-

एक फैशन डिजाइनर के लिए वस्त्र और आउटफिट के लिए स्केचेस बनाना और ड्रॉ करना एक सकारात्मक पक्ष है। यह खण्ड आउटफिट के विभिन्न भागो बॉटता है। यह वस्त्र के विभिन्न भागों की ड्रॉइंग, स्केचिंग और कलरिंग के बारे में बताता है।

बेसिक्स ऑफ ड्रॉइंग

यूनिट-१

गैदर्स, प्लीट्स इत्यादि को कैसे स्केच करें

यह यूनिट वस्त्रो के गैदर्स, प्लीट्स, फ्रिल इत्यादि को कैसे रेखांकन करते है के बारे में विशेष जानकारियों से अवगत कराता है।

यूनिट-२

कॉलर, कफ्स् इत्यादि को कैसे स्केच करें

यह यूनिट वस्त्र के कॉलर, कफ्स्, बेल्ट्स, नेकलाइन इत्यादि के दूसरे तत्वों को इलस्ट्रेशन करने के बारे में विस्तार से बताता है।

यूनिट-३

गैदर्स, प्लीट्स इत्यादि को कैसे रंगें

यह यूनिट आपका परिचय वस्त्र के विभिन्न भागों को कैसे रंगे, से कराता है।

यूनिट-४

कॉलर, कफ्स इत्यादि को कैसे रंगें

यह यूनिट आपका परिचय वस्त्र के विभिन्न भागों को, कुछ और रंगनें के तरीको से कराता है।

यूनिट-१

संरचना

१.१ यूनिट प्रस्तावना

१.२ उद्देश्य

१.३ गैदर्स, प्लीट्स इत्यादि को कैसे स्केच करें

१.४ सारॉश

१.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

१.६ स्वाध्ययन हेतु

१.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

यह यूनिट वस्त्रों के अलग–अलग हिस्सो को कैसे रेखांकित किया जायेगा, के विषय में विशेष ज्ञान उपलब्ध कराता है।

१.२ उद्देश्यः-

यह याद रखने की बात है कि अच्छा रेखांकन किया गया वस्त्र अधिक सुन्दर लगता है। इस यूनिट का उद्देश्य आपको वस्त्रों का रेखांकन कराना सिखाना है।

१.३ गैदर्स, प्लीट्स आदि की स्केचिंगः-

पहले सेमेस्टर की ड्राइंग और स्केचिंग की पुस्तिका का पुनः अध्ययन करें। स्केचिंग के टूल्स वही हैं तथा उनका मेन्टेनेन्स भी उसी प्रकार किया जायेगा। टूल्स का प्रयोग भी उसी प्रकार होता है फर्क केवल माध्यम के प्रयोग करने में है।

अगले कुछ पृष्ठो में कुछ उदाहरण देकर समझाया गया है कि प्लीट्स एवं गैदर्स अलग–अलग वस्त्रों के किस प्रकार स्केच एवं रेखांकित किये जाते हैं। यदि आप करीब से स्केचेस को देखें तो आप महसूस करेंगे कि प्लीट्स का प्लेसमेन्ट, प्रयोग की गई फैब्रिक के प्रकार एवं मात्रा, प्रमुख फैक्टर हैं जो आपके द्वारा बनाये गये स्केचेस को प्रभावित करते हैं।

इस पृष्ठ में, प्ले स को कैसे ड्रा करते हैं के बारे में से अवगत कराया गया है।

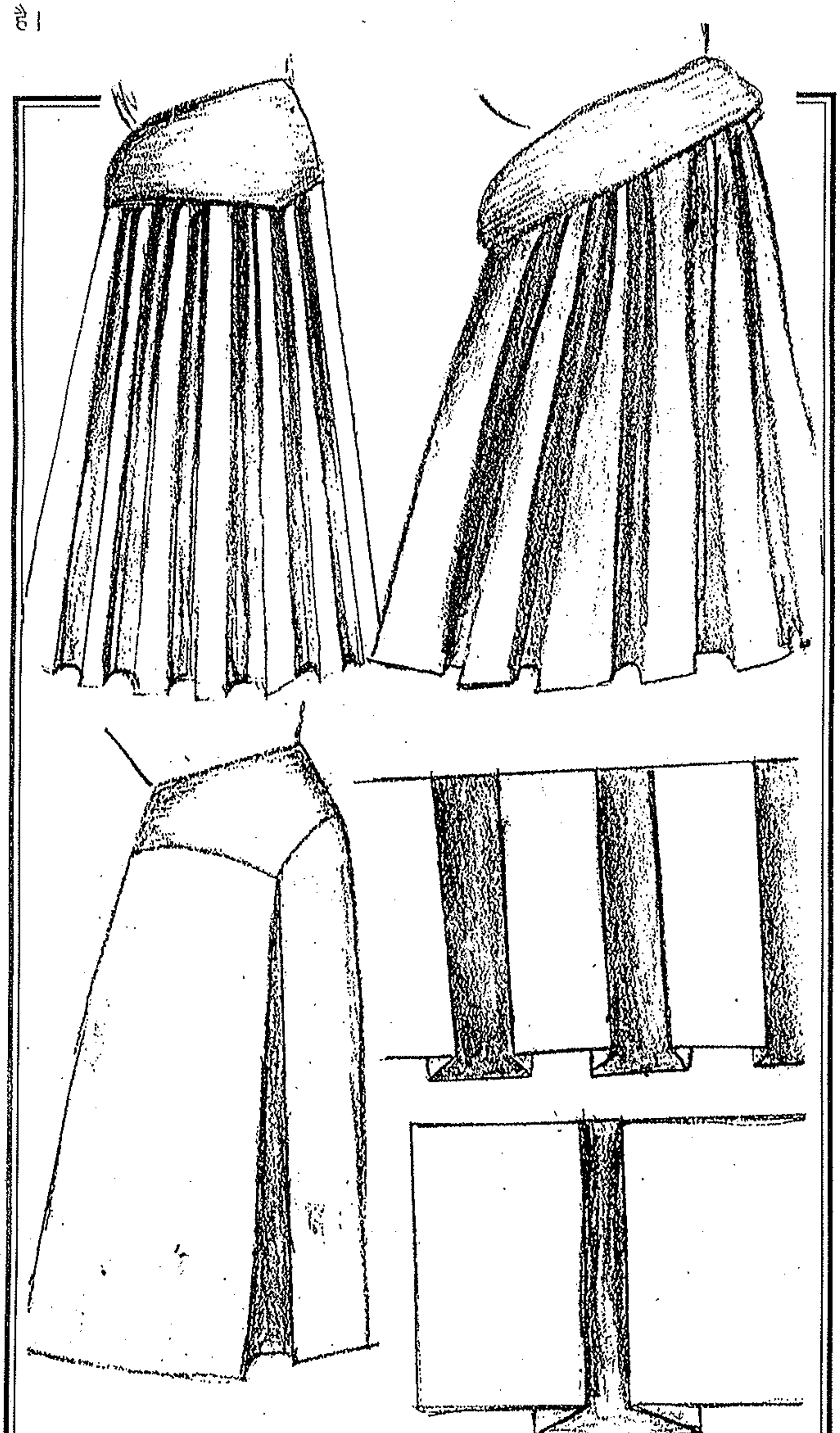

इनवर्टेड प्लीट्स

इस पृष्ठ में फ्राक मे प्लेट्स का रेखांकन कैसे करते हैं कि विधि से अवगत कराया गया है।

इस पृष्ठ में फ्रिल का रेखाकंन करना सिखाया गया है।

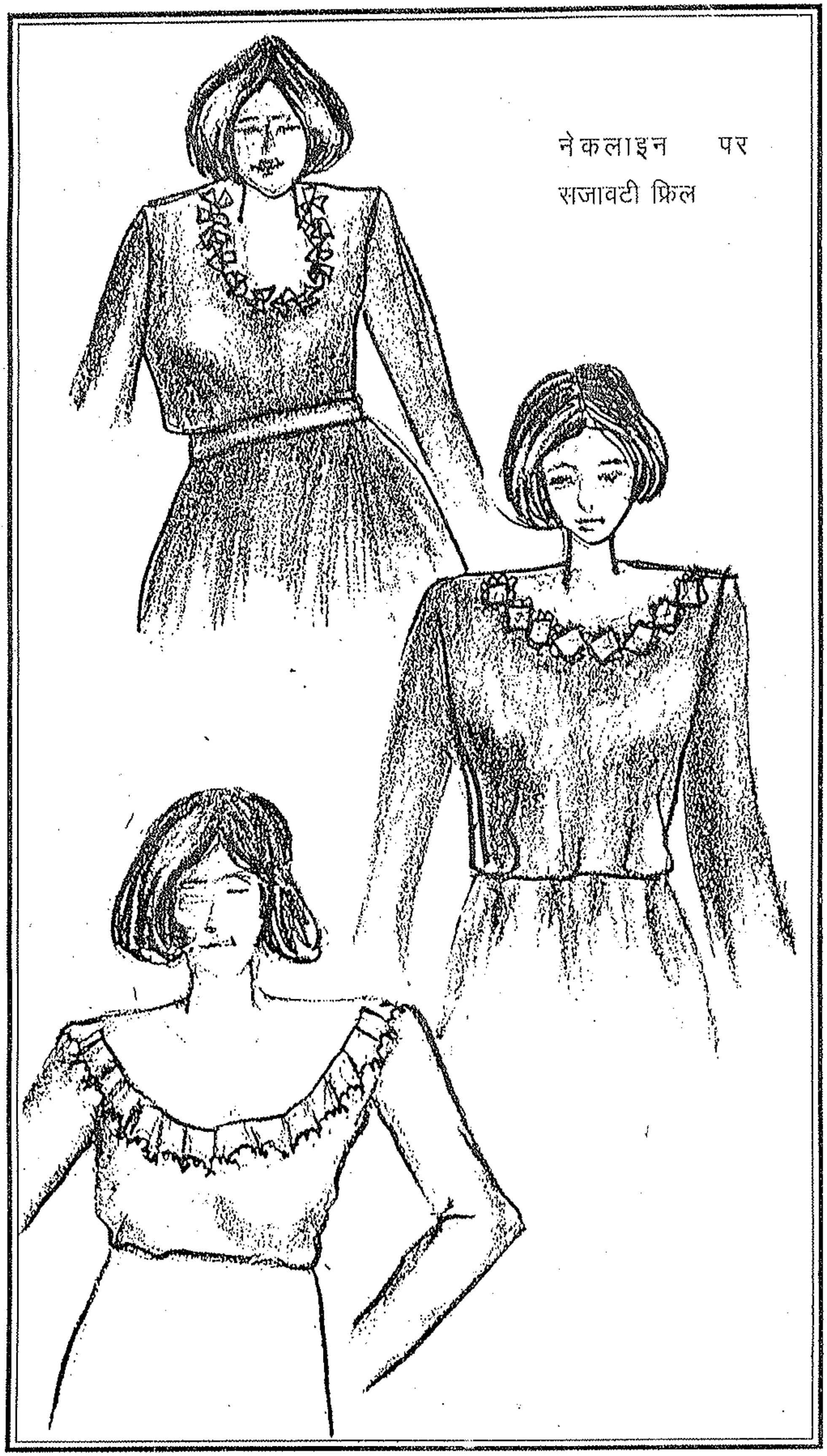

इस पृष्ठ में हेम पर फोल्ड का रेखाकंन किस प्रकार किया जाता है, बताया गया है।

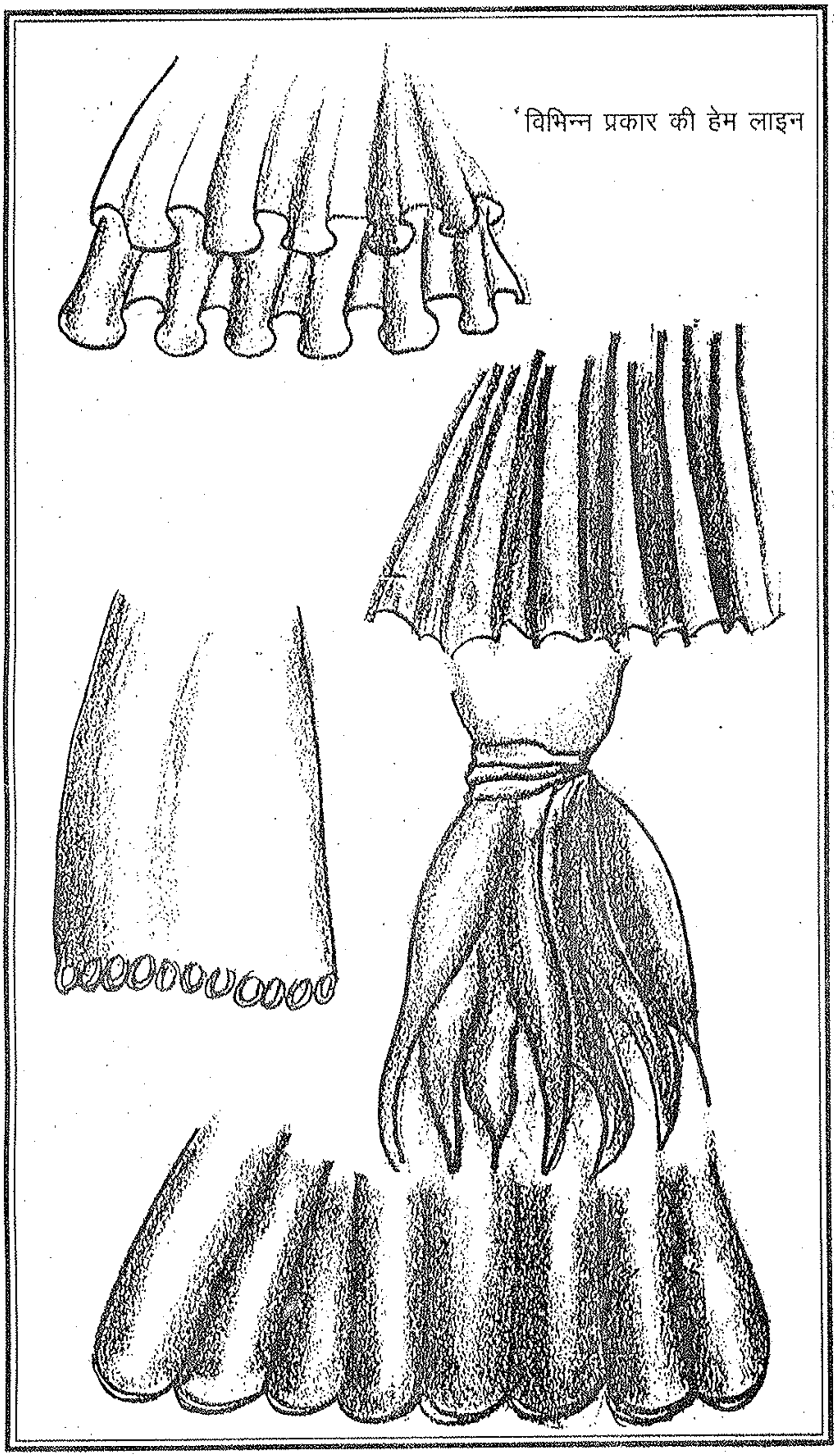

इस पृष्ठ में प्लेटेड और प्लेन वस्त्रों का अन्तर दिखाया गया है।

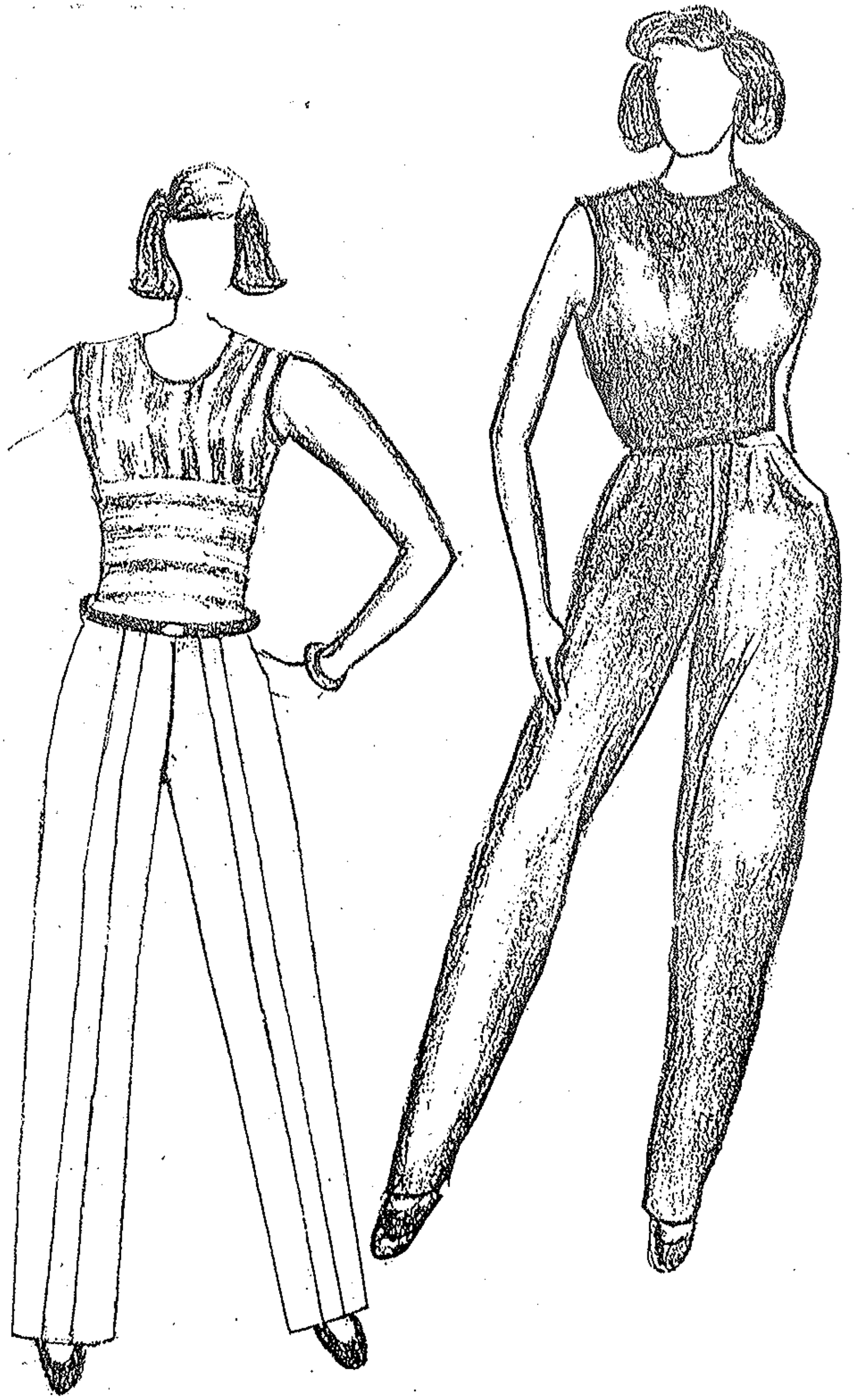

ट्राउजर

इस पृष्ठ में योक्स में गैदर्स का रेखांकन करना दिखाया गया है।

इस पृष्ठ में गैन्र्स तथा फोल्ड्स का रेखांकन दिखाया गया है।

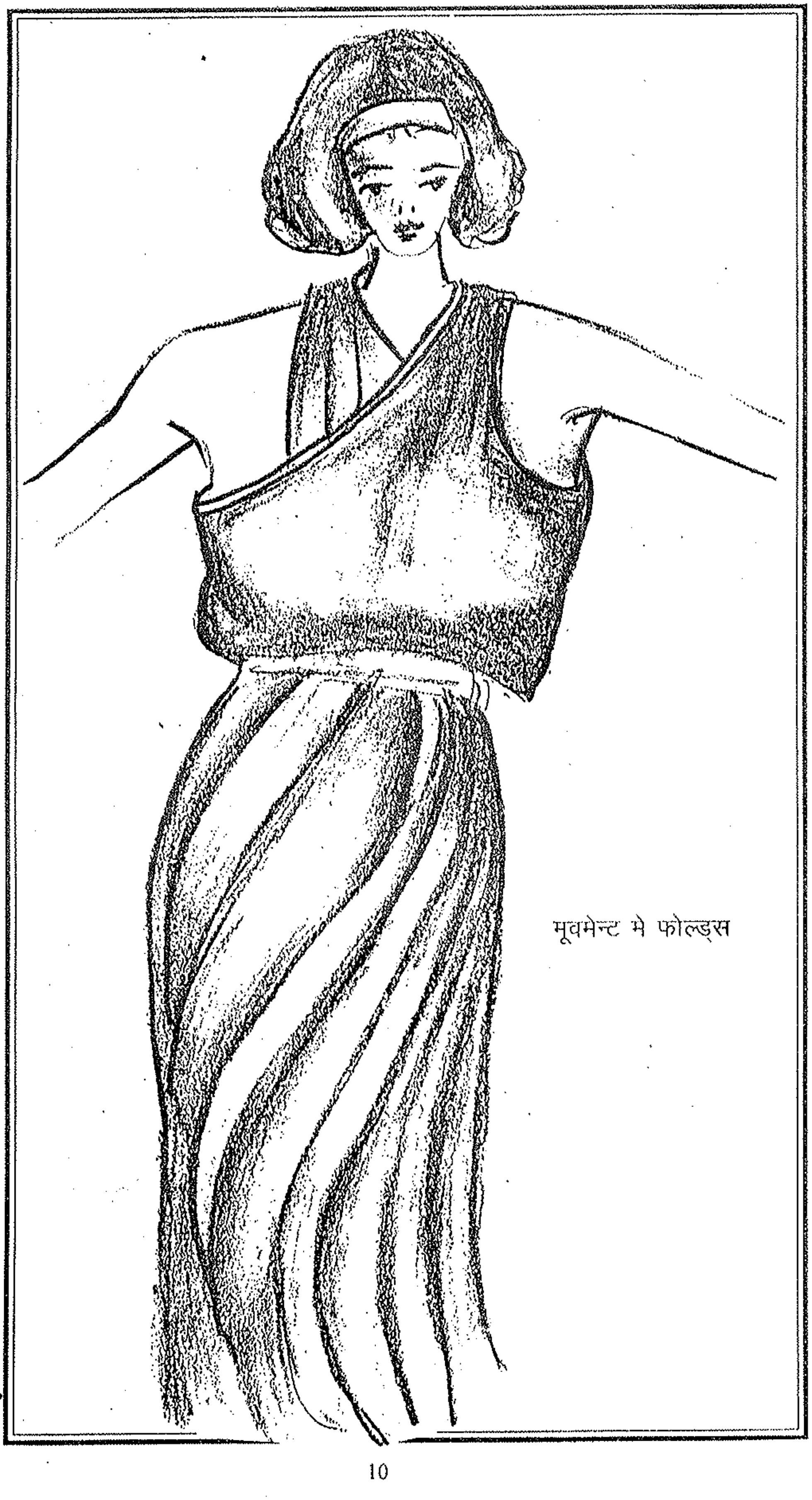

मूवमेन्ट मे फोल्ड्स

इस पृष्ठ मे फ्रिल तथा गैदर्स का रेखांकन दिखाया गया है।

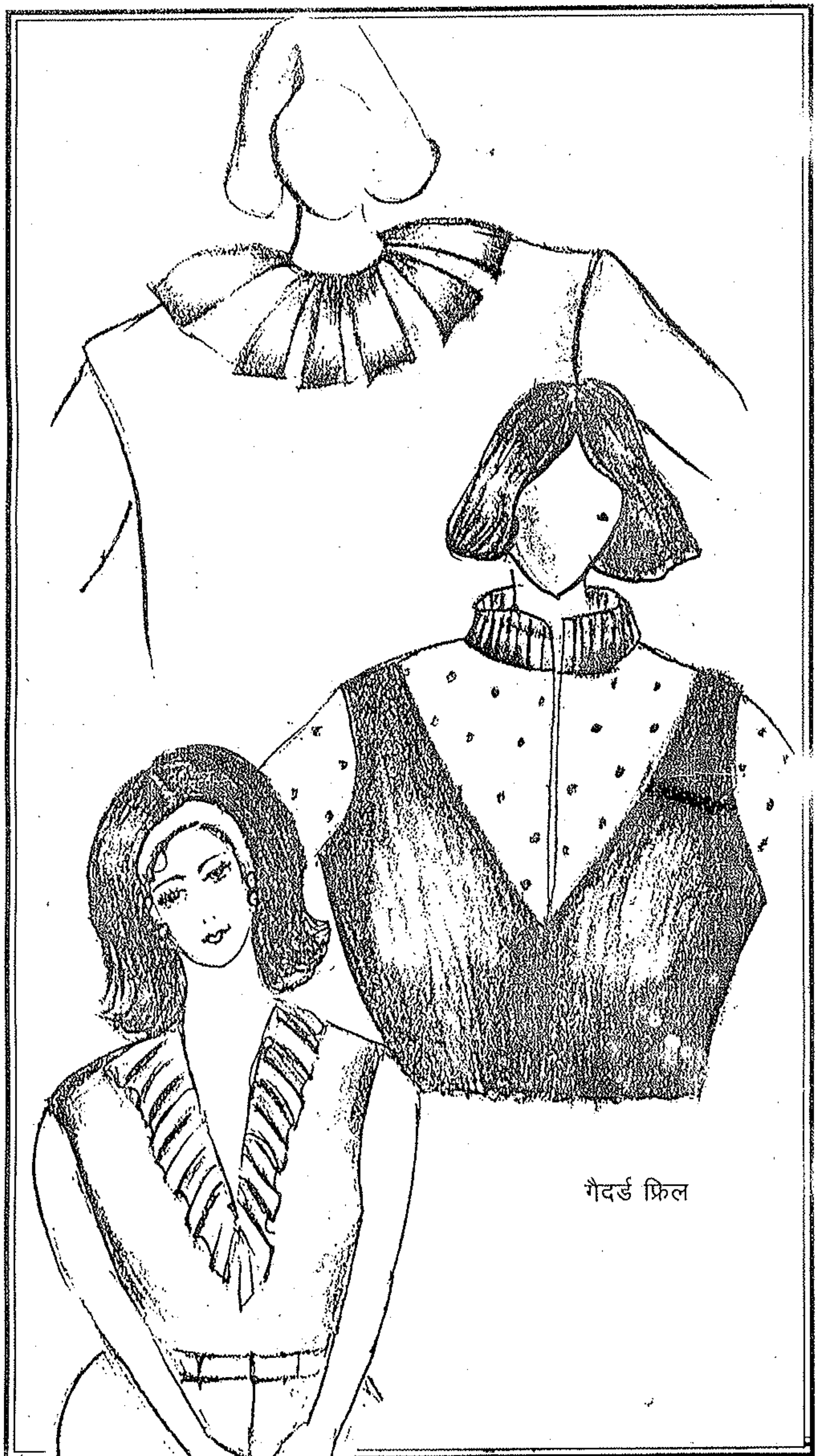

इस पृष्ठ में स्लीव्स में गैदर्स का रेखांकन करना दिखाया गया है।

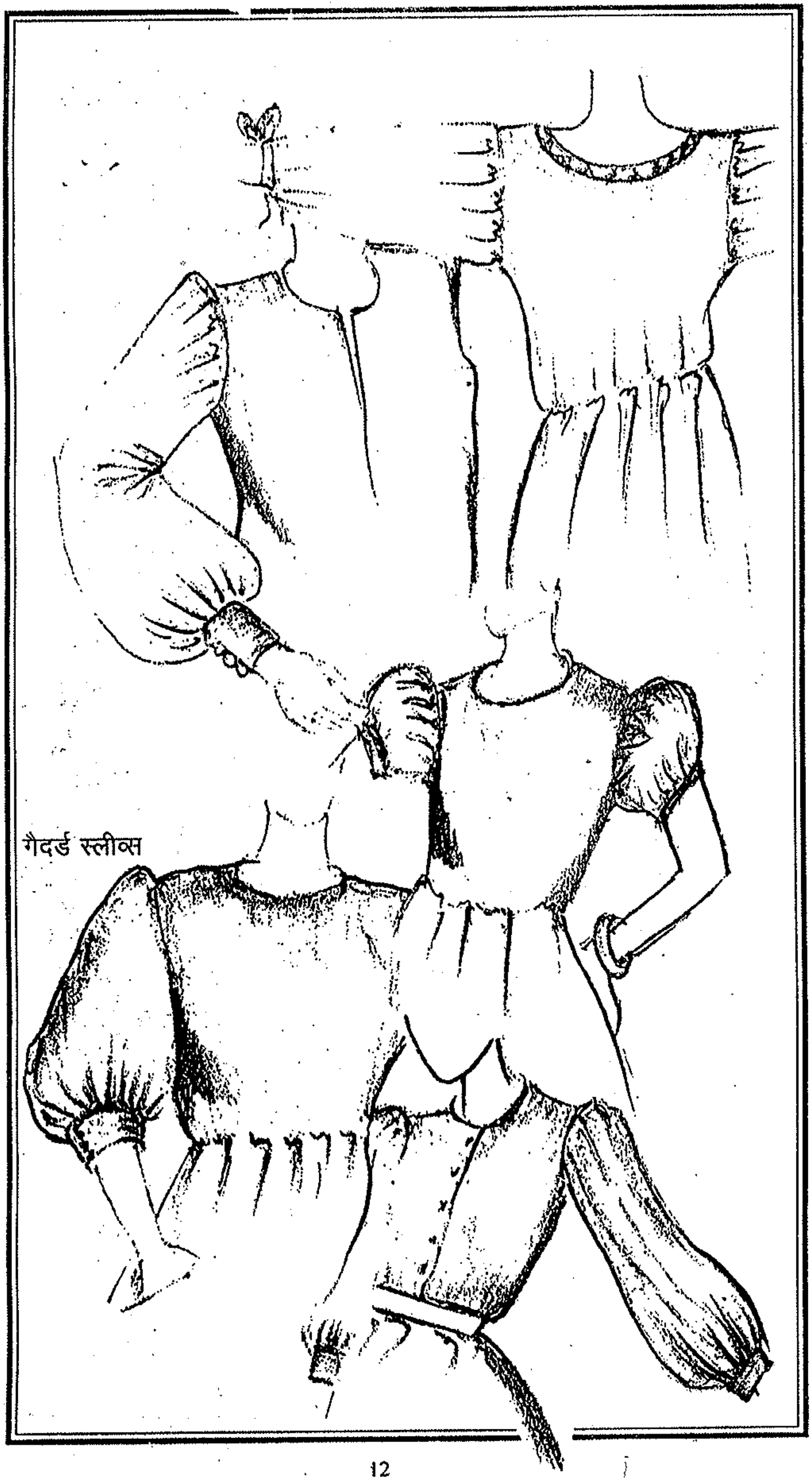

इस पृष्ठ में फ्लून्स्ड में गैदर्स का रेखांकन किस प्रकार किया जाता है, दिखाया गया है।

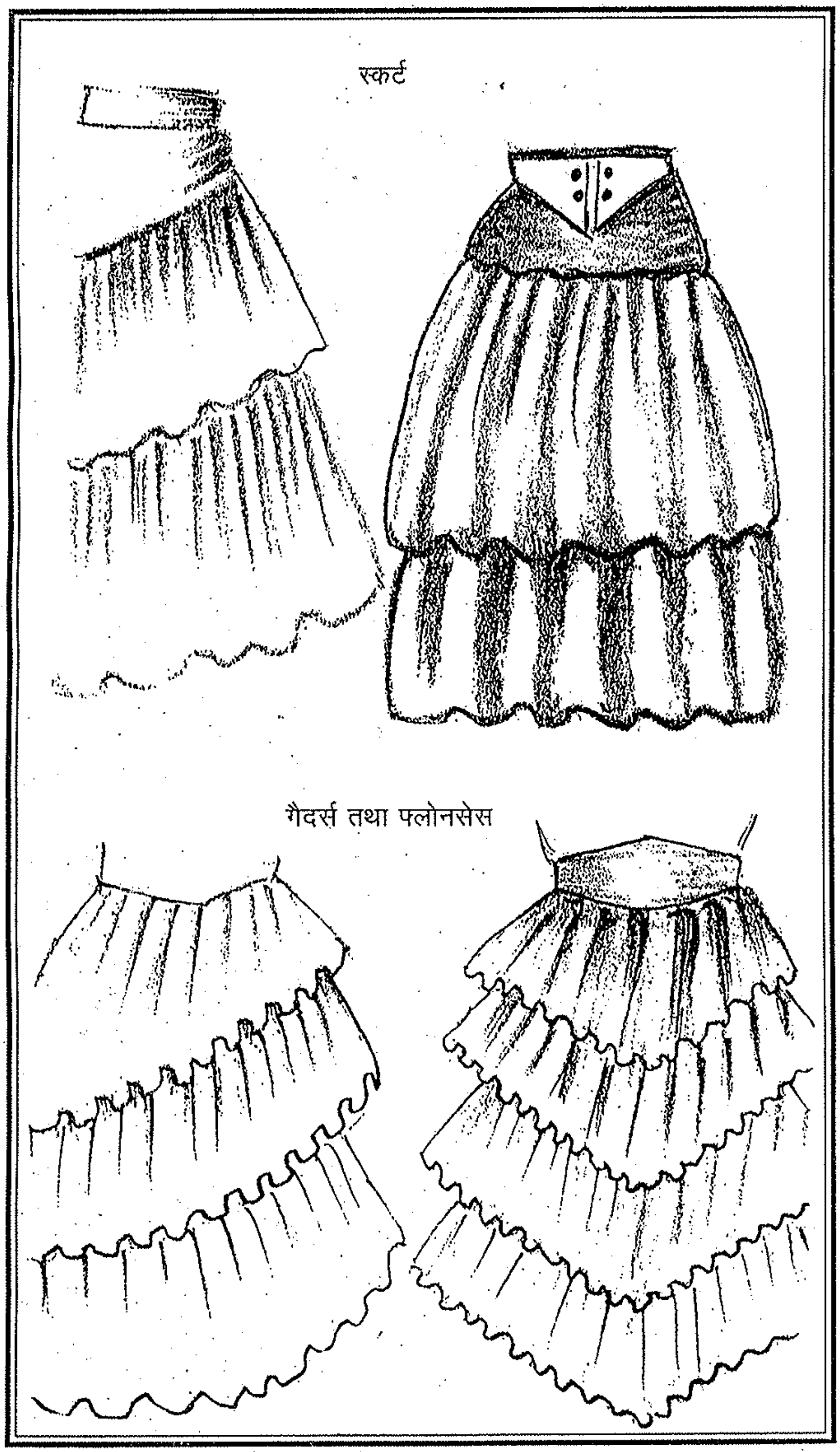

यह पृष्ठ कफ्स में प्लीट्स और गैदर्स का बेसिक ज्ञान आपको देता है।

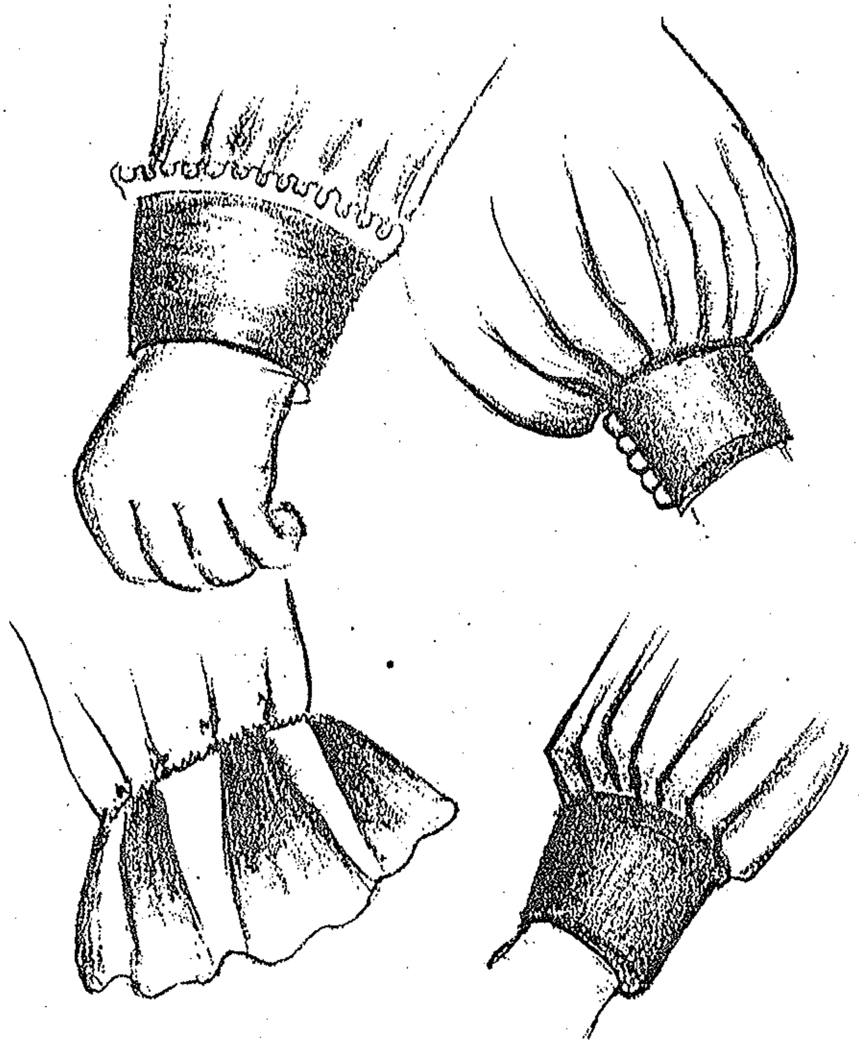

प्लीटेड और गैदर्ड कफ्स

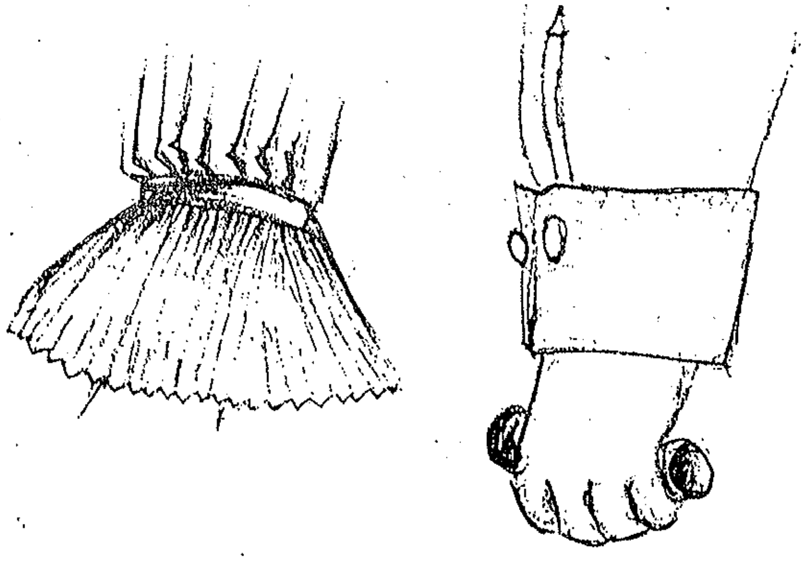

यह पृष्ठ वस्त्र के विभिन्न भाग में प्लीट्स का रेखांकन कैसे करते हैं का बेसिक ज्ञान आपको देता है।

इस पृष्ठ मे वस्त्र के अगले तथा पिछले भाग में गैदर्स का रेखांकन दिखाया गया है।

एक वस्त्र मे गैदर्स

इस पृष्ठ में गैदर्स, प्लेट्स तथा फ्लेयर में अन्तर दर्शाया गया हैं।

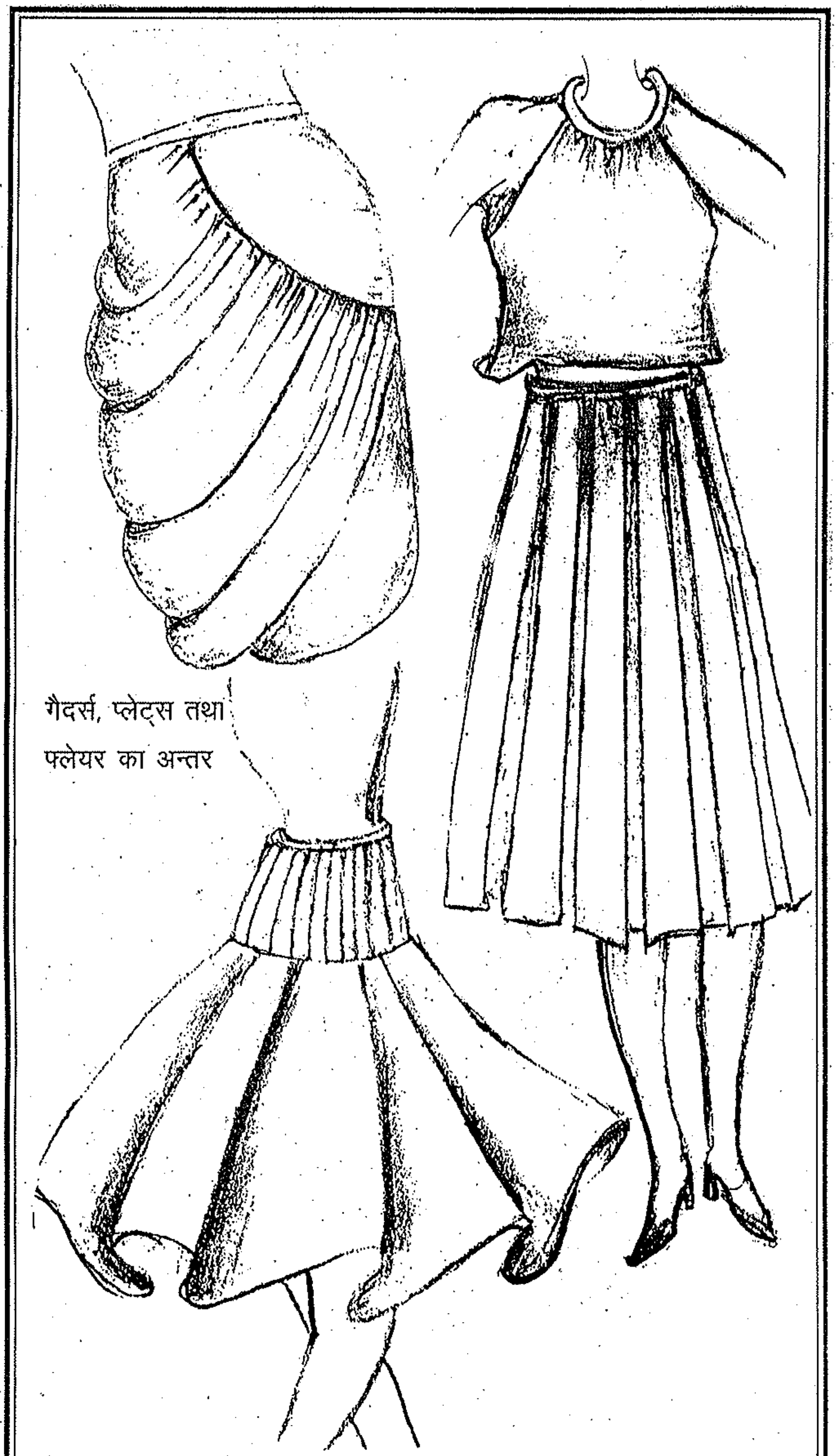

इस पृष्ठ में प्लीटेड तथा फ्लेर्ड कालर्स को दर्शाया गया है।

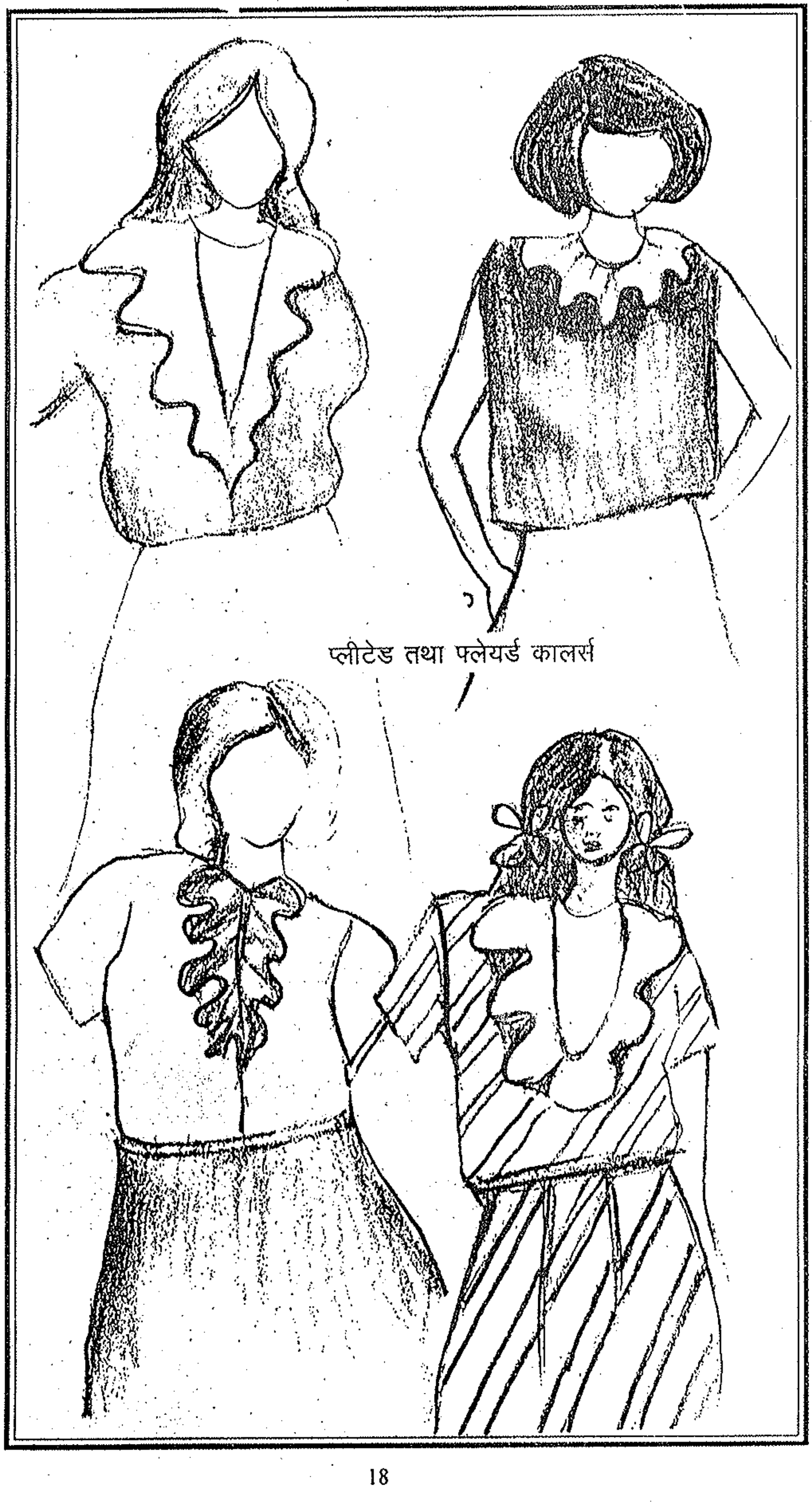

अभ्यास-

१- एक स्केचिंग पुस्तिका लेकर इस यूनिट में दिये गये सभी स्केचेस ड्रा करें।

१..४ सारांश:-

यह याद रखने की बात है कि जिस जगह फोल्ड होते हैं वह जगह गहरे रंग की होती है और बाकी जगह हल्के रंग की होती है।

१.५ स्वार्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न–१ दो प्लीटेड़ स्कर्ट ड्रा करें।

प्रश्न–२ दो गैदर्ड स्कर्ट ड्रा करें।

प्रश्न–३ दो फ्राक फ्रिल के साथ ड्रा करें।

प्रश्न–४ दो ट्राउजर्स प्लीट्स के साथ ड्रा करें।

प्रश्न–५ प्लीट्स एवं गैदर्स के साथ एक ड्रेस ड्रा करें।

स्वाध्ययन हेतु-

१– एन्साइक्लोपीडिया आफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन् आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२– कस्ट्यूम ड्राइंग, द्वारा आर० डोटेन एवं कॉन्सटैन्स वोलार्ड, प्रकाशन पिटमैन कार्पोरेशन।

यूनिट-२

संरचना

२.१ यूनिट प्रस्तावना

२.२ उद्‌देश्य

२.३ कालर्स एवं कफ्स आदि का रेखांकन

२.४ सारॉश

२.५ स्वार्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

२.६ स्वाध्ययन हेतु

२.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

इस यूनिट मे आपके लिए कालर्स, कफ्स, बेल्ट्स, नेकलाइन आदि पर कुछ और इलस्ट्रेशन दिए गये हैं।

२.२ उद्‌देश्यः-

यदि आप वस्त्रों के विभिन्न हिस्सों के स्केच करना सीख लेंगे तो आप स्वयं ही पूरे वस्त्र का स्केच असानी से बना सकेगें।

२.३ कालर्स एवं कफ्स आदि का रेखांकनः-

नीचे के पृष्ठो में नेकलाइन, कालर्स, कफ्स, बेल्ट आदि के इलस्ट्रेशन दिये गये हैं। इनको ध्यानपूर्वक देखते हुए कि अलग–अलग भाग किस प्रकार स्केच किये जाते हैं इनके डिंजाइनिंग पर भी विशेष ध्यान दें।

प्रारम्भ में पेंसिल से ड्राइंग व शेडिंग करनी चाहिए। जब आप स्केचिंग करने में परफेक्ट हो जायें तब सीधे पेन से स्केचिंग करना शुरू करें। इससे आपके अन्दर आत्म विश्वास बढ़ेगा।

दिये गये स्केचेस जब आप बनायेगें तो पिछले सेमेस्टर में सीखे गये स्केचिंग तथा शेडिंग के सभी पक्ष लागू होगें।

नीचे दिये गये स्केचेस में विभिन्न प्रकार की नेकलाइन दिखाई गई हैं।

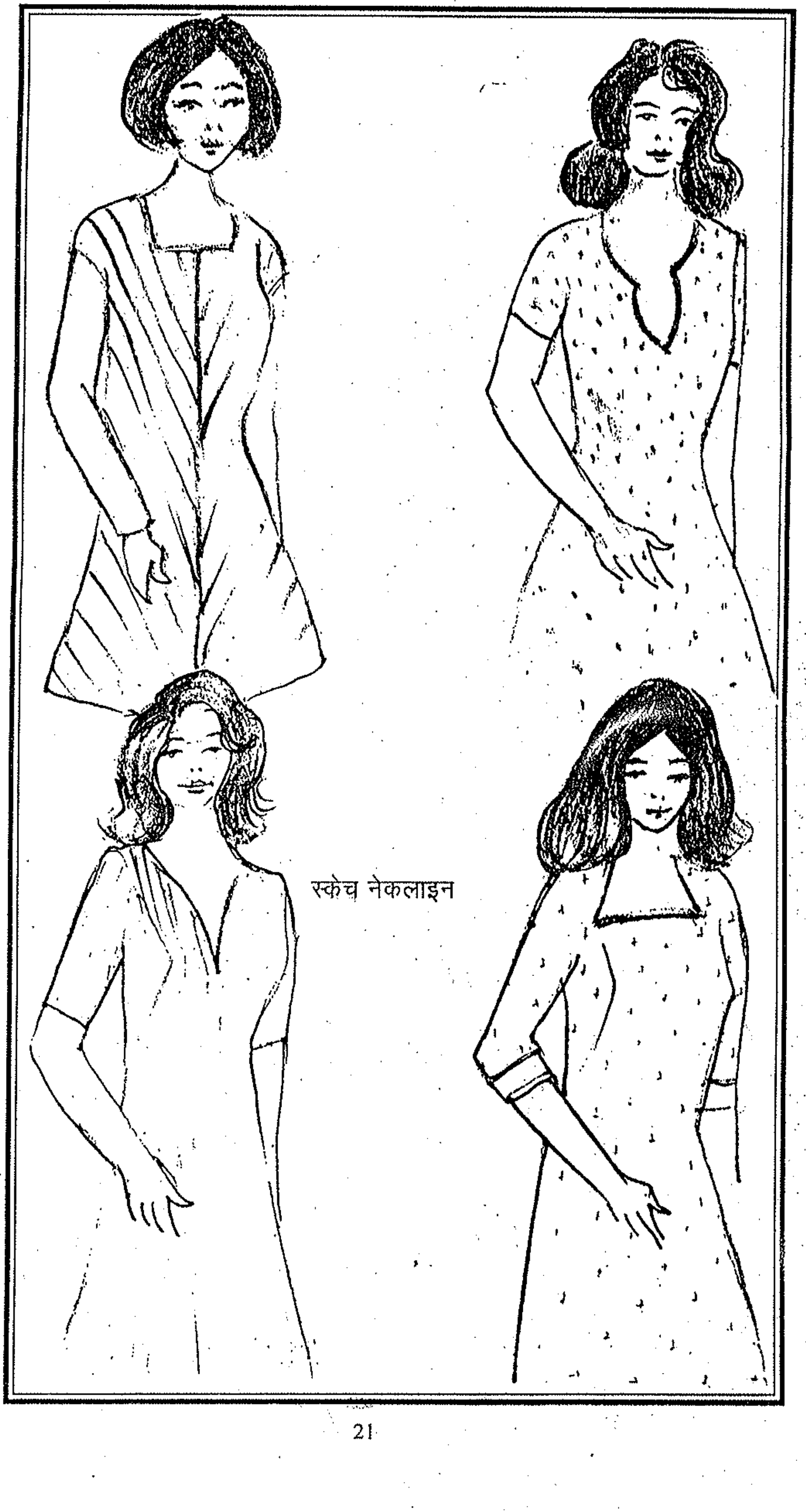

दिये गये इलस्ट्रेशन मे विभिन्न प्रकार के कॉलर दिखाये गये हैं।

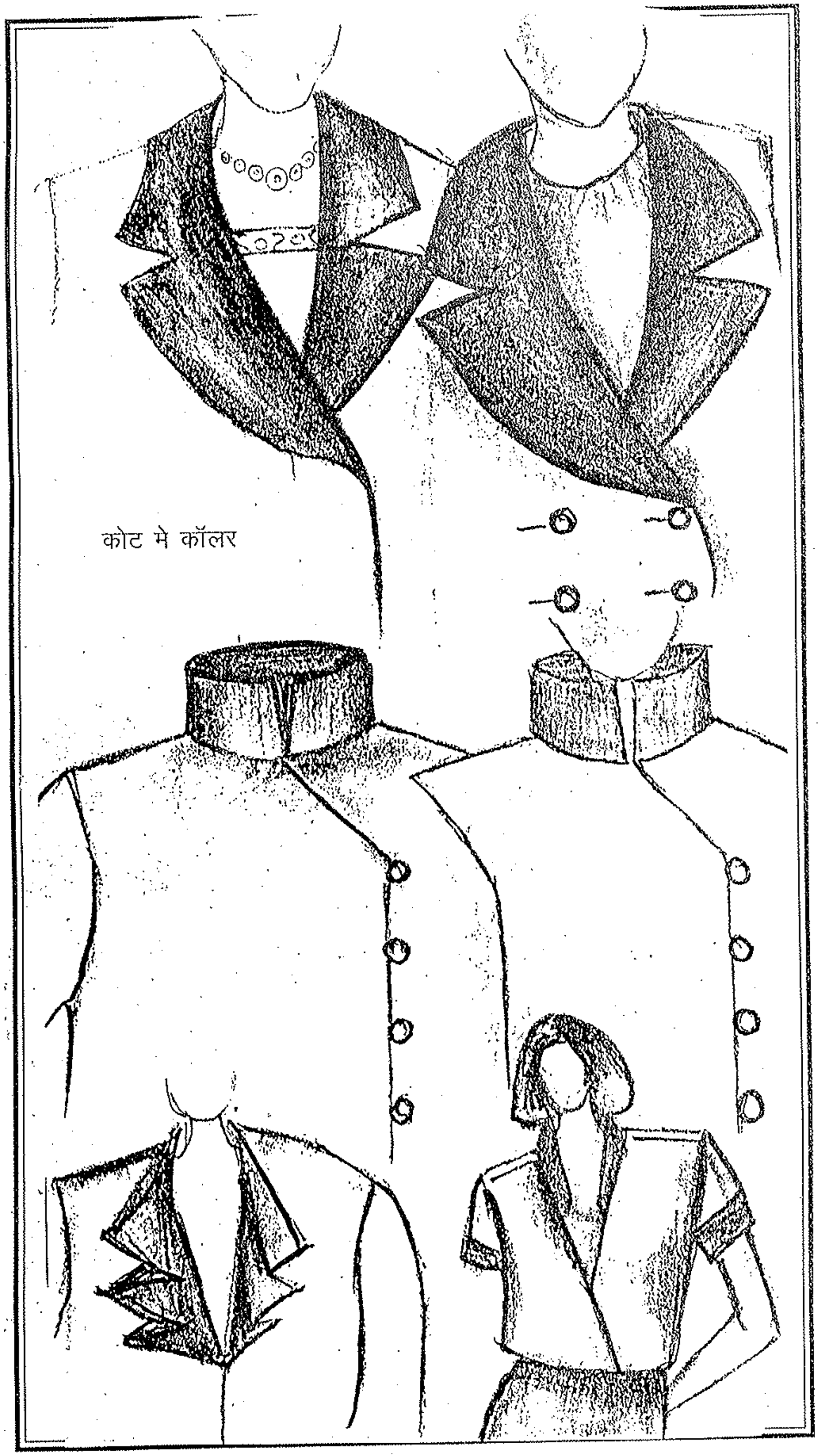

नीचे दिये गये स्केचेस में विभिन्न प्रकार की बेल्ट्स दिखाई गई हैं।

बेल्ट्स

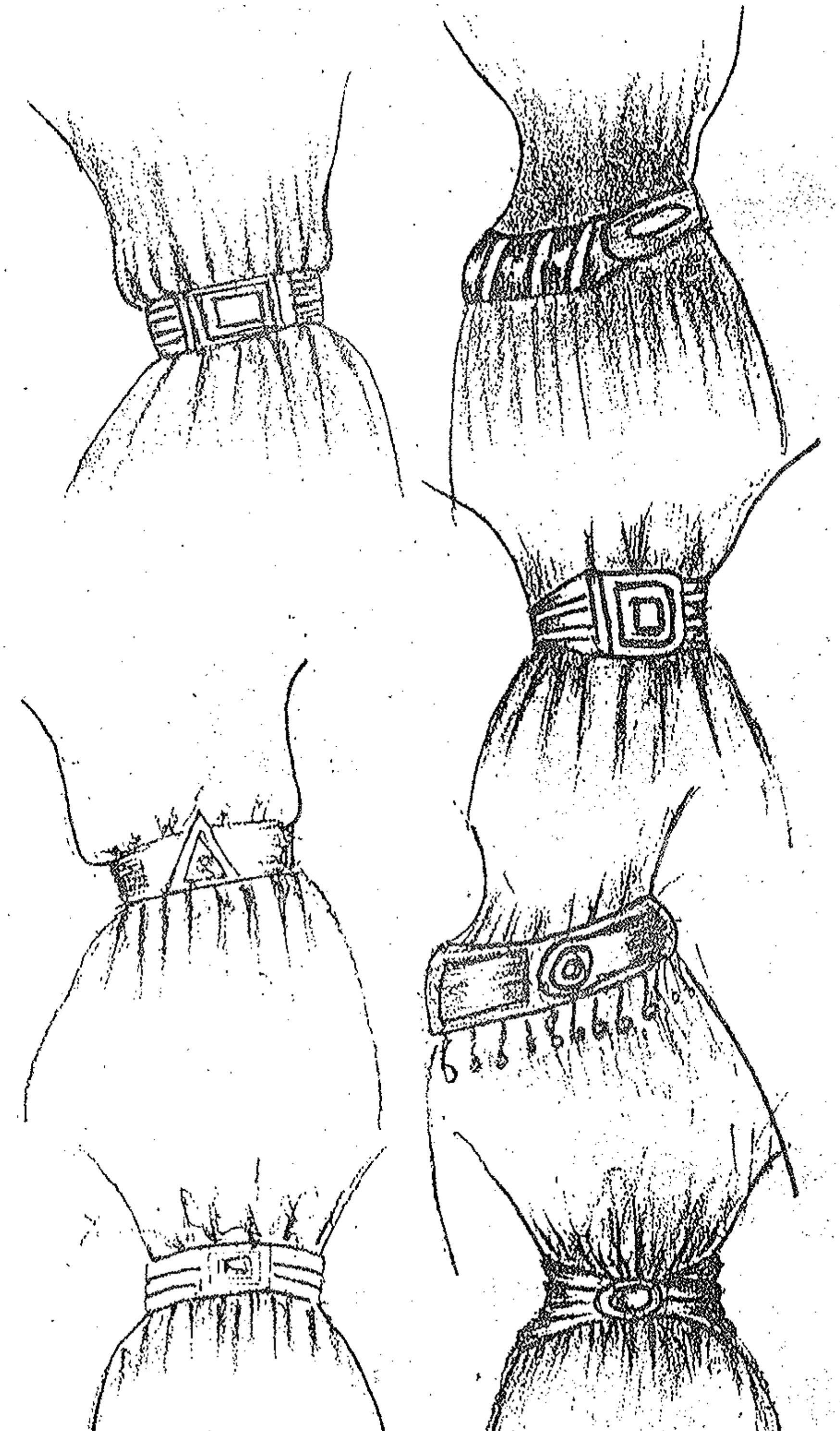

दिये गये स्केचेस में विभिन्न प्रकार की लेसेज दिखाई गई हैं।

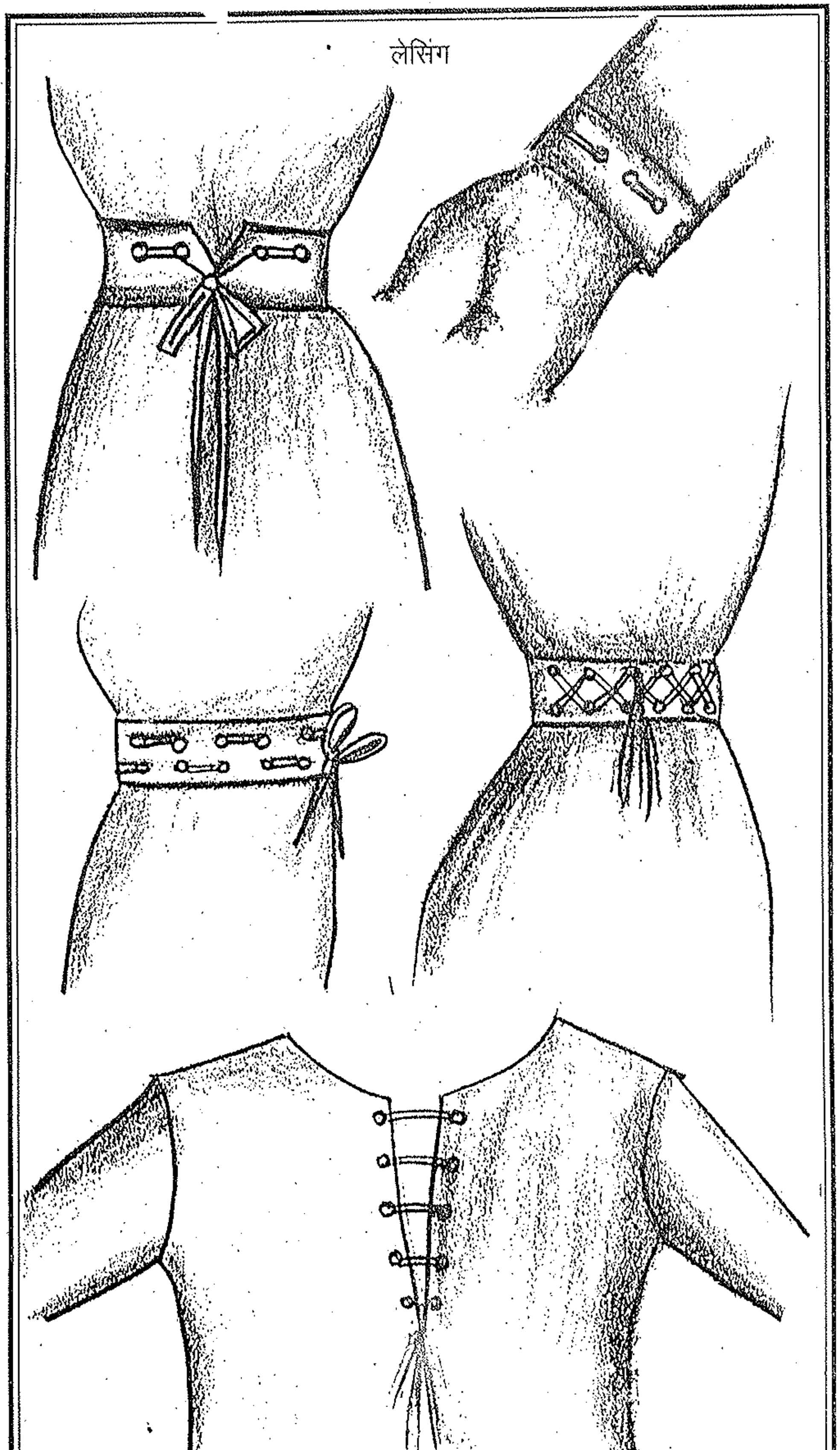

नीचे विभिन्न प्रकार की बोज दिखाई गई है।

सजावटी बोज

दिये गये स्केचेज में विभिन्न प्रकार की पॉकेट दिखाई गई है।

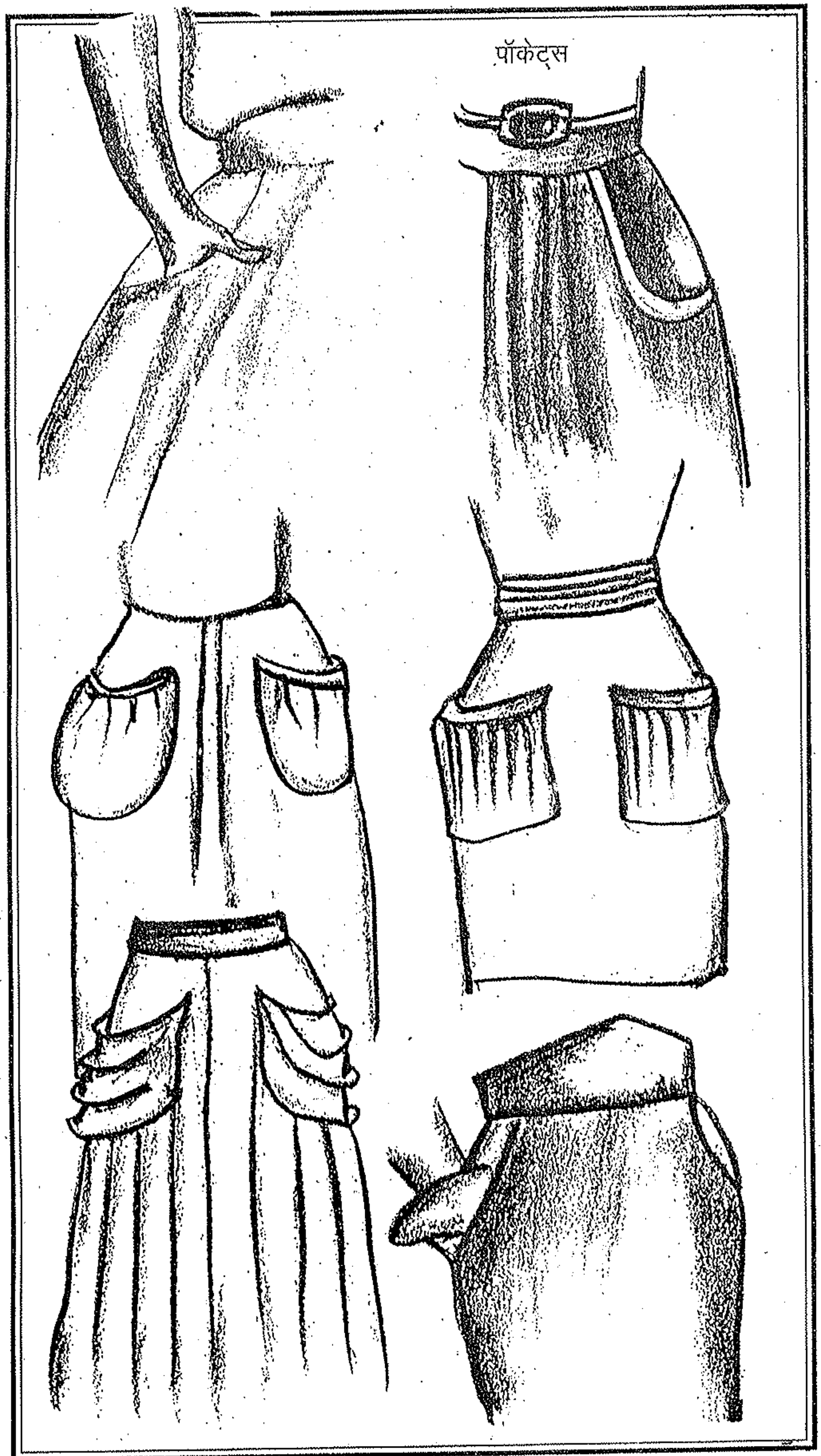

दिये गये स्केचेस में स्लिट्स दिखाई गई है।

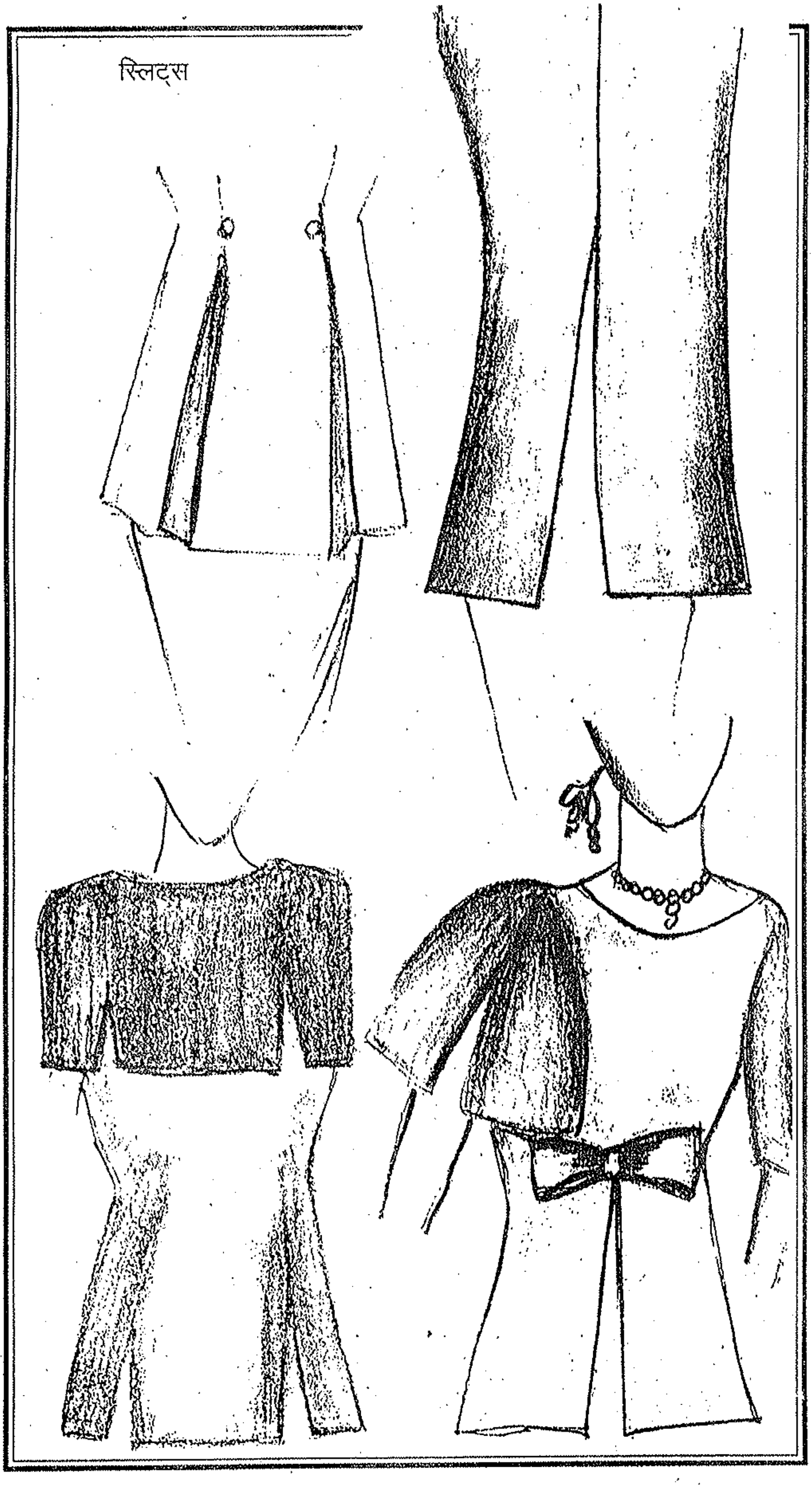

दिये गये स्केचेस में विभिन्न प्रकार की फास्टेनिंग (दो छोरो को बाँधने वाली) दिखाई गई है।

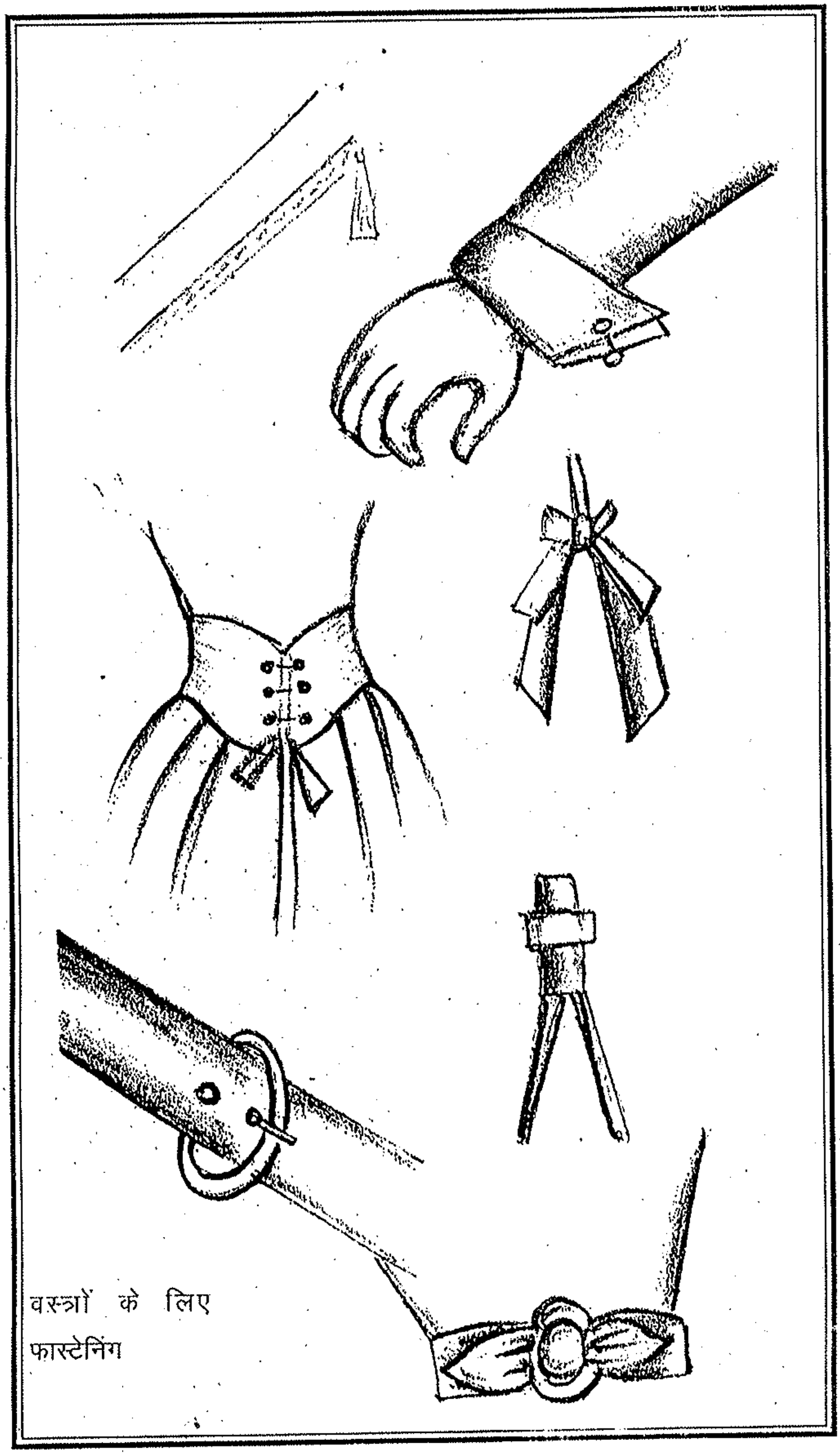

वस्त्रों के लिए फास्टेनिंग

दिये गये स्केचेस में विभिन्न प्रकार की डोरी बाँधने के लिए दिखाई गई है।

डोरी बाँधने की

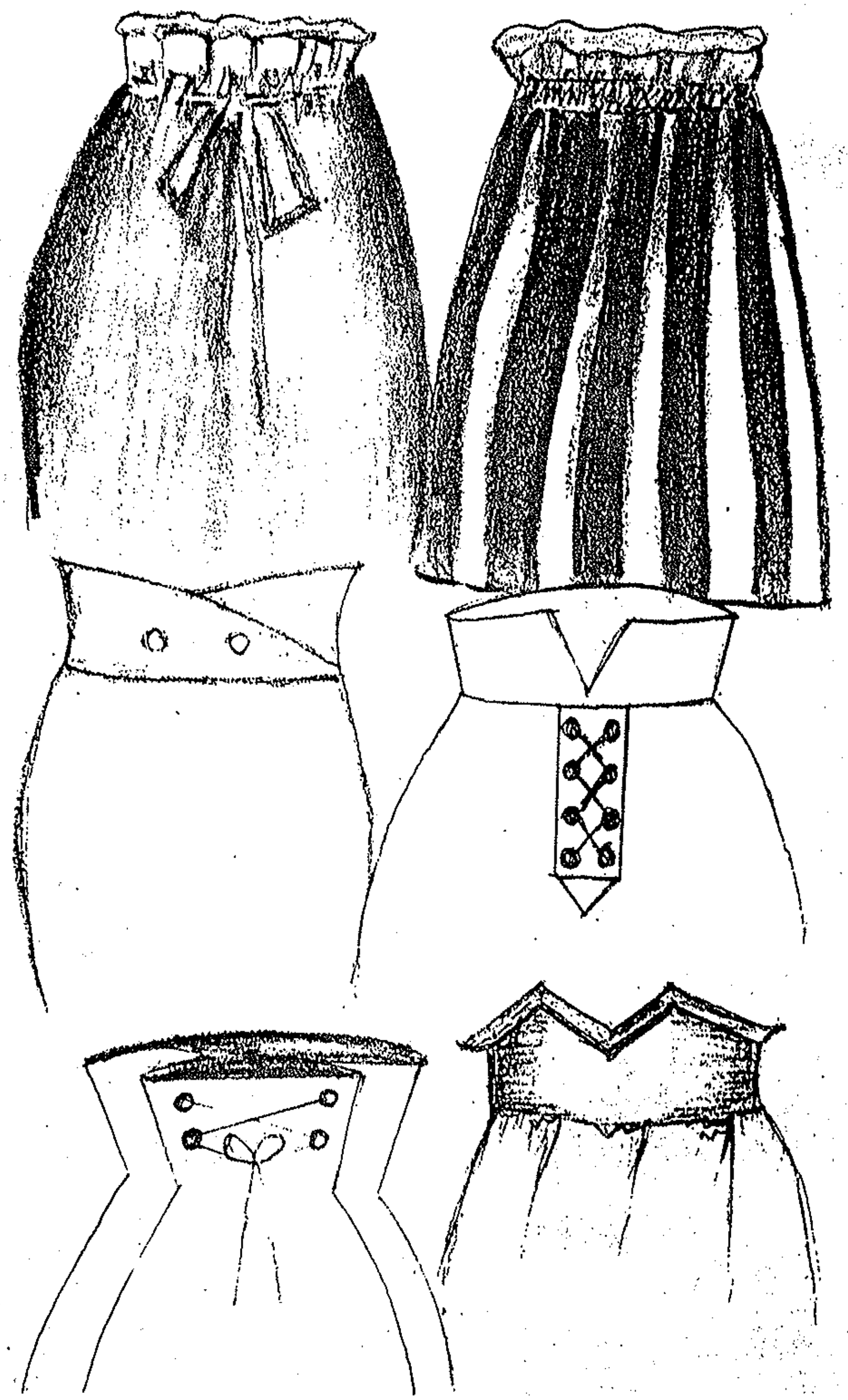

दिये गये स्केचेस में विभिन्न प्रकार की नेकटाई बोज दिखाई गई है।

बोज नेकटाई

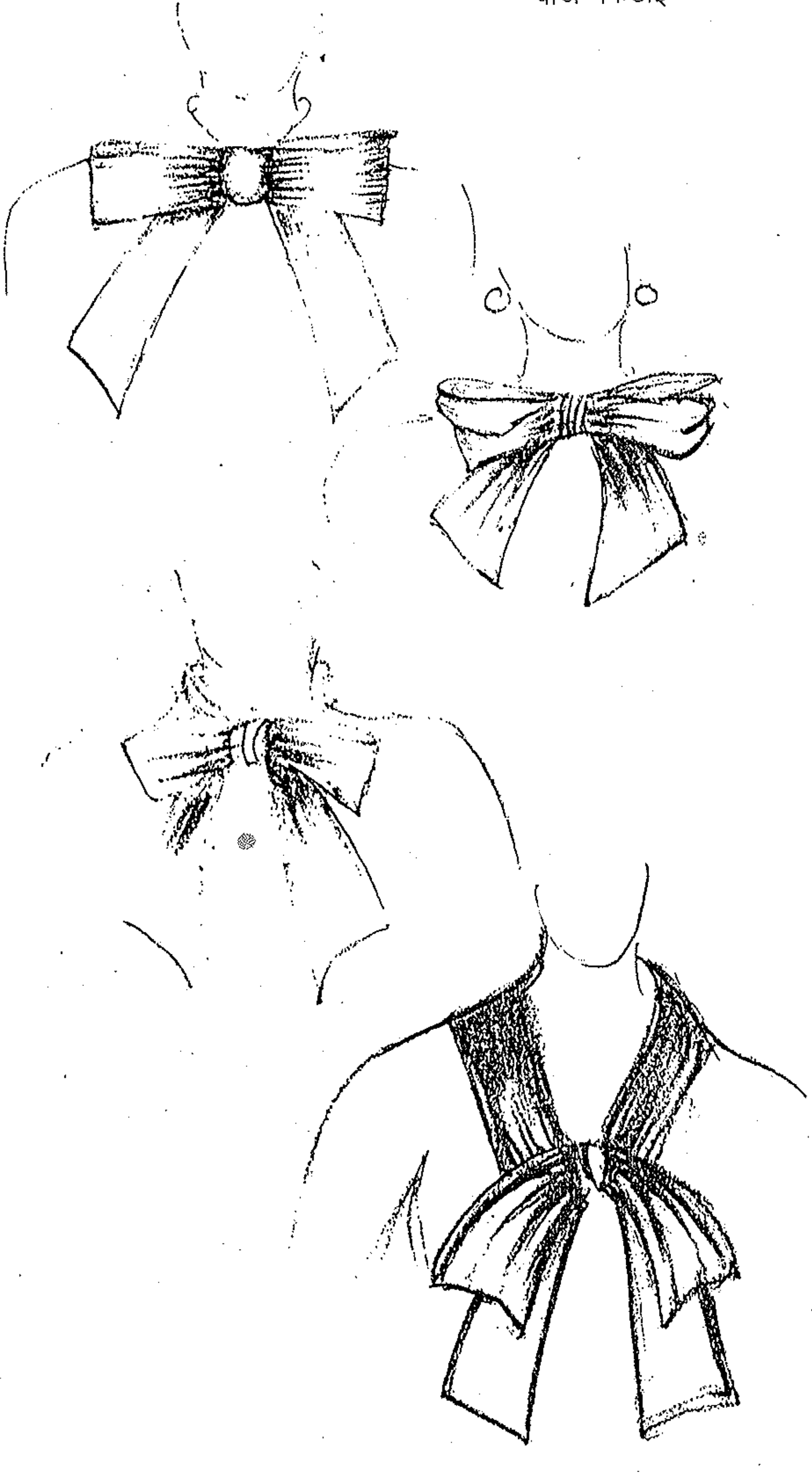

दिये गये वस्त्र के स्केचिंग.में खीची गई डोरियाँ, प्लेट्स एवं गैदर्स दिखाए गये हैं।

drawstrings

दिये गये स्केचेस में, वस्त्रों में अलग–अलग तरह के फोल्ड्स दर्शाये गये हैं।

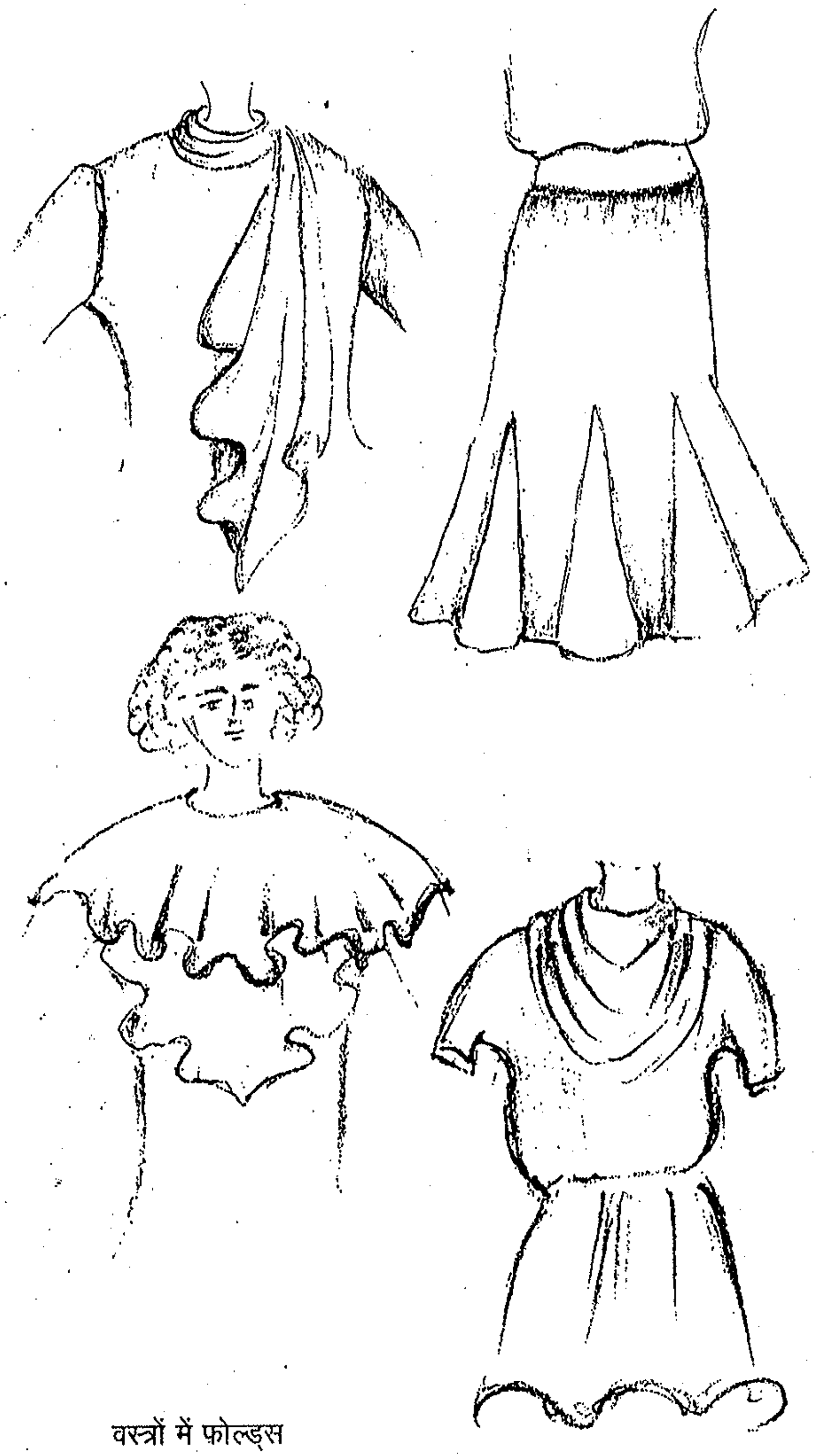

वस्त्रों में फोल्ड्स

दिये गये स्केचेस में विभिन्न प्रकार के काउल्स प्रभाव दिखाये गये हैं।

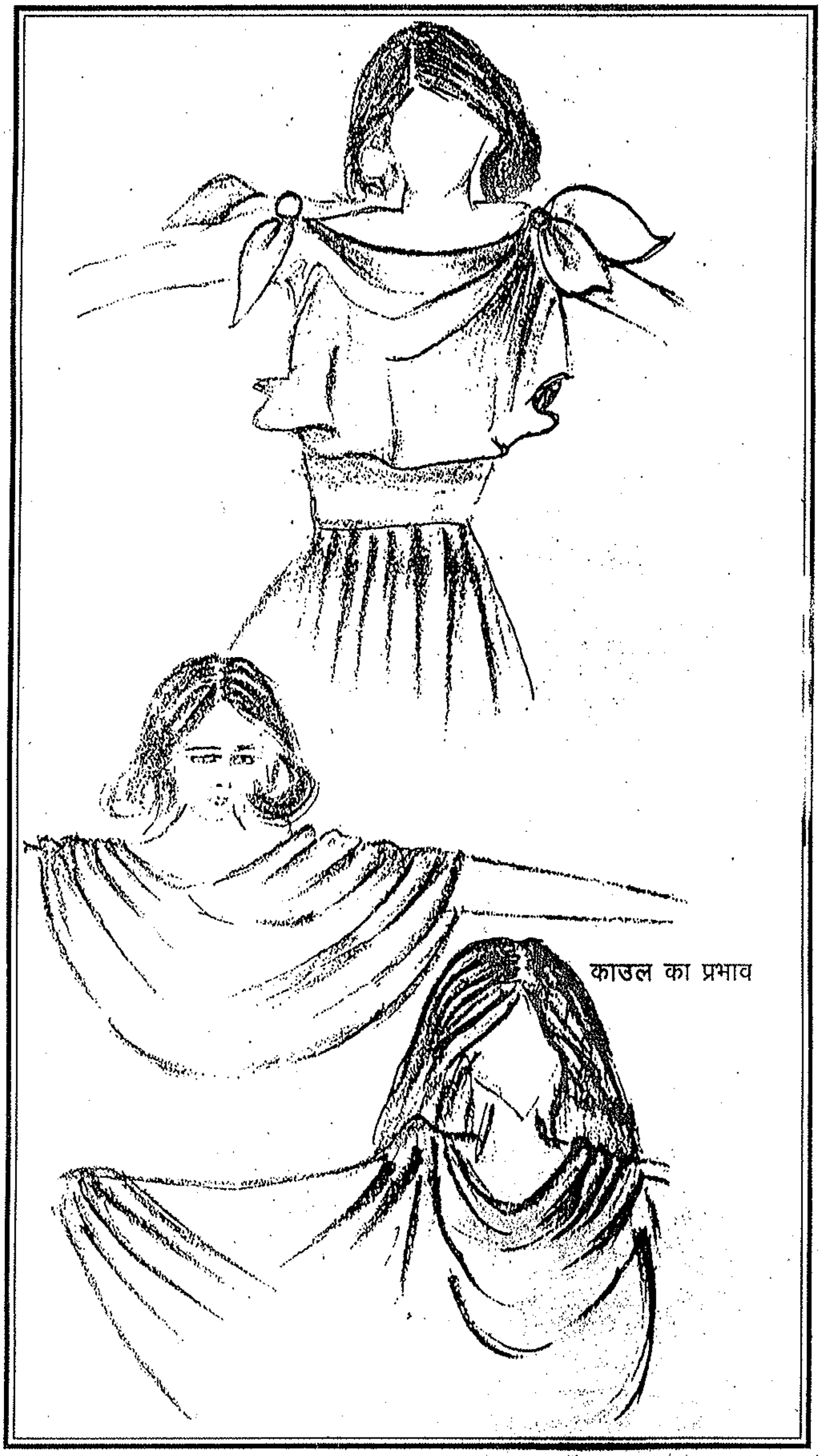

दिये गये स्केच में जैकेट में रोल ऑन कालर दिखाया गया है।

दिये गये स्केच में अधिक फेर (फ्लोन्स) दिखाया गया है।

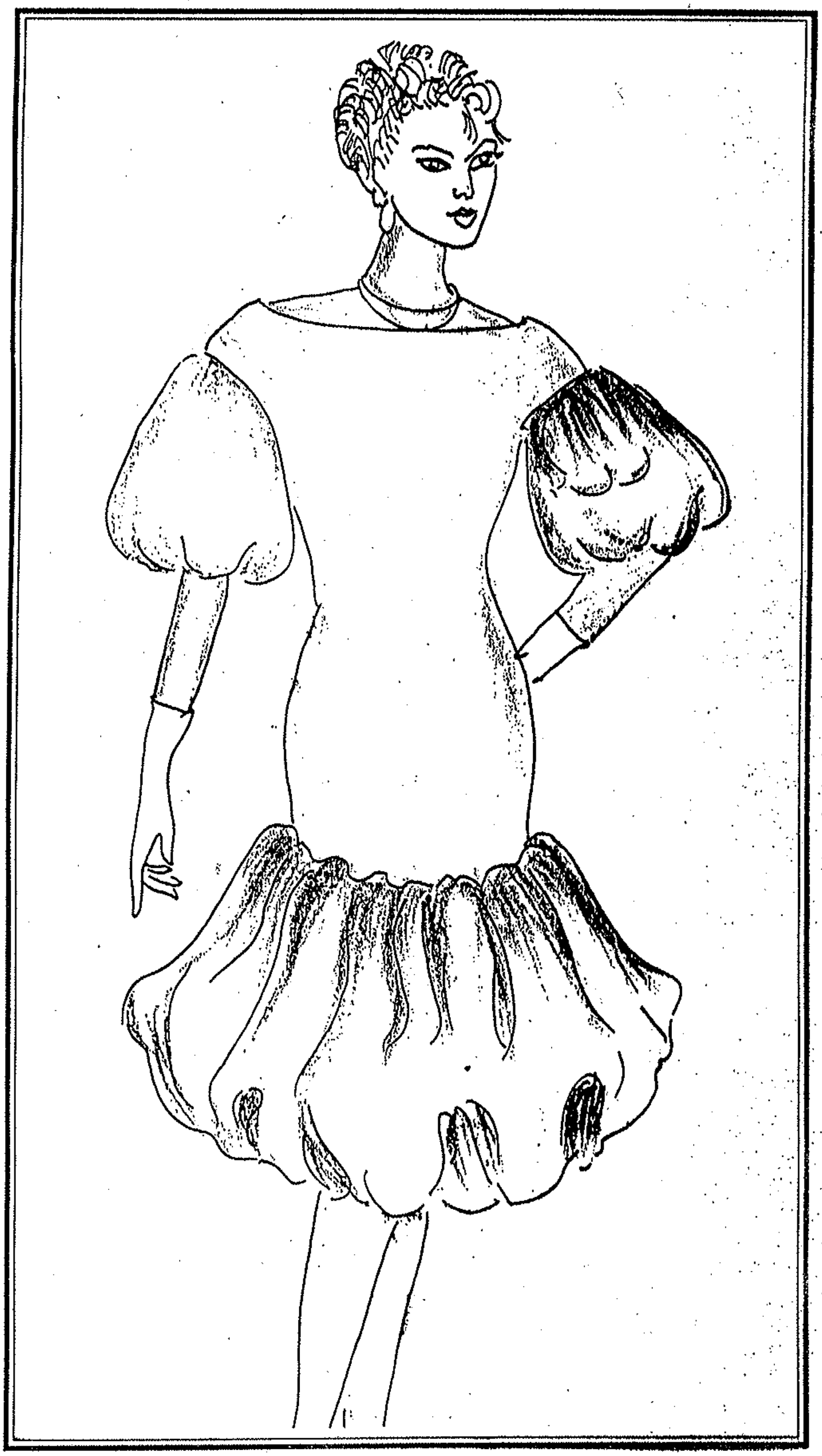

दिया गया इलस्ट्रेशन एक स्कार्फ पहने ड्रेस को दर्शाता है

अभ्यास-

१– आपको सलाह दी जाती है कि आप इस यूनिट में दिये गये सभी स्केचेस अपनी स्केचिंग पुस्तिका में ड्रॉ करें।

२.४ सारांशः-

ध्यान देने की बात है कि वह भाग जो पीछे की ओर है शेष बचे भाग की अपेक्षा गहरा शेड रहेगा।

२.५ स्वार्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न–१ दो काउल स्कर्ट्स ड्रा करें।

प्रश्न–२ दो तरह की नेकलाइन ड्रॉ करें।

प्रश्न–३ कॉलर के साथ दो फ्रॉक ड्रा करें।

प्रश्न–४ दो बेल्ट्स ड्रा करें।

प्रश्न–५ एक ड्रेस ऐलोवरेट (बड़े) कॉलर के साथ ड्रा करें।

२.६ स्वाध्ययन हेतु-

१– एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२– कस्ट्यूम ड्राइंग, द्वारा हैजल आर० डोटेन एण्ड कन्स्टेन्स बोलार्ड, प्रकाशन पिटमैन कार्पोरेशन।

यूनिट-३

संरचना

३.१ यूनिट प्रस्तावना

३.२ उद्देश्य

३.३ प्लेट्स एवं गैदर्स आदि को रंगने का तरीका

३.४ सारॉश

३.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

३.६ स्वाध्ययन हेतु

३.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

इस यूनिट में वस्त्रों के विभिन्न भागो को कैसे रंगा जाता है, दिखाया गया है।

३.२ उद्देश्यः-

किसी भी वस्त्रों के विभिन्न भागों को रंग भरने से वह उभर कर आता है और मस्तिष्क पर प्रभाव डालता है।

३.३ प्लेट्स एवं गैदर्स आदि को रंगने का तरीकाः-

पिछले सेमेस्टर में आपने रंगों के बारे में पढ़ा। आप रंगो की कलर थ्योरी एवं रंगो के मनोविज्ञान को सीख चुके हैं। आप रंगो को लगाना एवं भरना भी सीख चुके हैं। अब आप उन सभी तत्वों को जो आप सीख चुके हैं उन्हें कपड़ों के डिजाइनिंग एवं रंगने में प्रयोग करें।

आप अपनी पसन्द के माध्यम को चुन सकते हैं। आप शुष्क रंग या जलीय रंग का प्रयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं। आपको यह सलाह दी जाती है कि आप उसी रंग का प्रयोग करें जो आपको सहज एवं विश्वसनीय लगे। शायद शुरू में रंग करना बहुत बोरिंग एवं कठिन लगे। लेकिन कुछ काम करने के बाद झिझक दूर हो जायेगी और ऑप आराम से कपड़ों की कलरिंग और स्केच करने लगेगें।

दिया गया इलस्ट्रेशन विभिन्न प्रकार की नेकलाइनों को दर्शाता है।

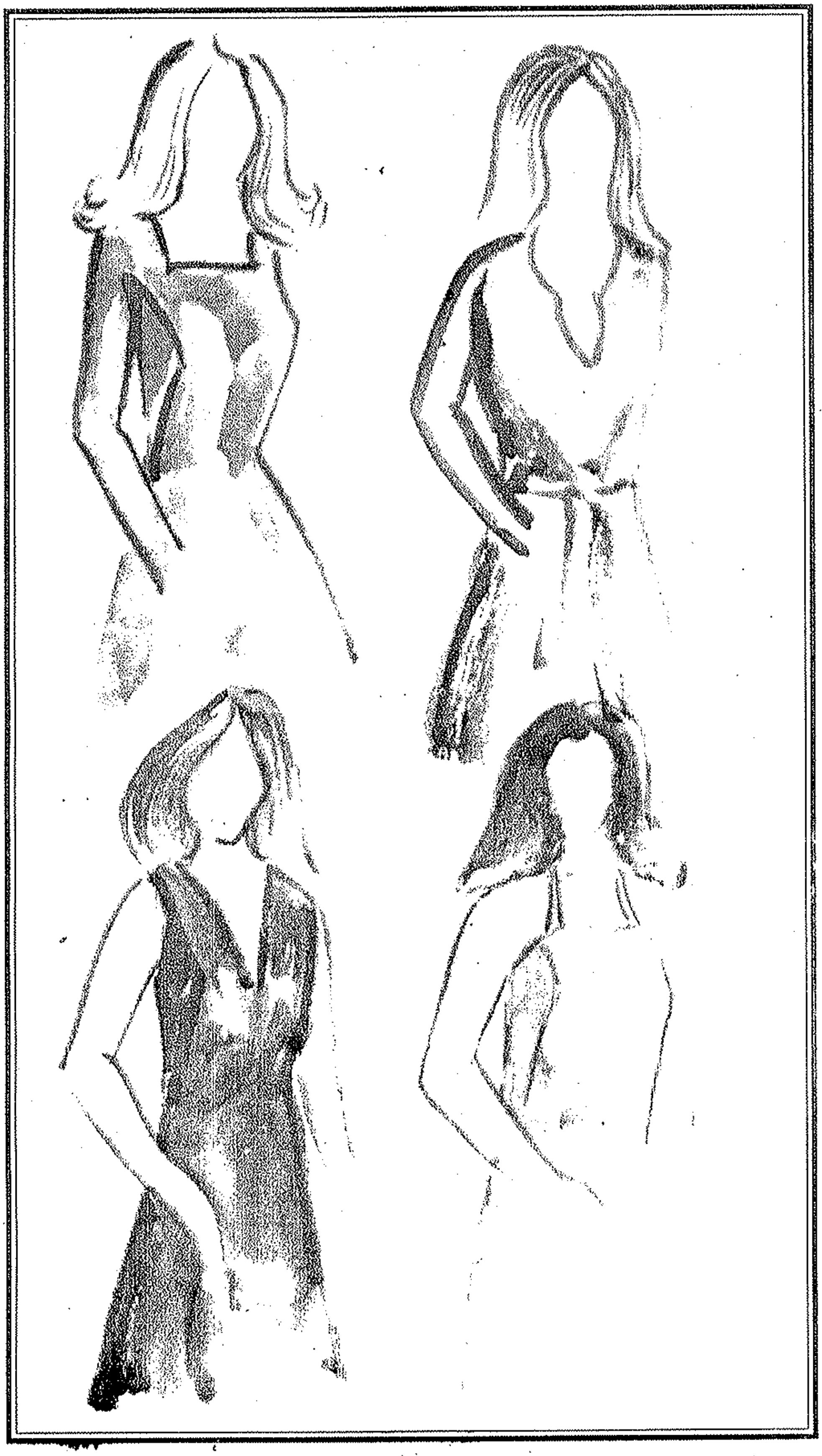

दिये गये स्केच में विभिन्न प्रकार के कॉलर दिखाये गये हैं।

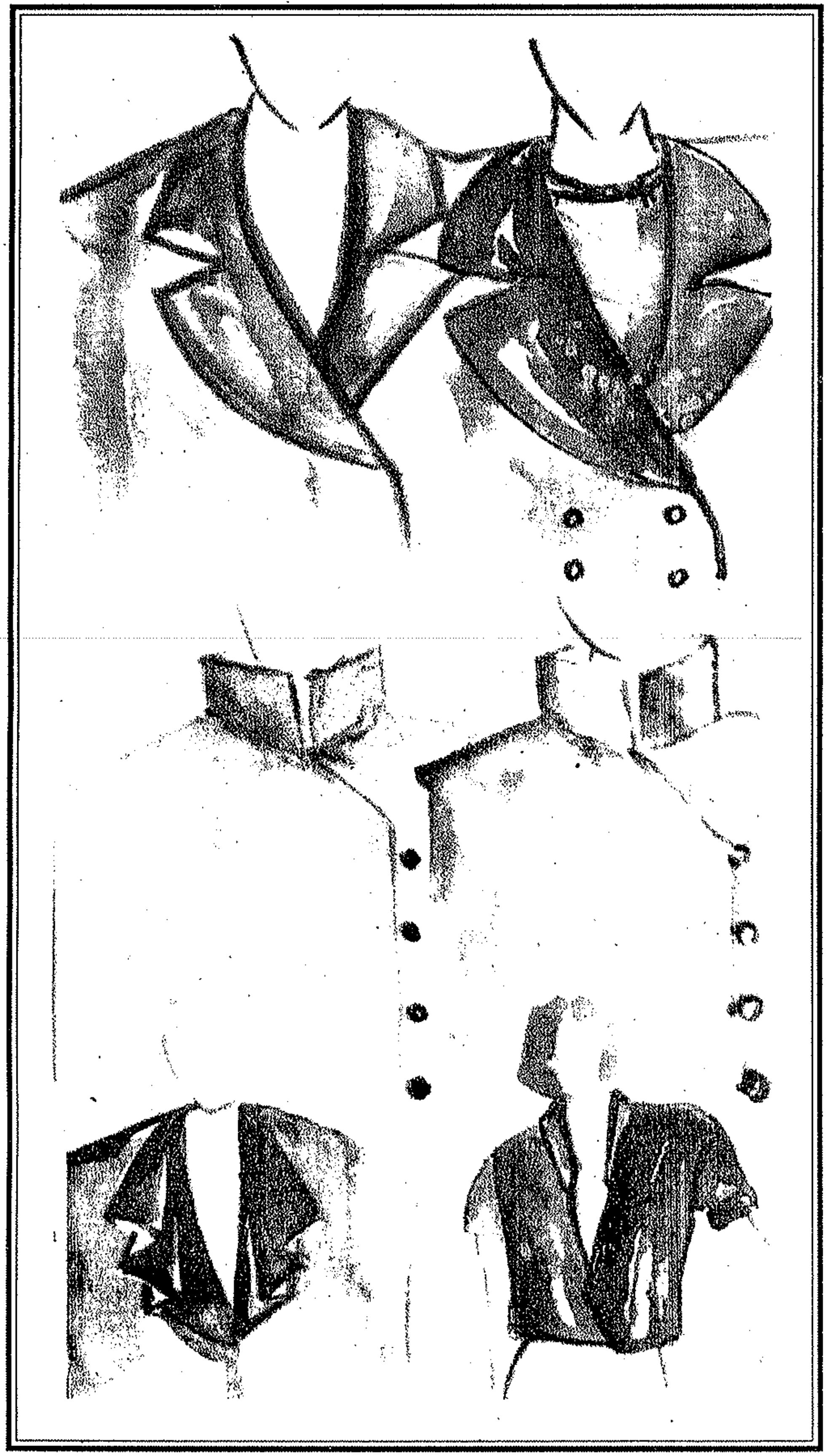

दिये गये स्केच में विभिन्न प्रकार के बेल्ट्स दिखाई गई है।

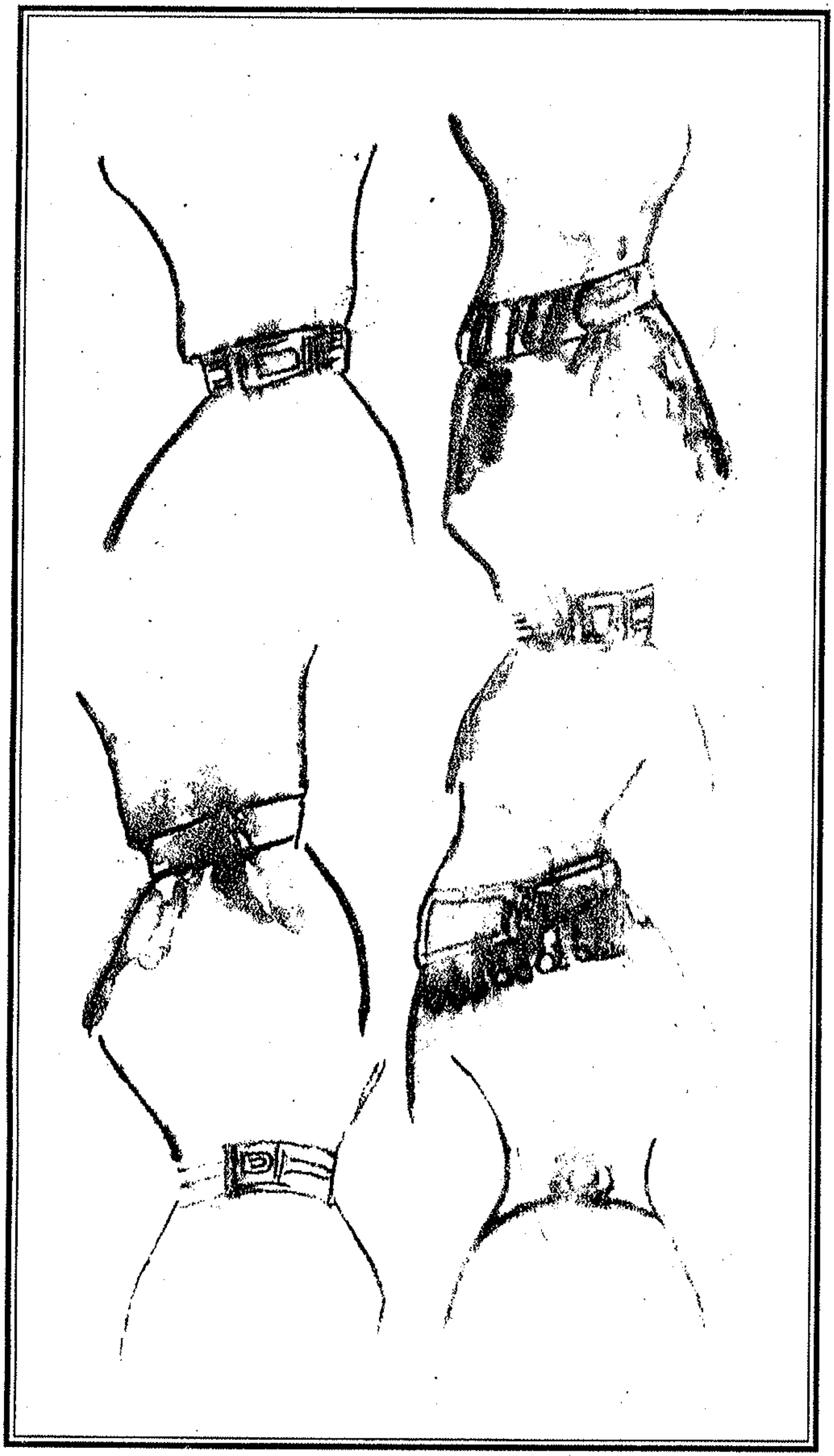

इस स्केच में अलग–अलग तरह की लेसिंग दिखाई गई है।

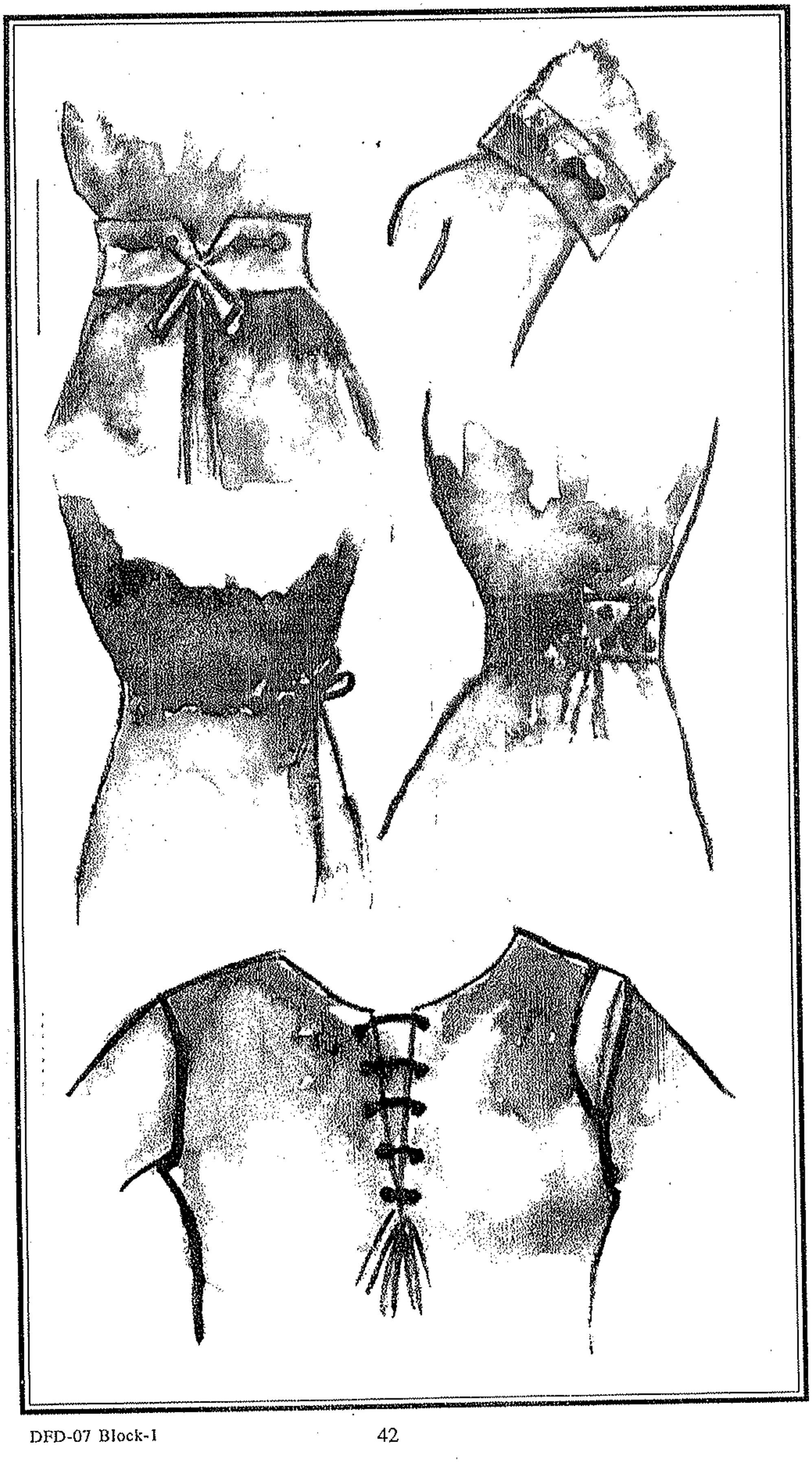

दिये गये स्केच में विभिन्न प्रकार के बोज दिखाई गई है।

दिये गये स्केच में विभिन्न प्रकार की पॉकेट्स दिखाई गई है।

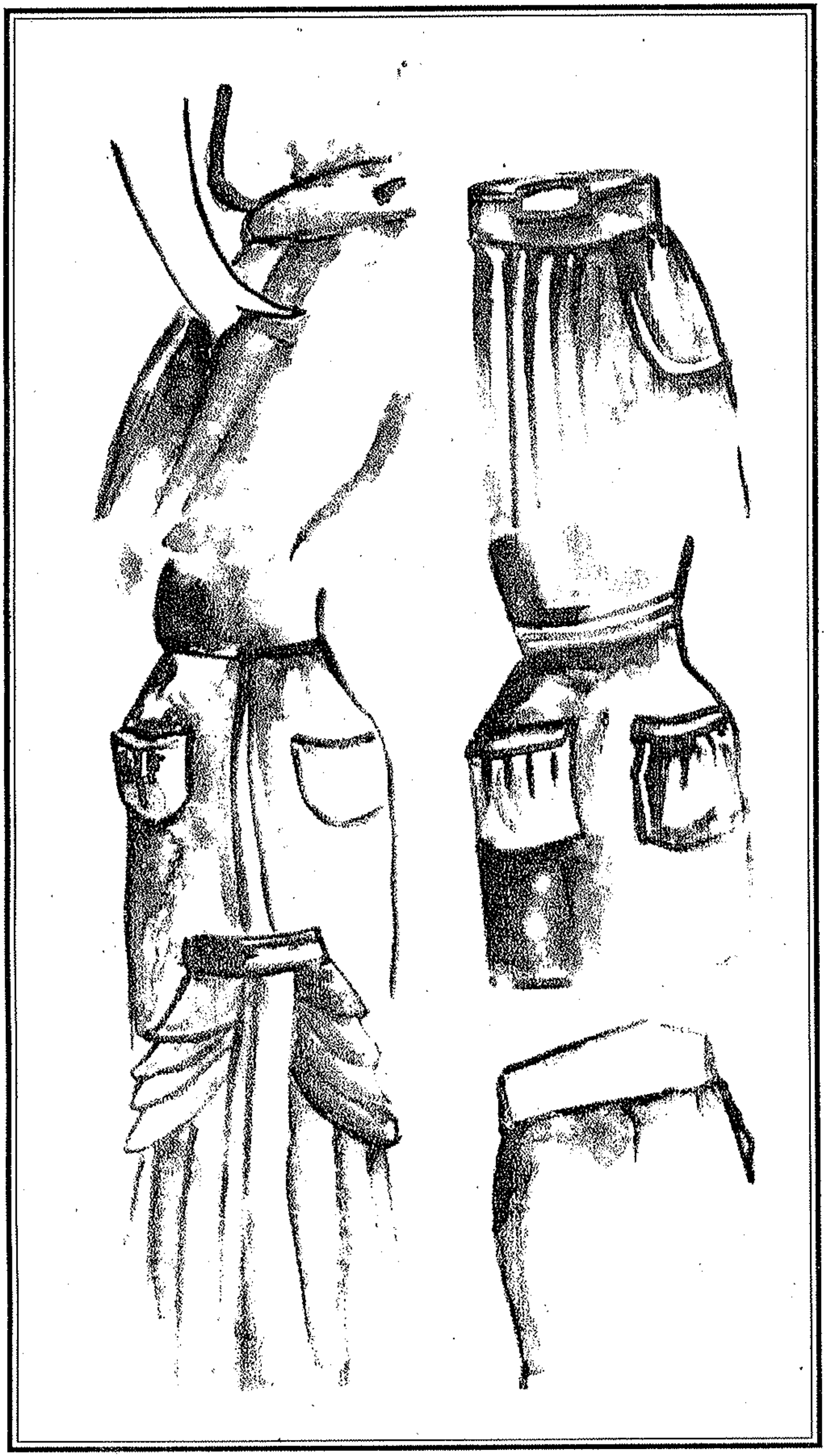

दिये गये स्केच में विभिन्न प्रकार की स्लिट्स दिखाई गई है।

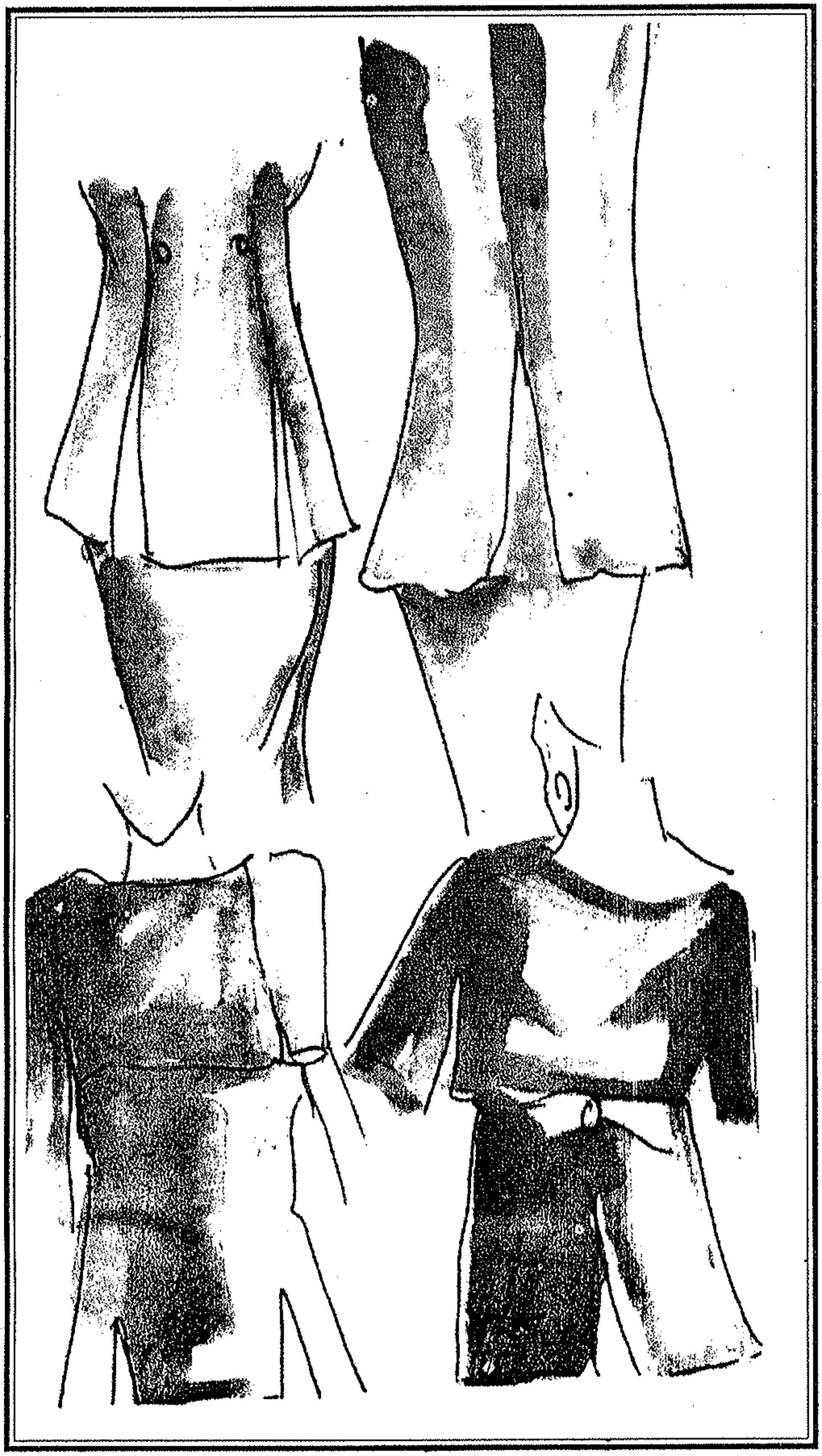

दिये गये स्केच में विभिन्न प्रकार की फास्टेनिंग दिखाई गई है।

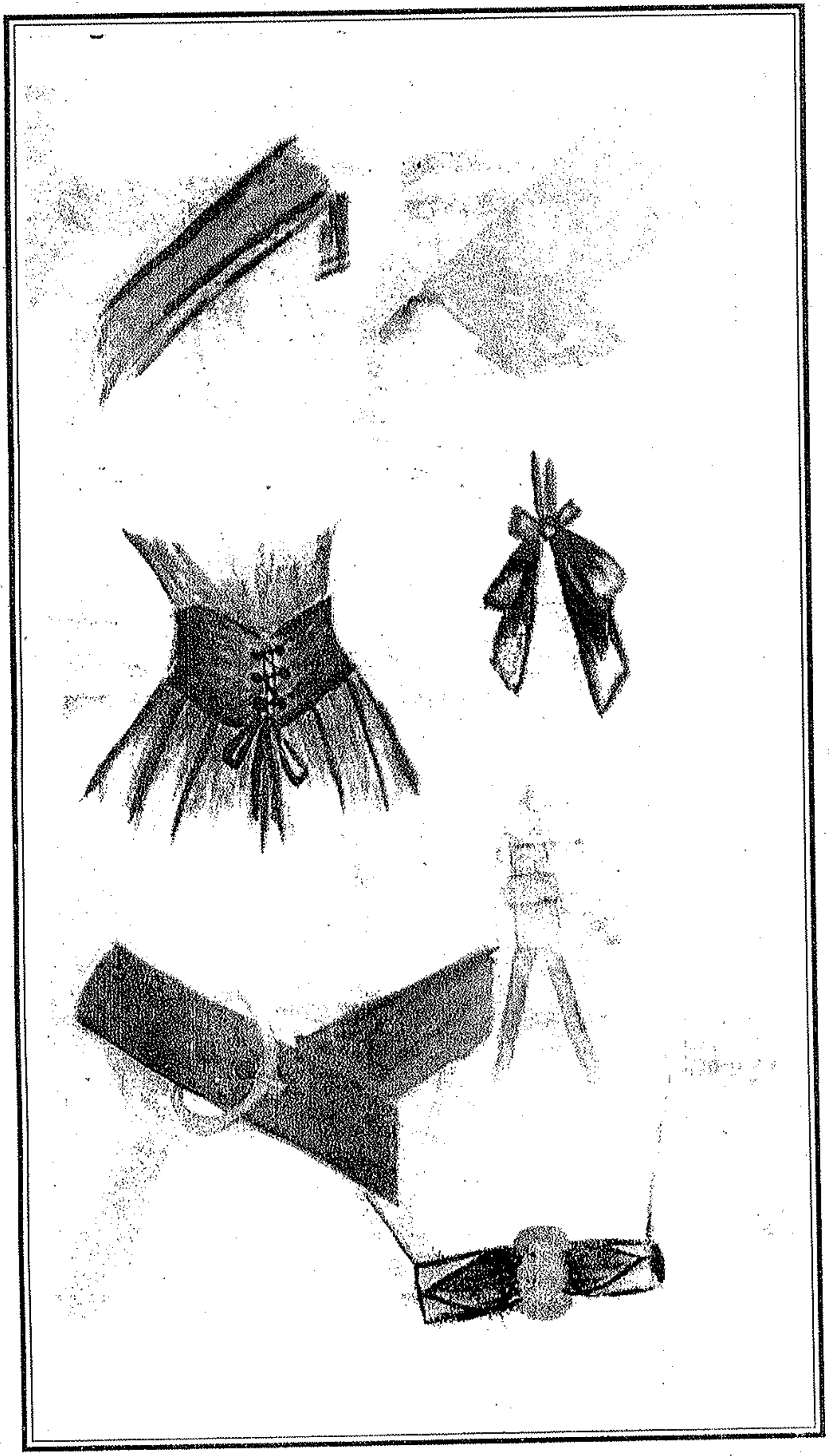

दिये गये स्केच में विभिन्न प्रकार की डोरियाँ दिखाई गई हैं।

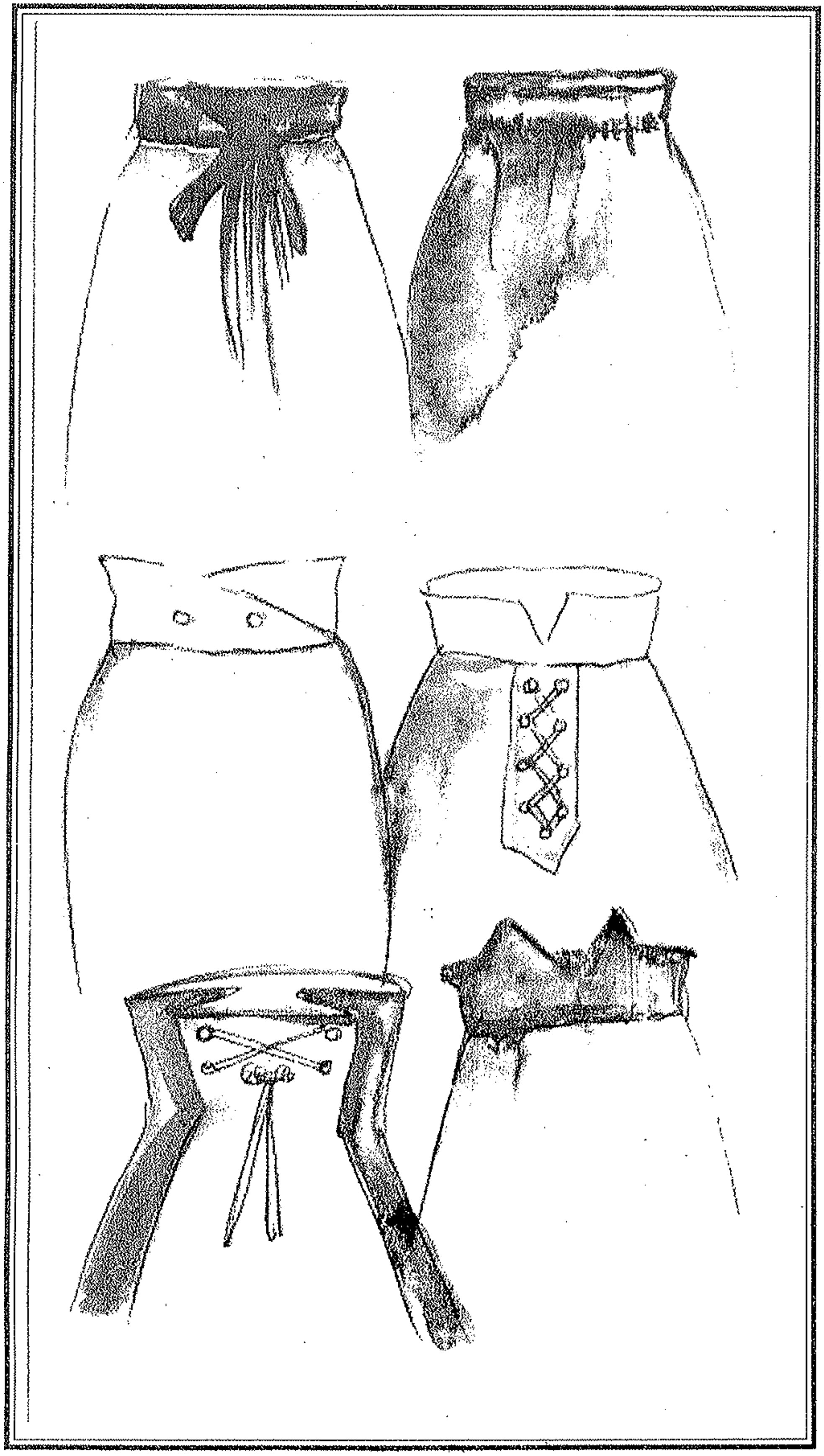

दिये गये स्केच में विभिन्न प्रकार की नेकटाई बोज दिखाई गई हैं।

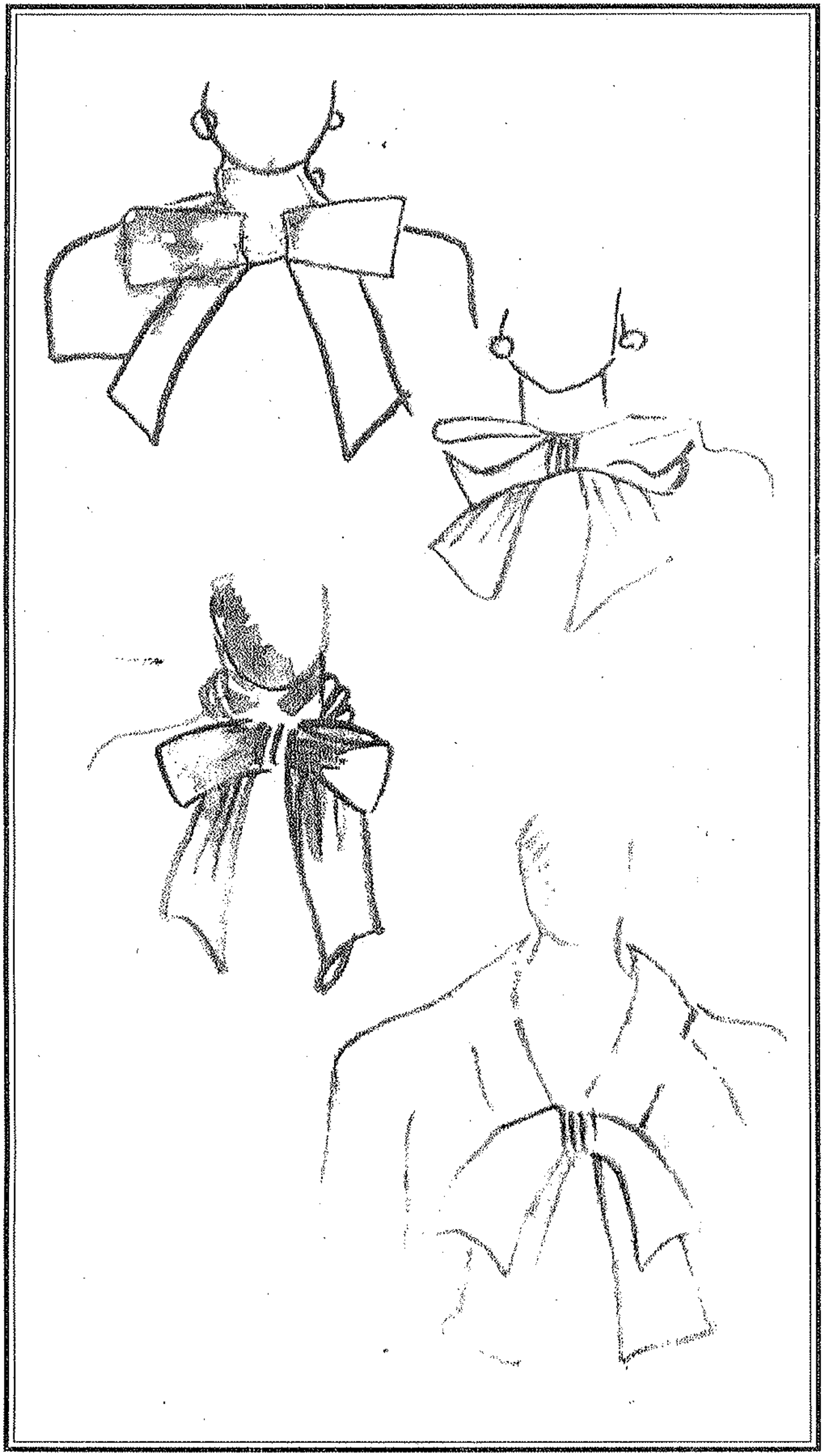

दिये गये इलस्ट्रेशन में, वस्त्रों में डोरियों के प्रयोग को दशार्या गया है।

दिये गये स्केच में वस्त्रों में विभिन्न प्रकार के फोल्ड्स दिखाये गये हैं।

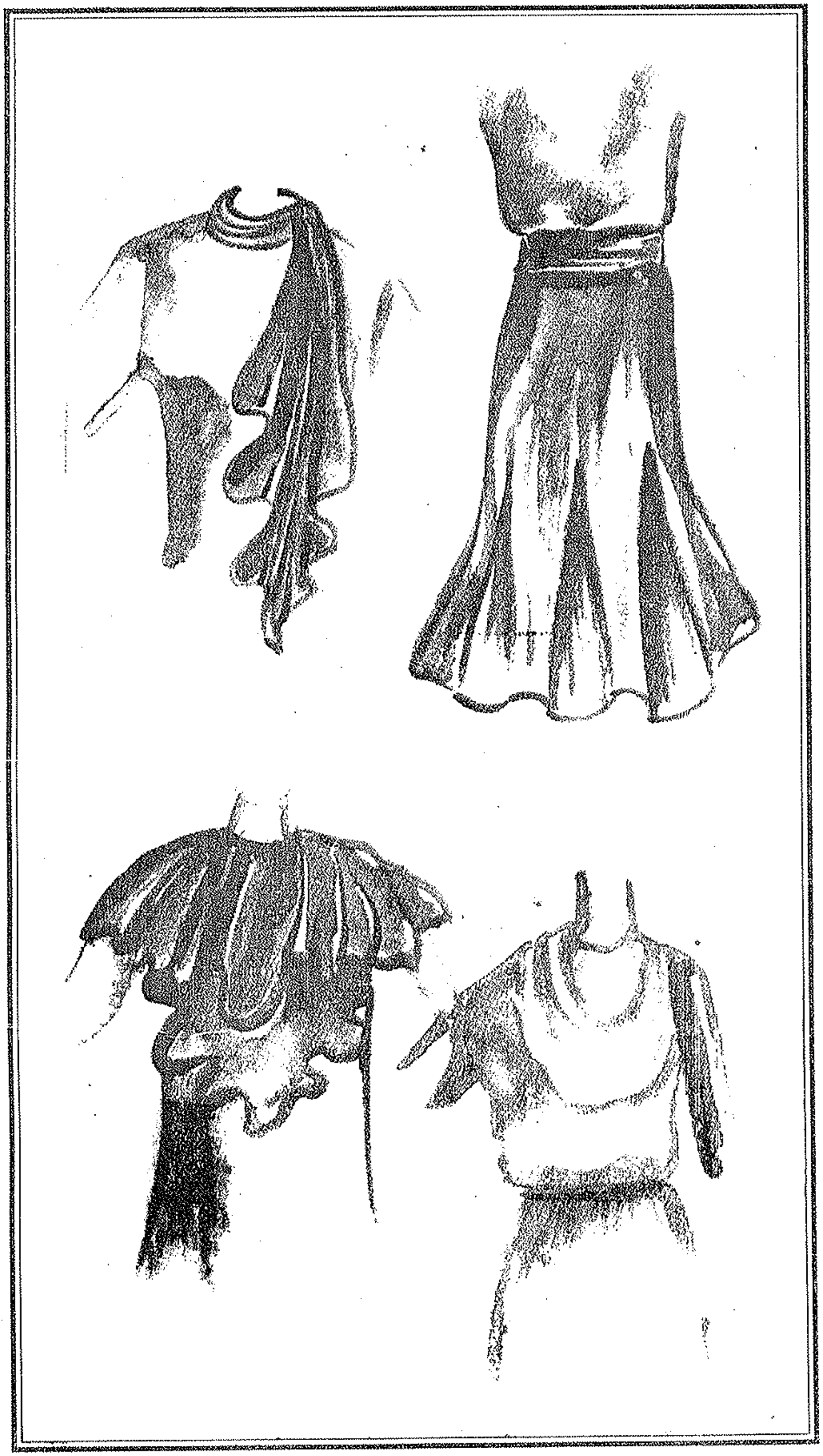

दिये गये स्केच में विभिन्न प्रकार के काउल का वस्त्र पर क्या प्रभाव पड़ता है, दिखाया गया है।

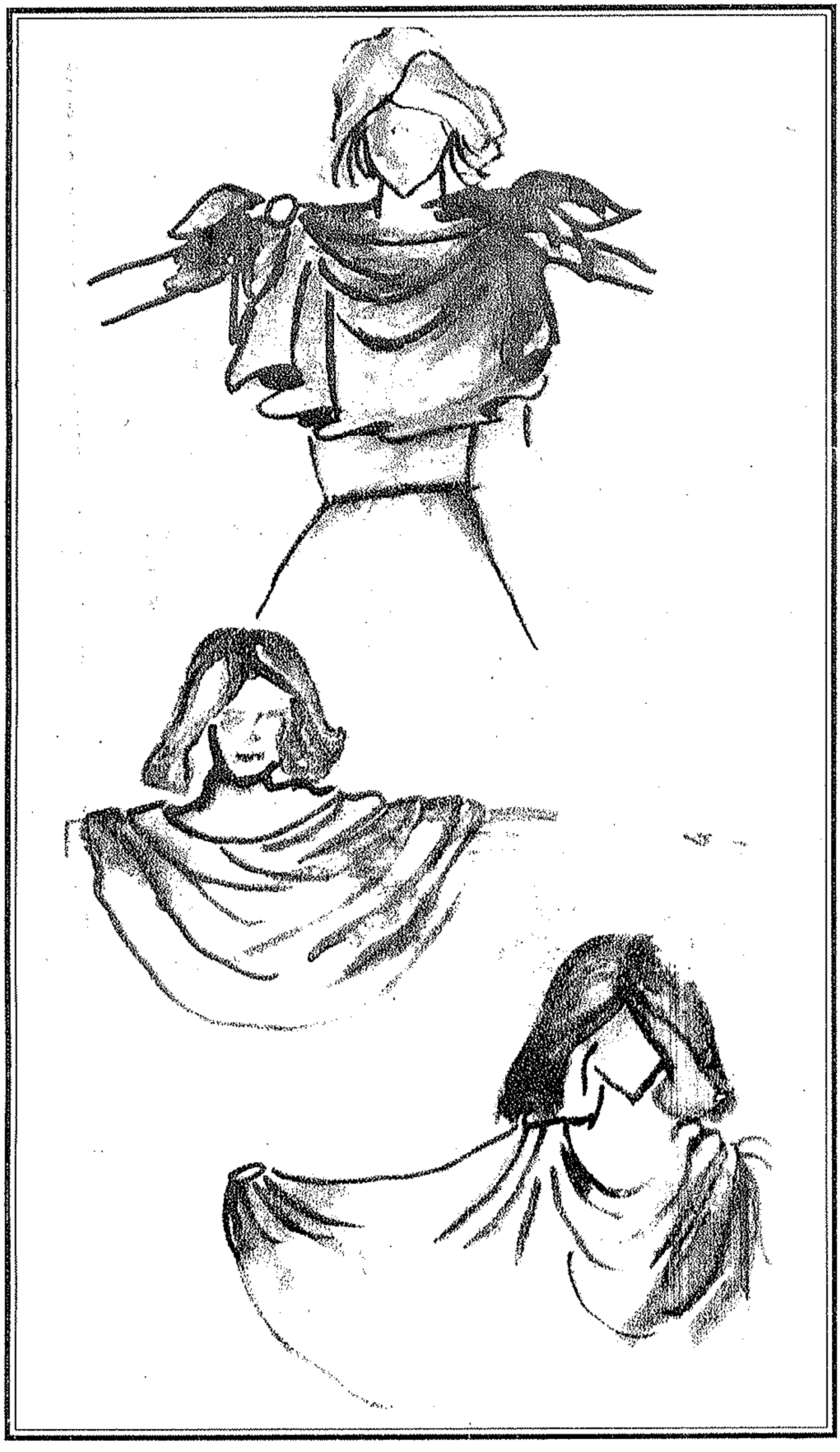

दिये गये स्केच में रोल ऑन कॉलर के साथ जैकेट दिखाई गई है।

दिये गये स्केच को अधिक घेर के साथ दिखाया गया है।

दिये गये स्केच में ड्रेस के साथ स्कार्फ पहना हुआ दिखाया गया है।

अभ्यास-

१— इस यूनिट में जितने स्केचेस दिये गये हैं उन सबको आप स्वयं स्केच करके रंग भरें।

४.४ सारॉशः-

किसी भी वस्त्रों के विभिन्न भागों को रंग भरने से वह उभर कर आता है और मस्तिष्क पर प्रभाव डालता है।

४.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न—१ दो काउल स्कर्टस् ड्रा करके रंग भरें।

प्रश्न—२ दो नेकलाइन ड्रा करके रंग से दिखायें।

प्रश्न—३ दो फ्राक्स कॉलर के साथ स्केच करके रंग भरें।

प्रश्न—४ दो बेल्ट्स का रेखांकन करें एवं रंगें।

प्रश्न—५ एक ड्रेस एलाबोरेट बो के साथ बनायें एवं रंगें।

४.६ स्वाध्ययन हेतु

१— एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२— कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैजल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

यूनिट-४

संरचना

४.१ यूनिट प्रस्तावना

४.२ उद्देश्य

४.३ कॉलर, कफ आदि में रंग भरना

४.४ सारॉश

४.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

४.६ स्वाध्ययन हेतु

४.१ यूनिट प्रस्तावना:-

इस यूनिट में आपका परिचय वस्त्र के अलग–अलग हिस्सों को और अधिक रंग भरने से कराया गया है।

४.२ उद्देश्य:-

रंग भरने से स्केच जीवन्त हो जाते हैं, उनका प्रभाव दिखाना आसान होता है।

४.३ कॉलर, कफ आदि में रंग भरना:-

रंग आपके डिजाइन को बना या बिगाड़ सकती है। इसलिए रंगों को बहुत ध्यानपूर्वक चुनना चाहिए, साथ ही ड्रेस के डिजाइन के अलग–अलग ऐस्पेक्ट को ध्यान में रखना चाहिए।

अब आप रंगो के प्रयोग से पूरी तरह अभ्यस्त हो चुके होगें। अब आप कलर पेंसिल से सीधे रेखांकन करना शुरू करिये।

अब आप महसूस करेगें कि आपका काम पहले की अपेक्षा अधिक साफ, सुन्दर व शीघ्रता से हो रहा है। अब आप अपने डिजाइन की ओर अधिक ध्यान देना शुरू करें। इनमें लेसेज, प्लेट्स, फिनिशेस, ट्रिमिंग्स आदि देना शुरू करें। यह आपके डिजाइन की गुणवत्ता बढ़ायेगी। आपके इलस्ट्रेशन अधिक सुन्दर व आकर्षक बनेगें।

इस पृष्ठ में प्लेटस कलर करने के बेसिक ज्ञान से अवगत कराया गया है।

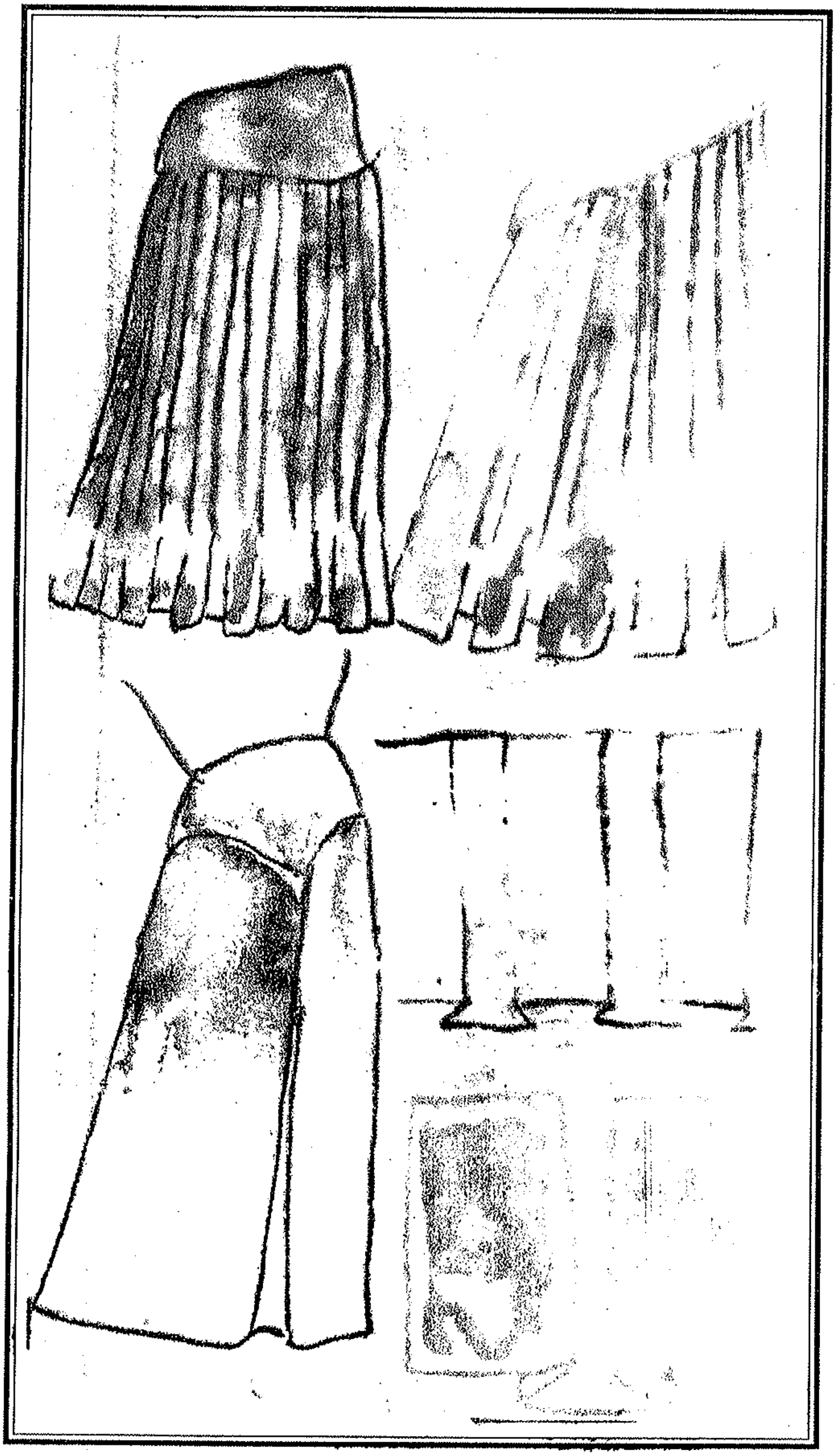

इस पृष्ठ में फ्राक को कलर करने का बेसिक ज्ञान दिया गया है।

इस पृष्ठ में फ्रिल्स को कलर करना सिखाया गया है।

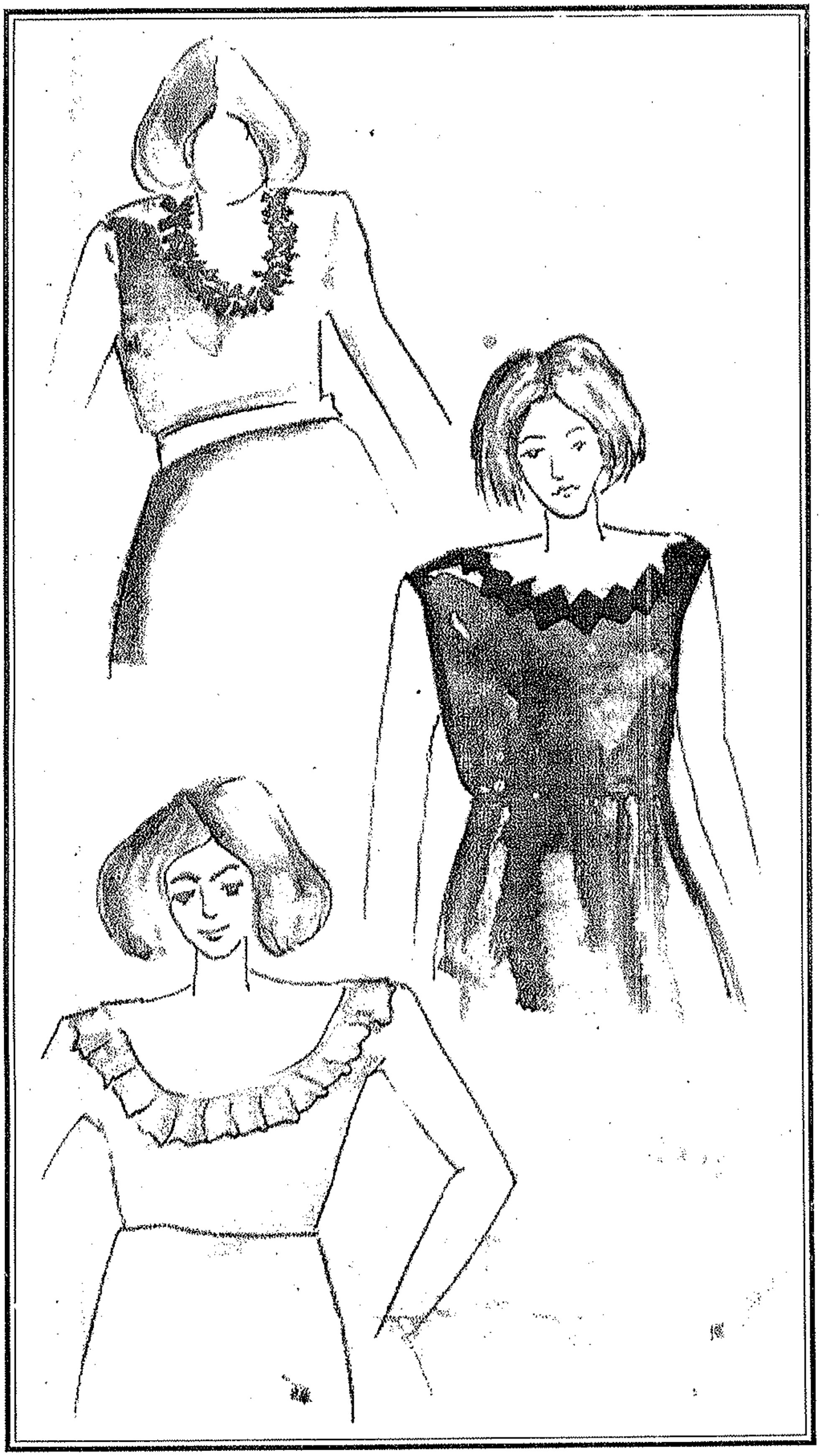

इस पृष्ठ में बताया गया है कि हेम पर फोल्ड्स को कलर किस प्रकार किया जाता है।

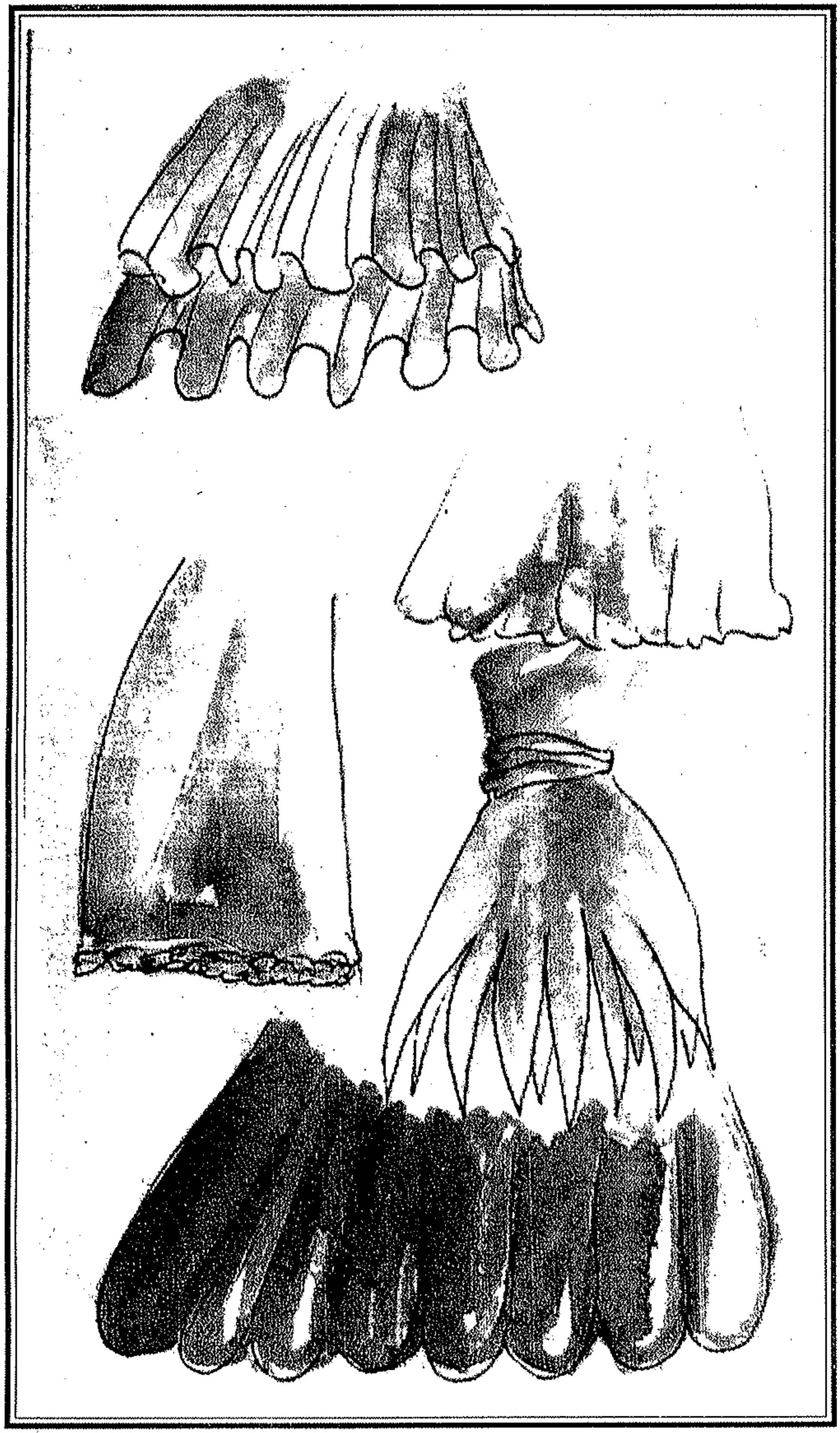

इस पृष्ठ में प्लेन तथा प्लेटेड वस्त्रों में अन्तर दर्शाया गया है।

इस पृष्ठ में योक्स में गैदर्स को किस तरह कलर किया जाता है, दिखाया गया है।

इस पृष्ठ में गैदर्स तथा फोल्ड्स में कलर करने के बेसिक्स दिखाये गये हैं।

यह पृष्ठ आपको फ्रिल्स और गैदर्स रंगने की बेसिक जानकारी देती है।

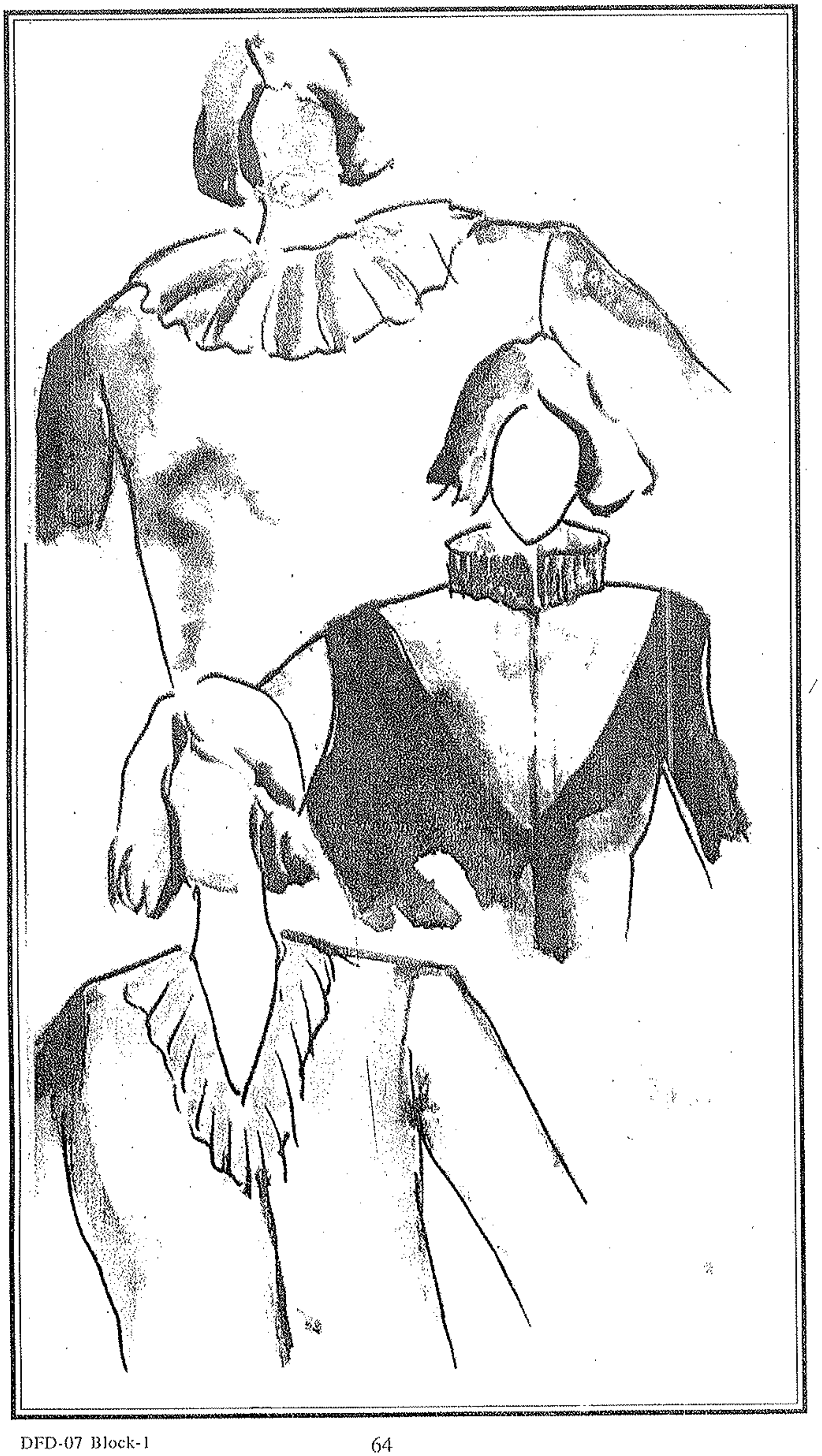

इस पृष्ठ में स्लीव्स में गैदर्स को कलर करने का तरीका दर्शाया गया है।

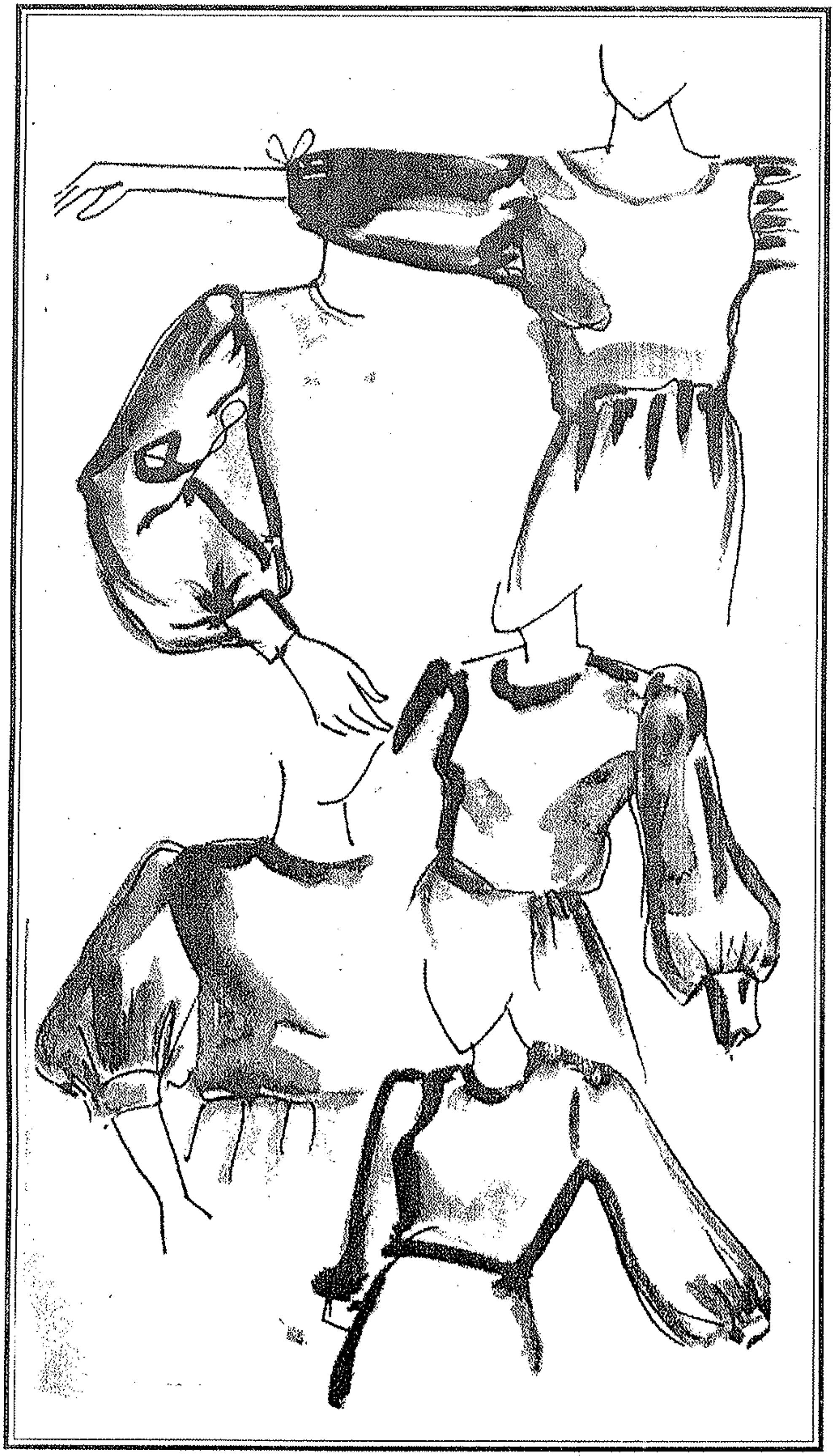

इस पृष्ठ मे फलोन्स्ड स्कर्ट में गैदर्स को कलर करने के बेसिक दर्शाये गये हैं।

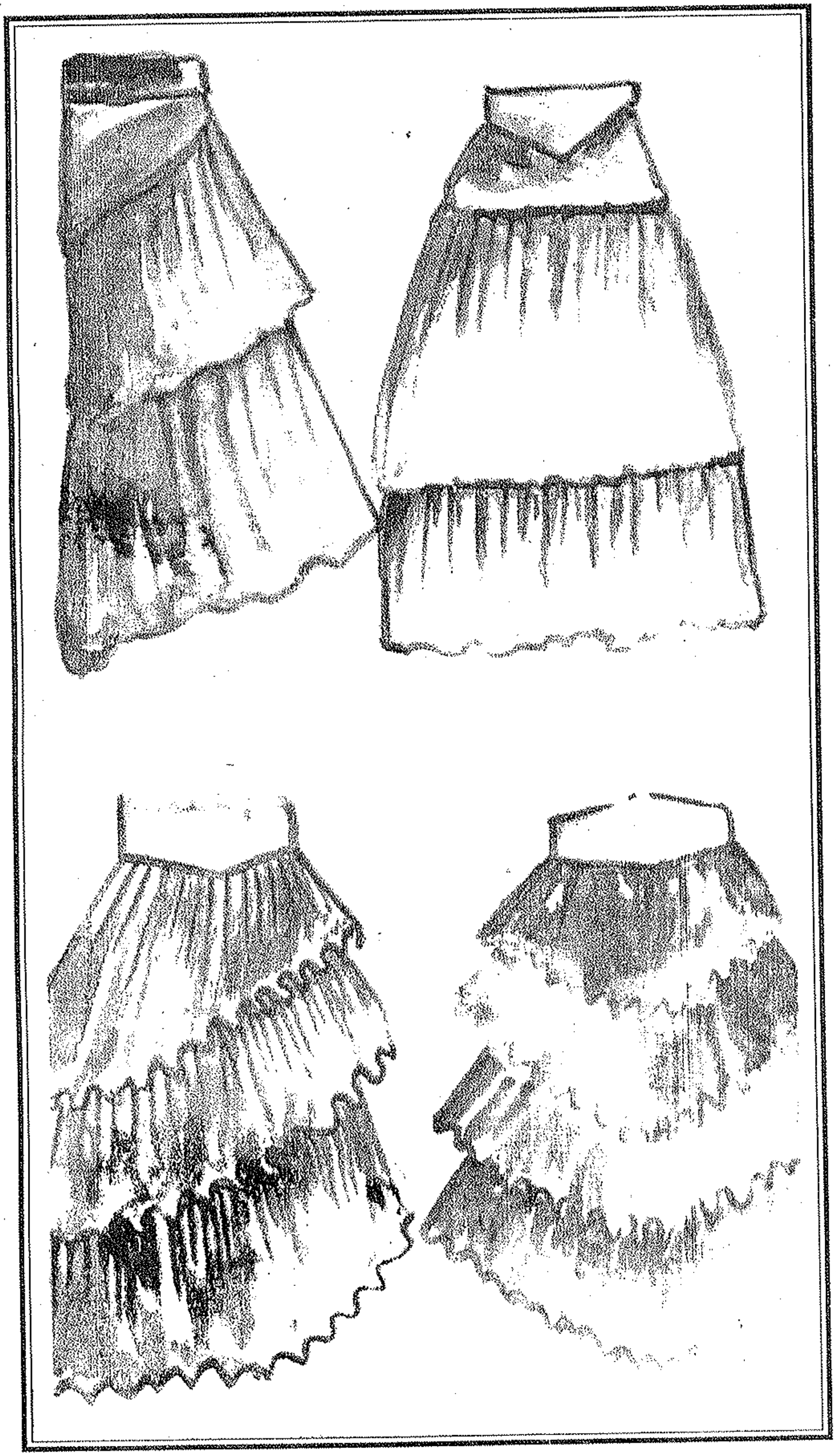

इस पृष्ठ में कफ में गैदर्स तथा प्लेट्स को कलर करने के बेसिक दर्शाये गये हैं।

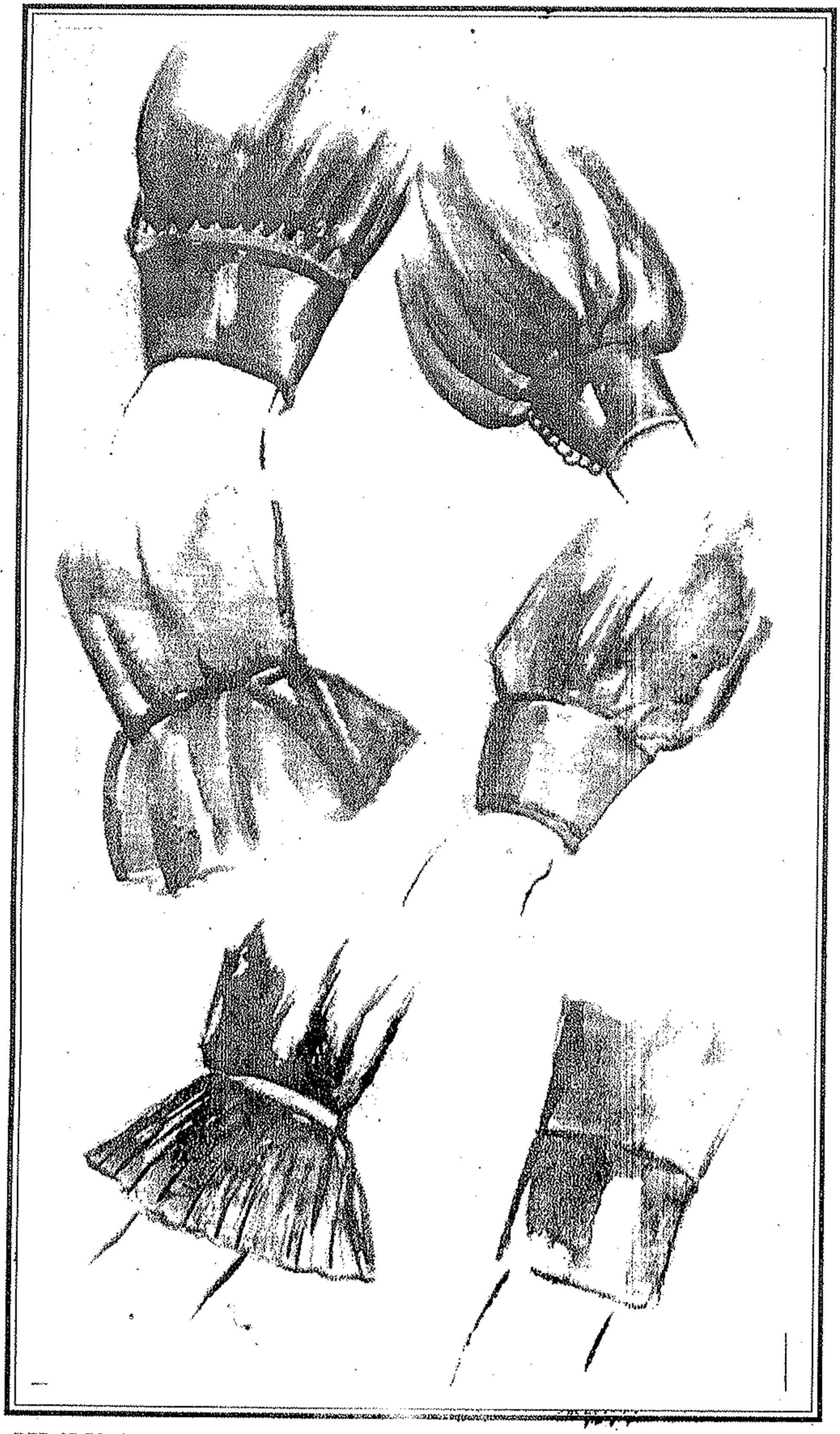

इस पृष्ठ में वस्त्र के विभिन्न भागो में प्लीट्स को कलर करने के बेसिक दर्शाये गये हैं।

इस पृष्ठ में गैदर वाले वस्त्र के सामने एवं पीछे के भाग को दर्शाया गया है।

इस पृष्ठ में गैदर्स, फ्लेर तथा प्लीट्स का अन्तर दर्शाया गया है।

यह पृष्ठ रंगो में प्लीटेड तथा फ्लेर्ड कॉलर दिखाता है।

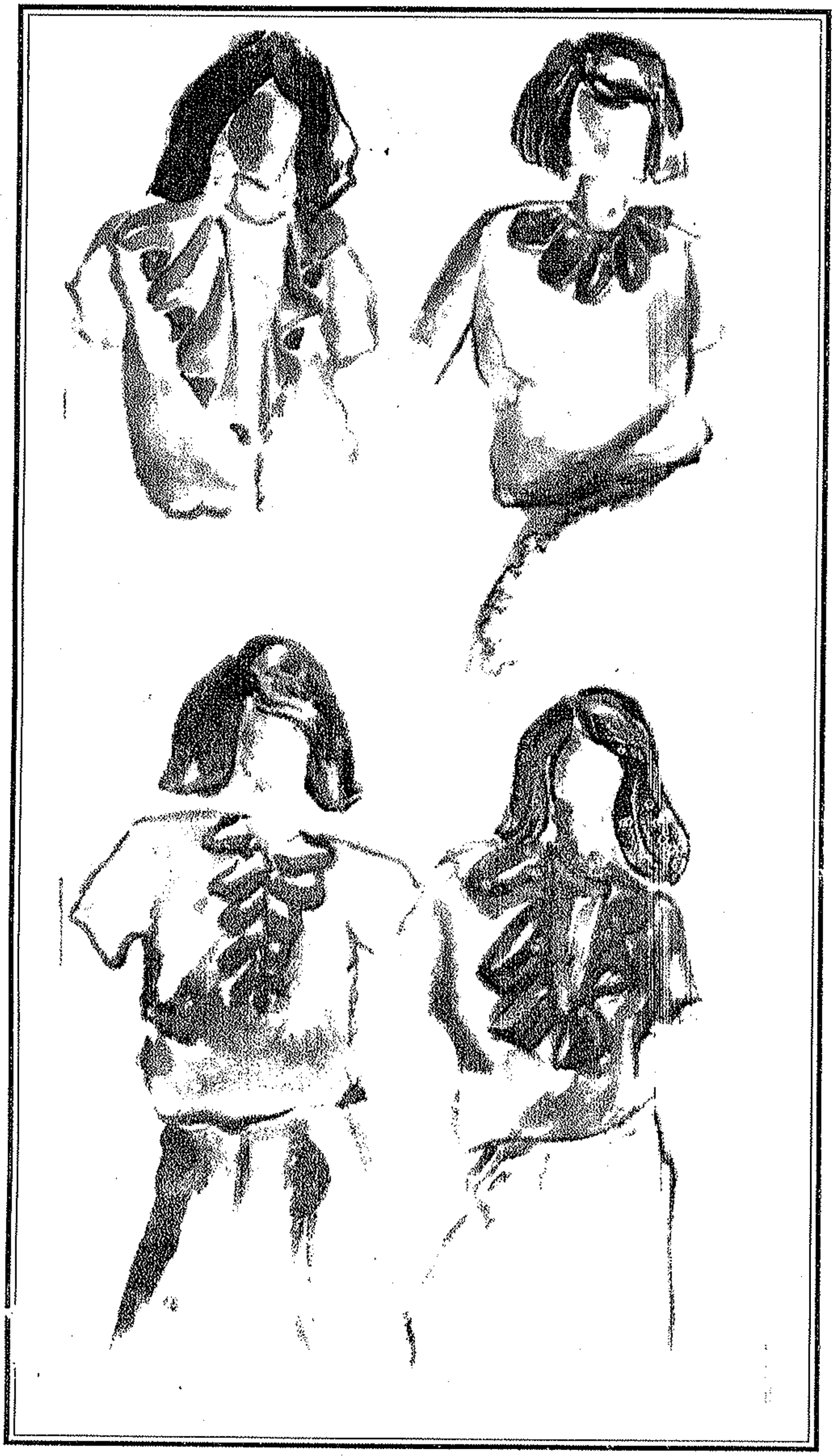

अभ्यास-

१— इस यूनिट में दिये गये सभी इलस्ट्रेशन, आप स्वयं ड्रा करें एवं रंग भरें।

४.४ सारांशः-

रंग भरते समय सदा हल्के रंग से गहरे रंग की तरफ आगे बढ़ें।

४.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न—१ दो प्लीटेड स्कर्ट बनाएँ एवं रंग भरें।

प्रश्न—२ दो गैदर स्कर्टस् में रंग भरें।

प्रश्न—३ दो फ्रिल वाली फ्रॉक मे रंग भरें।

प्रश्न—४ दो प्लेट्स वाली ट्राउजर्स में रंग भरें।

प्रश्न—५ एक ड्रेस जिसमें प्लेट्स तथा गैदर हों, रंग भरें।

४.६ स्वाध्ययन हेतु

१— एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२— कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैजल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

उत्तर प्रदेश
राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

DFD-07/[redacted]01

फैशन डिजाइनिंग

बेसिक डिजाइन और स्केचिंग-२

ब्लाक

७

बेसिक्स ऑफ फिगर ड्रॉइंग

यूनिट-९

हाथ के घुमाव

यूनिट-१०

पैर के घुमाव

यूनिट-११

फिगर स्केचिंग

यूनिट-१२

फैशन फिगर

ब्लाक-३

पाठ्यक्रम प्रतिरूप

फिगर स्केचिंग, फैशन ड्रॉइंग का एक प्रमुख तत्व है। यह ब्लॉक विभिन्न प्रकार के हाथ एवं पैरों के पोस्चरों से सम्बन्धित है। यह खण्ड फैशन फिगर स्केचिंग और वस्त्र ड्रॉइंग का विस्तृत विवरण करता है।

फिगर ड्रॉइंग के बेसिक्स

यूनिट-९

हाथ के घुमावः- यह यूनिट हाथ के विभिन्न पोस्चर का वर्णन करता है।

यूनिट-१०

पैर के **घुमावः-** यह यूनिट पैर के विभिन्न पोस्चर का वर्णन करता है।

यूनिट-११

फिगर **स्केचिंगः-** यह यूनिट फैशन फिगर के स्केचेस से सम्बन्धित है।

यूनिट-१२

फैशन फिगरः- यह यूनिट आपका परिचय फैशन फिगर के साथ वस्त्र और आउटफिट से कराता है।

संरचना

६.१ यूनिट प्रस्तावना

६.२ उद्देश्य

६.३ हाथ के घुमाव

६.४ सारॉश

६.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

६.६ स्वाध्ययन हेतु

६.१ यूनिट प्रस्तावना:-

यह यूनिट हाथ के विभिन्न पोस्चर का वर्णन करता है।

६.२ उद्देश्य:-

फिगर स्केचिंग का महत्वपूर्ण भाग हाथ का प्लेसमेन्ट है। इस यूनिट मे विभिन्न प्रकार के हाथ के पोस्चर पर जोर दिया गया है।

६.३ हाथ के घुमाव:-

फैशन डिजाइनिंग में, फैशन डिजाइनर जब कोई फिगर ड्रॉ करता है तब उसके सम्पूर्ण ड्रेस को ही नही बल्कि फिगर के विभिन्न भाग का भी पूरा ध्यान रखता है।

हाथो का रेखांकन करना फिगर का एक महत्वपूर्ण भाग है। एक प्रमुख भाग के अतिरिक्त अनेक प्रकार की एसेसरीज इसके साथ पहनी जाती है। इससे ड्रेस का आकर्षण बढ़ जाता है। आप कैसी भी फिगर ड्रॉ करें परन्तु आपको हाथ अवश्य ड्रॉ करना होगा।

इस यूनिट में अनेक प्रकार के हाथो के पोस्चर और उनकी स्थितियॉ दिखाई गई हैं। इसके अतिरिक्त कंधे से ॲंगुली तक विभिन्न स्थितियॉं भी दिखाई गई हैं। हाथों को और ॲंगलियों को कैसे ड्रॉ करना है इनका उदाहरण भी दिया गया है।

प्रत्येक पृष्ठ में दिये गये स्केचेस के अच्छे परिणाम प्राप्त करने हेतु बहुत गम्भीरतापूर्वक अभ्यास करना चाहिए।

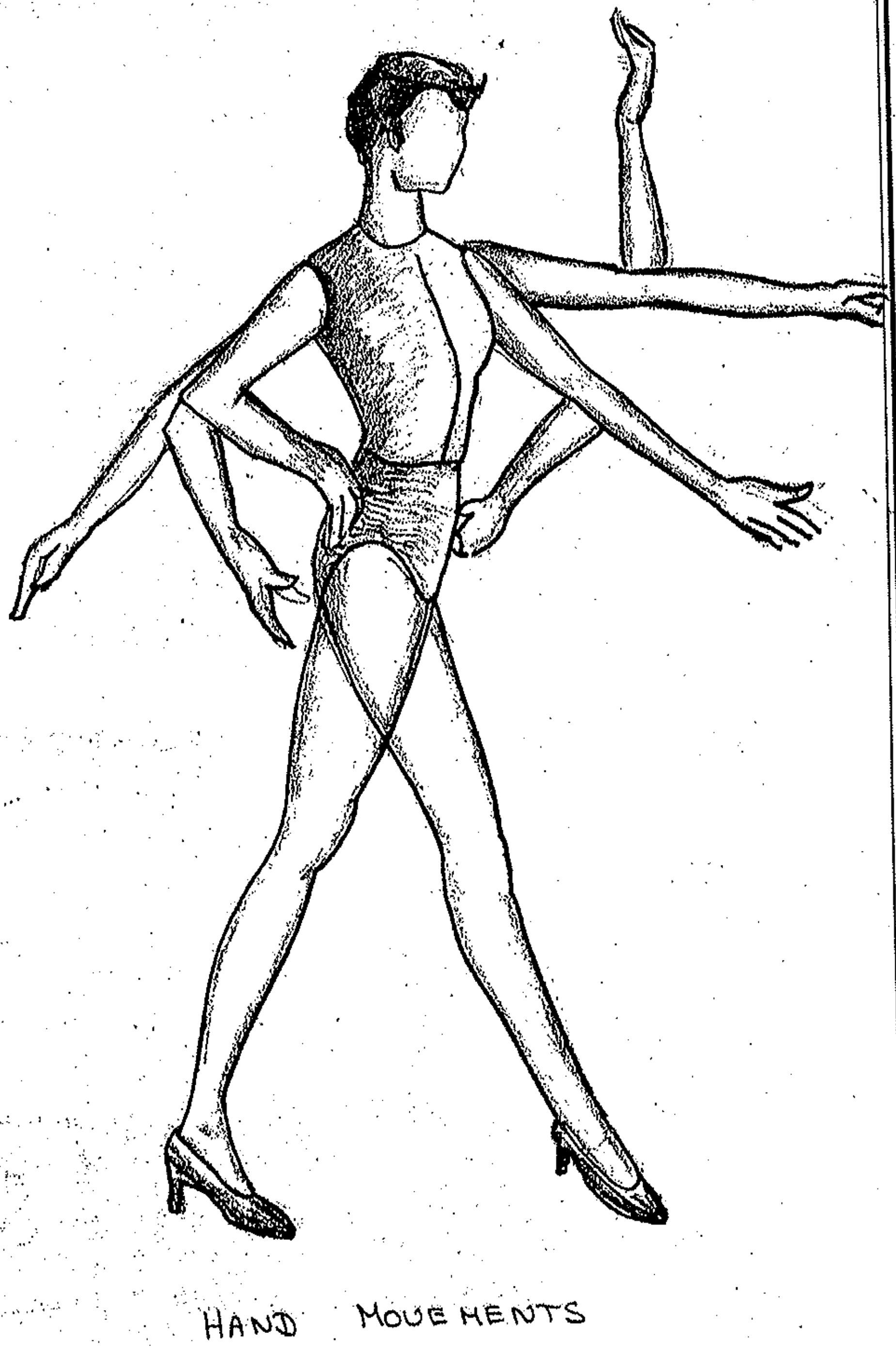

HAND MOVEMENTS

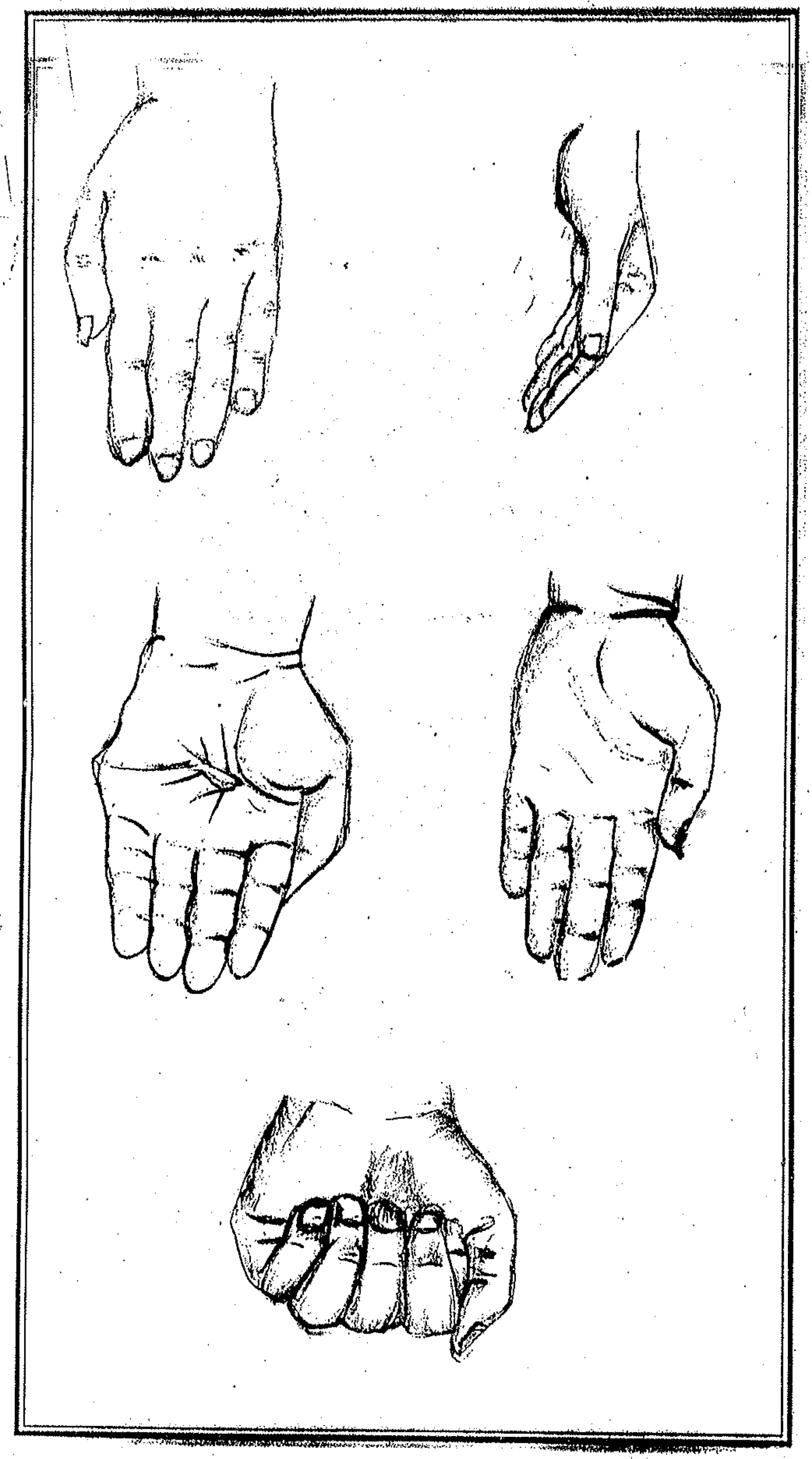

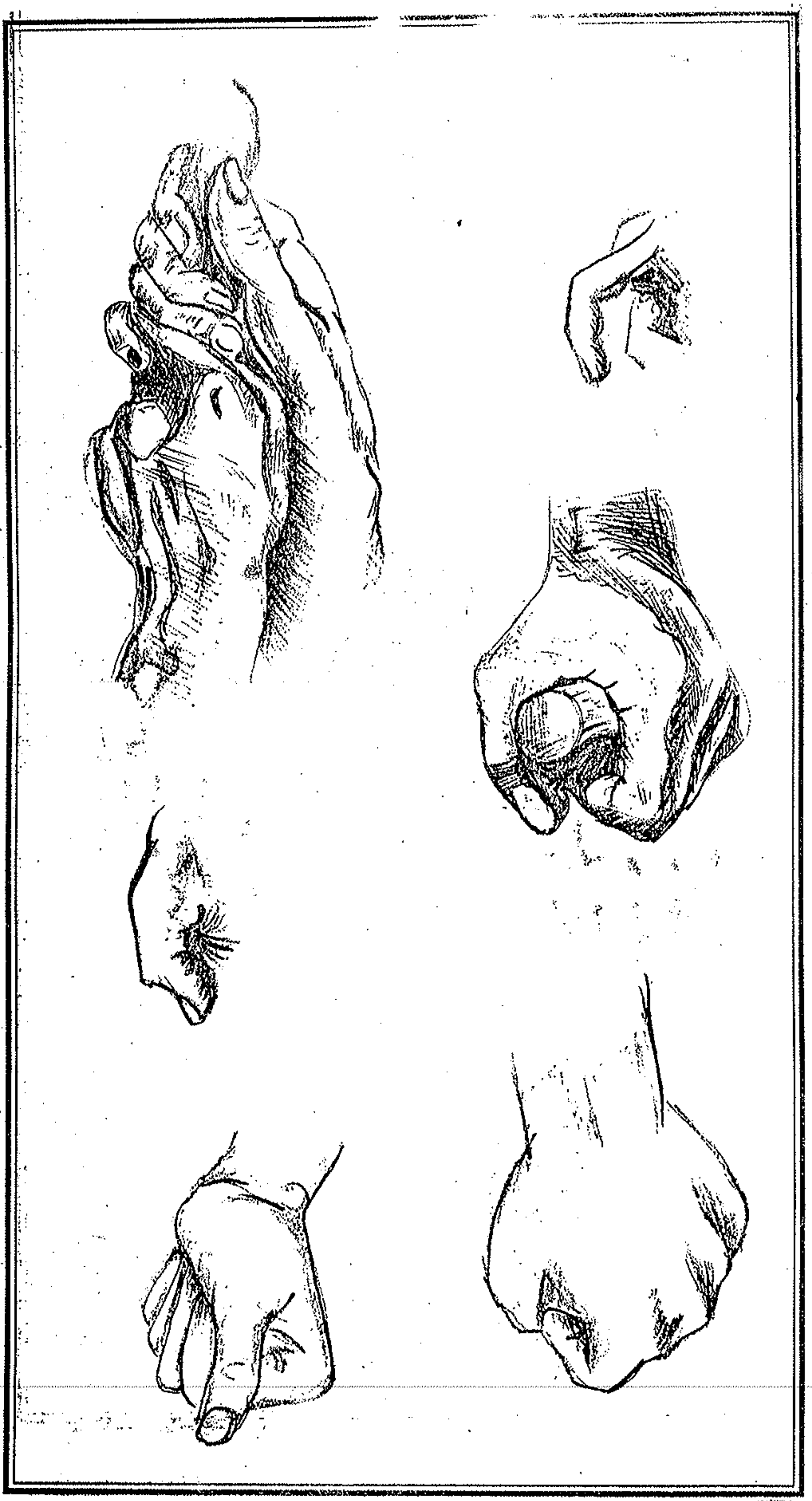

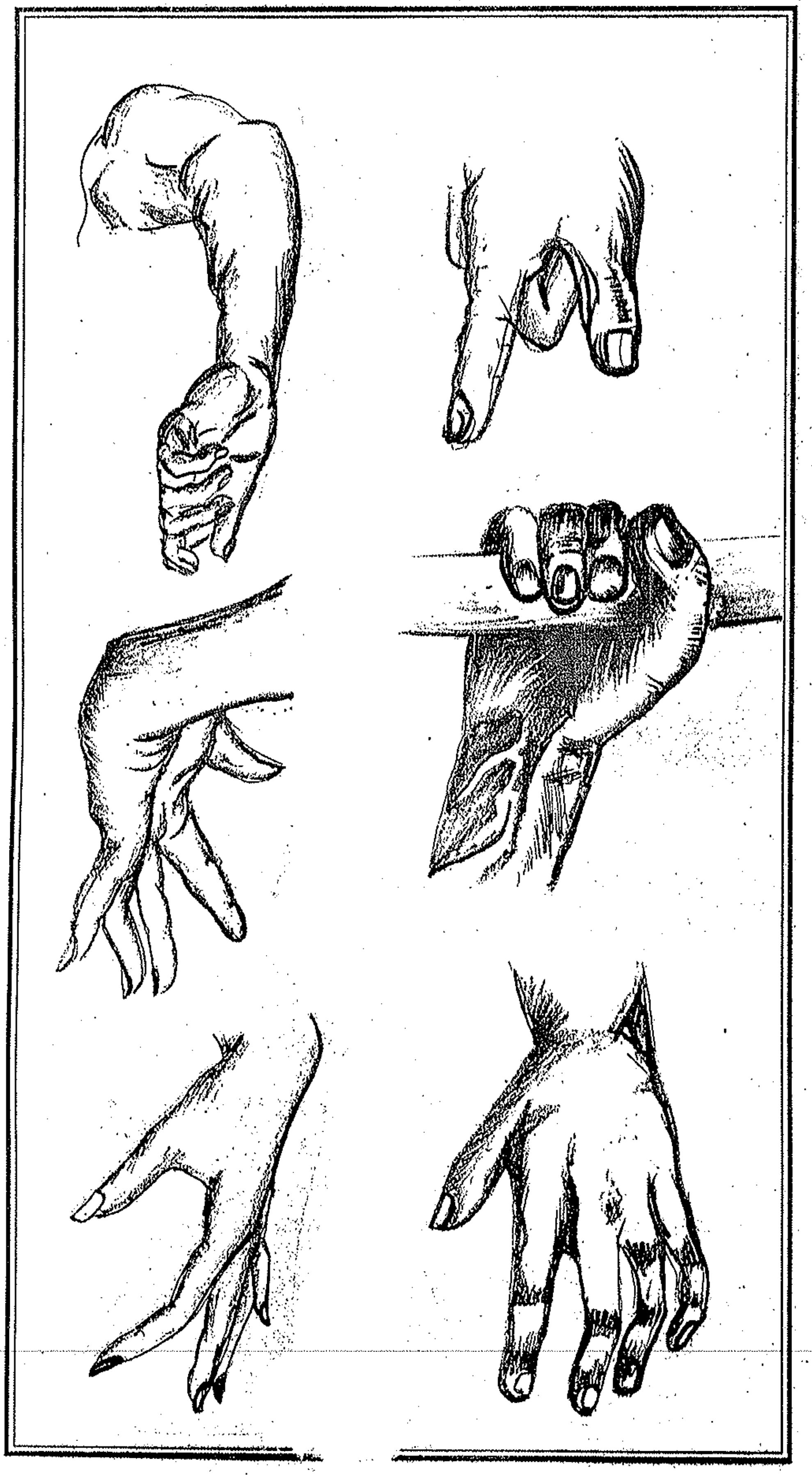

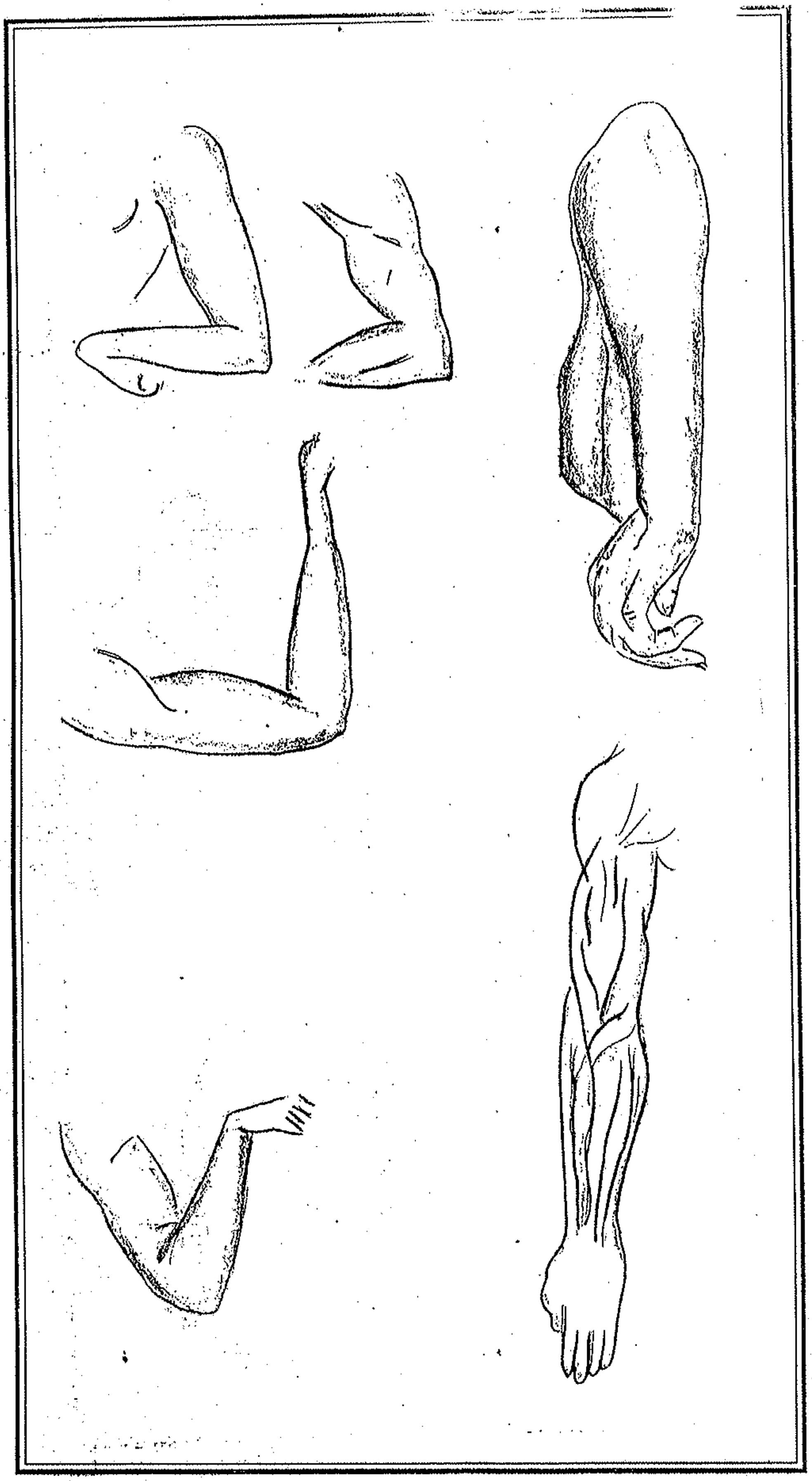

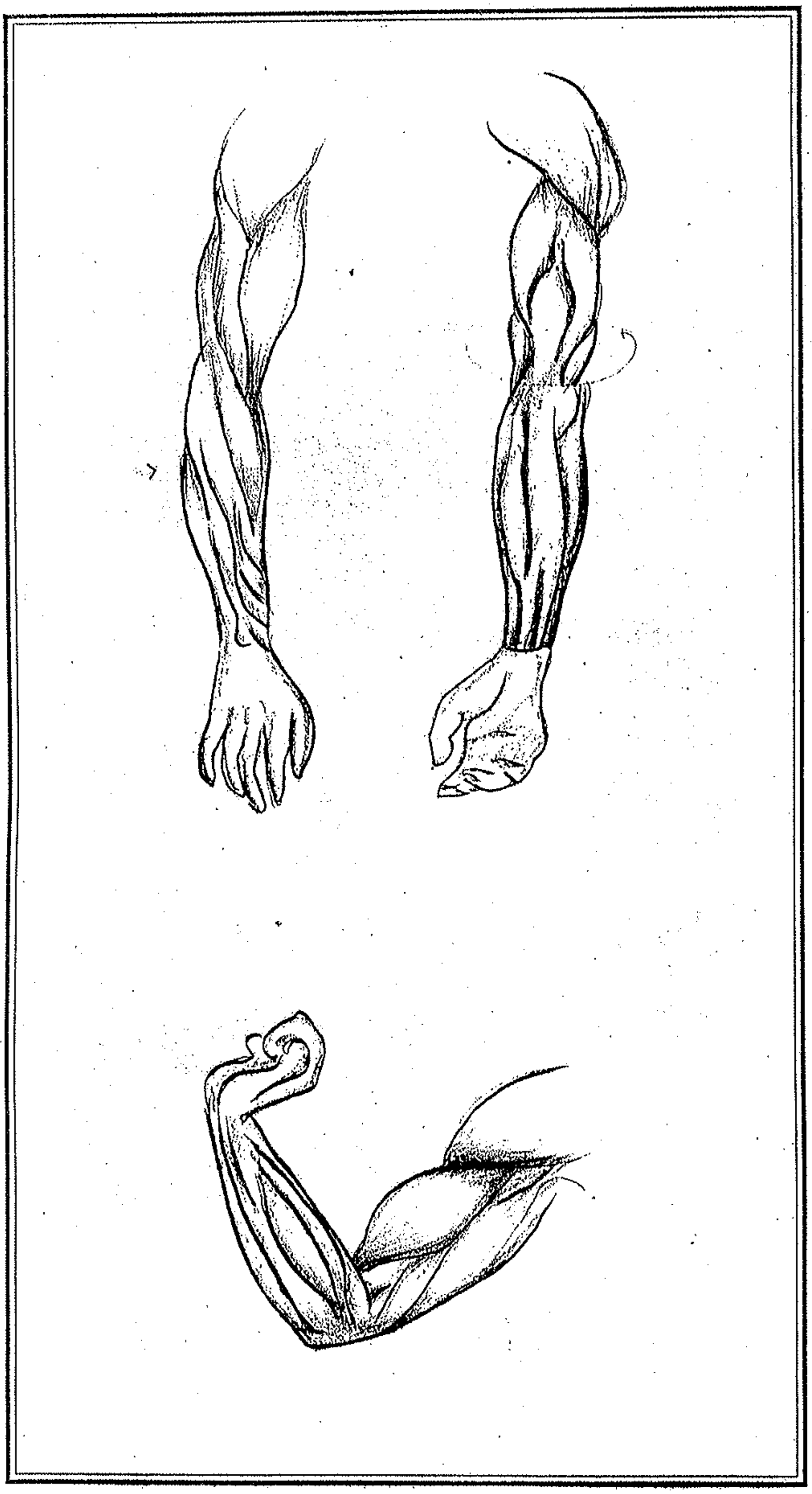

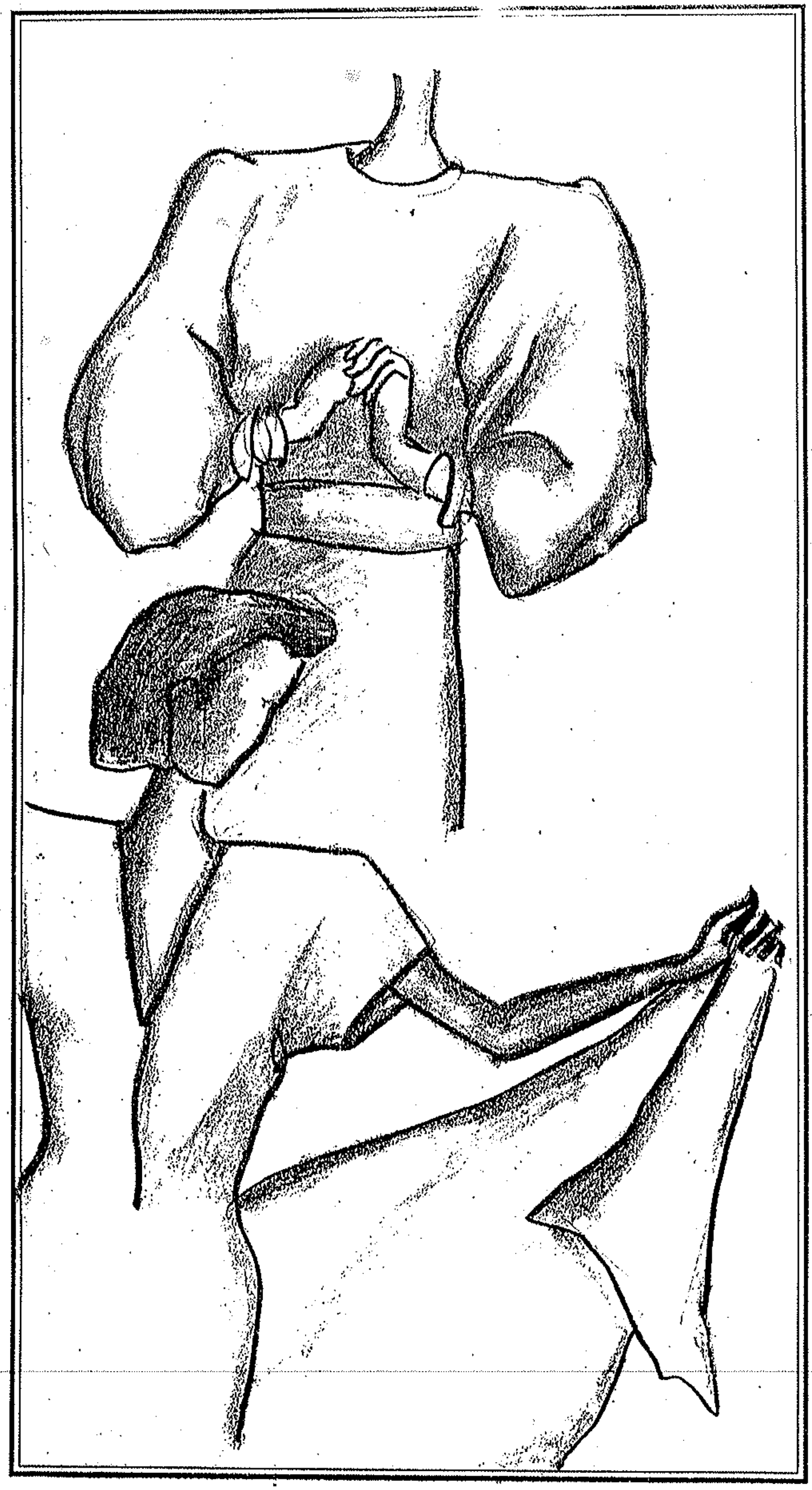

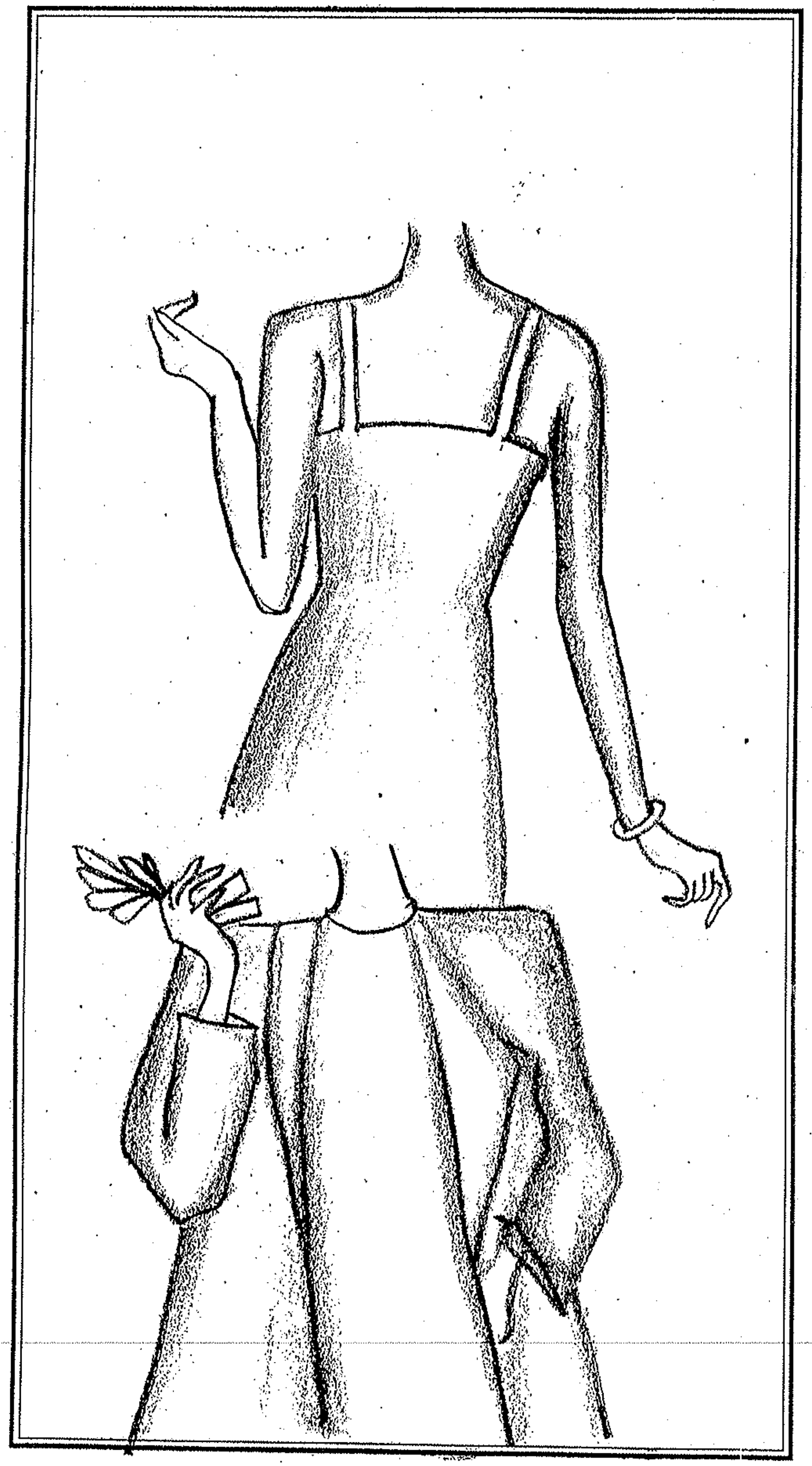

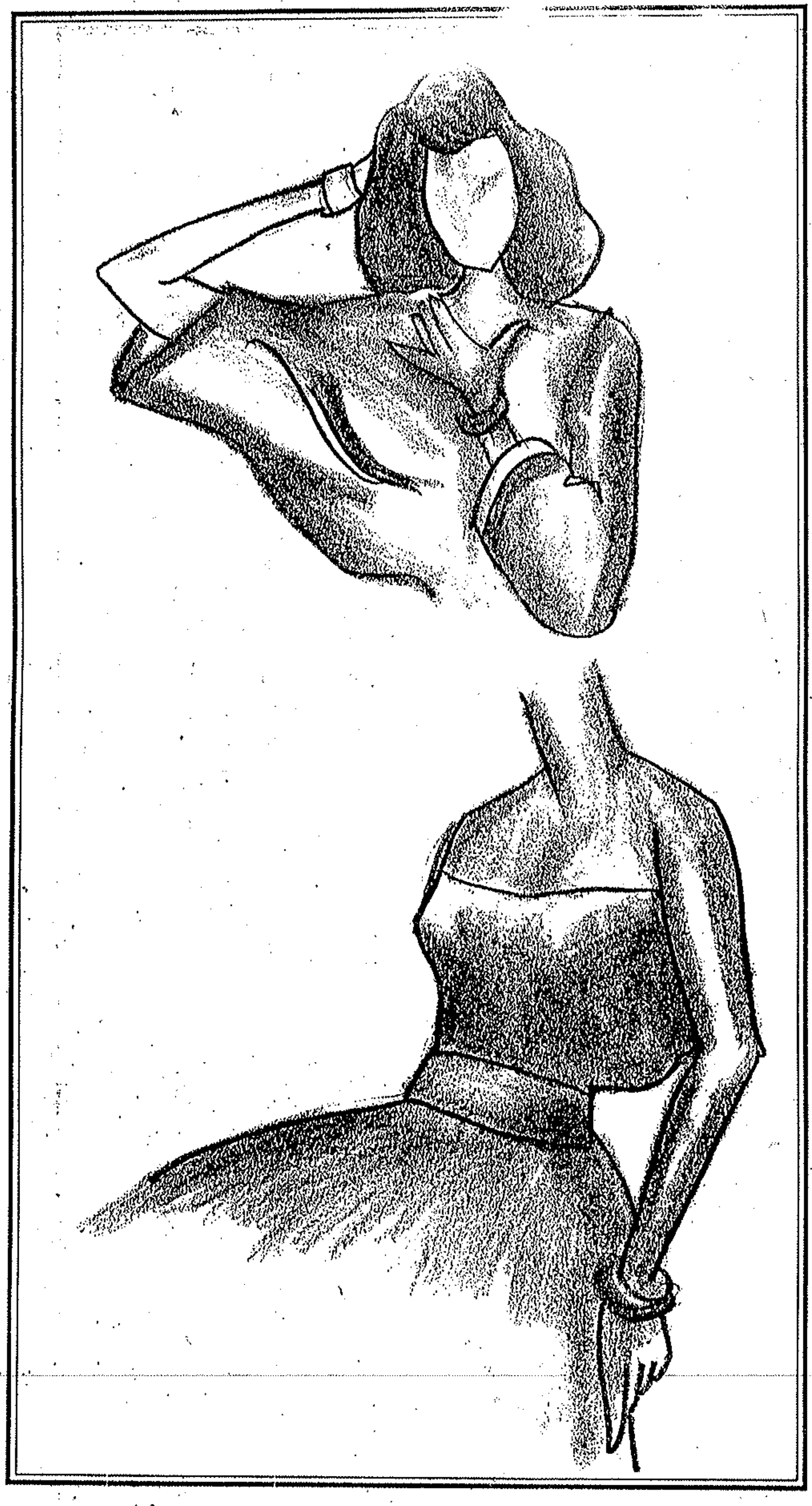

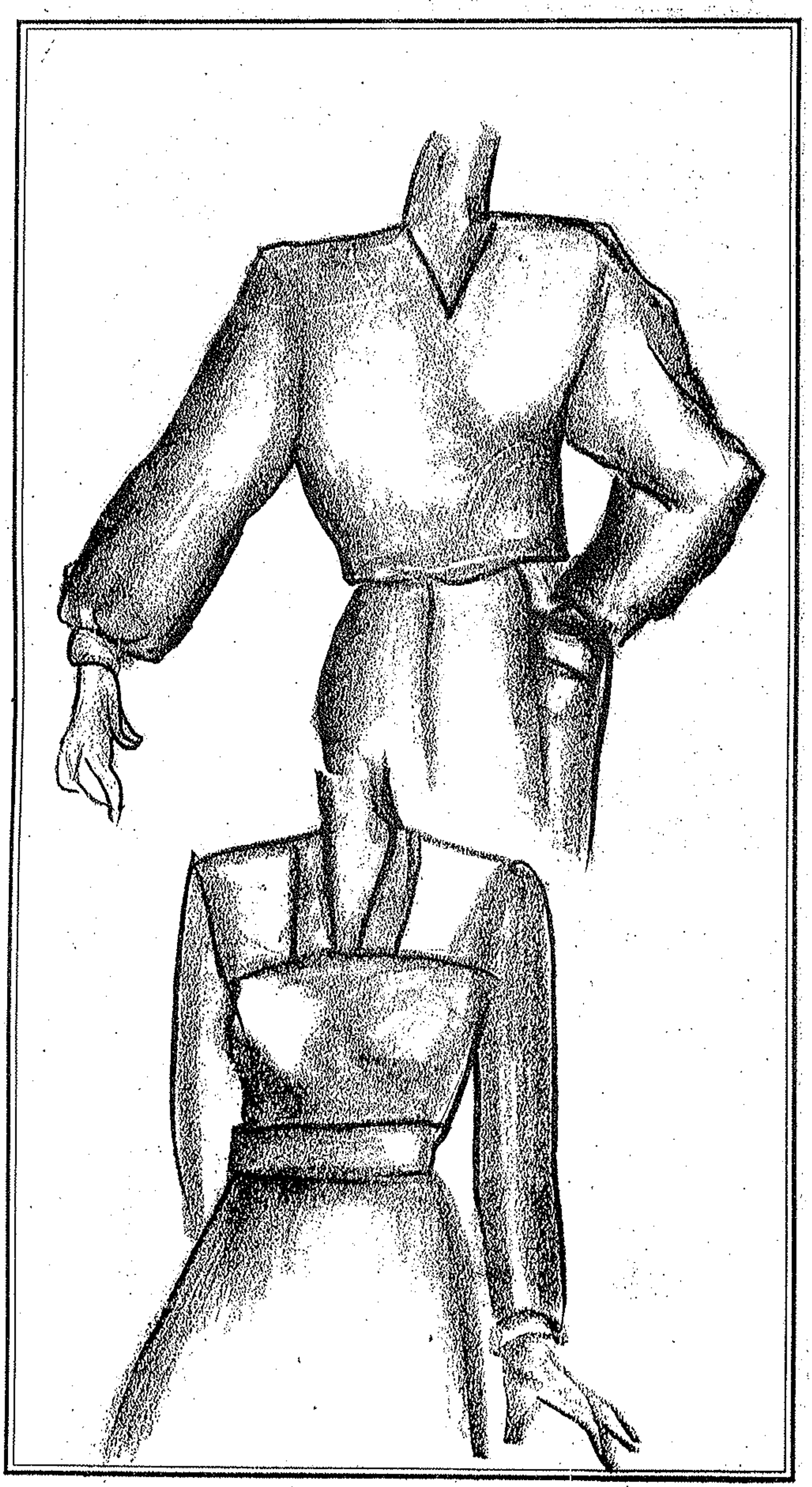

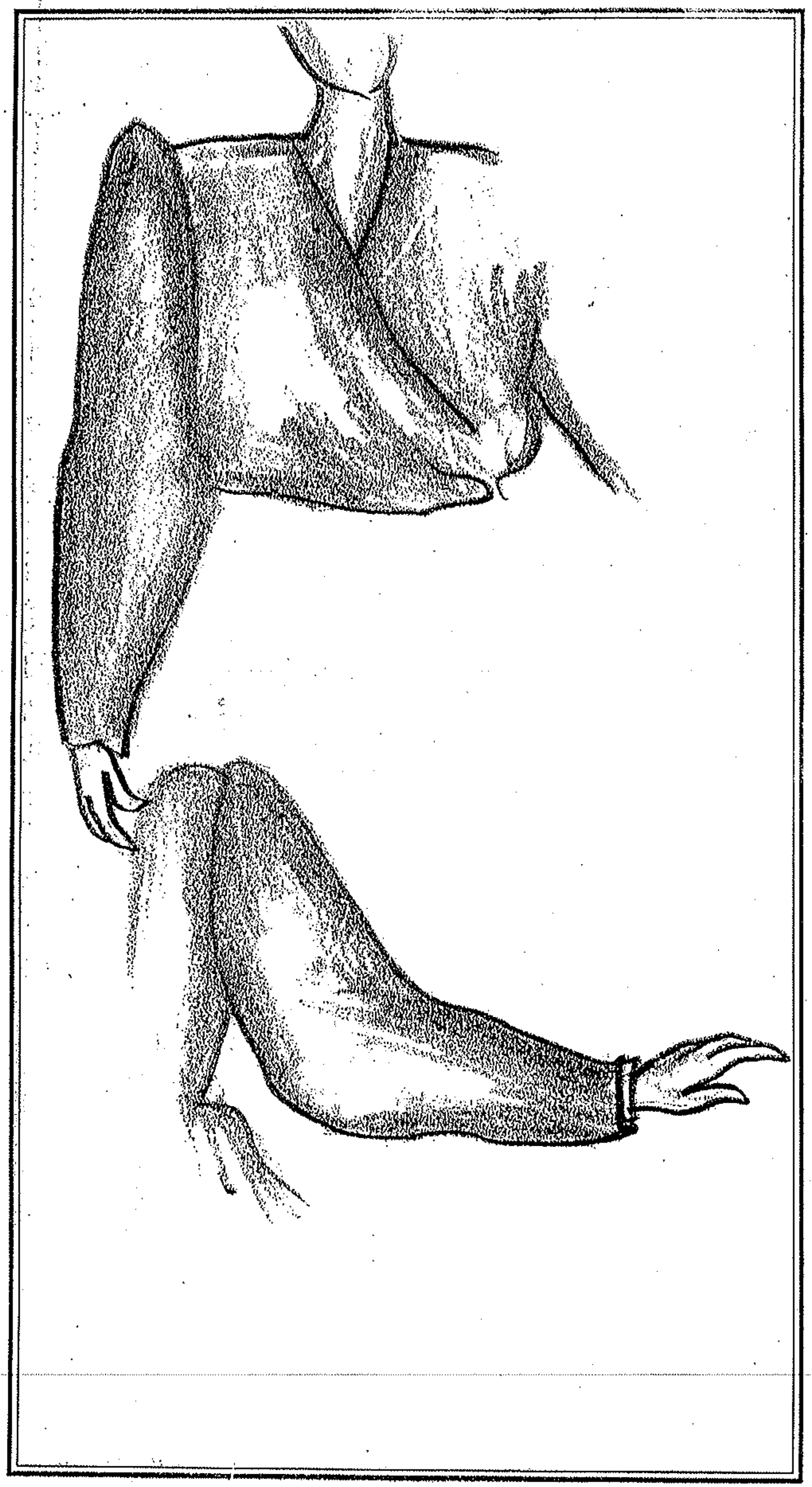

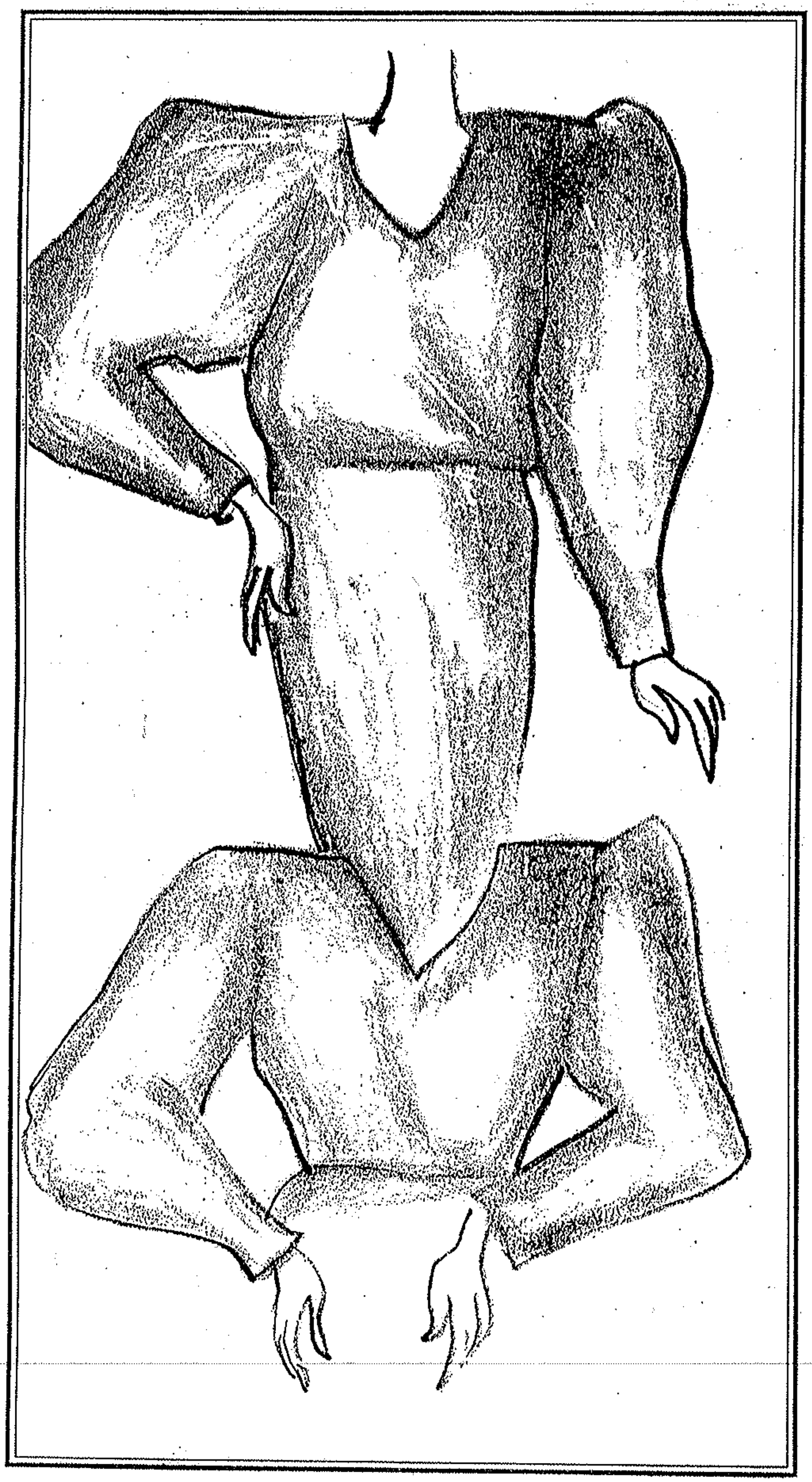

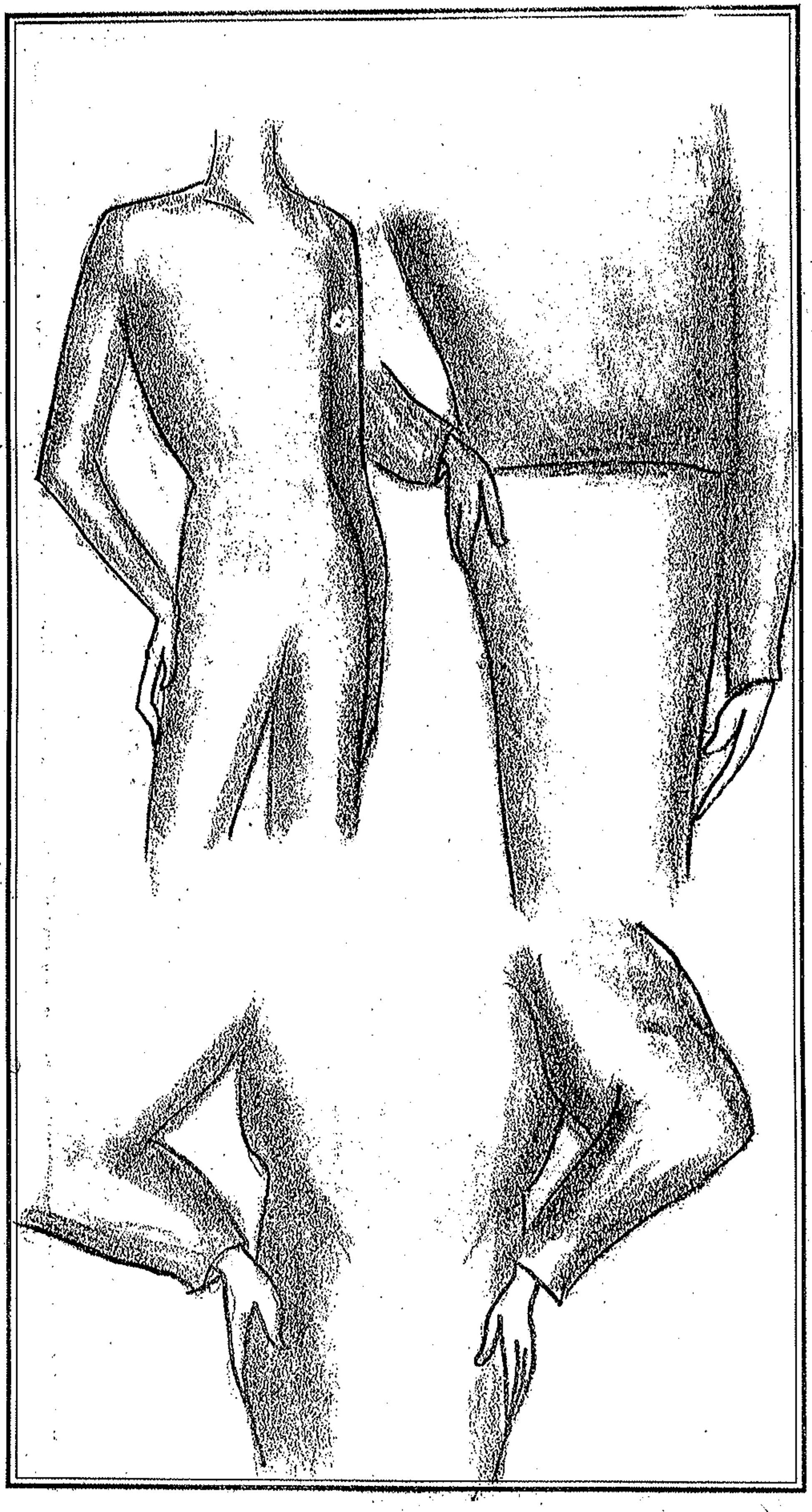

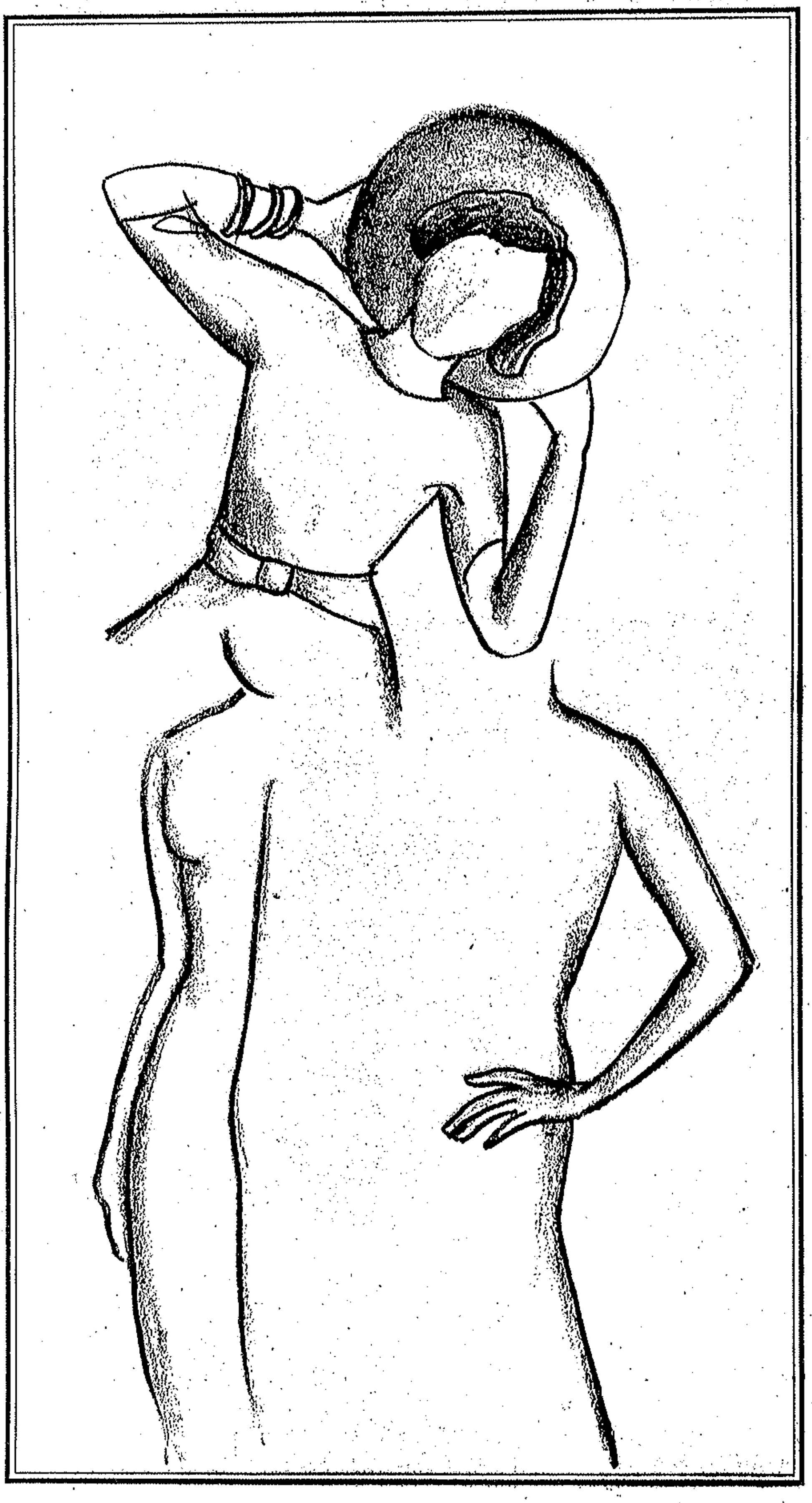

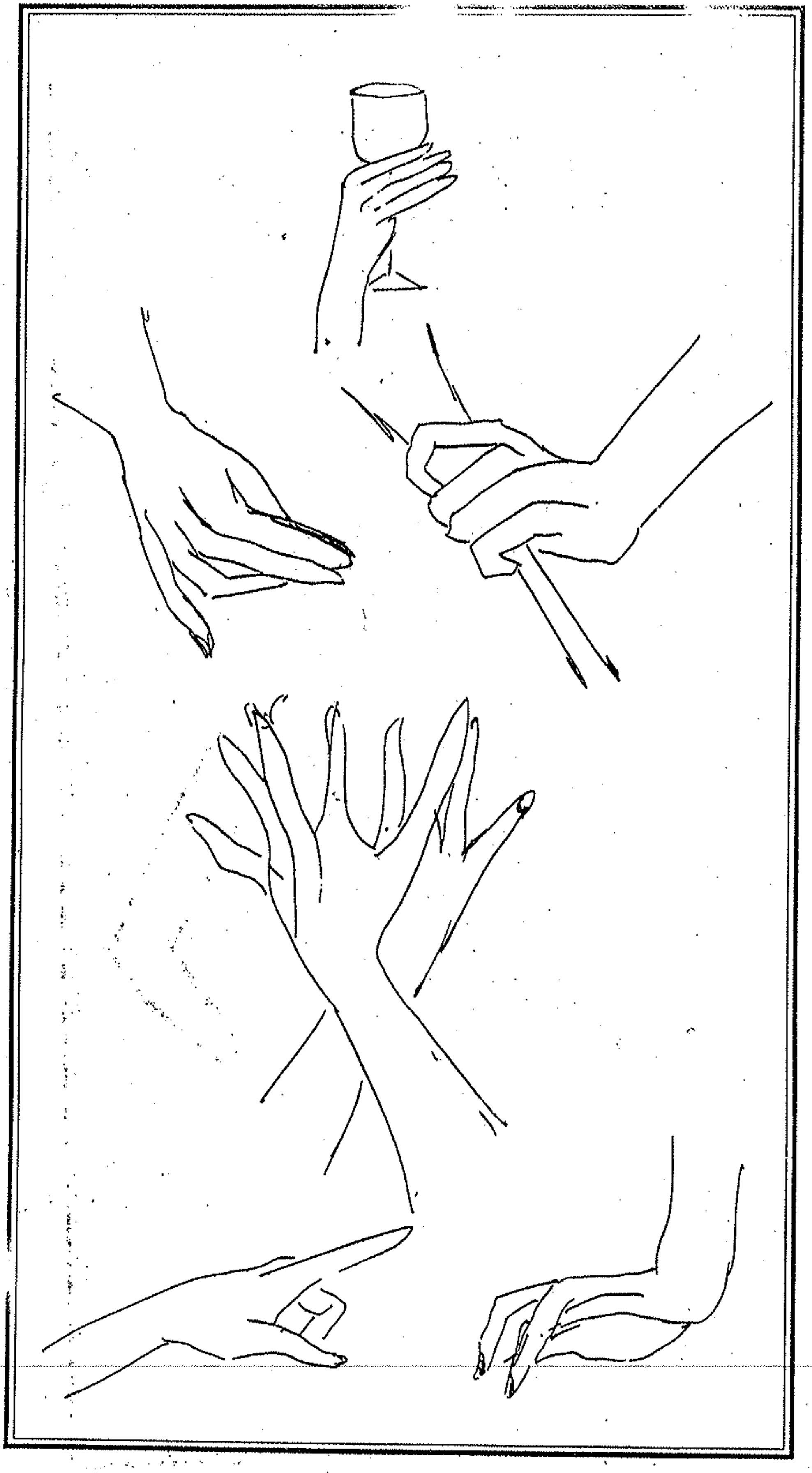

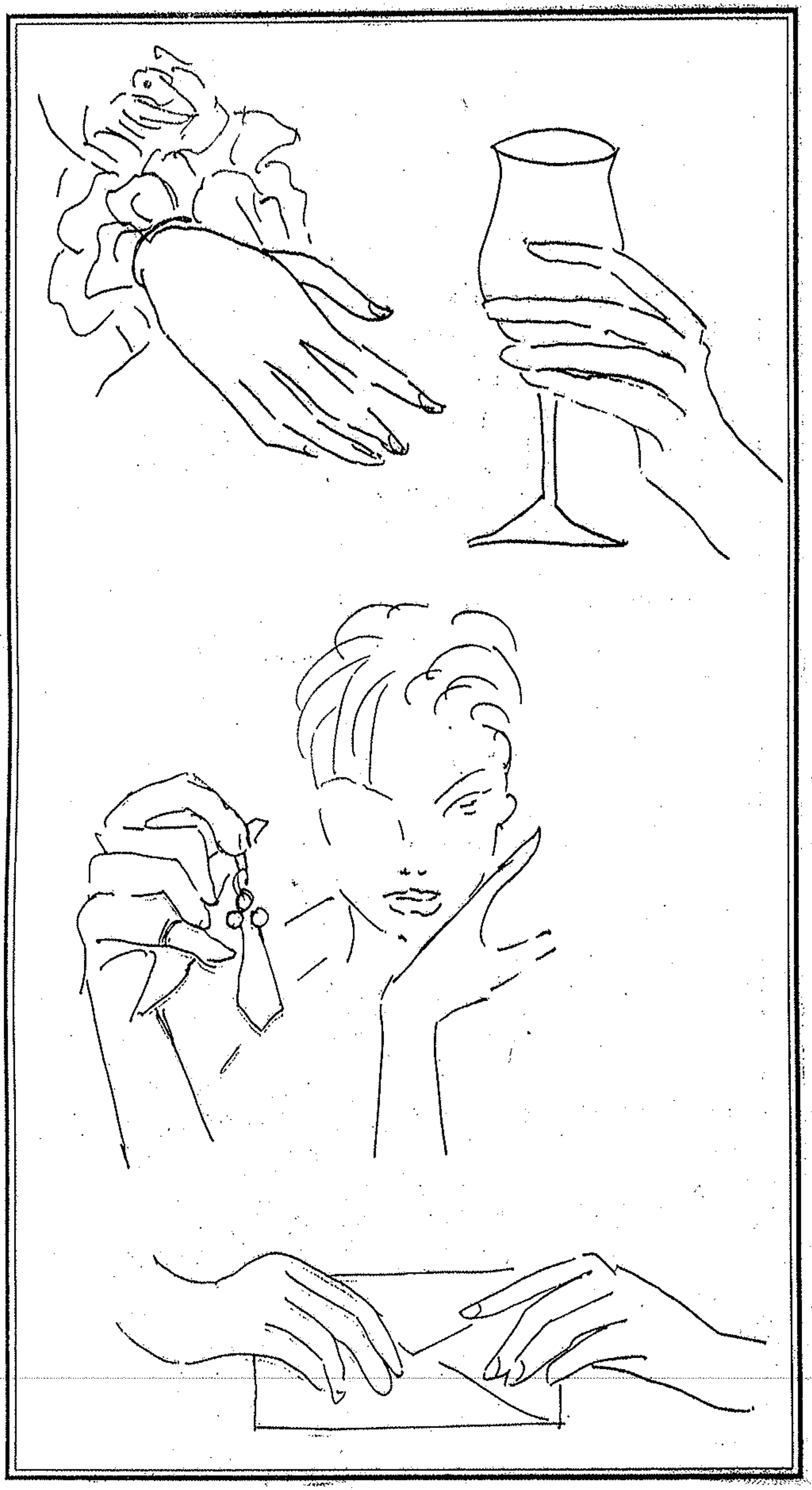

अभ्यास-

१– दिये गये स्केचेस को अच्छी तरह देखें और विभिन्न प्रकार के हाथों के घुमाव का अध्ययन करें।

६.४ सारांश:-

हाथो का रेखांकन फिगर ड्रॉइंग का महत्वपूर्ण भाग है क्योंकि इनमें बहुत सी एसेसरीज पहनी जाती हैं। यह आउटफिट की सुन्दरता बढ़ा देती है। कैसी भी फिगर ड्रॉ करें परन्तु हाथ अवश्य ड्रॉ करना होगा।

६.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न–१ एक फिगर ड्रॉ करें, जिसके हाथ कमर पर हों।

प्रश्न–२ एक फिगर ड्रॉ करें, जिसके हाथ हिप पर हों।

प्रश्न–३ एक फिगर ड्रॉ करें, जिसका हाथ सिर पर हो।

प्रश्न–४ एक फिगर ड्रॉ करें, जिसका हाथ ठुड्डी पर हो।

प्रश्न–५ एक फिगर ड्रॉ करें, जो हाथों में गिलास पकड़े हो।

६.६ स्वाध्ययन हेतु

१– एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२– कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैजल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

संरचना

१०.१ यूनिट प्रस्तावना

१०.२ उद्देश्य

१०.३ पॉव के घुमाव

१०.४ सारॉश

१०.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

१०.६ स्वाध्ययन हेतु

१०.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

इस यूनिट में पैरो के विभिन्न पोस्चरों पर जोर दिया गया है।

१०.२ उद्देश्यः-

टॉगों की सही स्थिति दिखाना फिगर ड्रॉइंग में बहुत महत्व रखता है। इस यूनिट में टॉगों के पोस्चरों की विभिन्न ड्रॉइंग दिखाई गई है।

१०.३ टॉगों के घुमावः-

डिजाइनर जब फैशन फिगर बनाते हैं, तब उसके पूरे आउटफिट को ध्यान में रखते हैं। केवल पूरी फिगर ही नही बल्कि उसके विभिन्न भागो का भी ध्यान रखना होता है।

आपकी फिगर कैसी लगती है यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह आपके आउटफिट आकर्षण को बढ़ाती है। लेग्स ड्रेस की सुन्दरता को अधिक आकर्षक बना देती है क्योंकि इसमें बहुत सी एसेसरीज पहनी जाती हैं। आपने कैसी भी फिगर ड्रॉ की है लेकिन इसके साथ टॉगे अवश्य ड्रॉ करनी होती है, जिससे ड्रेस देखने में ठीक लगे।

इस पृष्ठ में टॉगो की विभिन्न स्थितियॉ दिखाई गई हैं। टॉगें ही नही पैरों की पोजीशन भी जरूरी है।

अच्छे प्रभाव पाने के लिए इस पृष्ठ में दिये गये सभी स्केचेस का अभ्यास ध्यानपूर्वक करना जरूरी है।

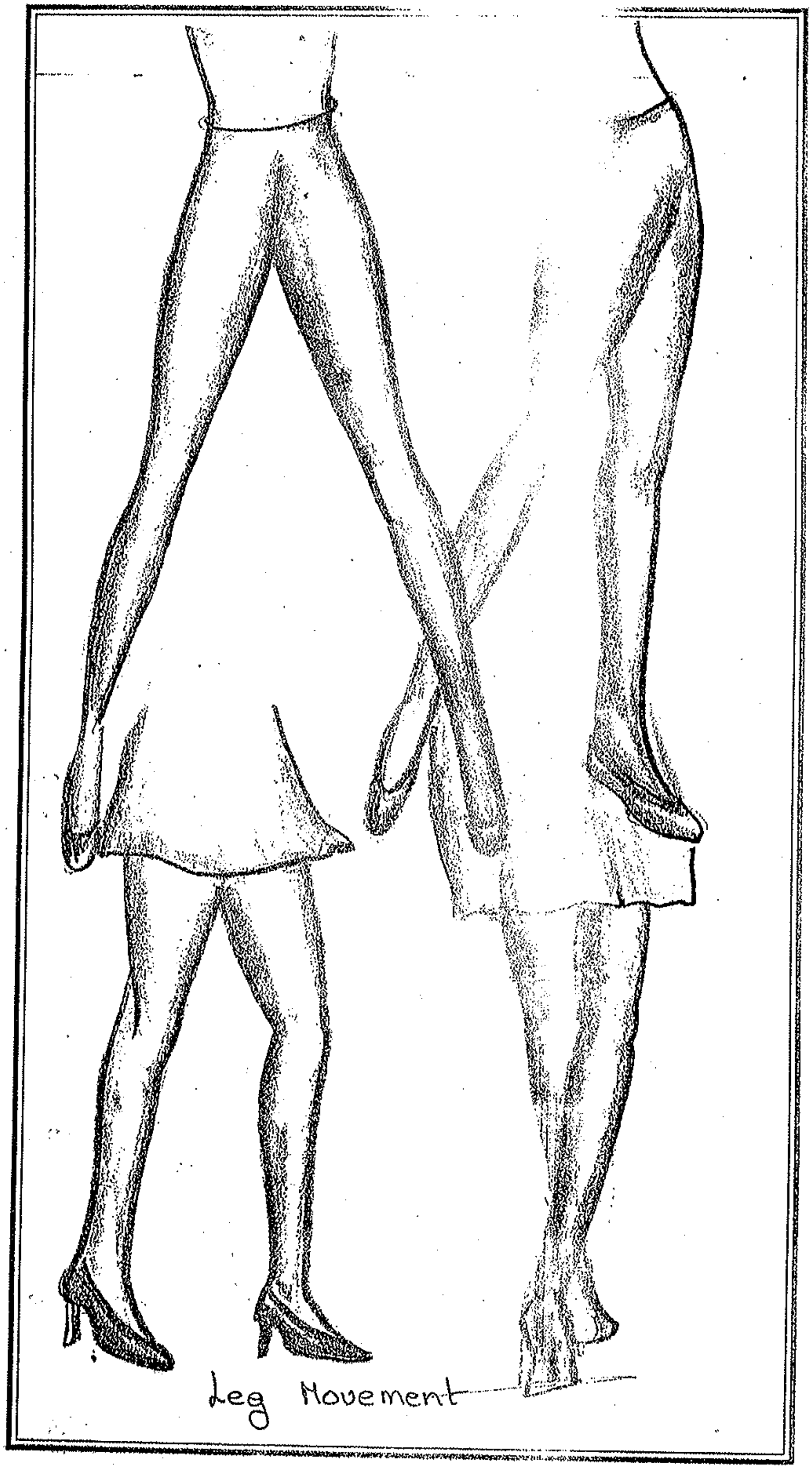
Leg Movement

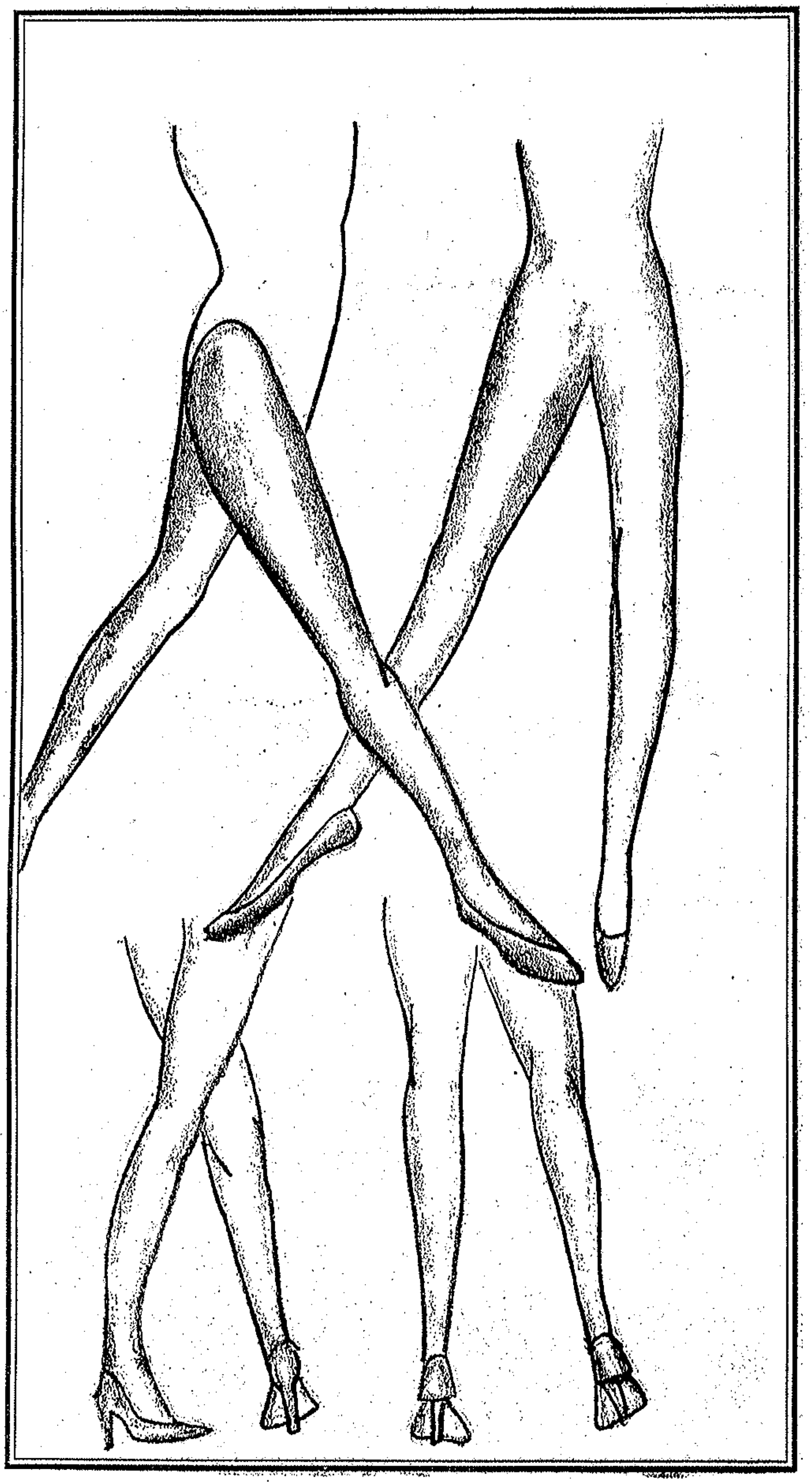

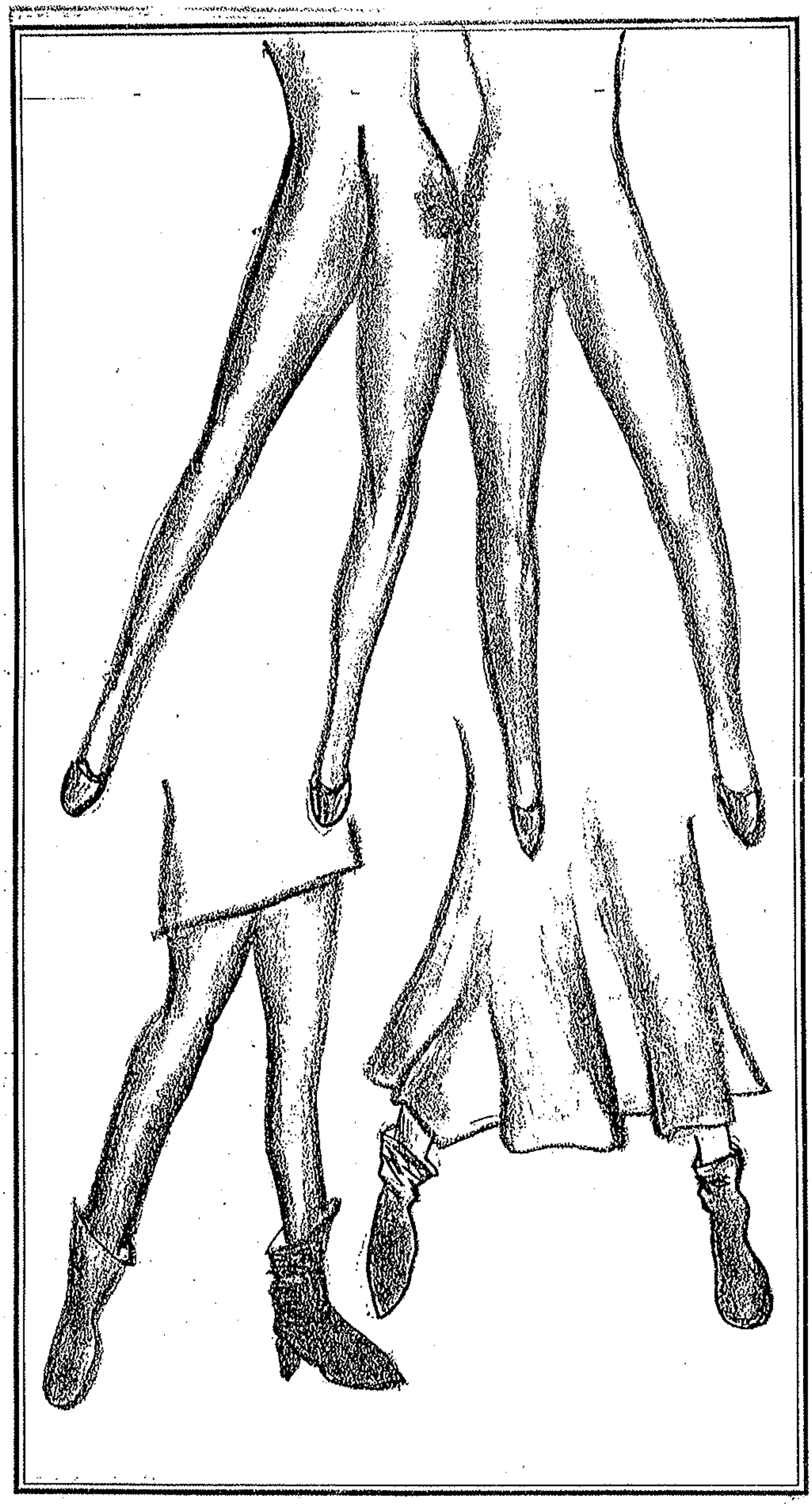

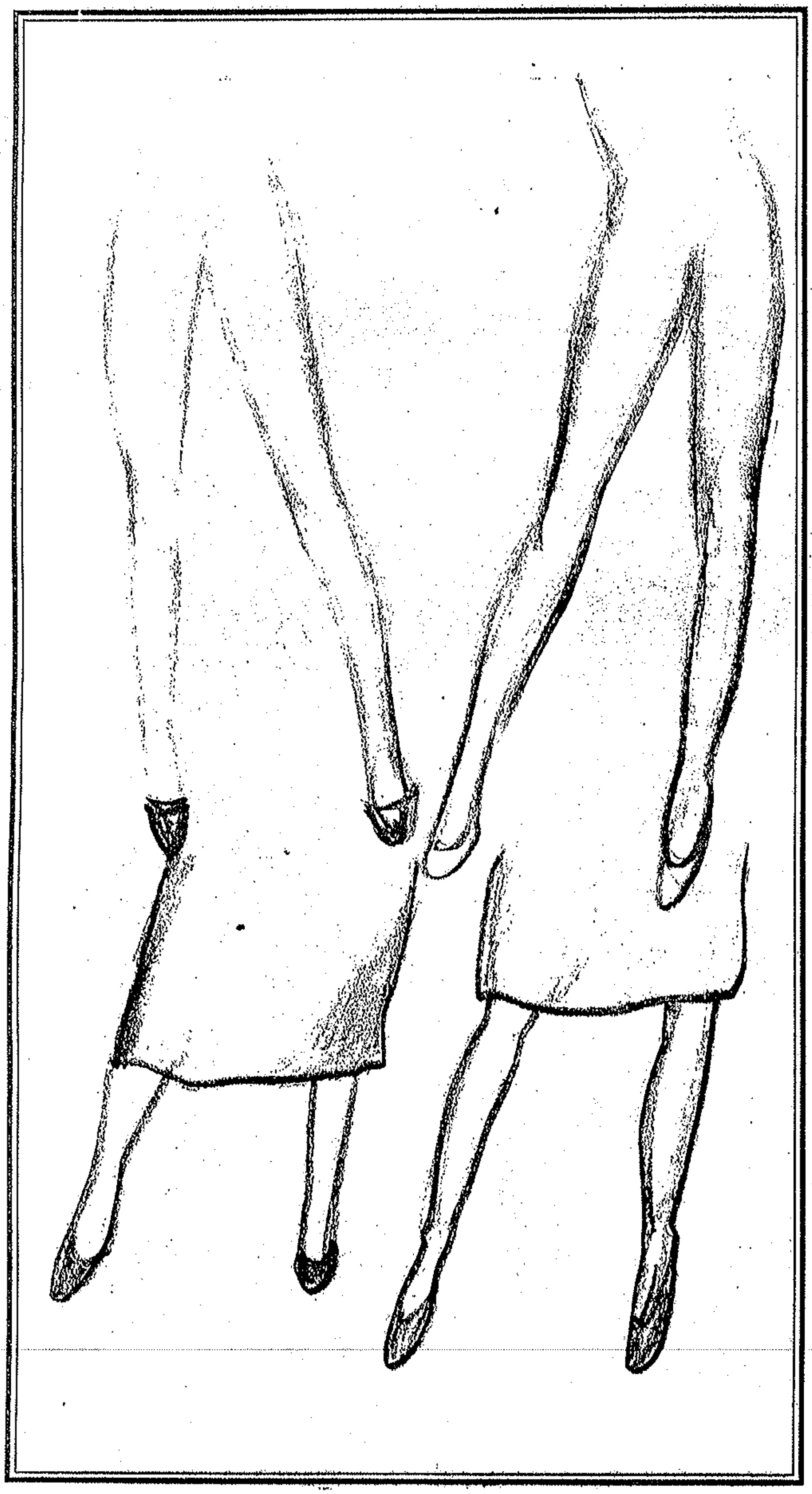

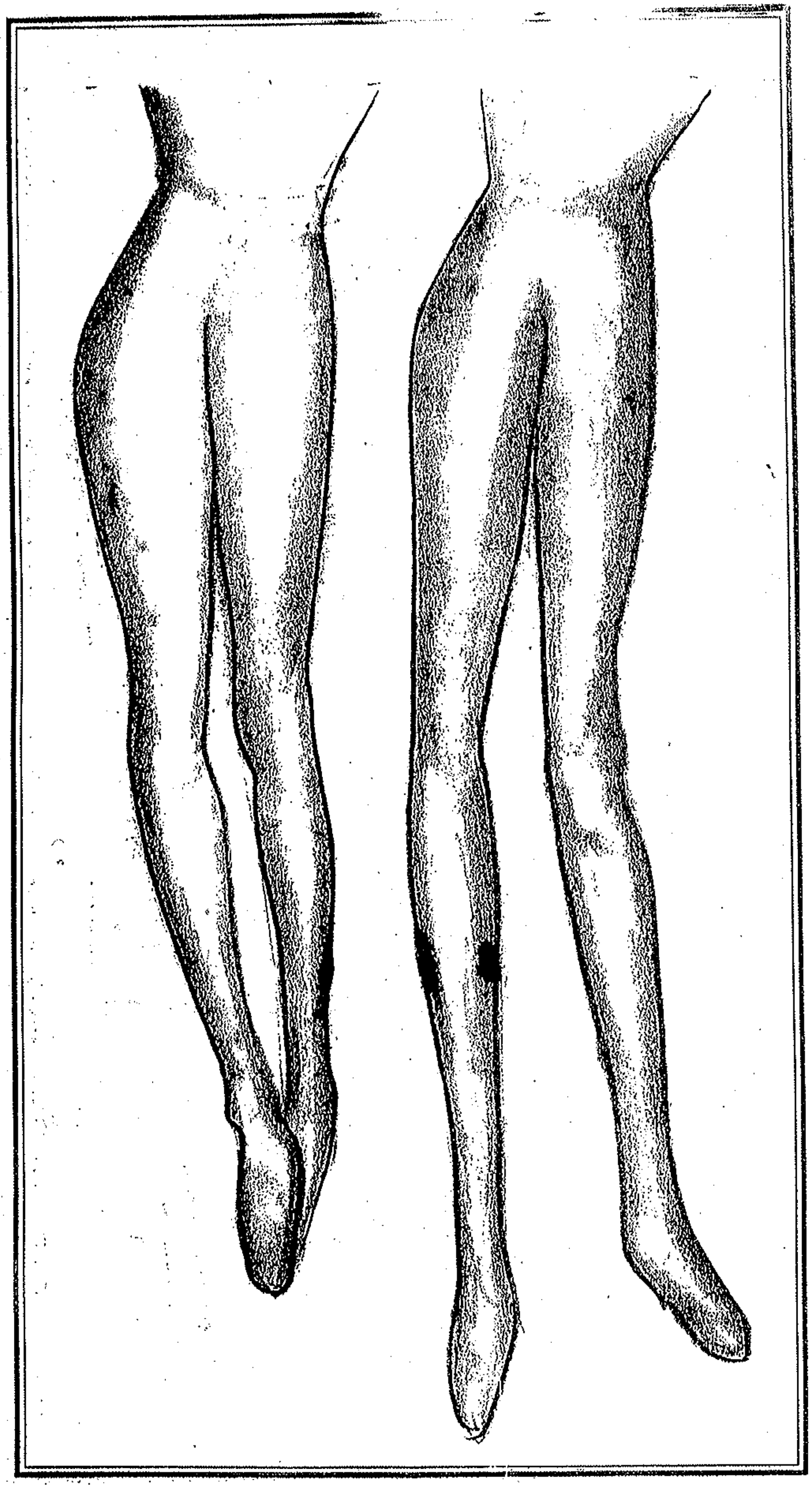

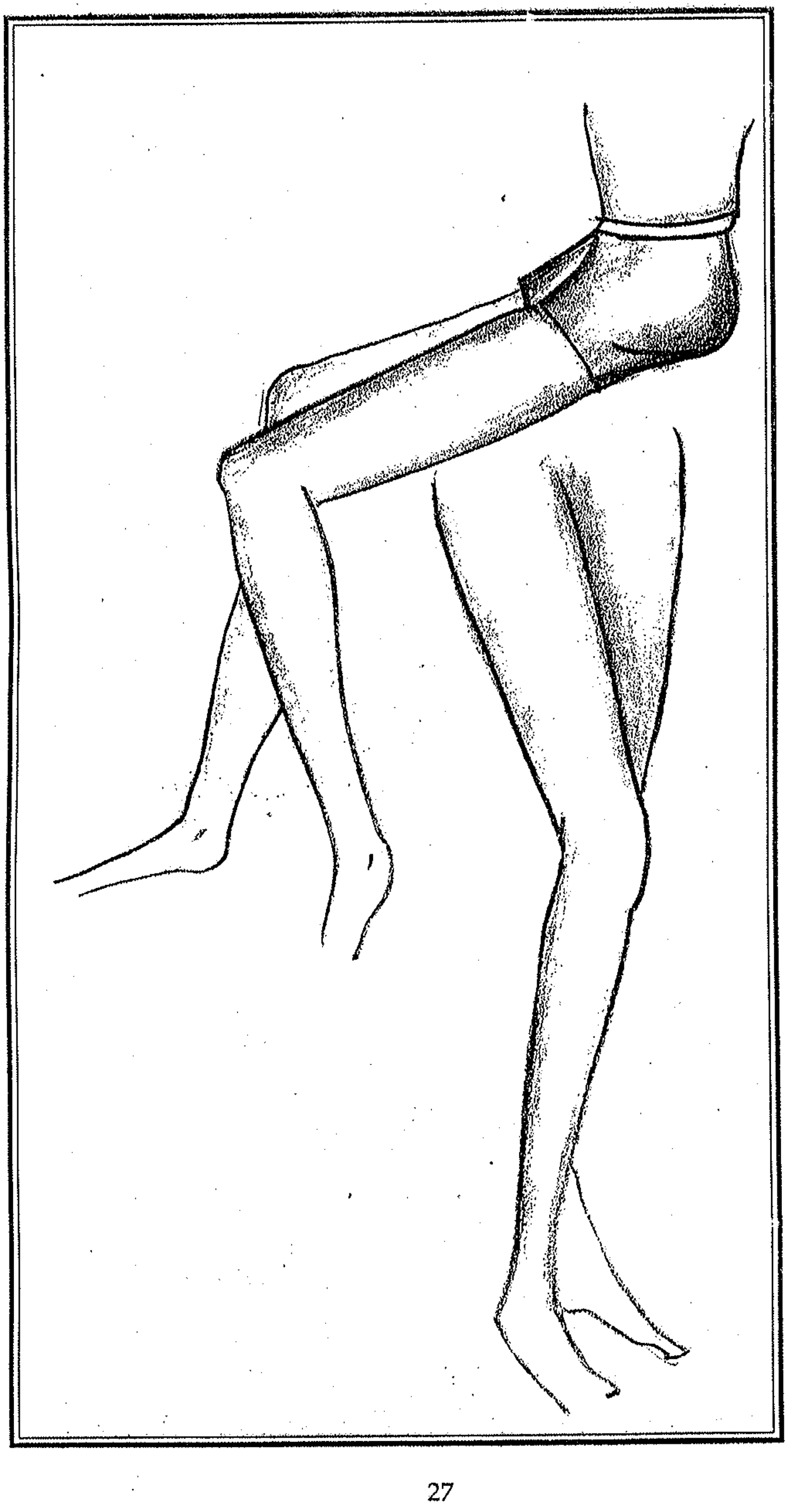

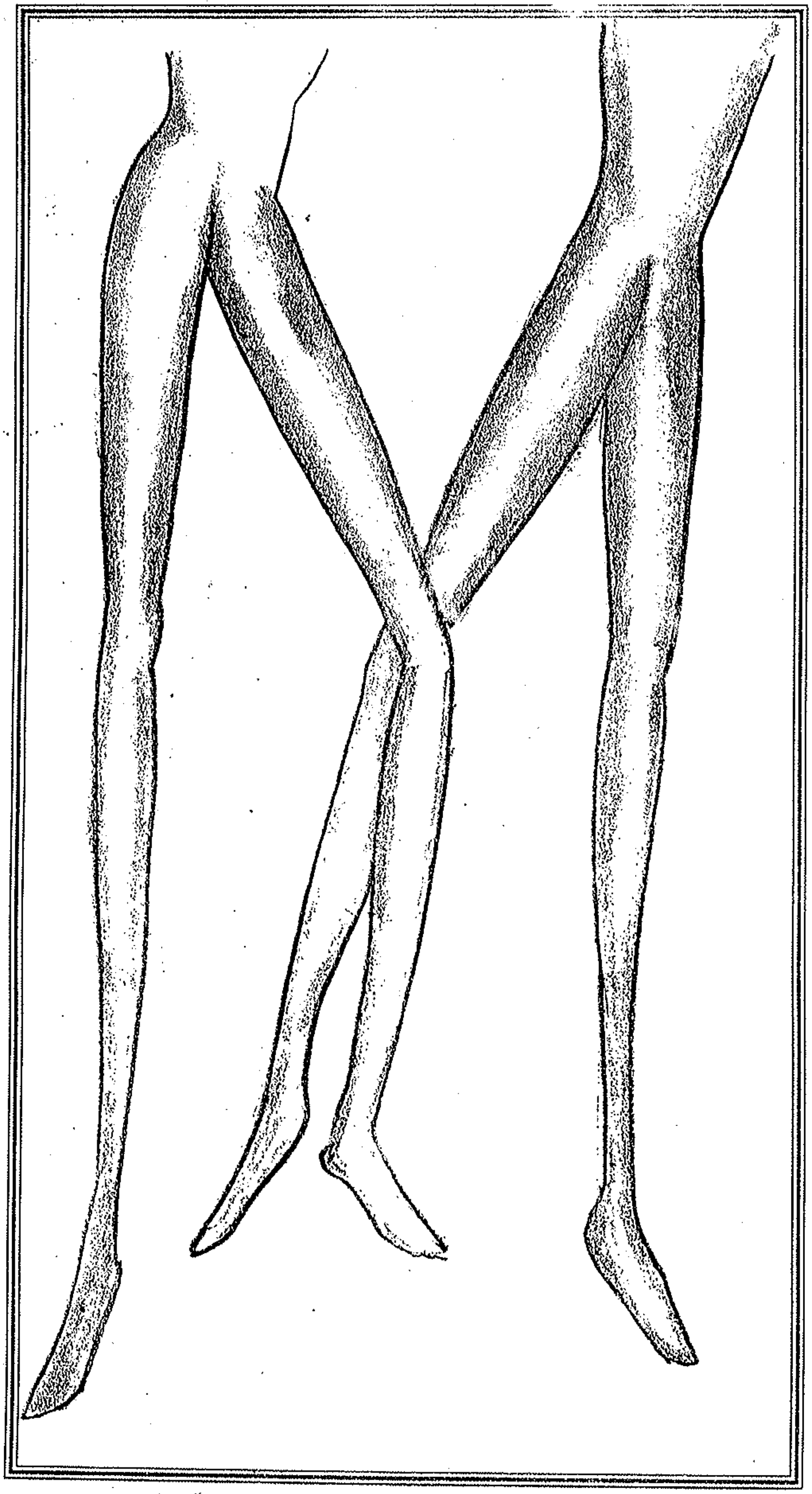

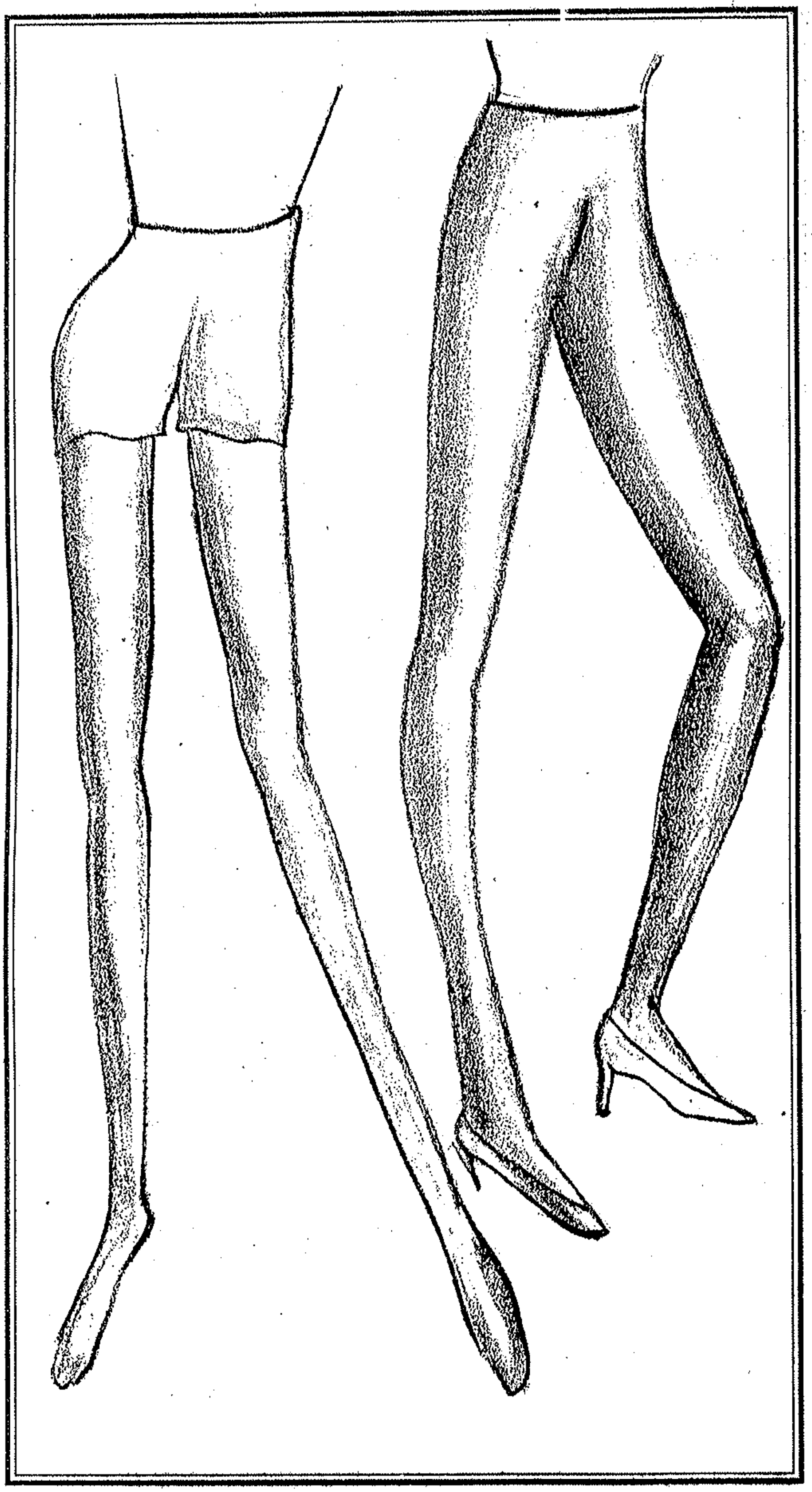

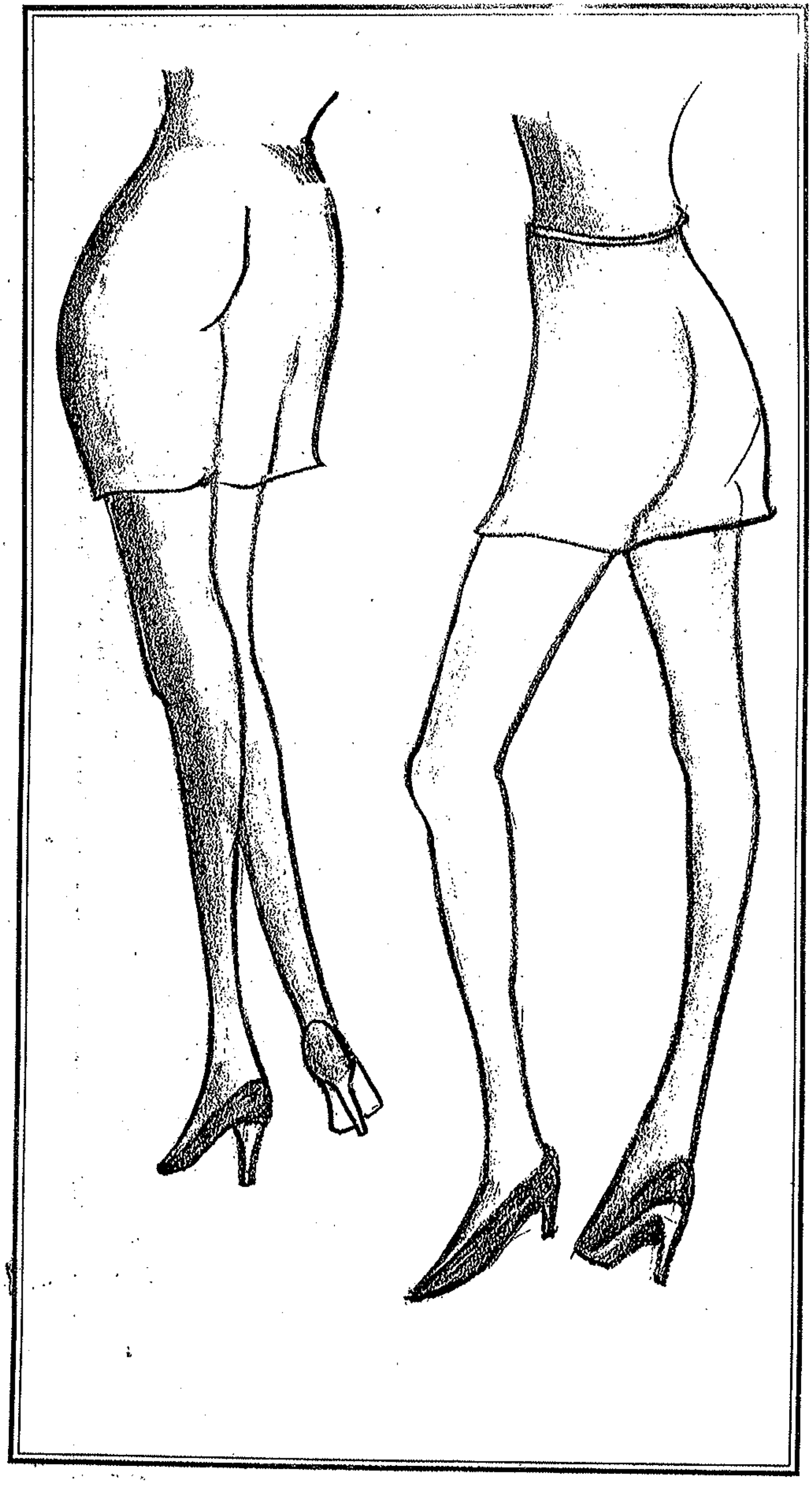

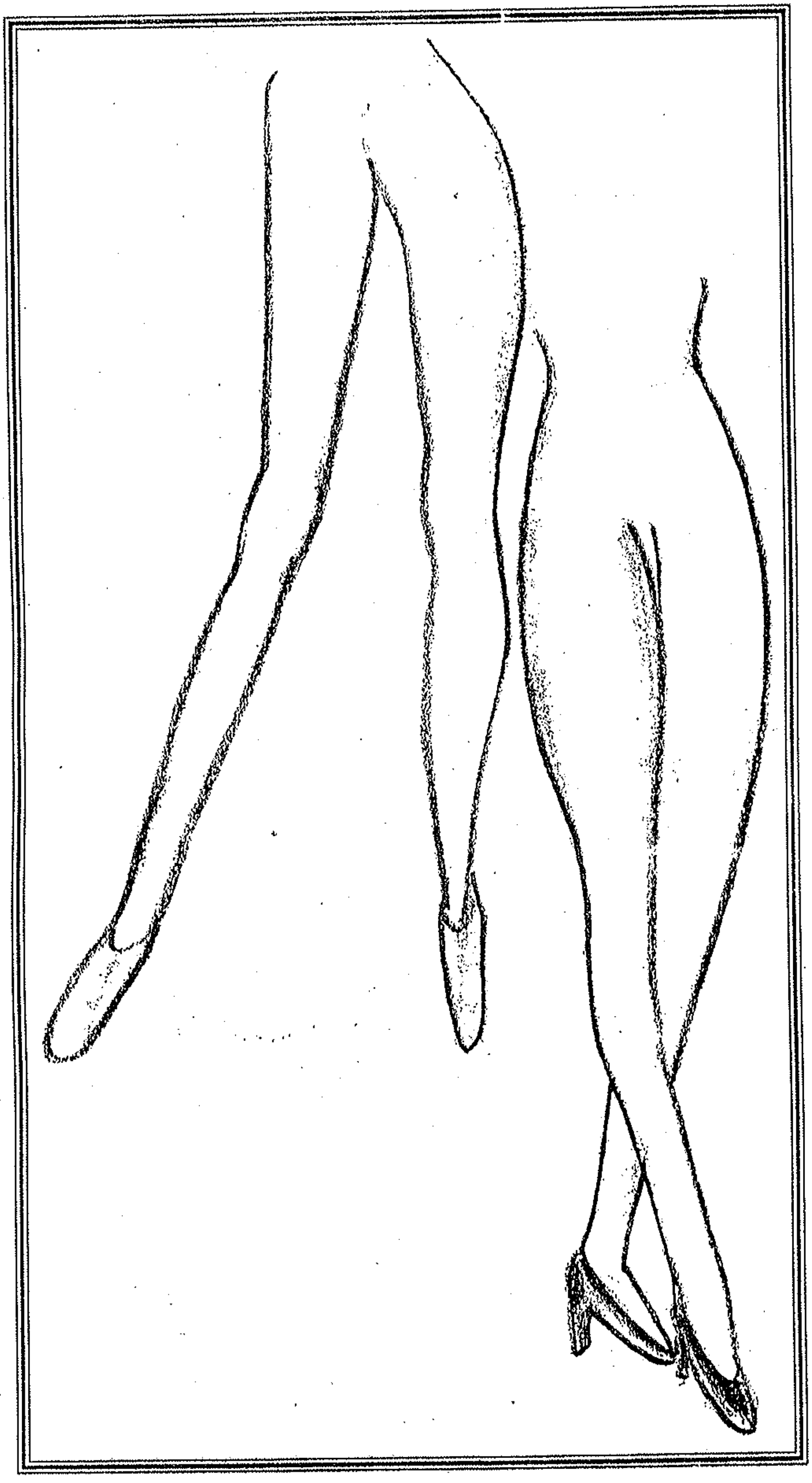

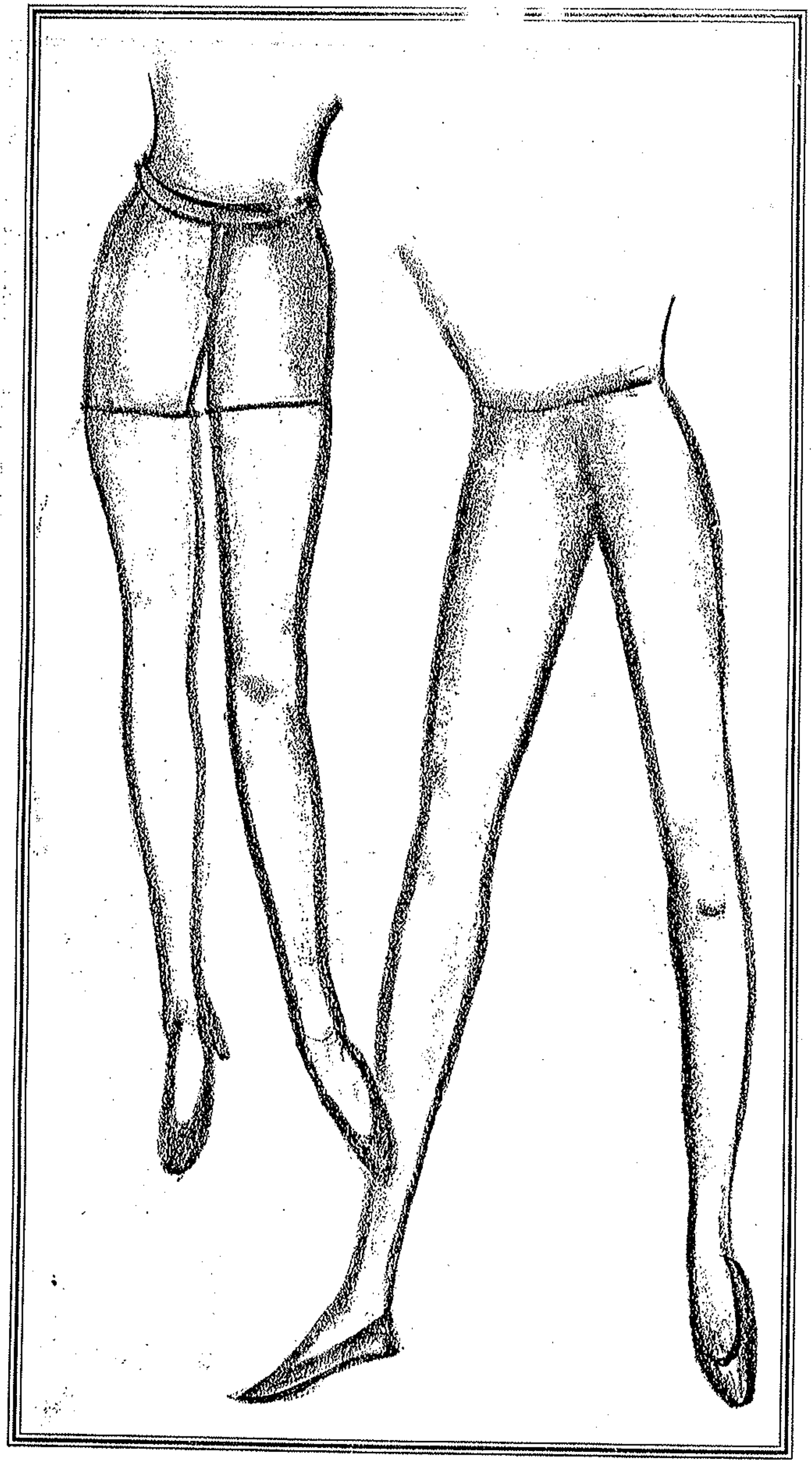

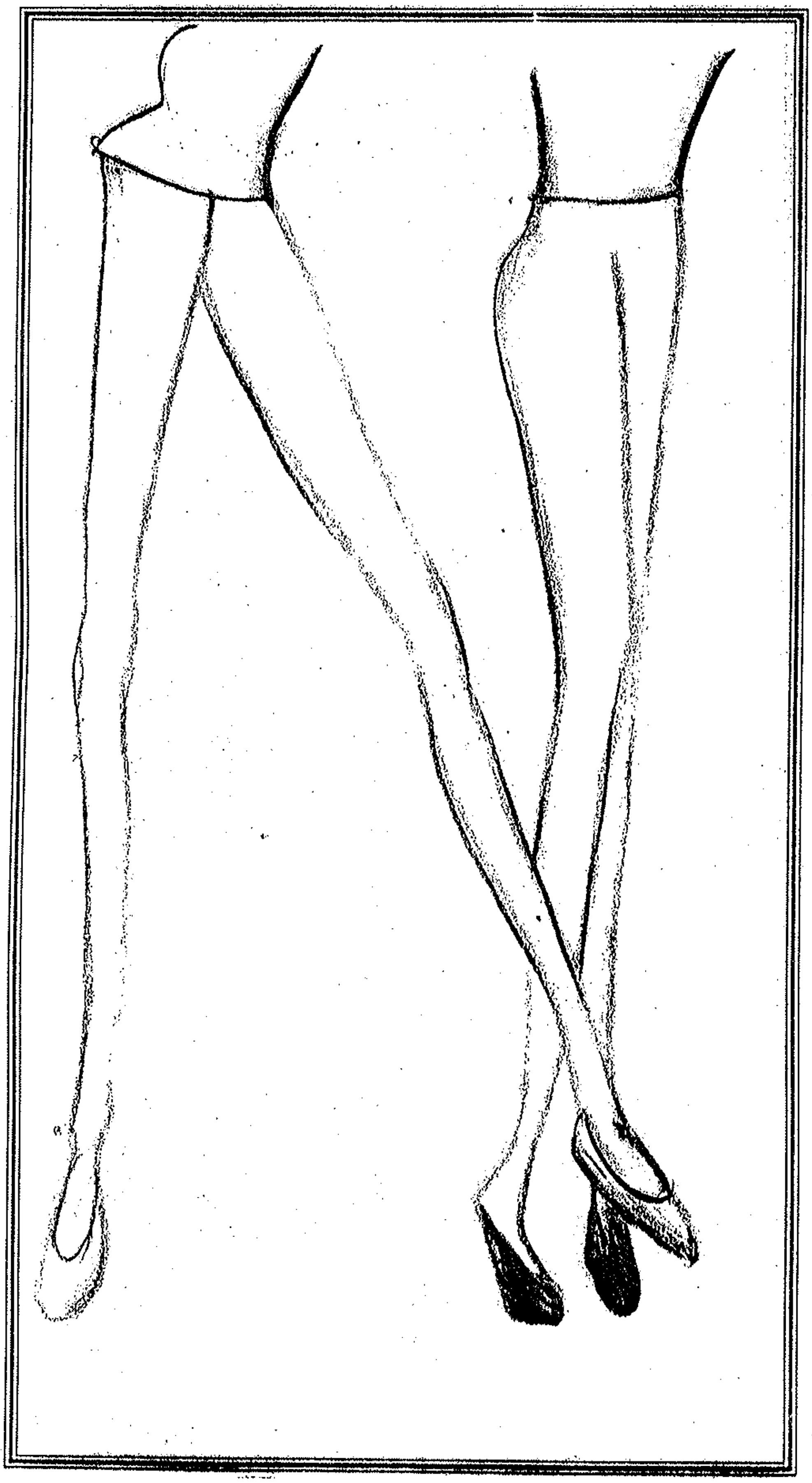

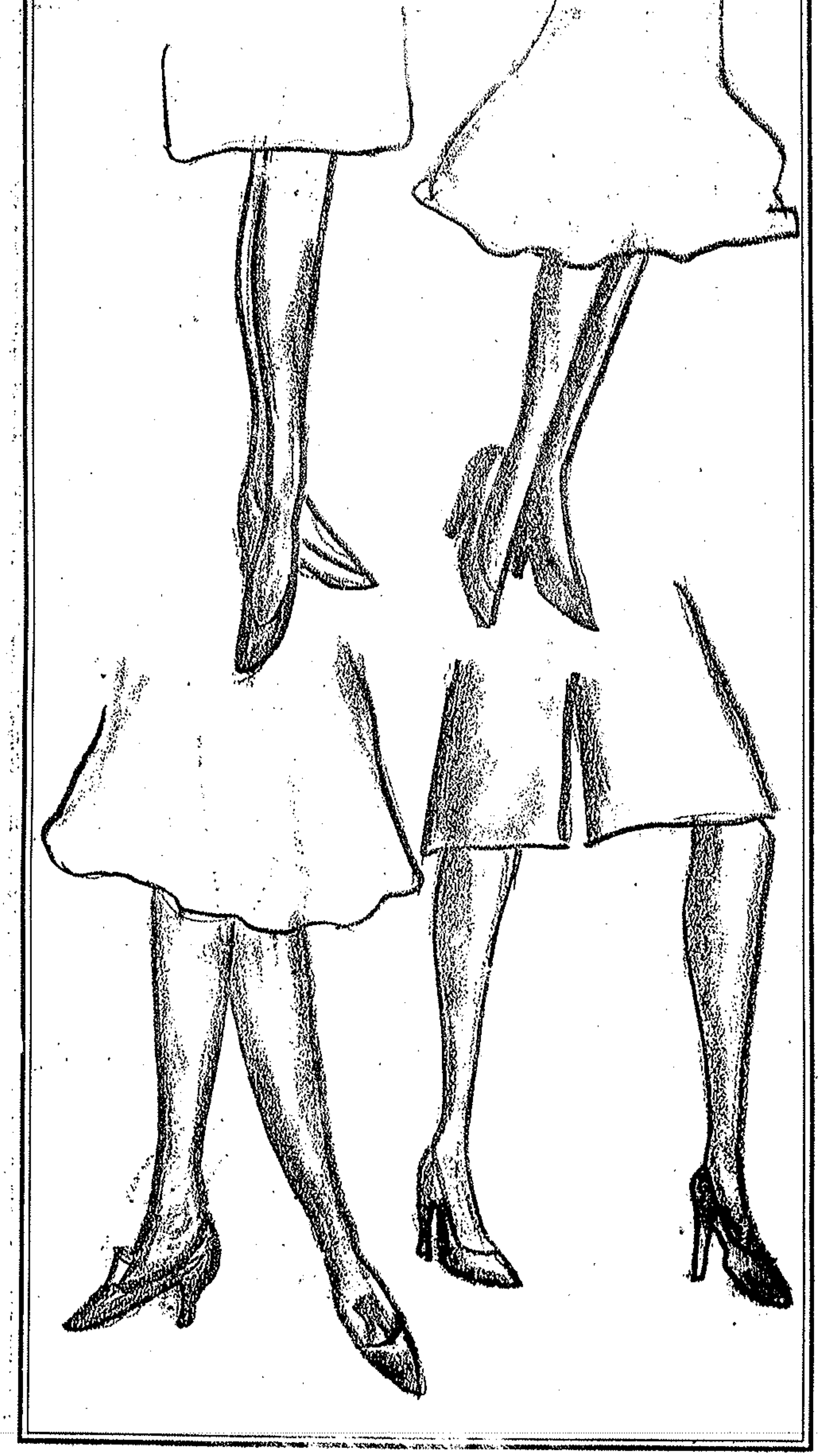

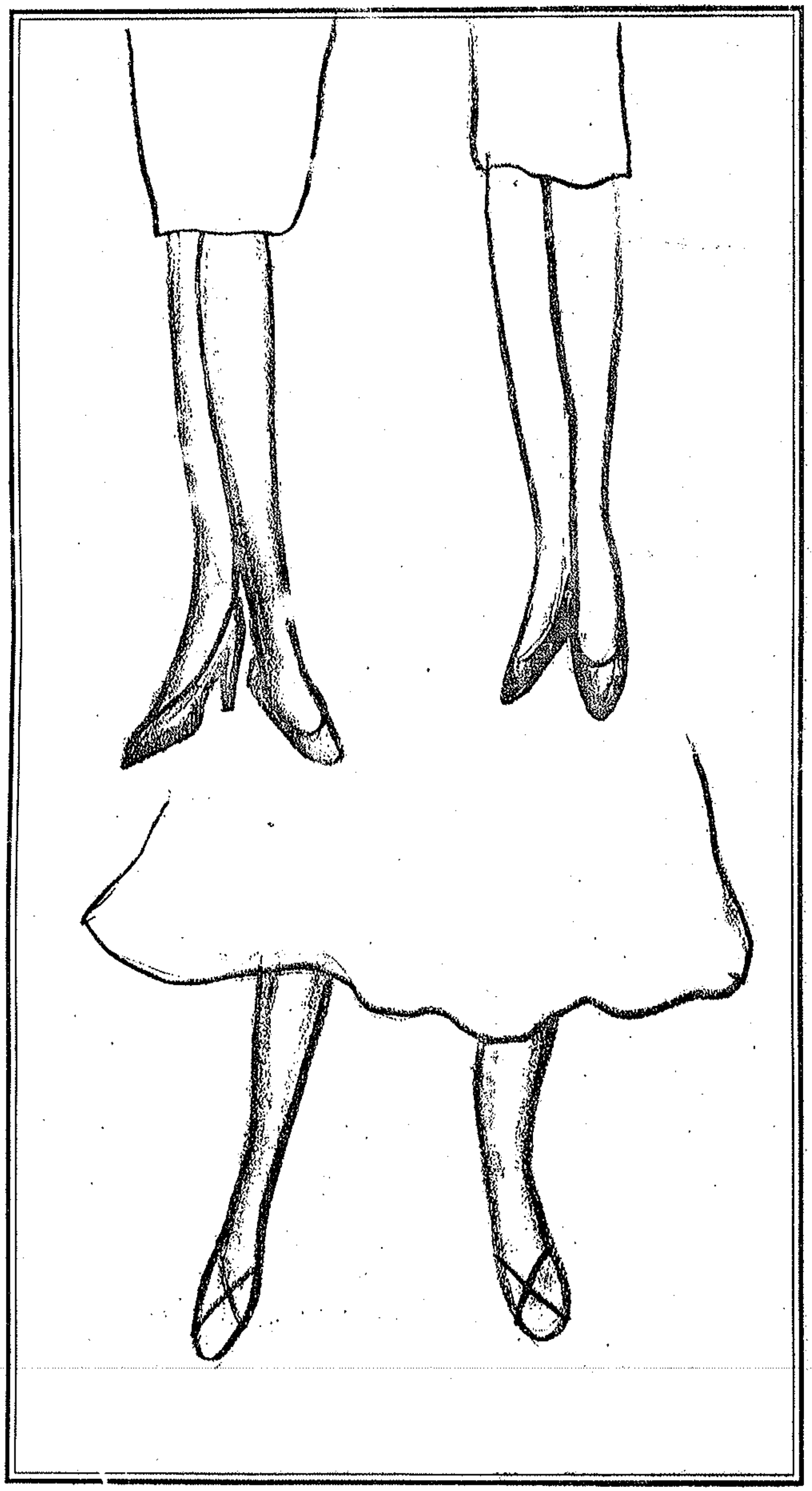

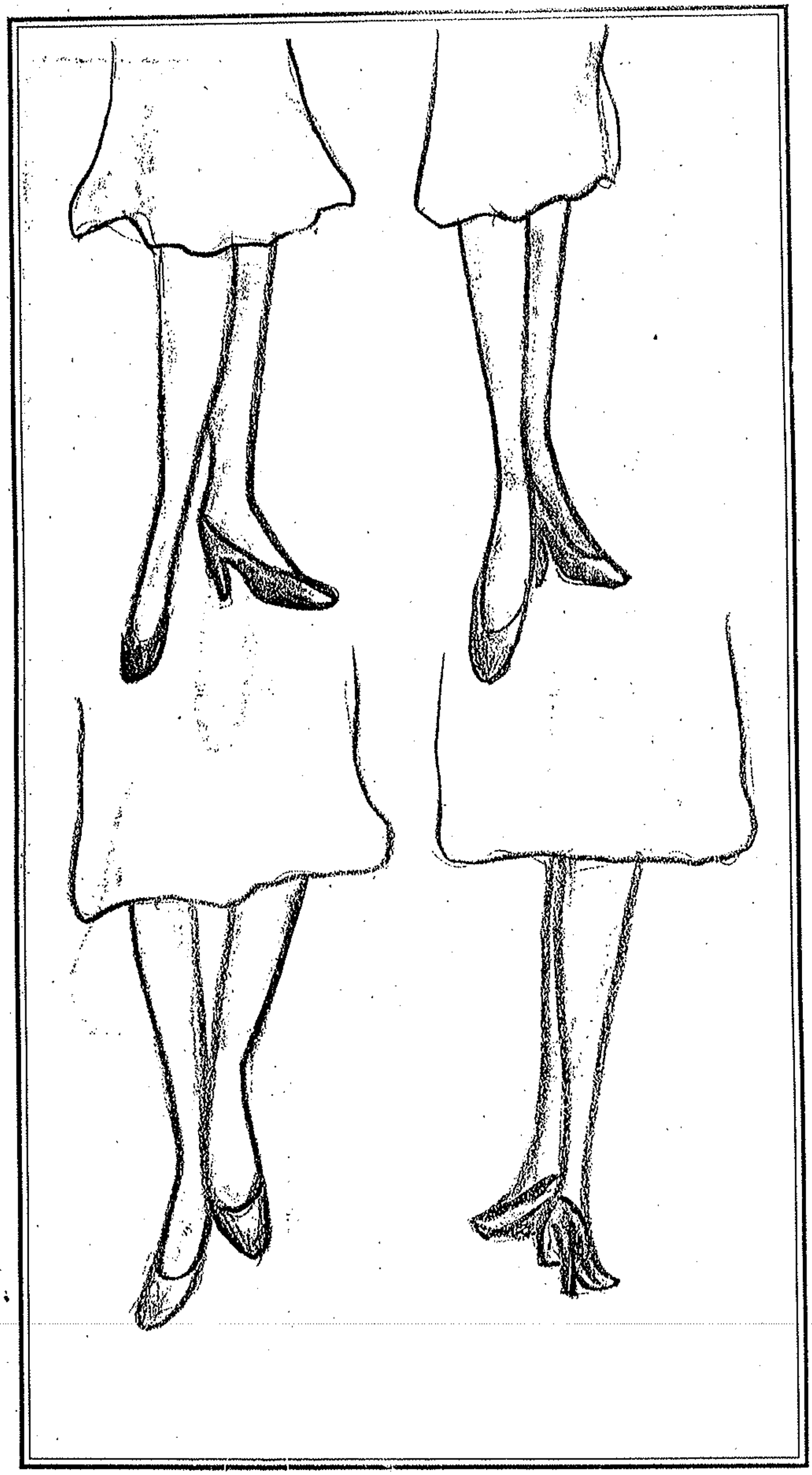

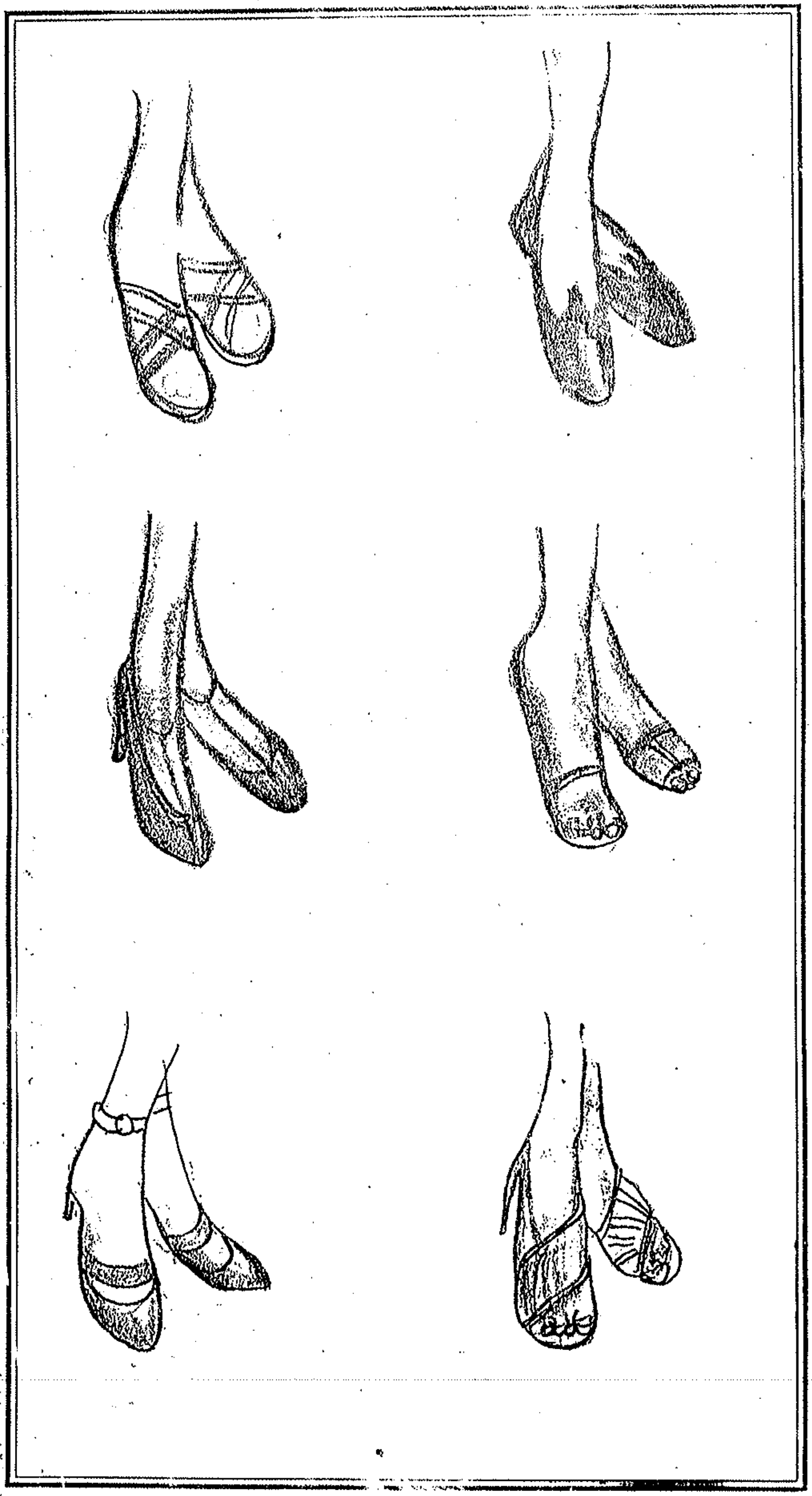

अभ्यास-

१– मैगजीन एकत्र करें एवं पैरो के विभिन्न पोजीशन देखें और समझें।

१०.४ सारांशः-

आपकी फिगर कैसी लगती है यह बहुत जरूरी है। यह आपकी ड्रेस का आकर्षण बढ़ा देती है। टॉंगे जिनमें बहुत सी एसेसरीज पहनी हो, ड्रेस की सुन्दरता बढ़ा देती हैं। टॉंगे आपकी ड्रेस लुक बदल देती हैं। फिगर कैसी भी हो टॉंगे खूबसूरती बढ़ा देती है।

१०.५ स्वनिंधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न–१ एक सीधी खड़ी फिगर बनाओ।

प्रश्न–२ दौड़ते हुए फिगर बनाओं।

प्रश्न–३ एक पैर पर खड़ी फिगर बनाओं जिसका दूसरा पैर दिवाल के अगेन्स्ट हो।

प्रश्न–४ एक फिगर ड्रॉ करें जो एक पैर पर खड़ी हो और दूसरा उसके पीछे हो।

प्रश्न–५ एक बैठी हुई फिगर बनाओ जिसका एक पैर दूसरे के ऊपर हो।

१०.६ स्वाध्ययन हेतु

१– एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२– कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैजल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

संरचना

११.१ यूनिट प्रस्तावना

११.२ उद्देश्य

११.३ फिगर स्केचिंग

११.४ सारॉश

११.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

११.६ स्वाध्ययन हेतु

११.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

इस यूनिट में फैशन फिगर स्केचिंग सिखाने पर जोर दिया गया है।

११.२ उद्देश्यः-

फैशन फिगर आम फिगर के मुकाबले लम्बी होती है। यदि आप अपनी फैशन फिगर एक सामान्य फिगर की तुलना मे लम्बी बनायेगीं तो यह पतली एवं अच्छी लगेगी। इस यूनिट में फिगर्स को लम्बा कैसे ड्रॉ किया जाता है, सिखाया गया है।

११.३ फिगर स्केचिंगः-

फिगर ड्रॉइंग एक पारम्परिक कार्नररस्टोन आर्ट प्रशिक्षण है। मानव ...र प्रत्येक चुनौतियों को लेता है, जिसे रेखाएँ एवं टोन, पर्सपेक्टिव और कम्पोजीशन की जरूरत होती है।

विधक पोजेस और मूवमेन्ट अर्थात हिलते–चलते फिगर की ड्रॉइंग करना एक अच्छा अभ्यास है, जिनसे आप पिछले यूनिट में अभ्यास करके परिपक्व हो चुके हैं।

अब तक आपके हाथ कुछ भी जल्दी से ड्रॉ करने में सिद्धस्त हो चुके होगें। फिगर ड्रॉ करने में आपका आब्जर्वेशन एकदम सही होना चाहिए अन्यथा आपकी ड्रॉइंग खराब व स्टिफ हो जायेगी, लेकिन आप अपनी फिगर में ताजगी एवं एनर्जी ला सकते हैं, यदि आप स्पष्ट, बोल्ड एवं उद्देश्य पूर्ण मार्क करके इन अभ्यासो को लम्बे पोजेस मे करें।

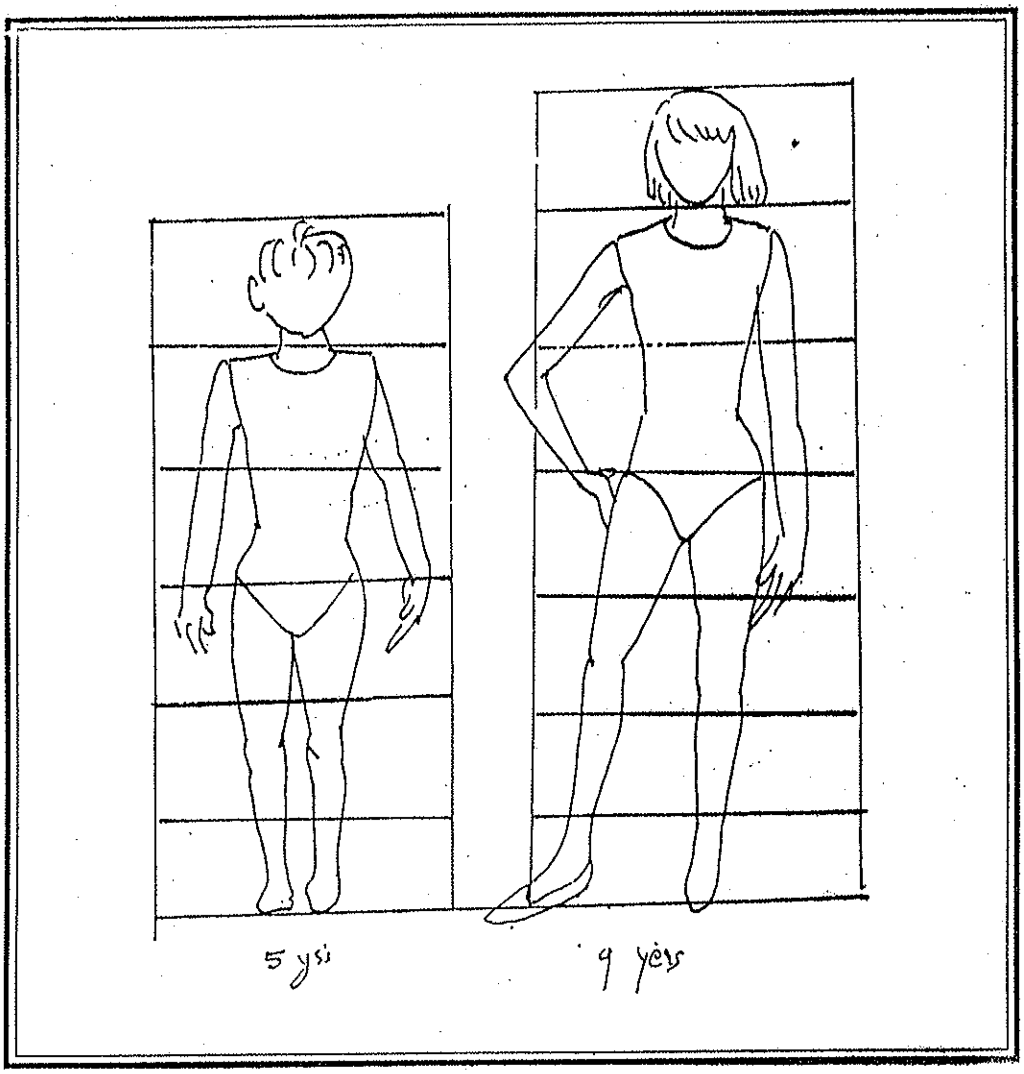

सर्वप्रथम शरीर के मुख्य अक्ष को देखें। सिर के ऊपर से नीचे टेलबोन तक, एक ही स्ट्रोक से स्पाइन फ्लो को दिखायें। इस बात का ध्यान दें कि इन फिगर्स में कन्धे के प्लेन हिप्स को नही दिखाया गया है। आप घुटने तथा पैर तक अपनी काल्पनिक लाइन रख सकते हैं।

चारकोल से अलग–अलग तरीके से प्रयोग करके ड्रॉइंग करने की कोशिश करें। स्टिक की साइड से लम्बी स्वीप करें। आराम से खड़े होकर ईजल के पीछे से रेखांकन का अभ्यास करें। यदि छोटी ड्राइंग करें तब जितने अधिक मूवमेन्ट का अभ्यास करें, सहायक होगा।

फिगर ड्रॉइंग के दो तरीके हैं– इन्टरनल एवं इक्सटरनल। पहले स्केलटन द्वारा स्पाइन और लिम्बस् के दिशा को बिल्कुल दिशा निर्देशक रेखाओ को दिखाते हुए और टिल्ट के रिब्स और पेल्विस को दर्शाते हुए इन्टरनल ऐप्रोचेस लें, जो पोज को बाँधने में पर्याप्त होगा। इक्सटरनल फार्म को दर्शाने के लिए मिनिमल लाइनों के प्रयोग से मुख्य कन्टूर का प्रयोग करें और उन्हे ढ़ीला एवं फ्लोविंग रखें।

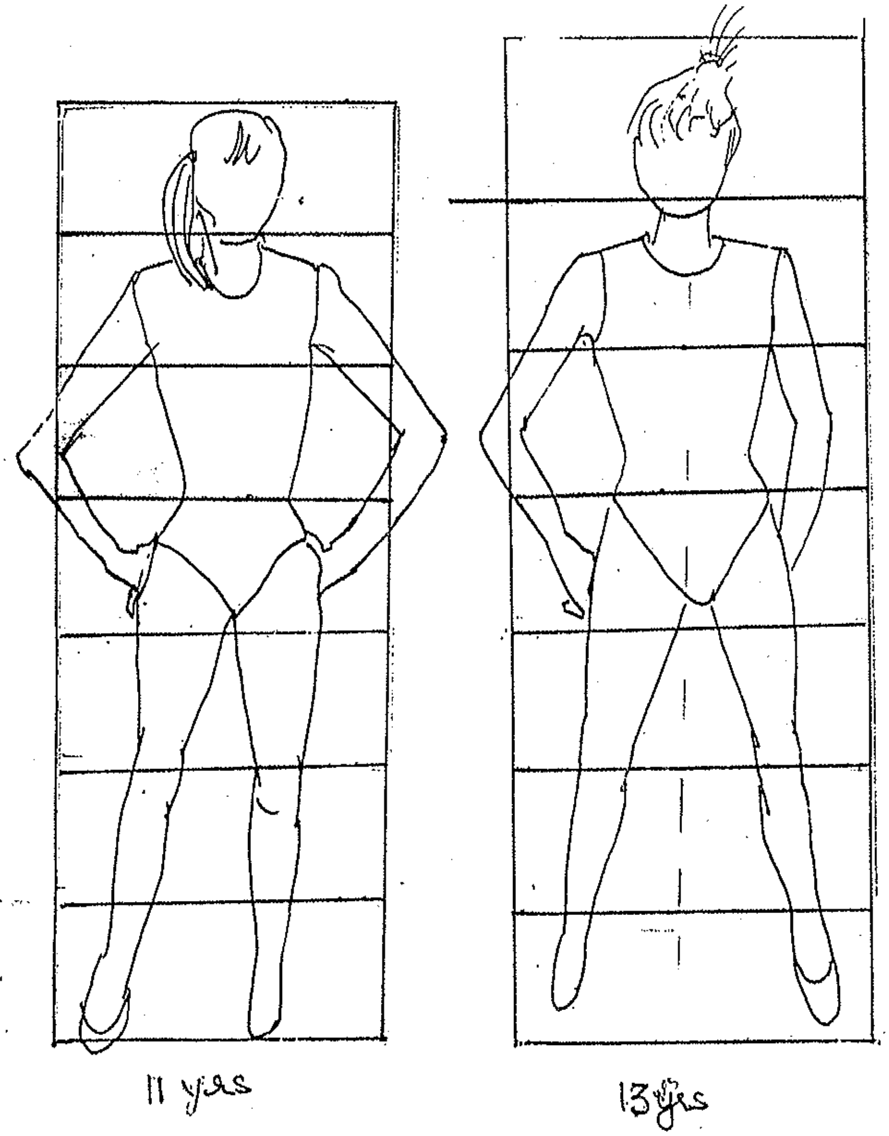

11 yrs
13 yrs

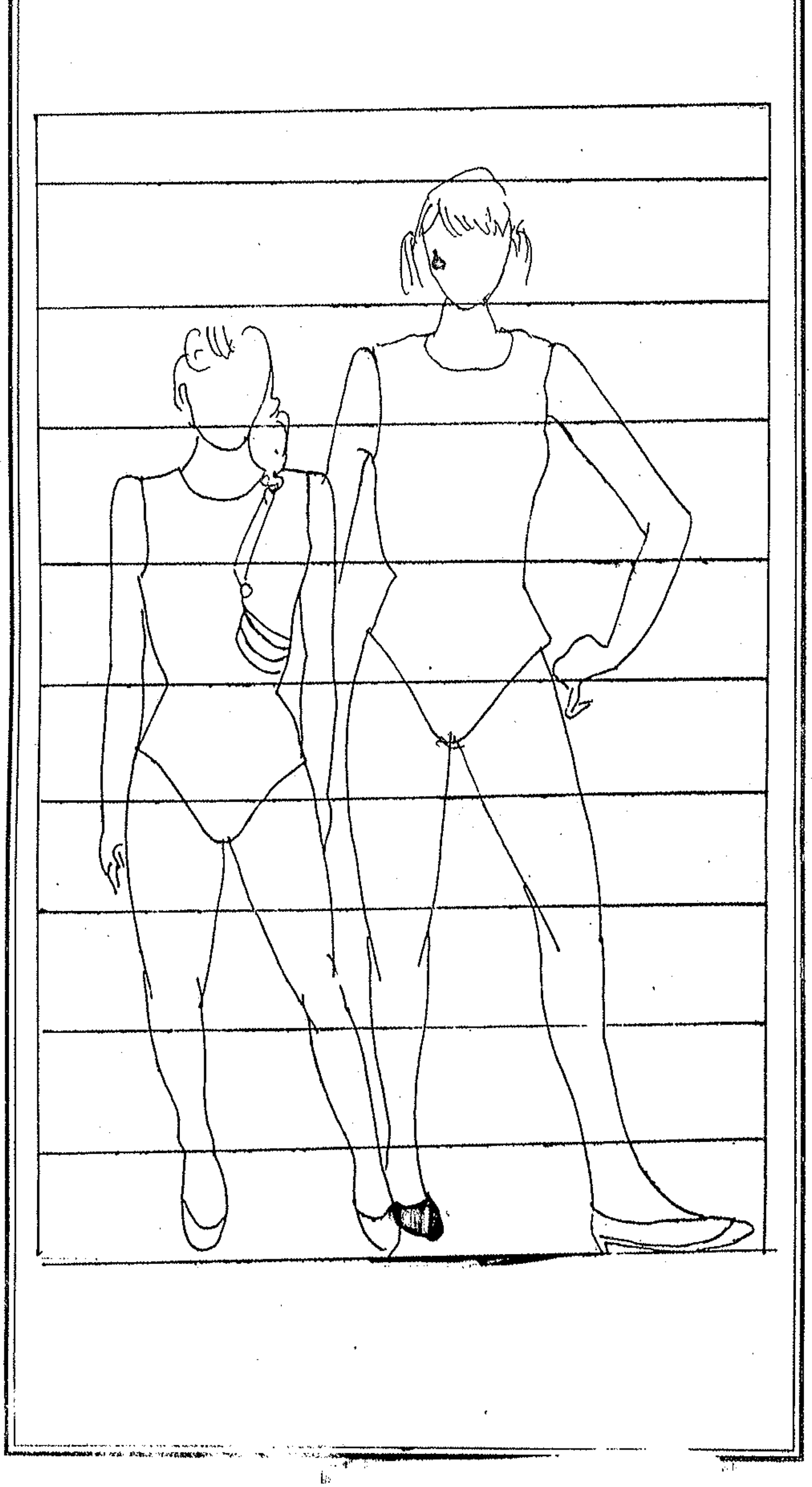

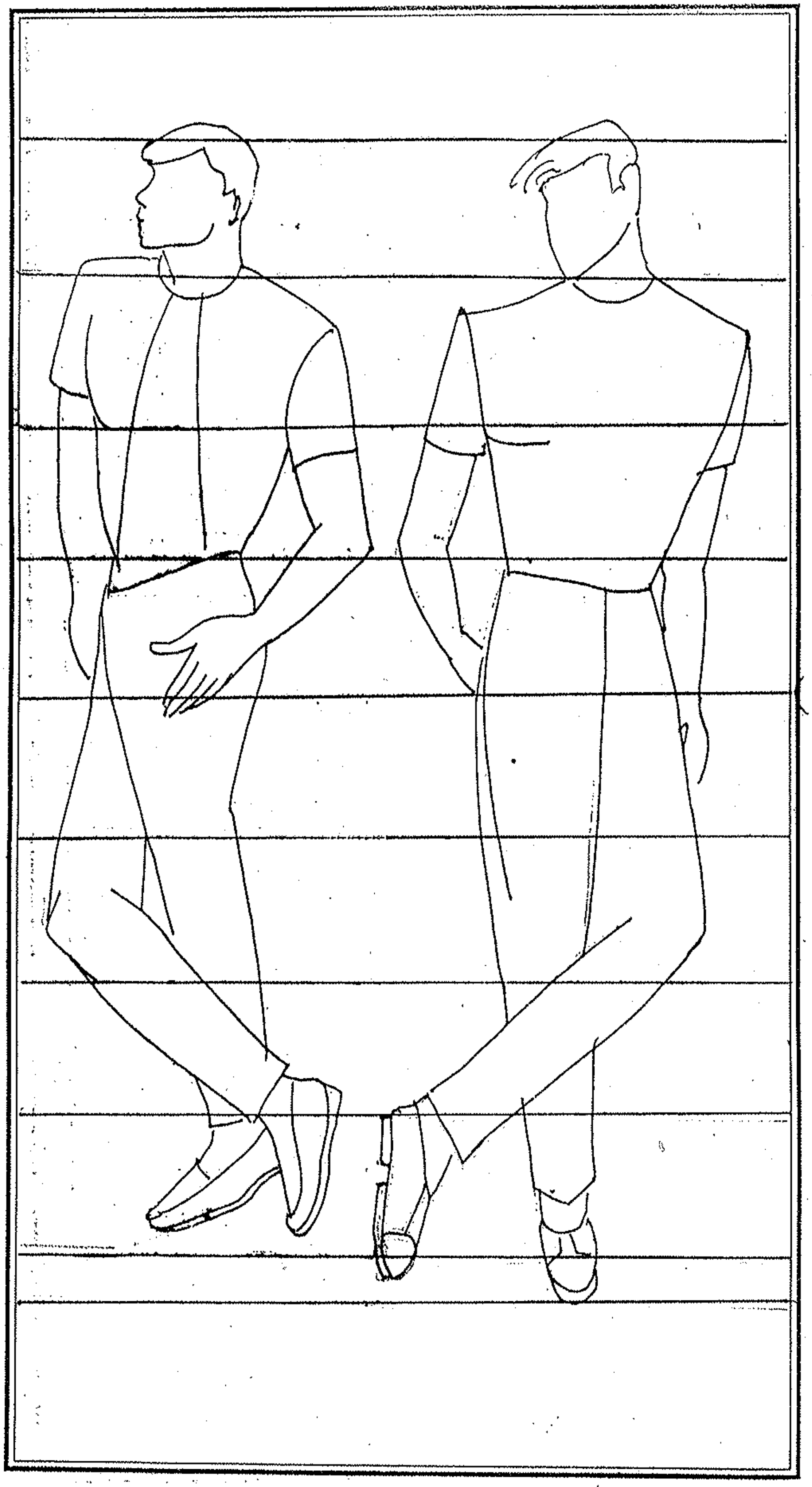

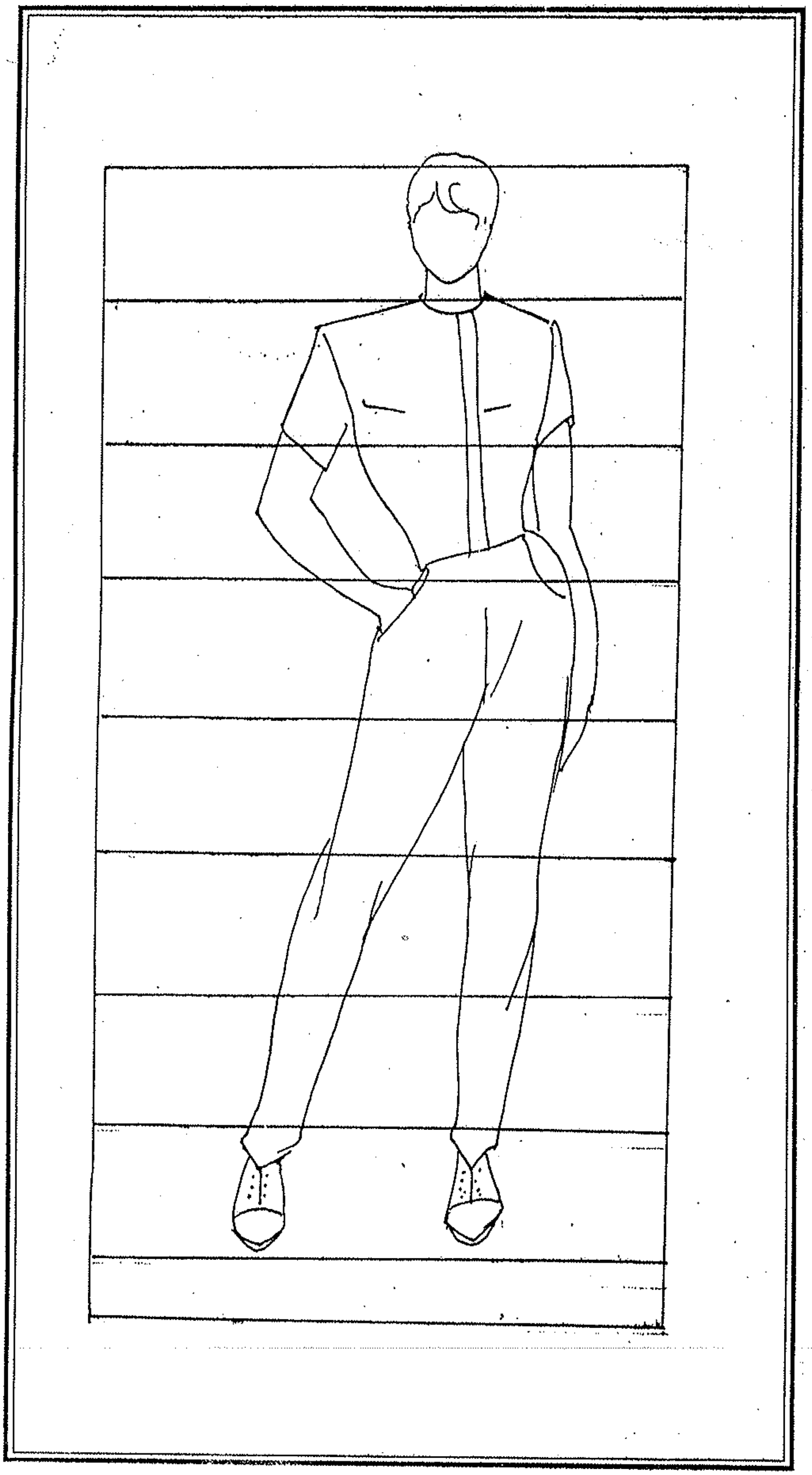

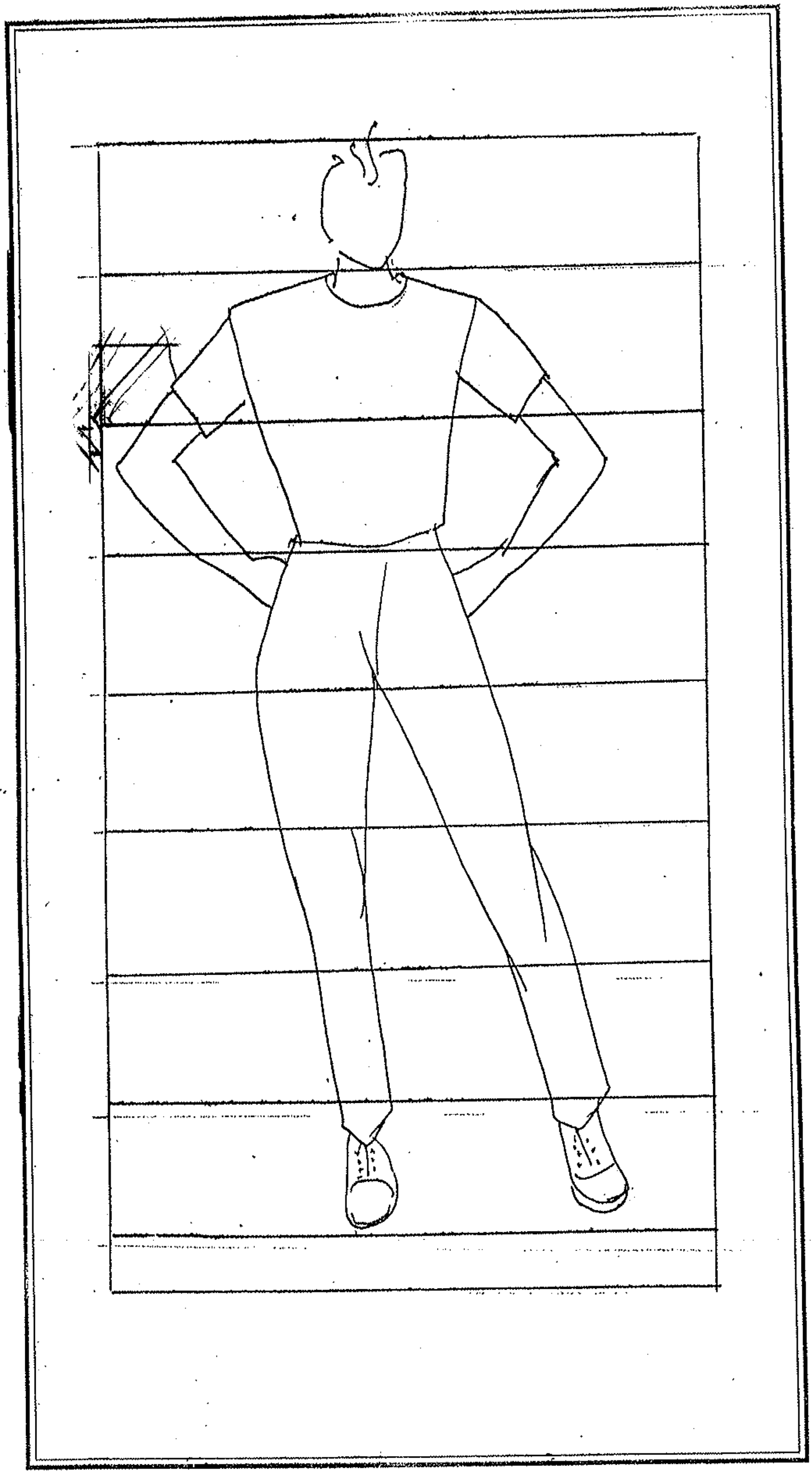

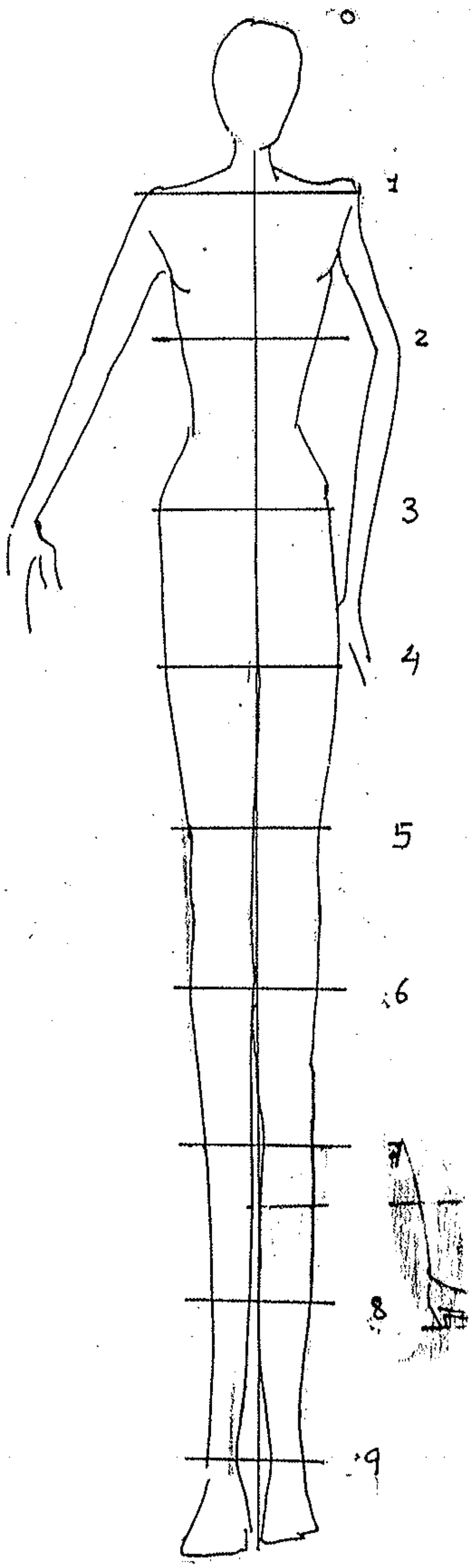

FASHION FIGURE PROPORTIONS

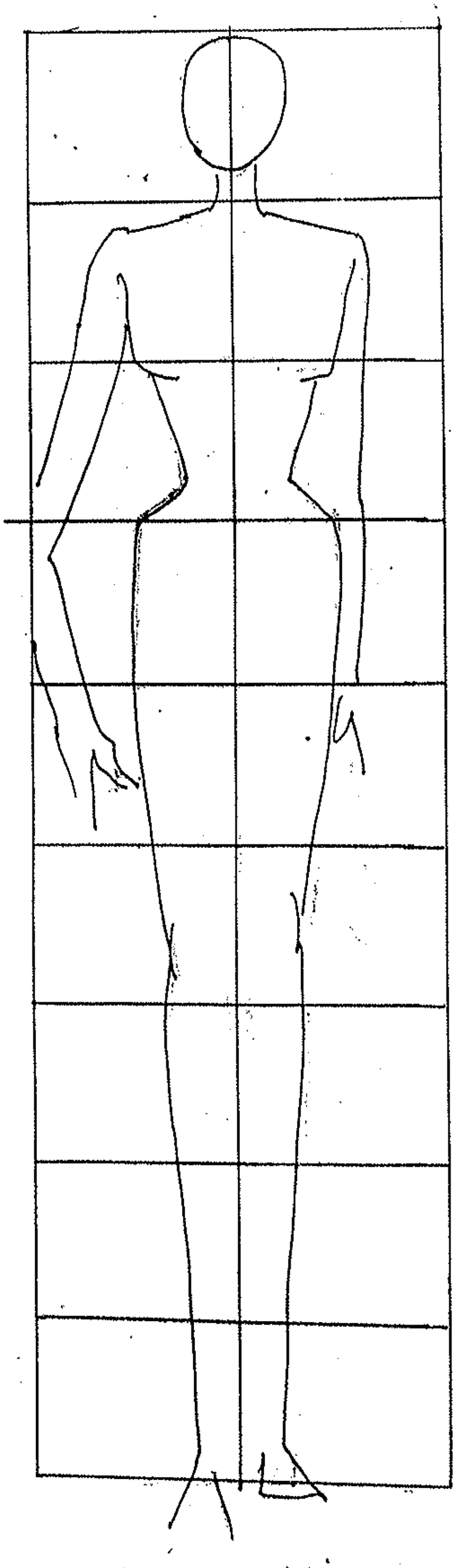

A taller fashion figure

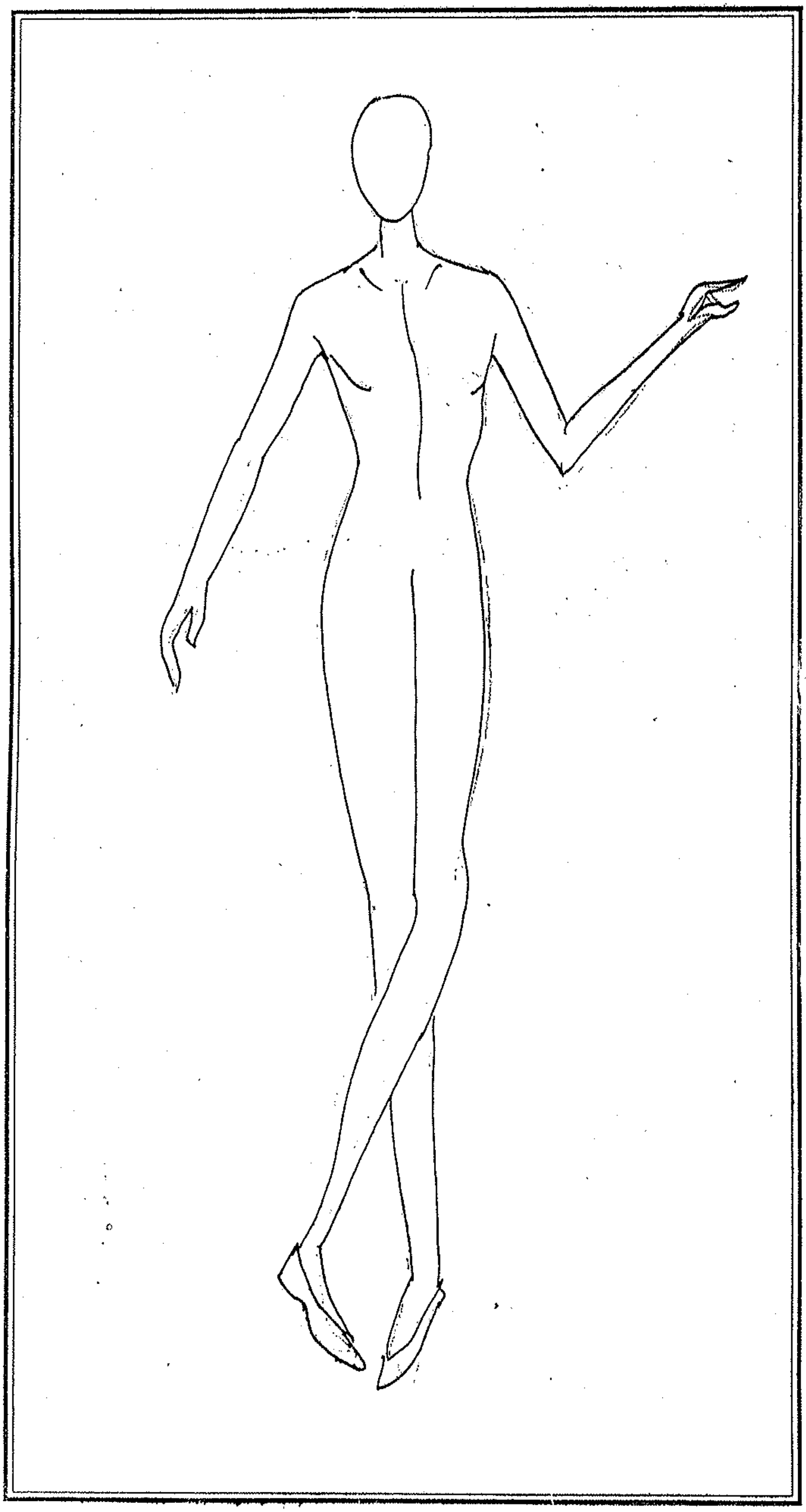

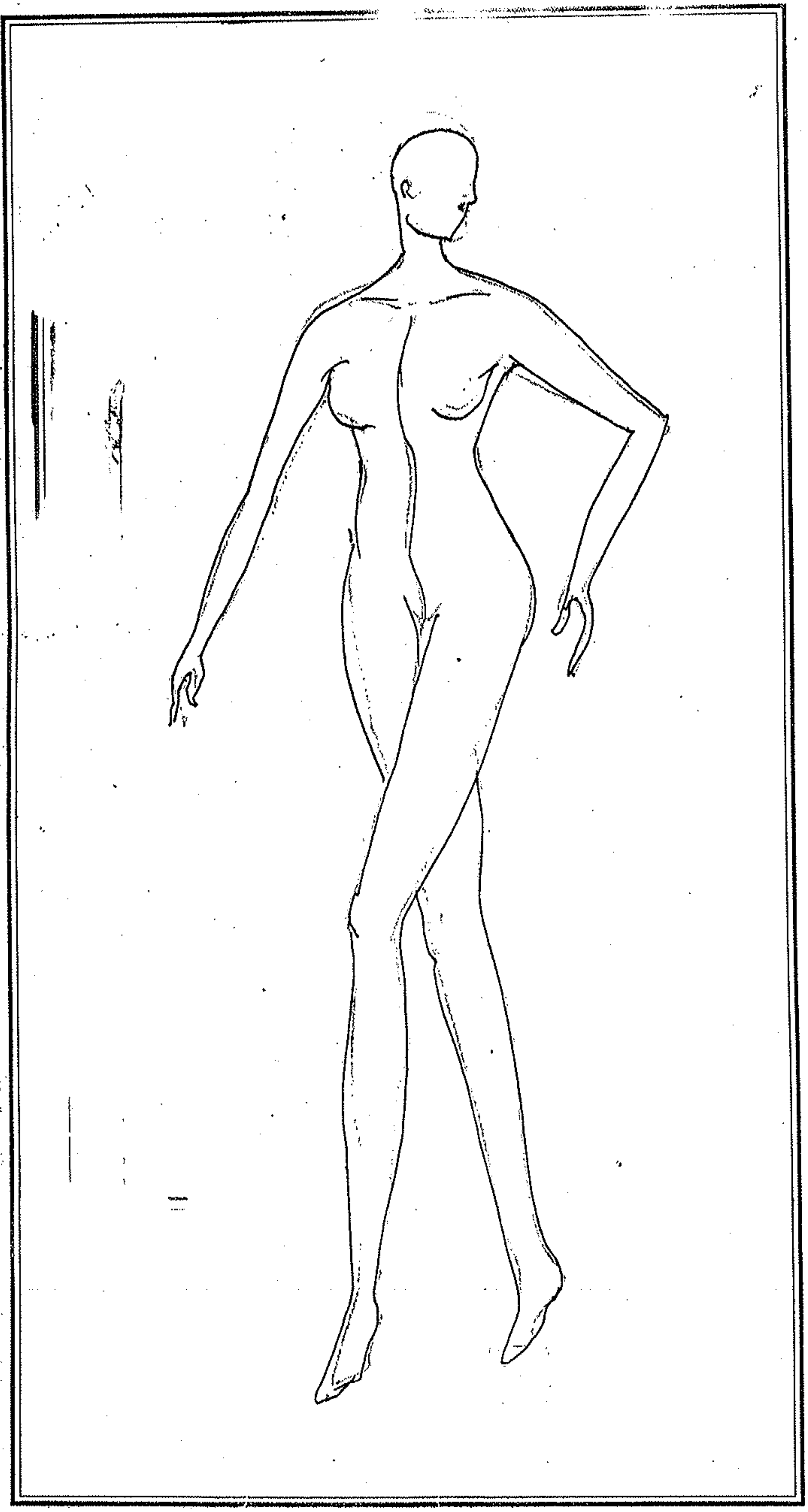

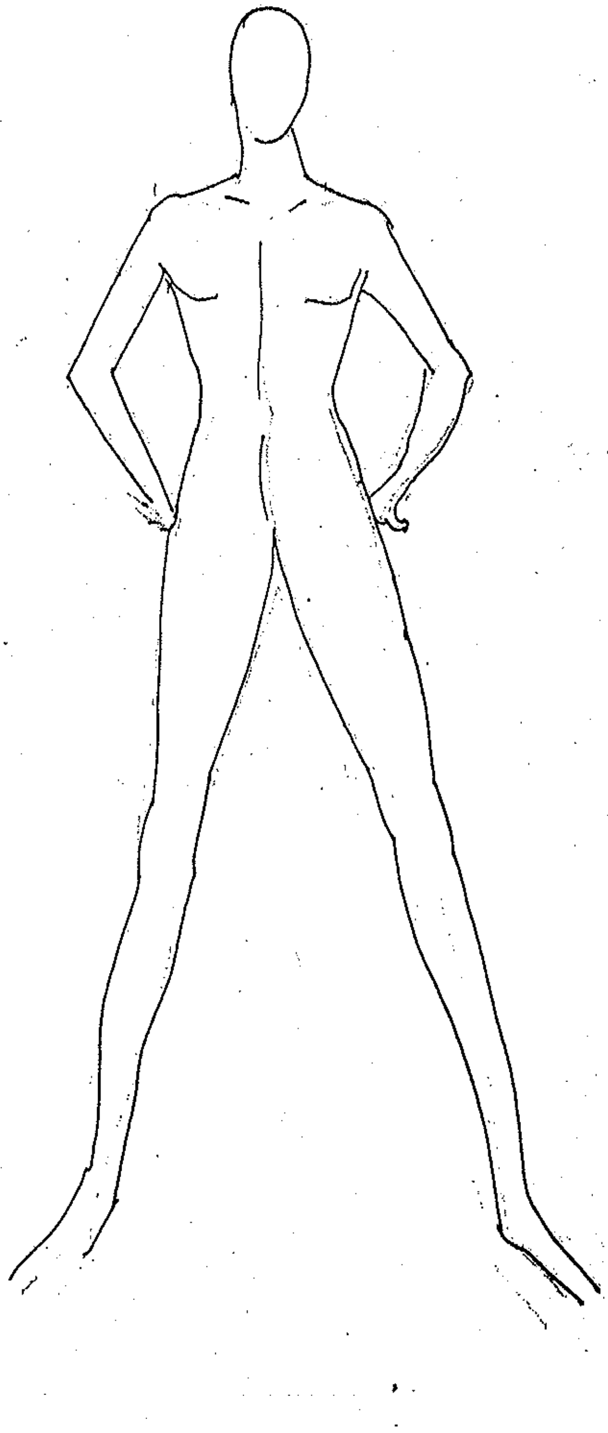

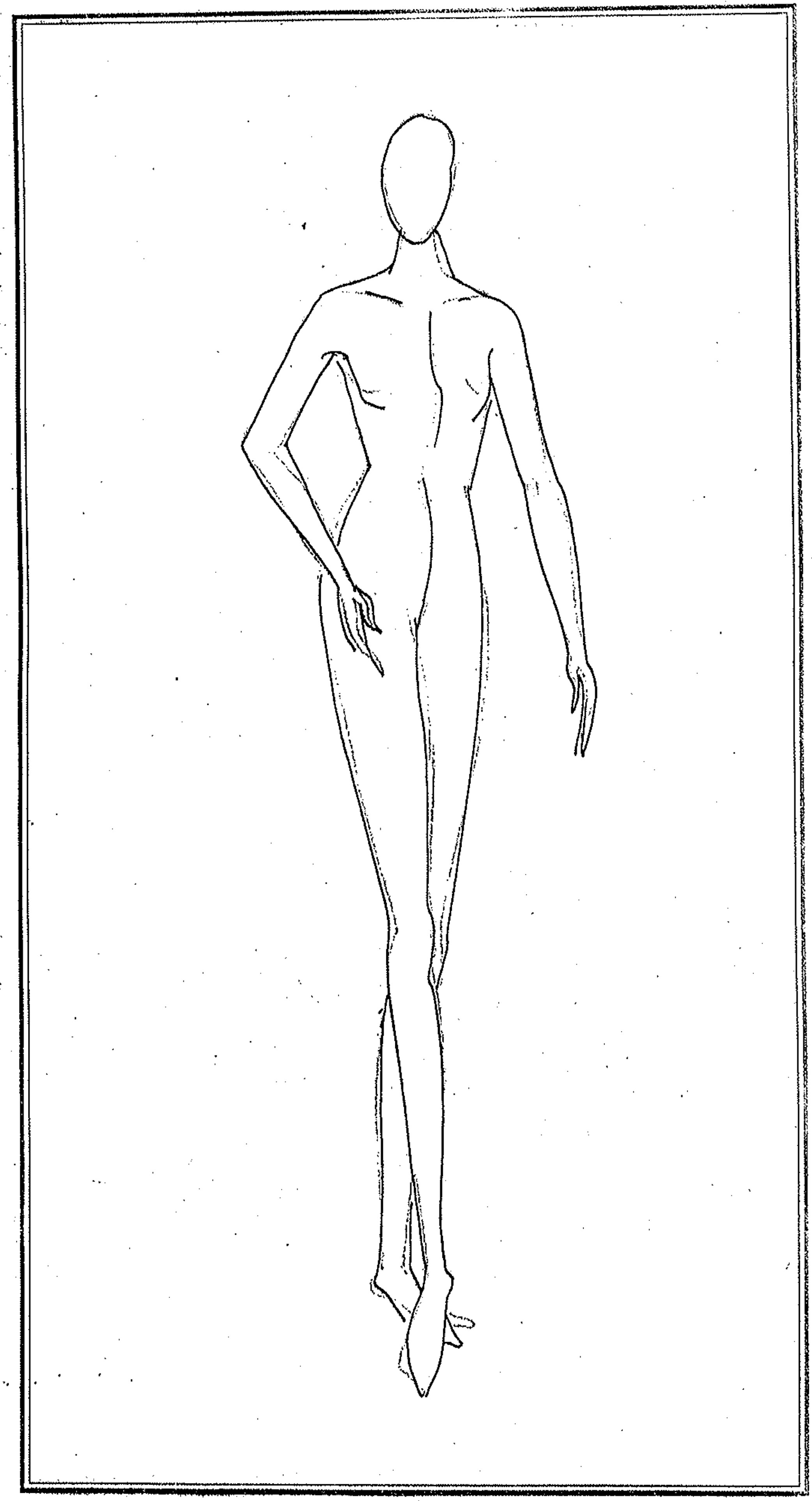

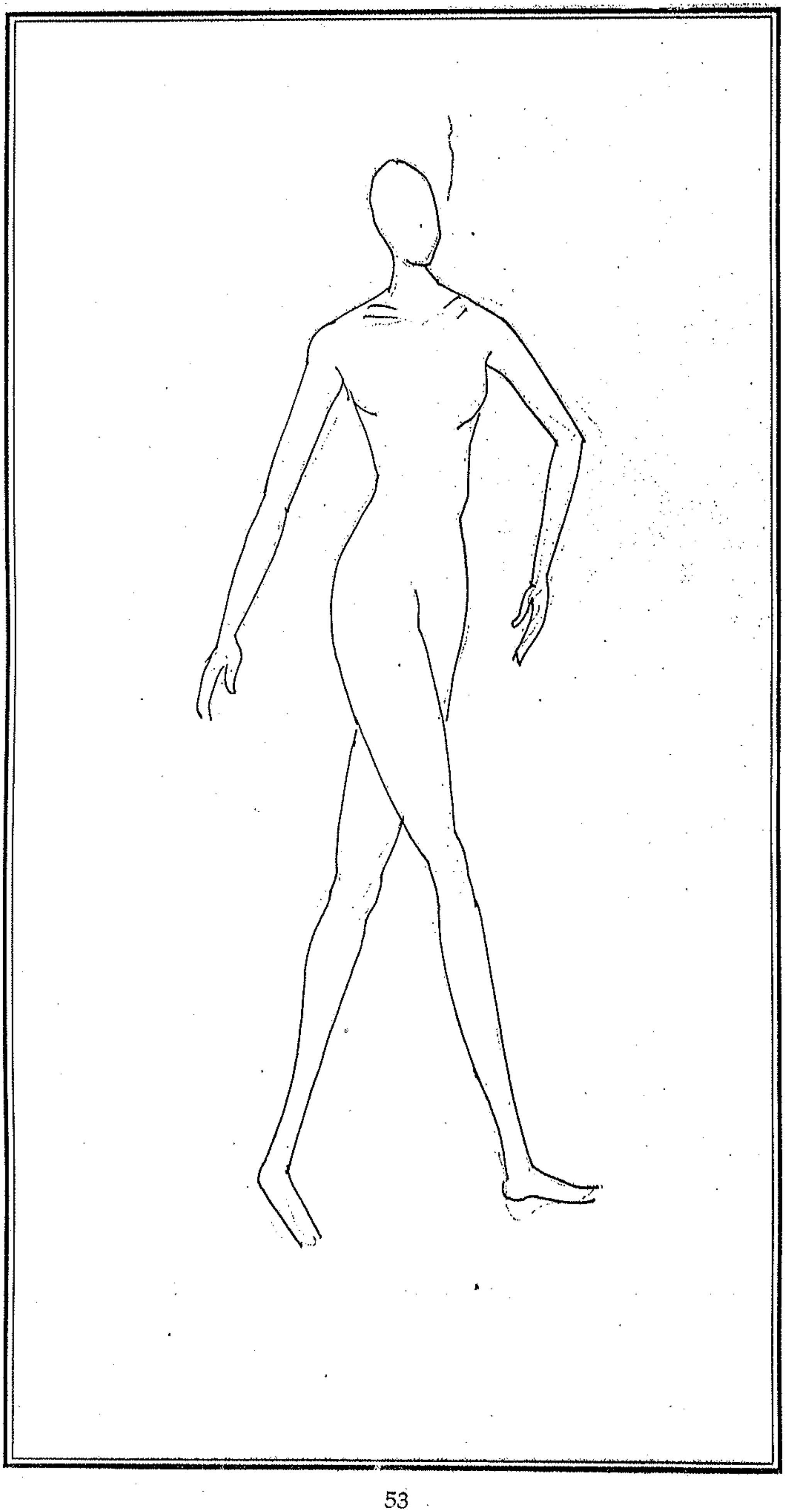

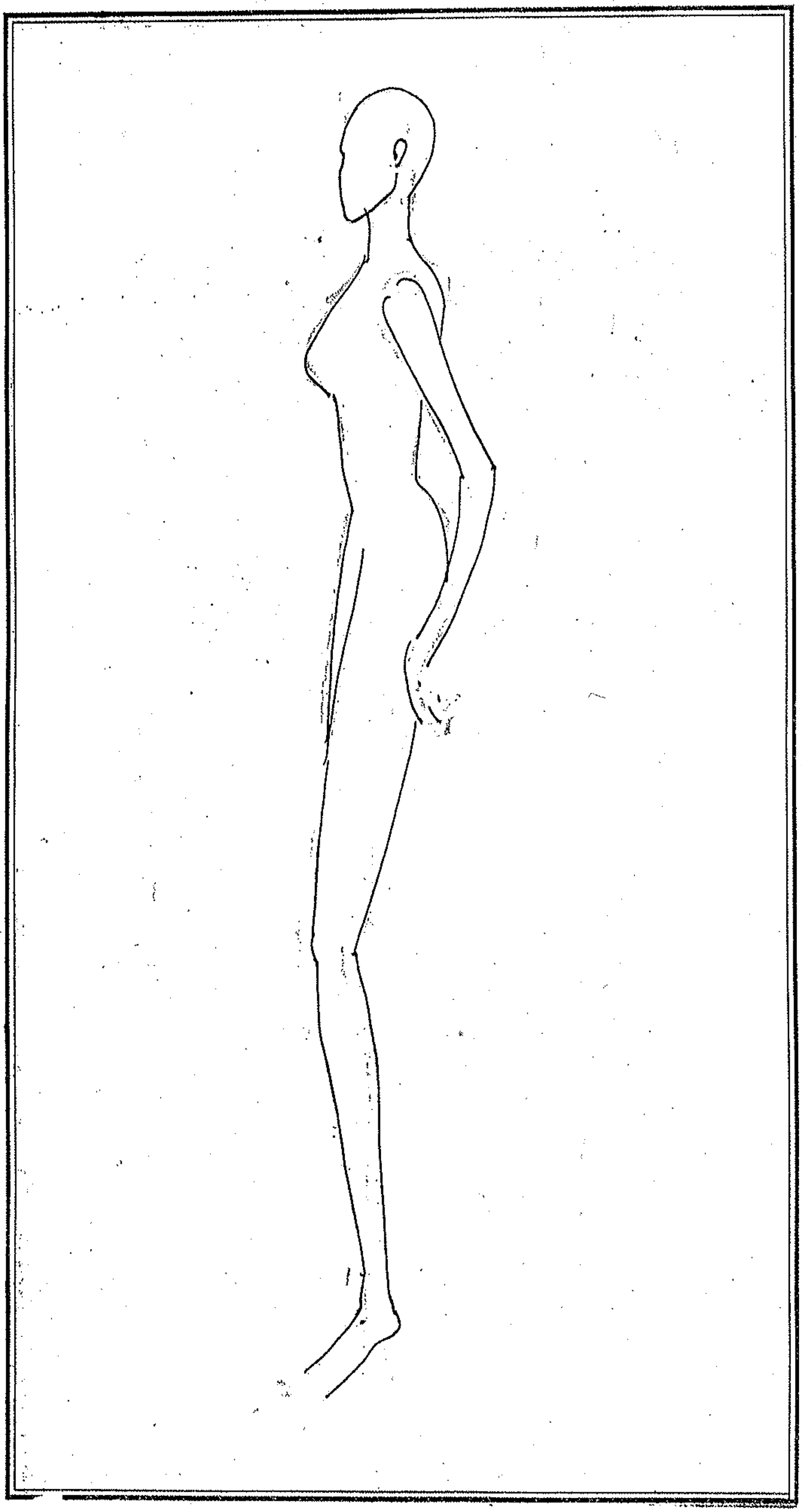

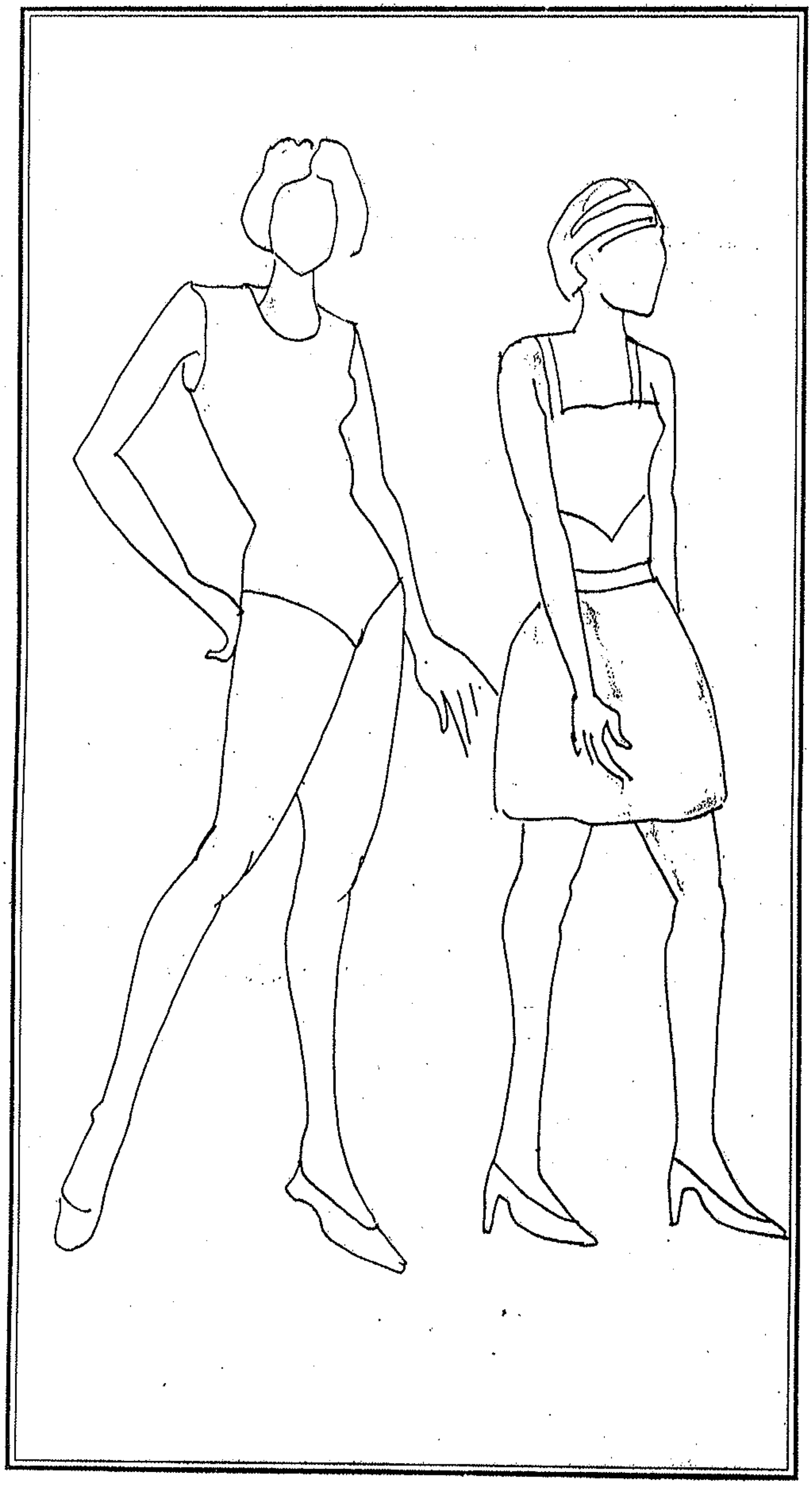

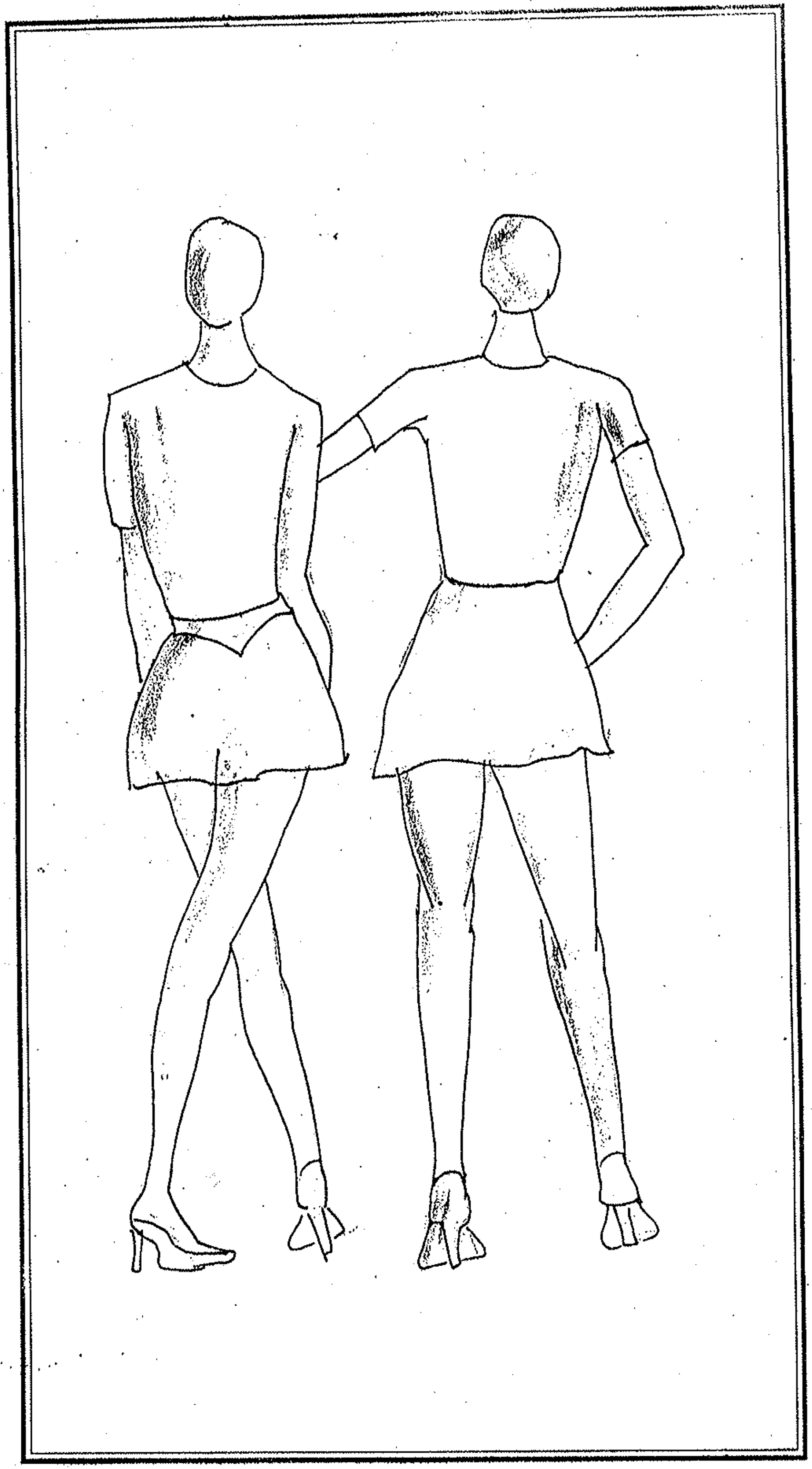

अभ्यास-

१– मैगजीनों में फिगर को देखें और विभिन्न प्रकार की फिगरों को समझने का प्रयास करें।

११.४ सारांश

फिगर ड्रॉइंग एक पारम्परिक कार्नररस्टोन आर्ट प्रशिक्षण है। मानव शरीर प्रत्येक चुनौतियों को लेता है, जिसे रेखाएँ एवं टोन, पर्सपेक्टिव और कम्पोजीशन की जरूरत होती है।

११.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न–१ एक बच्चे की फिगर का रेखांकन करें।

प्रश्न–२ एक स्त्री की फिगर का रेखांकन करें।

प्रश्न–३ एक पुरूष फिगर का रेखांकन करें।

प्रश्न–४ एक फिमेल टिनेज फिगर का रेखांकन करें।

प्रश्न–५ एक पुरूष टिनेज फिगर का रेखांकन करें।

११.६ स्वाध्ययन हेतु

१– एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२– कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैज़ल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

यूनिट-१२

संरचना

१२.१ यूनिट प्रस्तावना

१२.२ उद्‌देश्य

१२.३ फैशन फिगर

१२.४ सारॉश

१२.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

१२.६ स्वाध्ययन हेतु

१२.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

यह यूनिट फैशन फिगर का, वस्त्र और उसके आउटफिट के साथ आपका परिचय कराता है।

१२.२ उद्‌देश्यः-

अब तक आपने फिगर स्केचिंग मे जो कुछ भी सीखा है उन सबको प्रयोग करके अन्तिम फैशन फिगर का स्केच करना।

१२.३ फैशन फिगरः-

जब भी आप फैशन फिगर की ड्रॉइंग करें तो याद रखें कि वे वास्तविक फिगर नही होगें। वे कलात्मक भी हो सकते हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट लाइन का होना है।

जब किसी गारमेन्ट का इलस्ट्रेशन बना रहे हो तो कपड़े के स्वैच की सहायता लें। एक ही तरह के फैब्रिक में वजन तथा फिनिशिंग से बहुत अलग–अलग किस्म बनाना सम्भव है। फैब्रिक का ज्ञान आपकी ड्रॉइंग पर काफी असर डालेगा।

विभिन्न प्रकार के कपड़ो का उदाहरण

१- **क्रिस्पः-**

पोलिस्ड कॉटन, चिन्ट्ज, लिनेन, टफेटा, आरगैन्डी।

२- सॉफ्टः-

चैलिस, गॉज, क्रेपे, जर्सी, कॉटन फलैनेल।

३- बुल्कीः-

टेरी क्लोथ, कैमेल्स हेयर, ट्वीड कोर्डुरॉय।

४- क्लिजिंगः- ट्राईकॉट, मैटे, जर्सी, क्रेपे साटिन (बॉयस कट), सिल्क (बॉयस कट)।

५. शीरः- चिफोन, ऑरगैन्जा, वोइल, लेस।

६- बॉडीः- पॉपलीन, ब्रोकेड।

प्रकाश के स्त्रोत एवं छायाः-

आर्टवर्क या इलस्ट्रेशन, देखने वालो से बाते करते हुए प्रतीत होते लगें कि आप क्या कहना चाहते हैं, क्या सोचते हैं, जिससे आपके विचार की साफ तस्वीर उसके सामने आ जाये। प्रकाश और छाया आपके विचारों को सवॉरने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह एक इलस्ट्रेशन का अधिक वास्तविक और नाटकीय प्रभाव होता है जो आपके द्वारा चुने गये प्रकाश के स्त्रोत पर निर्भर करता है।

शेडिंग बहुत कठिन और पशोपेश मे डालने वाली लगती है यदि आप हल्के प्रकाश स्त्रोत का प्रयोग करते हैं और जब स्टिल लाइफ का अध्ययन करें तो द्वितीयक परावर्तित प्रकाश का प्रयोग करें। जब कभी एक फैशन फिगर की ड्रॉइंग बनायें तो सुझावित शेडिंग तकनीक एक प्रकाश स्त्रोंत पर आधारित होती है जो तकनीक को अधिक सरल एवं सम्भावित बनाती है।

बॉडीः-

कपड़े में बॉडी होने का सन्दर्भ कपड़े के कड़क होने से है परन्तु यह अधिक भारी होता है। कभी–कभी इसमें प्राइल भी होता है परन्तु यह बल्कि नही होता। कोई भी फुलनेस शरीर से दूर सिलुवटें के रूप में खड़ी दिखेगी। रेखायें मोटी तथा मोड़ हल्के कोण मे होते हैं।

संतुलन रेखा गले के निचले भाग से जमीन तक गिरती है जो इस बात का संकेत देती है कि शरीर के भार को किस प्रकार सहारा दिया गया है। भाव–भंगिमा का ऐटिट्यूट तथा कोट का लहराना चित्र को गति देता है तथा उसके सामान्य मनः स्थिति को दर्शाता है।

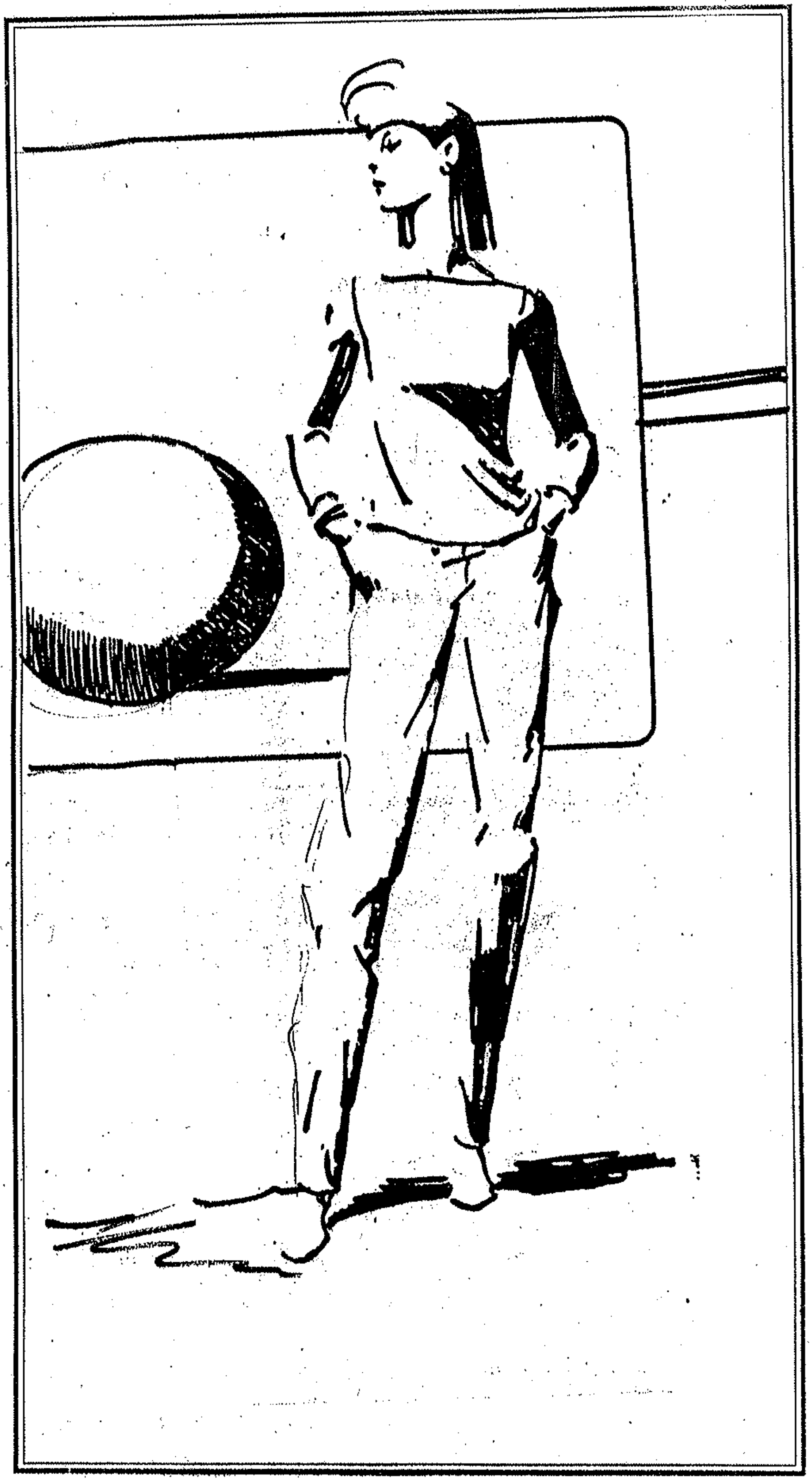

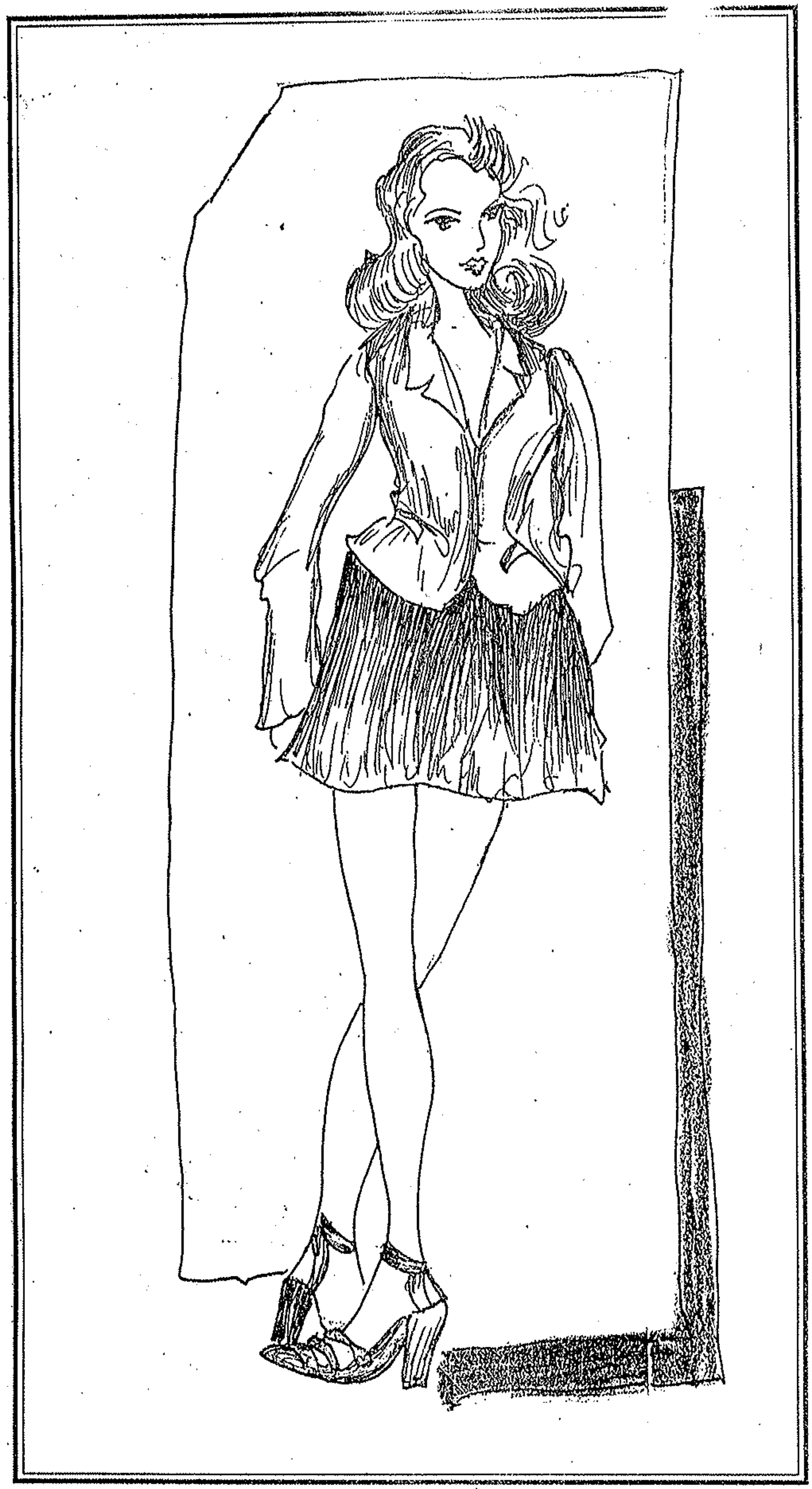

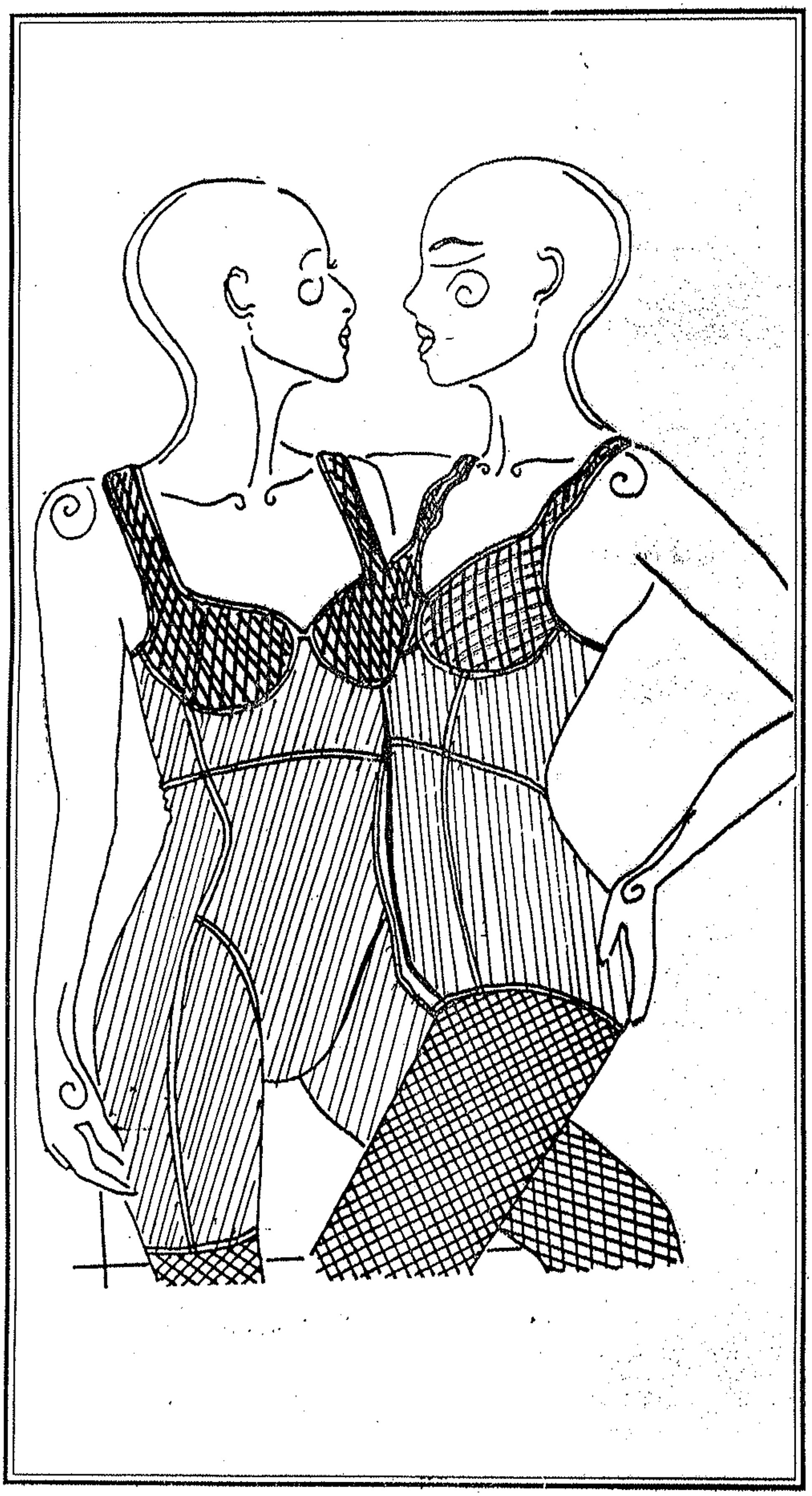

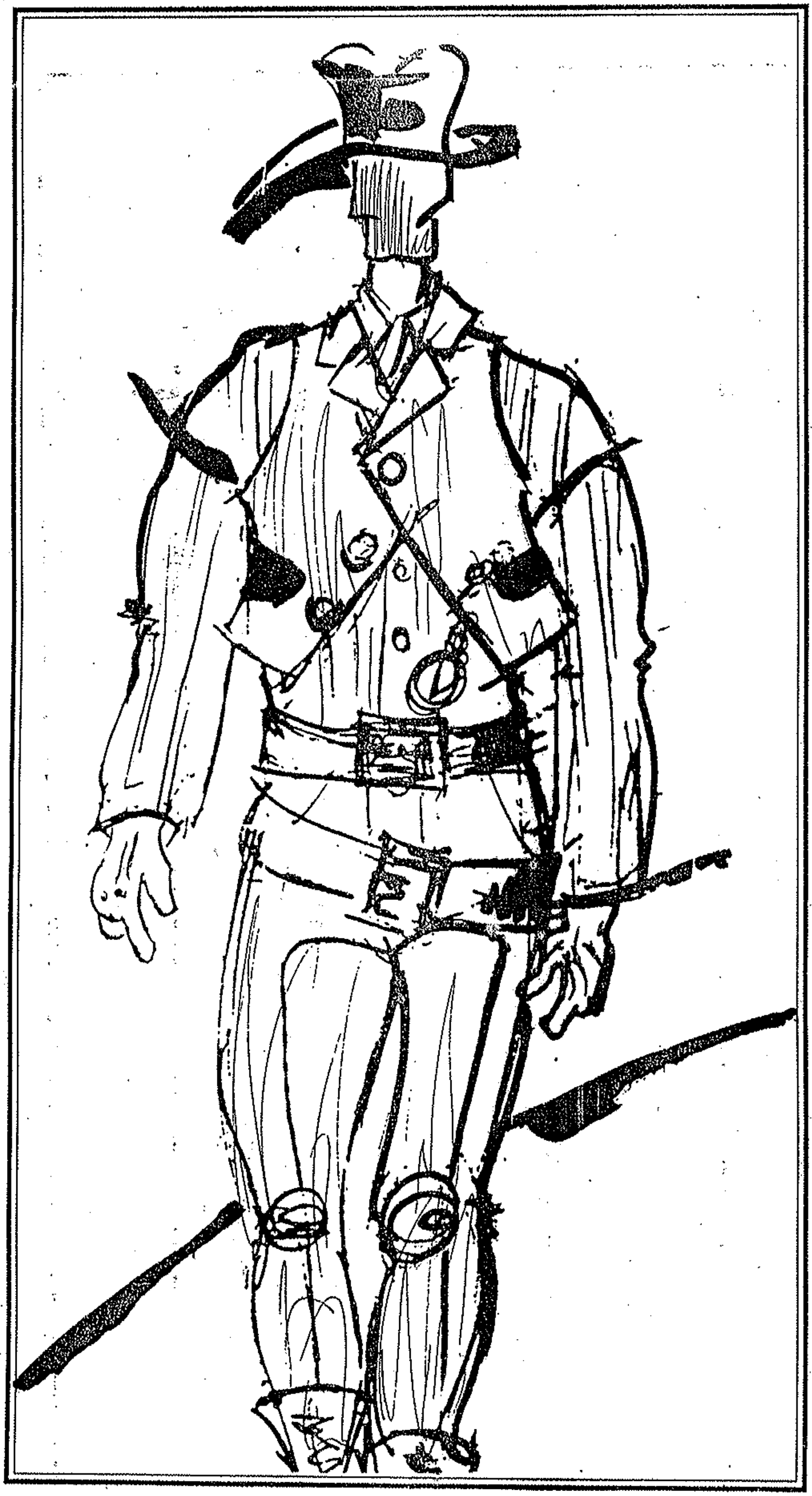

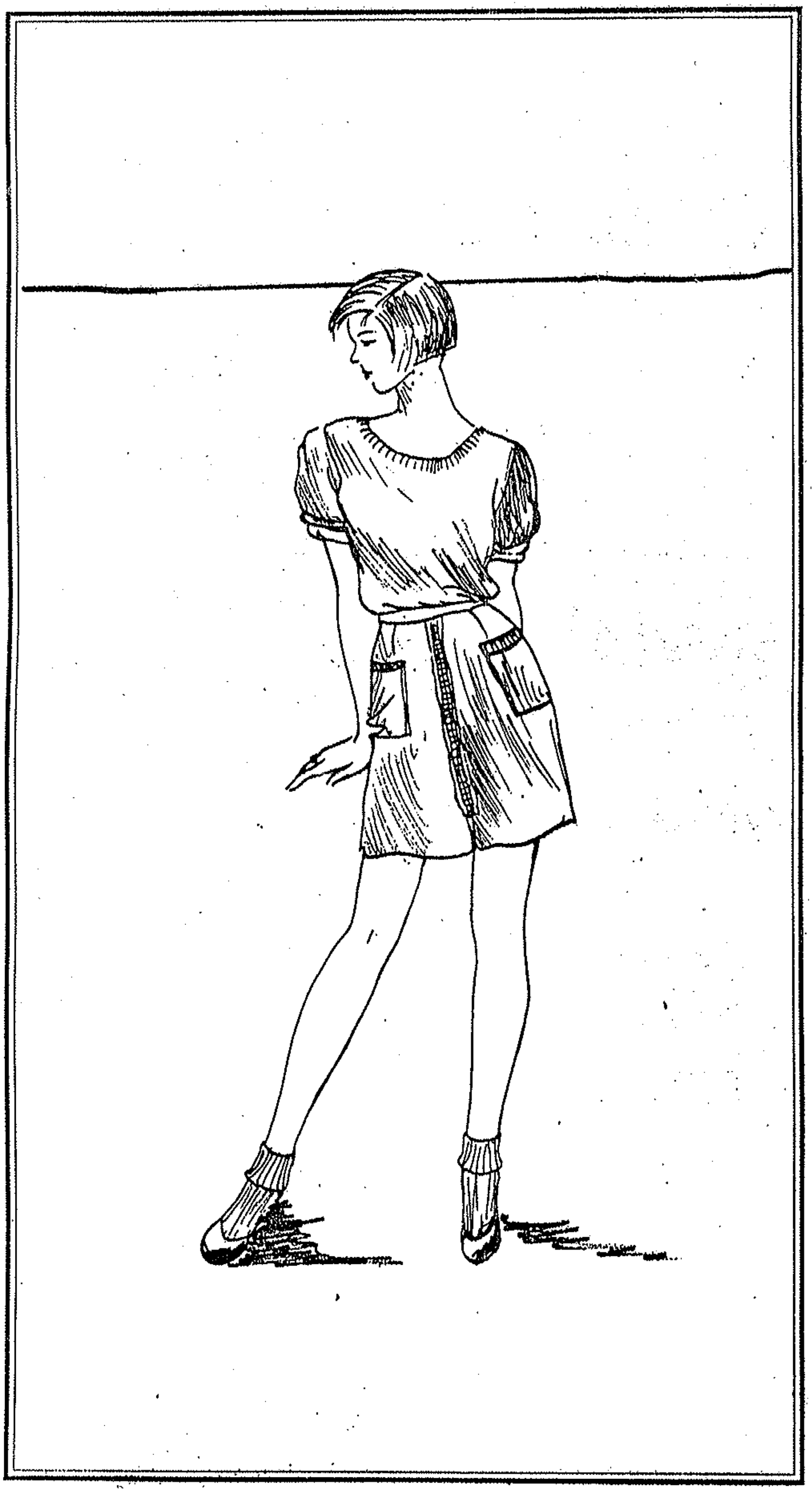

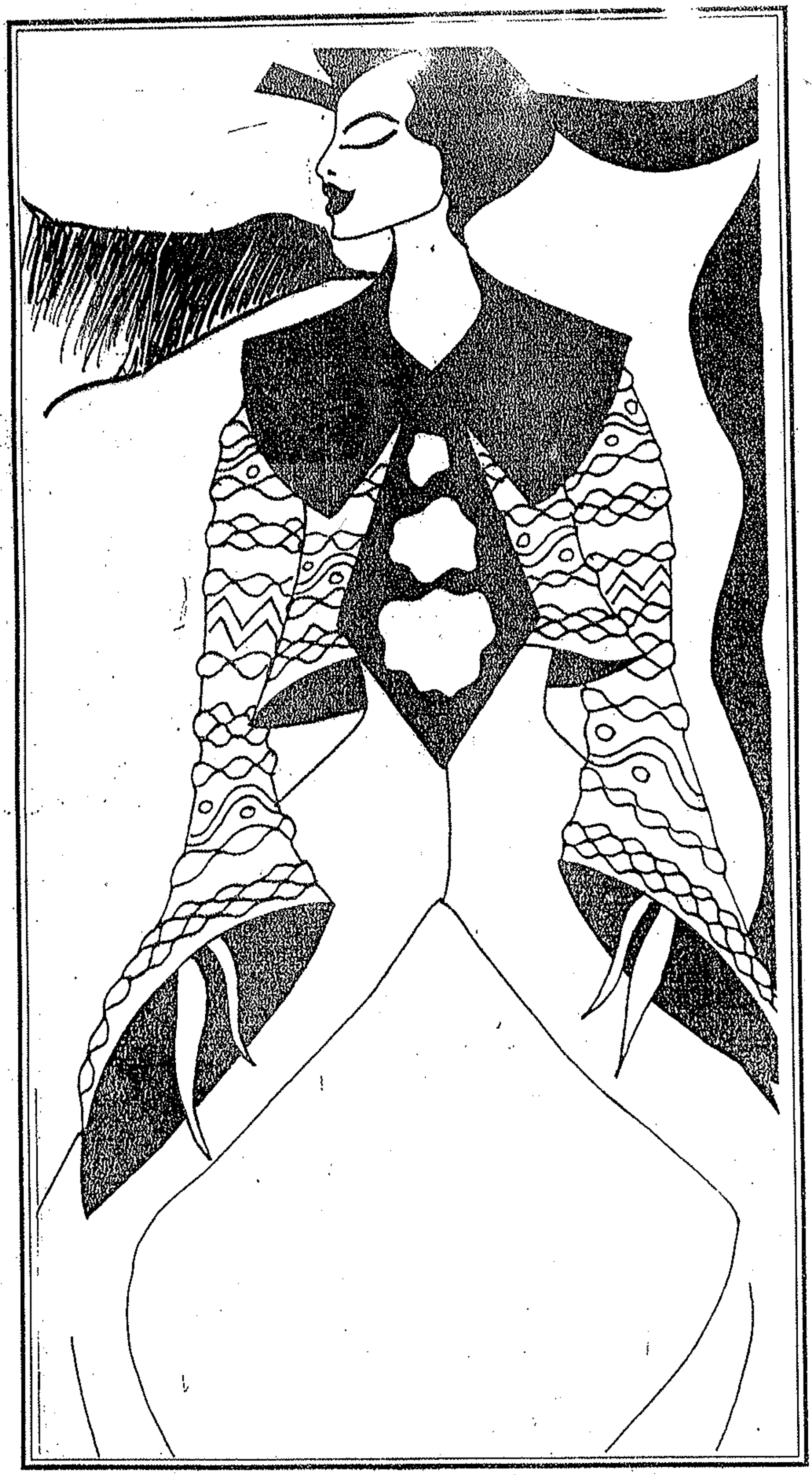

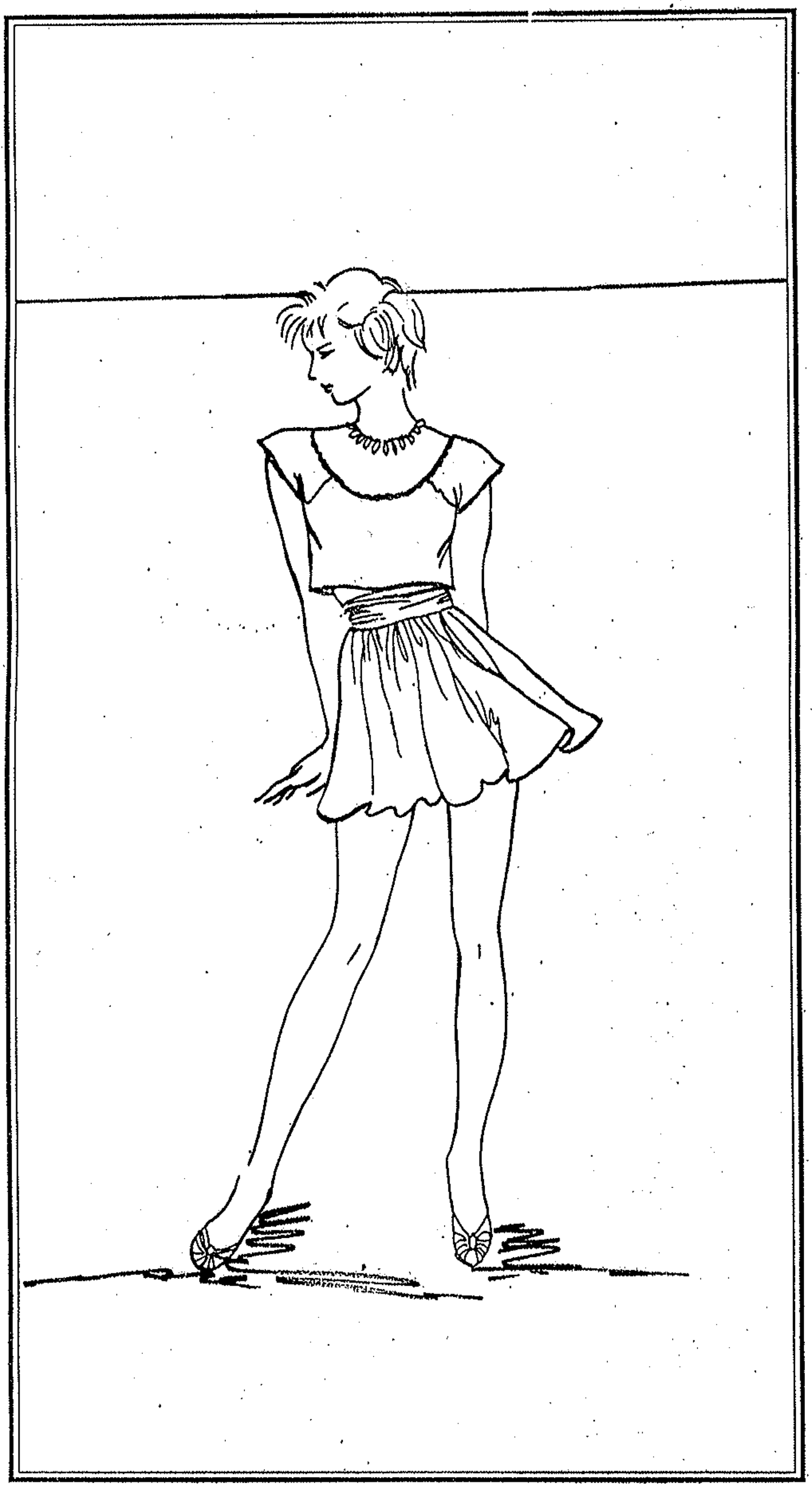

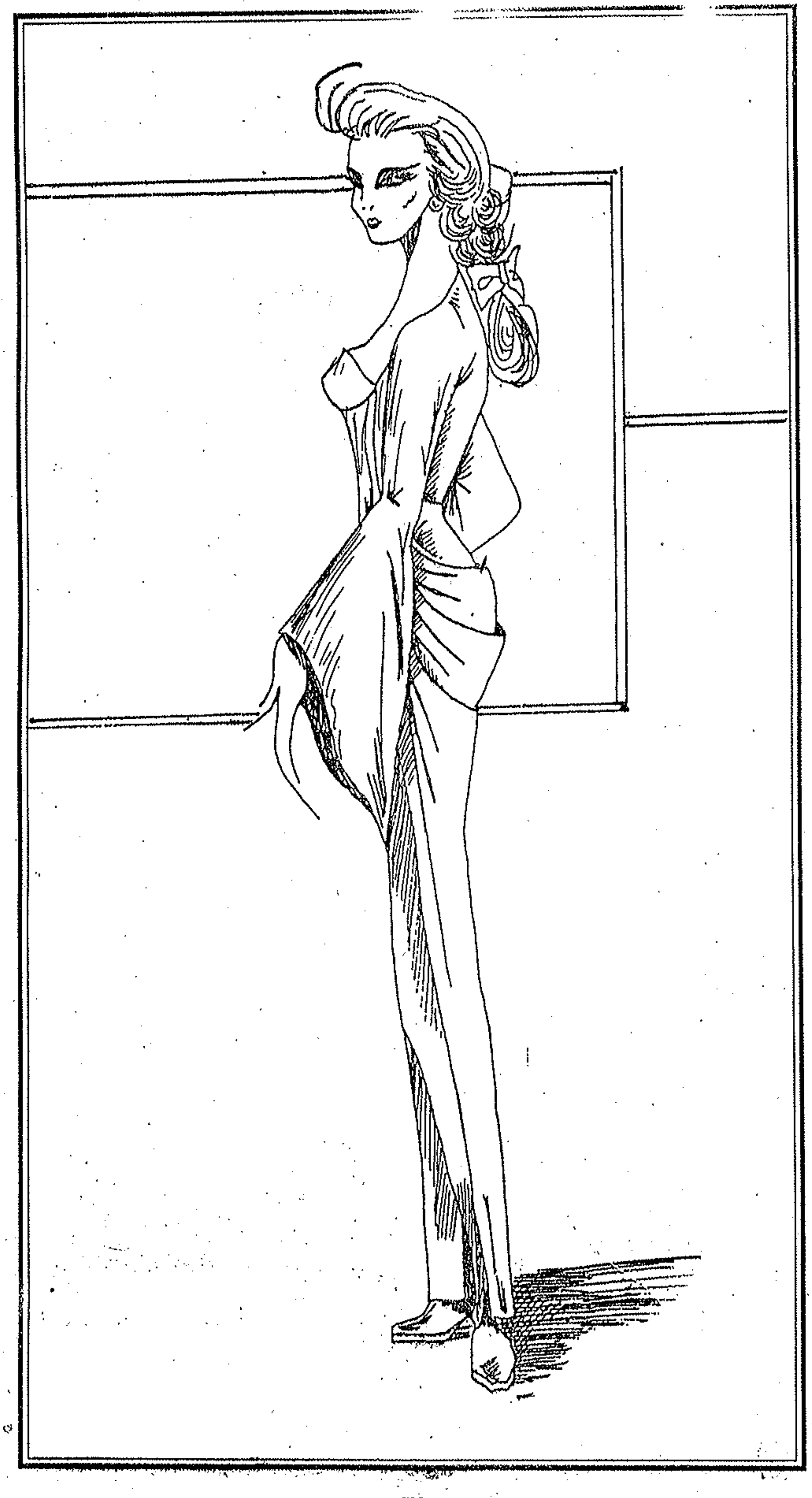

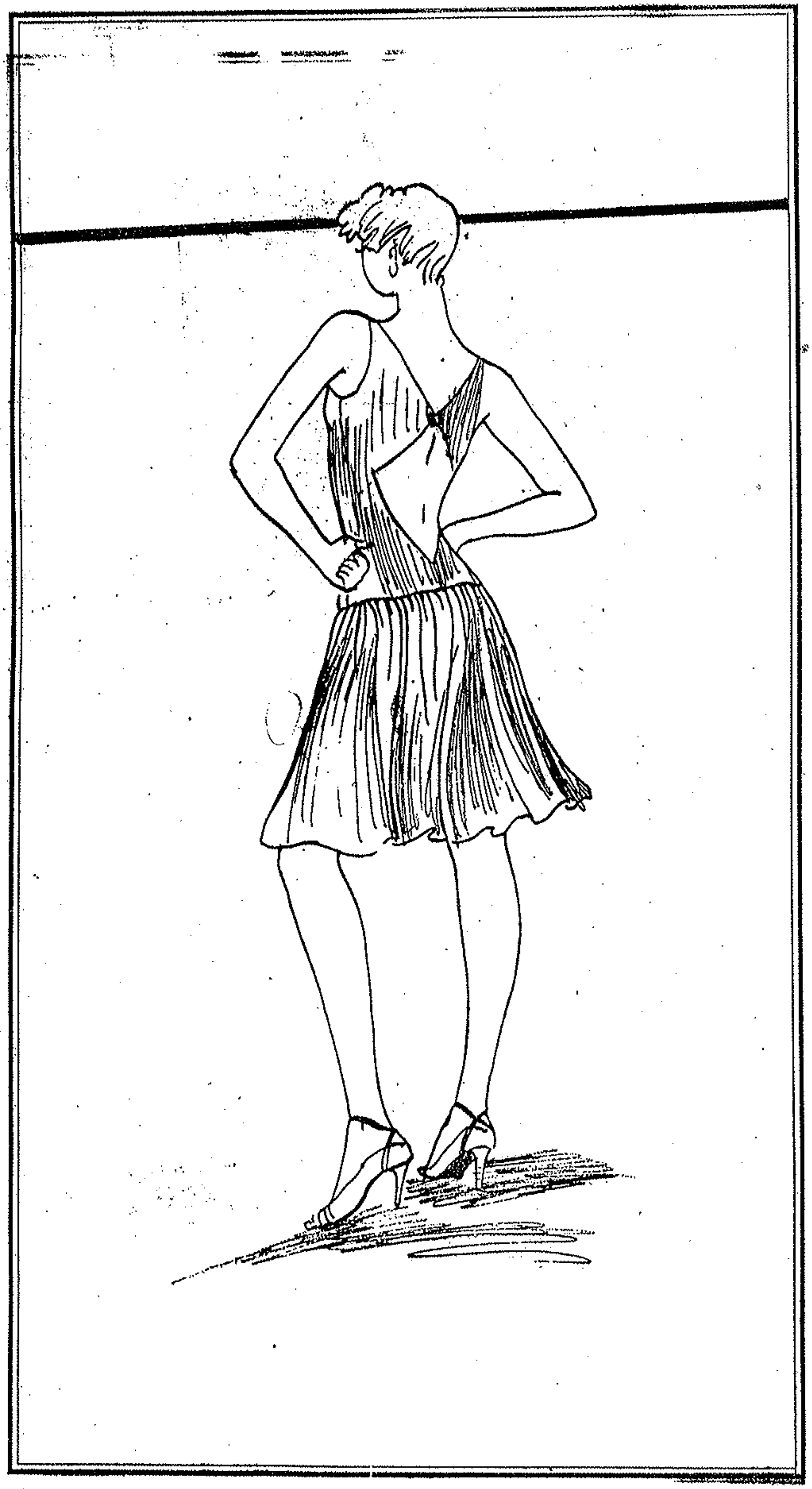

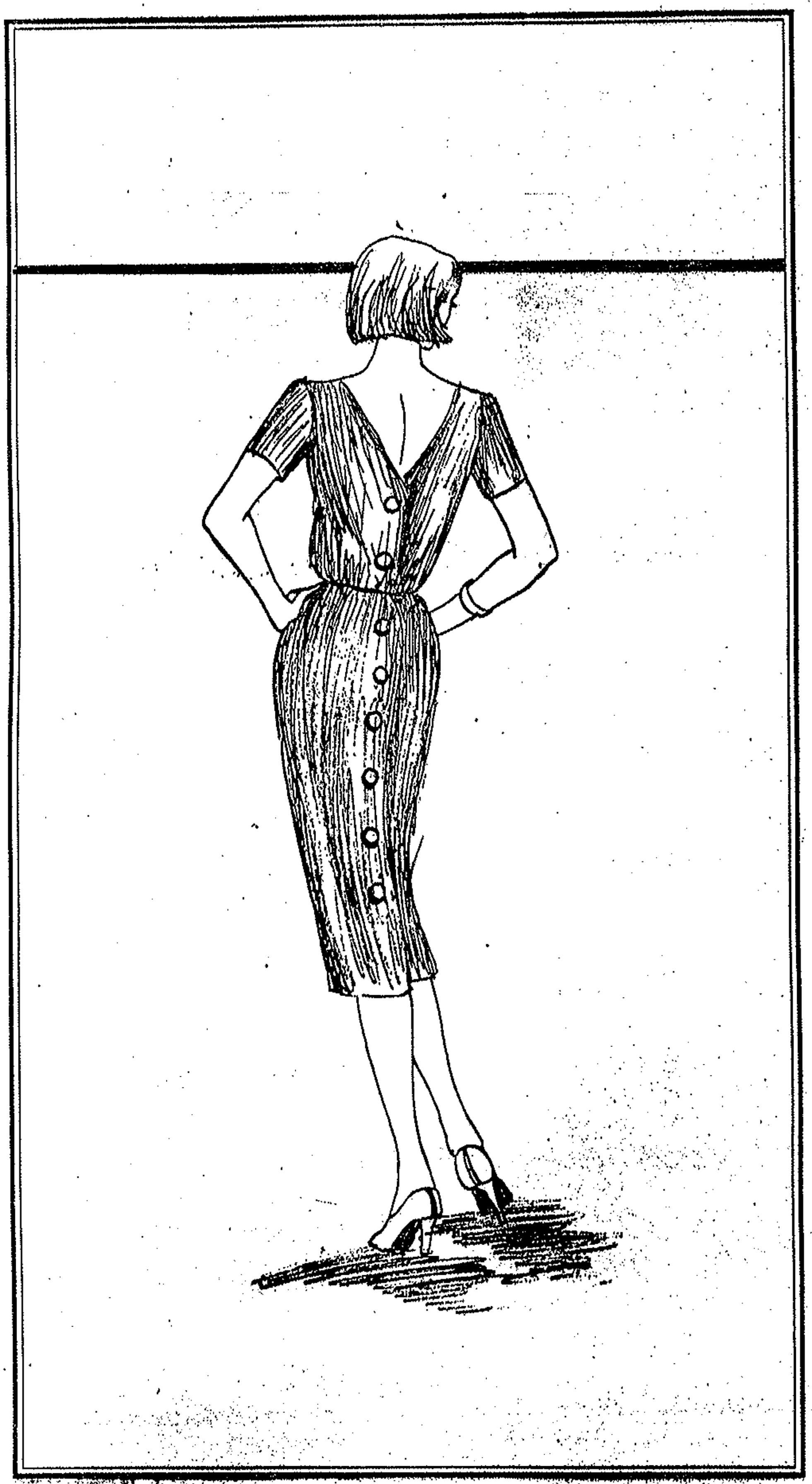

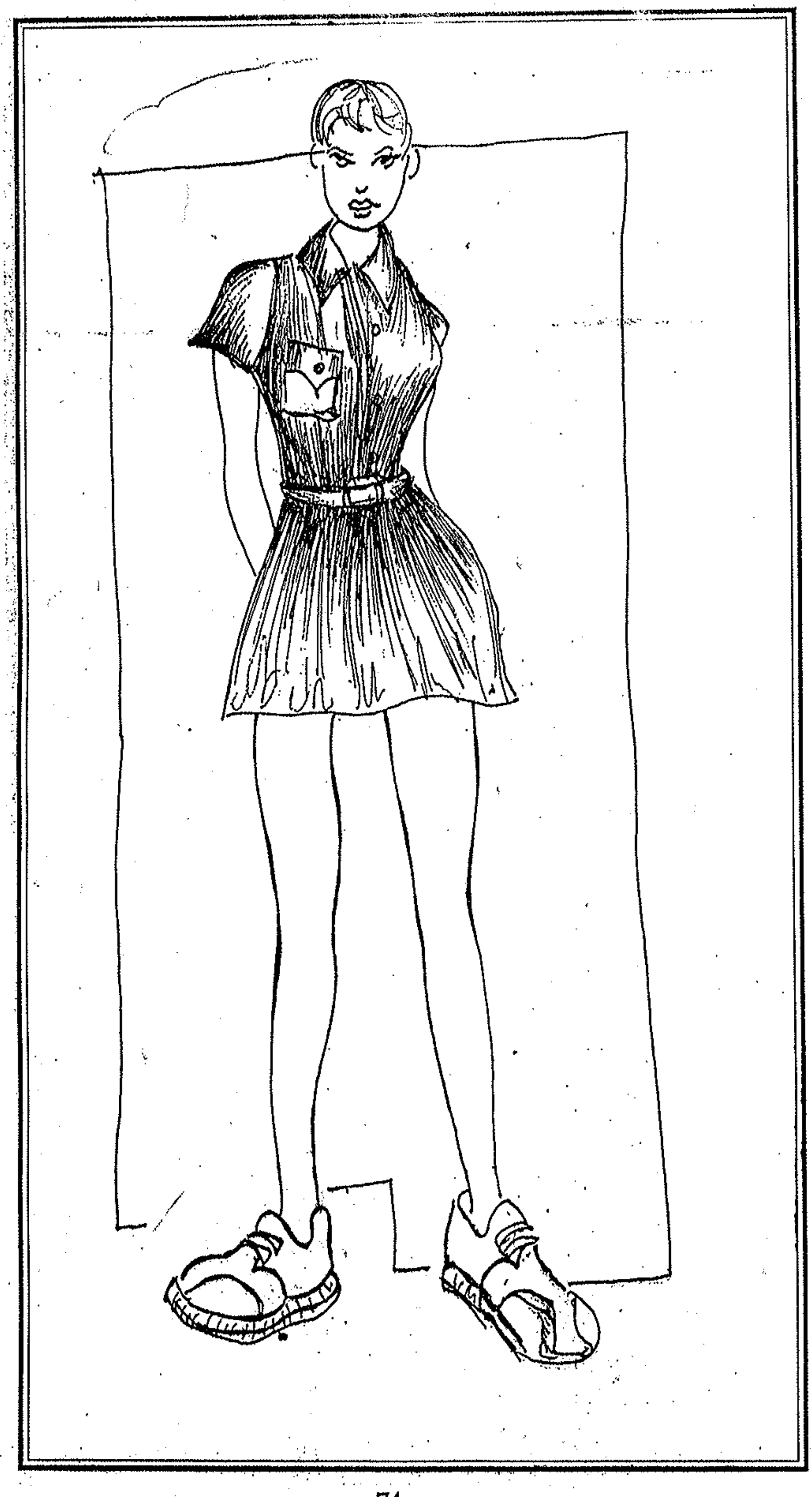

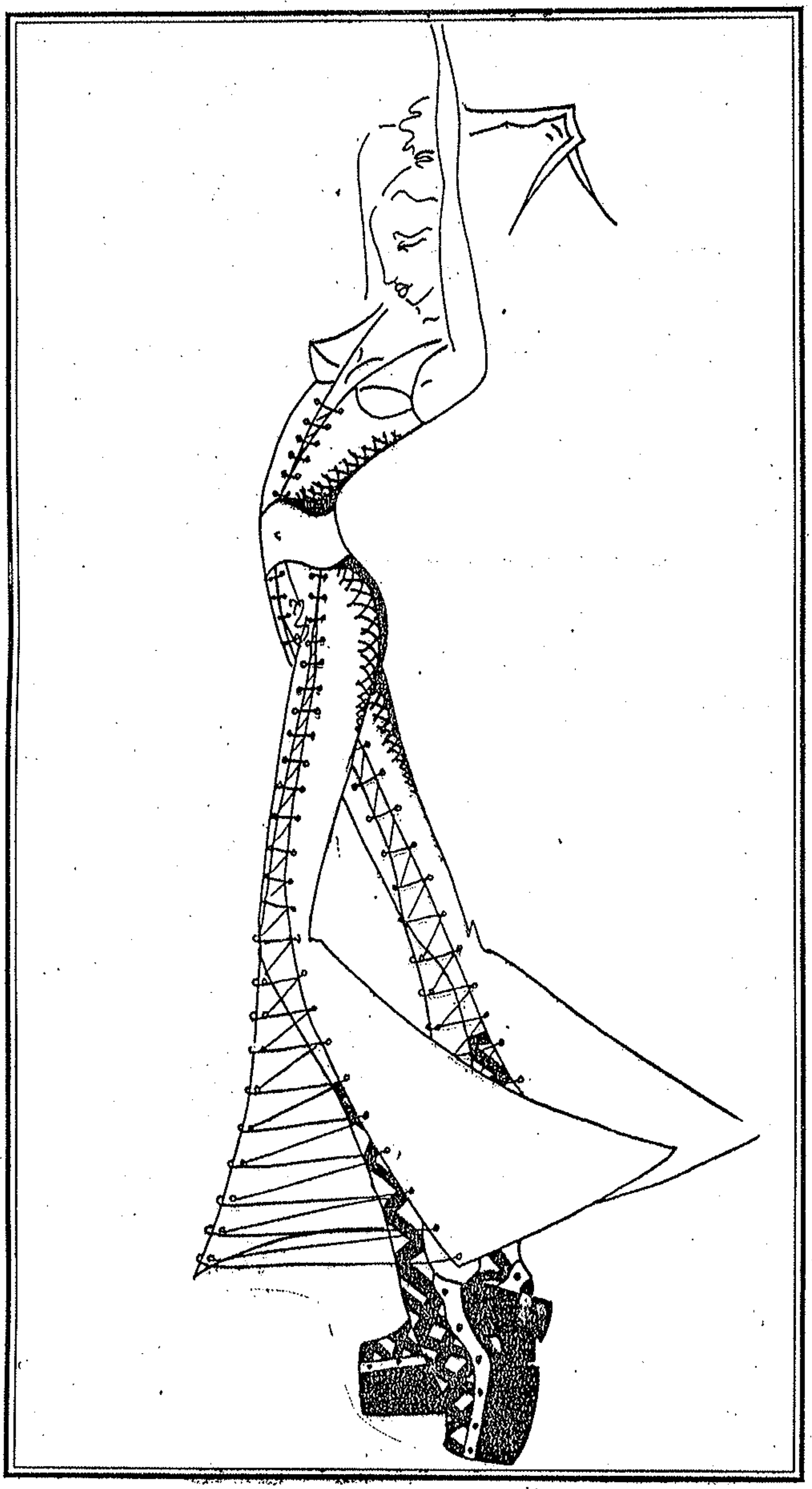

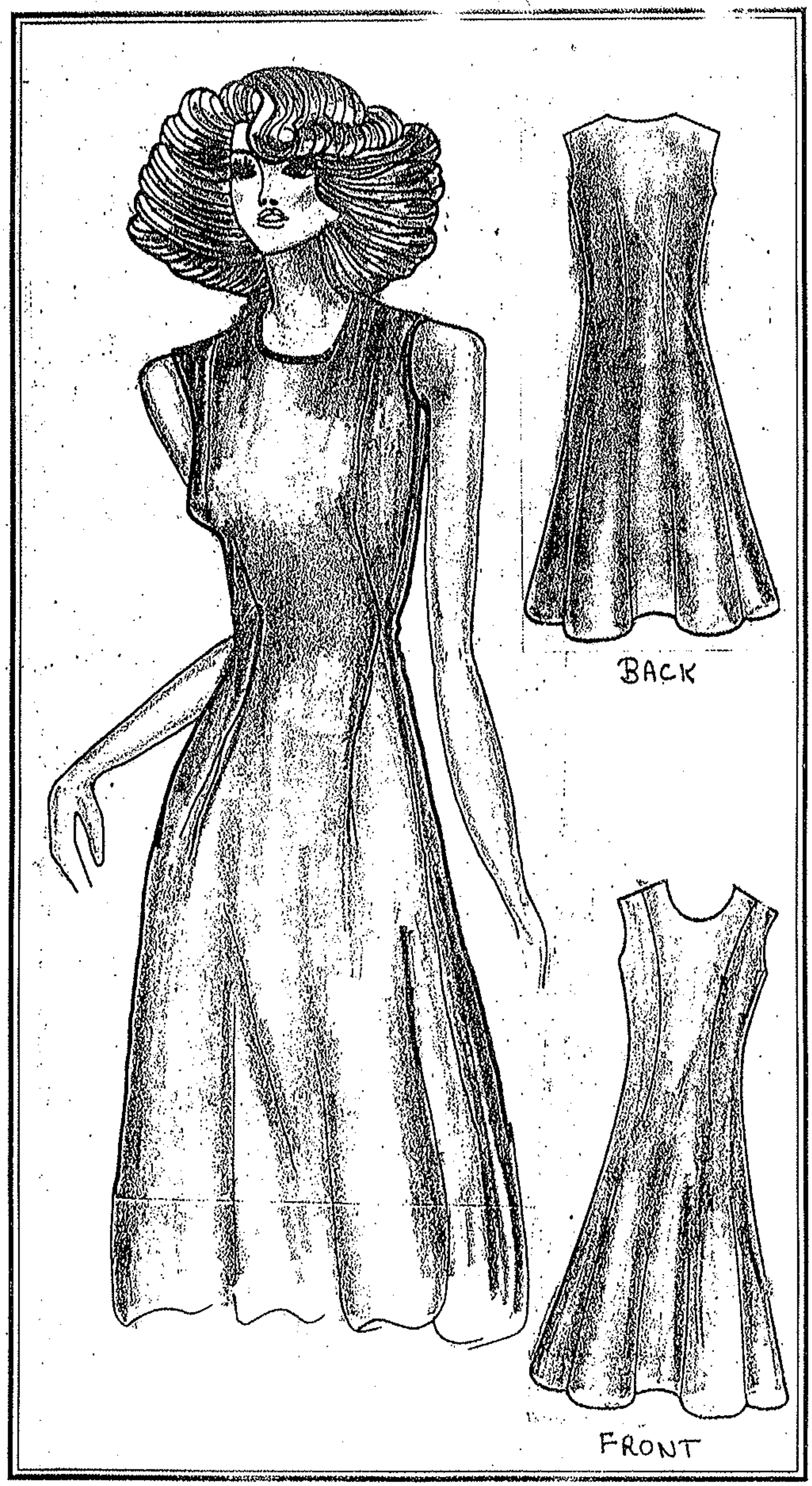
BACK
FRONT

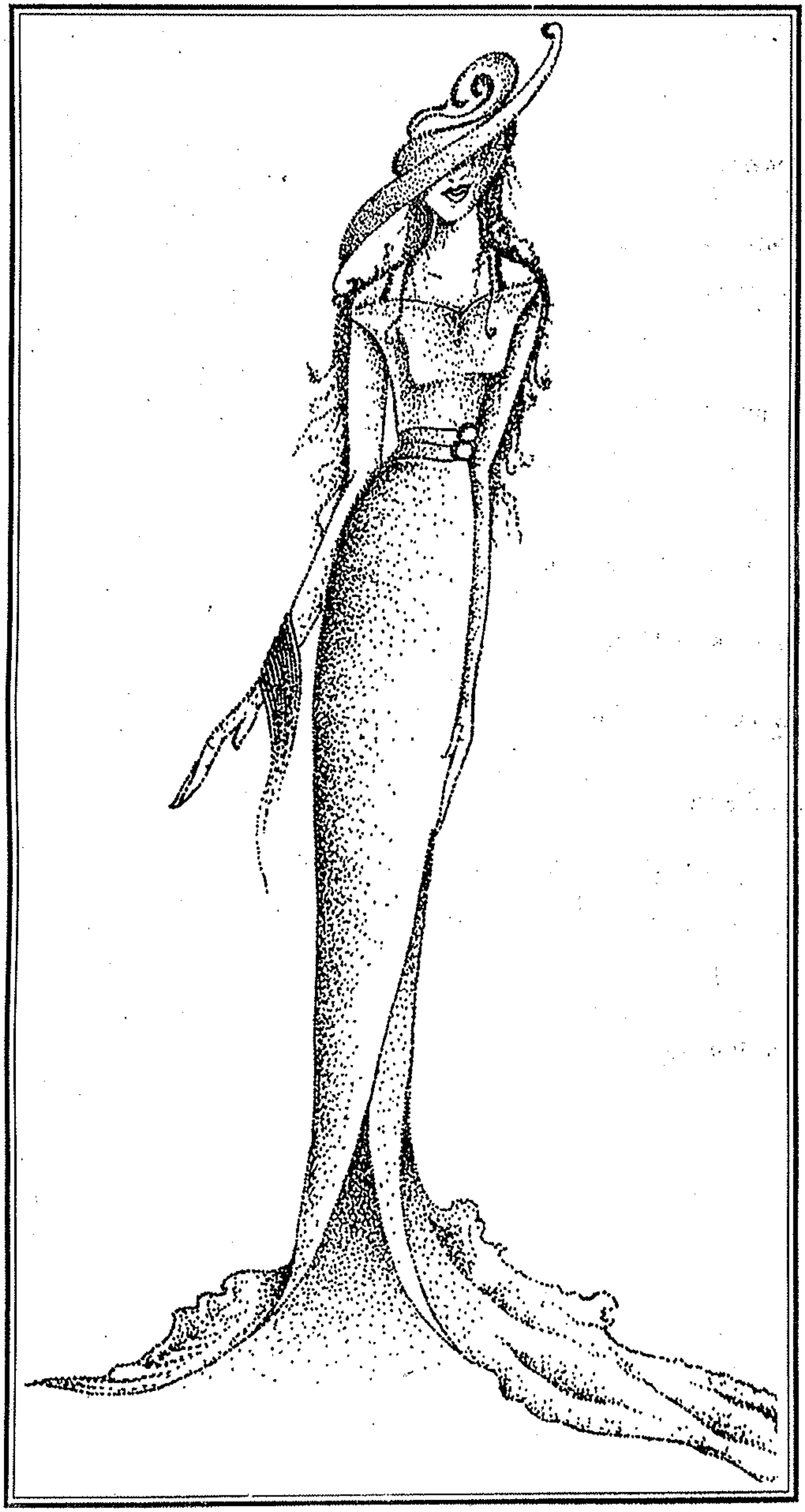

अभ्यास-

१– मैगजीन में फैशन फिगर्स देखें और विभिन्न प्रकार की फैशन फिगर्स का अध्ययन करें।

१२.४ सारांश:-

फैशन फिगर्स ड्रॉ करते समय यह ध्यान रखें कि फैशन फिगर्स वास्तविक फिगर नही होती हैं। यह कलात्मक हो सकती हैं। जरूरत इस बात की होती है कि ड्रॉइंग द्वारा फैब्रिक को दर्शा सकें।

प्रश्न–१ सूती वस्त्र पहने हुए एक फैशन फिगर का रेखांकन करें।

प्रश्न–२ एक सिल्क आउटफिट पहनी हुई फैशन फिगर का रेखांकन करें।

प्रश्न–३ एक क्रेपे स्कर्ट पहने हुए फैशन फिगर ड्रॉ करें।

प्रश्न–४ ट्राउजर्स पहनी हुई एक फैशन फिगर का रेखांकन करें।

प्रश्न–५ एक साटिन इवनिंग गाउन पहने हुई फेशन फिगर का रेखांकन करें।

१२.५ स्वाध्ययन हेतु

१– एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२– कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैजल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

DFD-07/U[redacted]

उत्तर प्रदेश
राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

फैशन डिजाइनिंग

बेसिक डिजाइन एण्ड स्केचिंग-२

ब्लॉक

६

बेसिक्स ऑफ गारमेन्ट ड्रॉइंग

यूनिट-५

स्टिक फिगर्स

यूनिट-६

ब्लॉक फिगर्स

यूनिट-७

क्विक स्केचेस

यूनिट-८

पोस्चर्स

ब्लाक-२

पाठ्यक्रम प्रतिरूपः-

इस ब्लॉक मे फिगर स्केचिंग के बेसिक तरीके बताये गये हैं। फैशन डिजाइनिंग में फिगर स्केचिंग बहुत ही महत्वपूर्ण है और अच्छे फिगर स्केचेस आपके डिजाइन को काफी आकर्षक बना सकते हैं। इस ब्लॉक में आपको बताया गया है कि फिगर स्केचिंग करना कैसे शुरू करें एवं कैसे उसे सर्वोत्तम रूप दें।

वस्त्र ड्रॉइंग के बेसिक्स

यूनिट-५

स्टिक फिगर्स

फिगर ड्रॉइंग के बेसिक्स स्टिक फिगर हैं। इस यूनिट में स्टिक फिगर ड्रॉइंग के उदाहरण दिये गये हैं जो विभिन्न पोस्चर्स में हैं।

यूनिट-६

ब्लॉक फिगर्स

ब्लॉक फिगर ड्रॉइंग का दूसरा पहलू है। स्टिक ड्रॉइंग बनाने के बाद उसमें ब्लॉक्स बनाना शुरू करें जो आपकी फिगर को डाइमेन्शनल लुक देगी।

यूनिट-७

क्विक स्केचेसः-

क्विक ड्रॉइंग, बिना सूक्ष्म बारीकियाँ भरे जो आकृति आप बनाना चाहते हैं उसे अभ्यास करने का तरीका है। इस यूनिट में शीघ्र स्केचेस के उदाहरण दिये गये हैं।

यूनिट-८

पोस्चर्सः-

फैशन फिगर स्केचेस प्रेजेन्टेशन की सुन्दरता को बढ़ा देते हैं। यह यूनिट आपको विभिन्न पोस्चर्स फिगर्स दर्शाता है।

यूनिट-५

संरचना

५.१ यूनिट प्रस्तावना

५.२ उद्देश्य

५.३ स्टिक फिगर्स

५.४ सारॉश

५.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

५.६ स्वाध्ययन हेतु

५.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

स्टिक फिगर्स, फिगर ड्रॉइंग के बेसिक्स हैं। इस यूनिट में विभिन्न प्रकार के फिगर ड्रॉइंग के उदाहरण दिये गये हैं।

५.२ उद्देश्यः-

स्टिक फिगर ड्रॉइंग शरीर के विभिन्न भागो के सही स्थान पर रखना तथा बेसिक बनावट बताता है। यह लाइन ड्रॉइंग है जो फिगर को जहाँ आप चाहते हैं, बनाने में सहायता करती है, जिससे पूरी ड्रॉइंग इस बेसिक स्ट्रक्चर पर बनाई जा सकती है।

५.३ स्टिक फिगरः-

स्टिक फिगर ड्रॉइंग बनाने का एक बहुत ही पुराना व आसान तरीका है जो मुख्यतः मानव फार्म के लिए प्रयोग की जाती हैं। स्टिक फिगर में सिर को एक गोले के द्वारा दर्शाया जाता है तथा गरदन, बॉह, टॉगे एवं टोरसो आदि को एक सीधी, साधारण लाइन से बनाया जाता है।

आमतौर पर स्टिक फिगर हाथ द्वारा पेंसिल या पेन से बनाई जाती है एवं जिसके एकदम सीधी और साफ किनारे होते हैं। ये स्केचेस कुछ अधिक विवरण नही देते लेकिन जरूरत के अनुसार फिगर ड्रॉ किये जाते हैं। स्टिक ड्रॉइंग बहुत ही असरदार

होती है जो अपनी लाइनों से ही बहुत कुछ कह देती है।

बेसिक फिगर स्केचिंग के अलावा इसका प्रयोग एनीमेशन स्केच बनाने में किया जाता है, विजुलाइजेशन में सहायता करती है।

स्टिक फिगर का प्रयोग अक्सर मैसेज बोर्ड मे भी किया जाता है। यह असानी से टाइप की जा सकती है। ऊपर का हिस्सा "\O/", बीच का हिस्सा "I" एवं निचला हिस्सा "/\" बनाया जा सकता है। तब स्टिक फिगर को नाटकीय बनाने के लिए अनेक तरह से पलटकर बनाया जा सकता है और प्रायः विचित्र होता है।

साधारण स्टिक फिगर बनायें

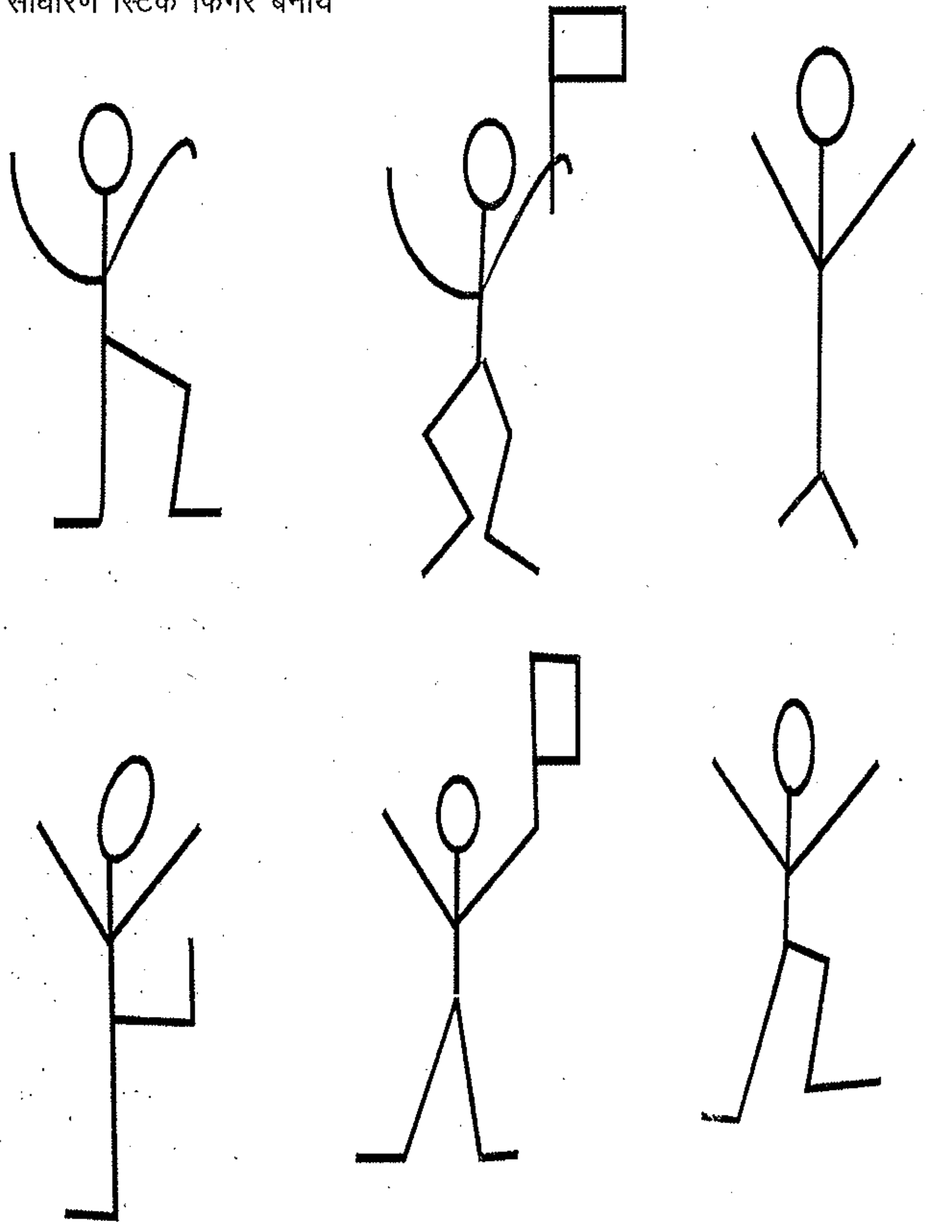

स्टिक फिगर बनायें और उनकी स्थितियों को पलटें।

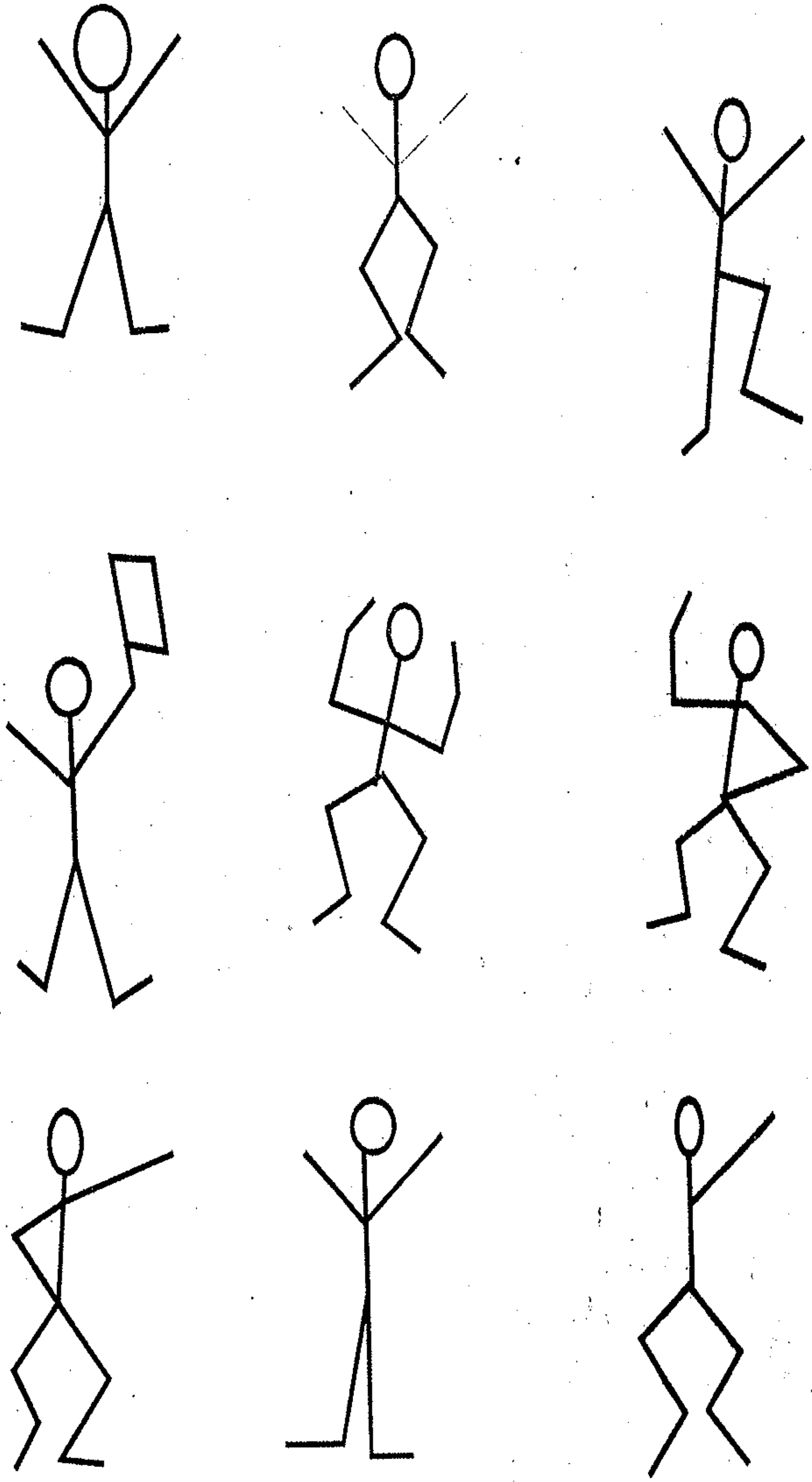

स्टिक फिगर बनाना। रंग करें।

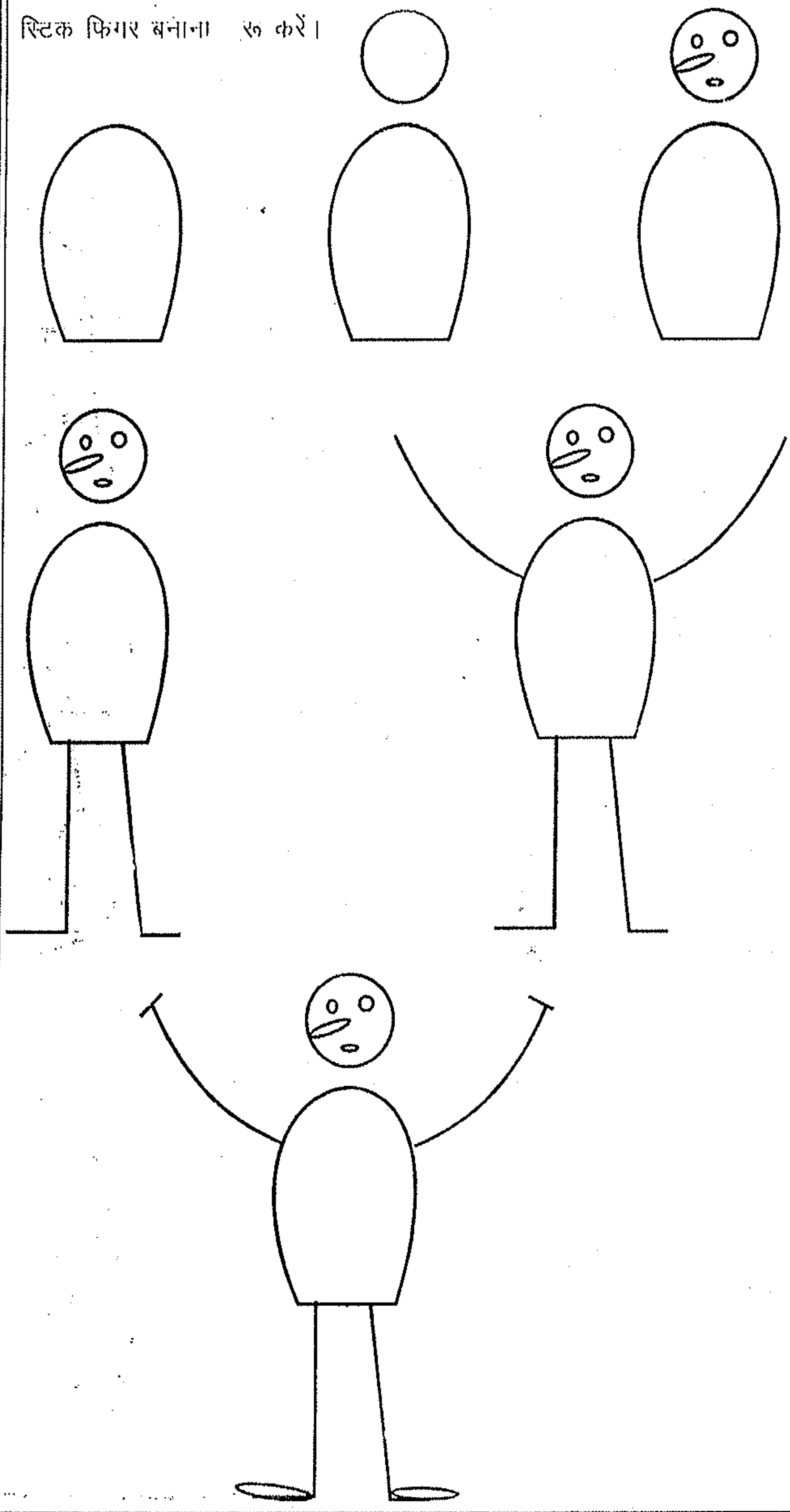

कार्य करते स्टिक फिगर बनायें।

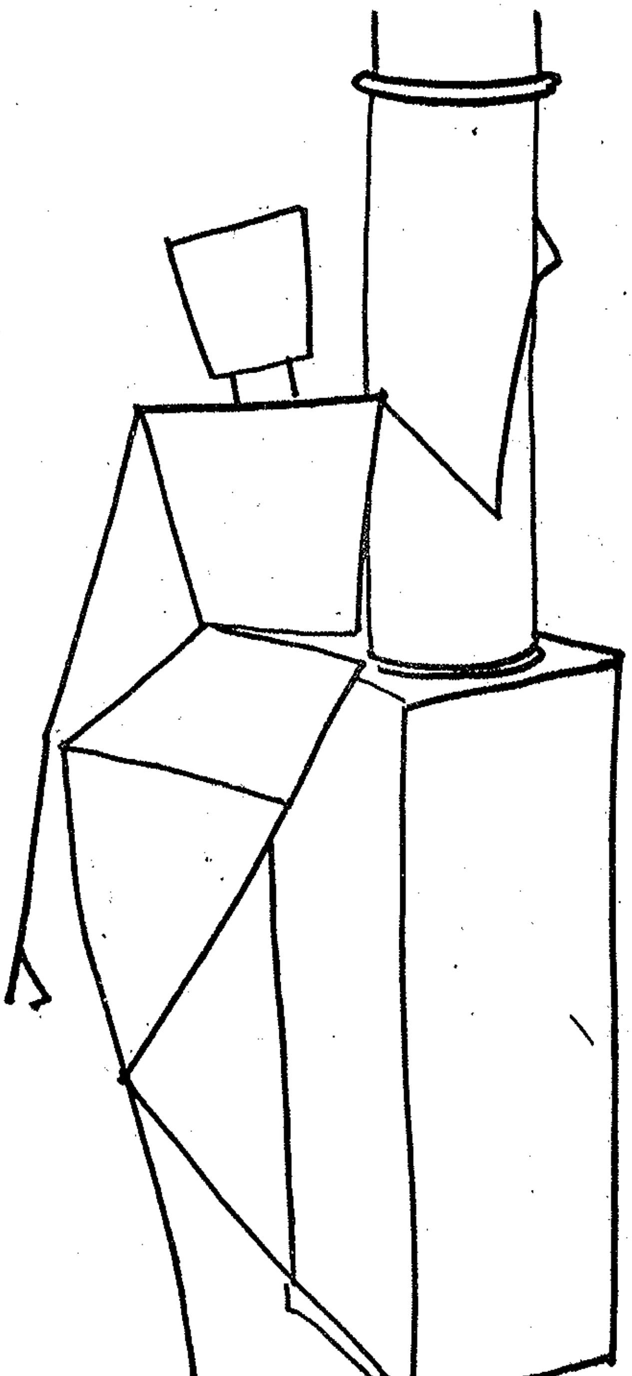

कार्य करते स्टिक गर बनायें।

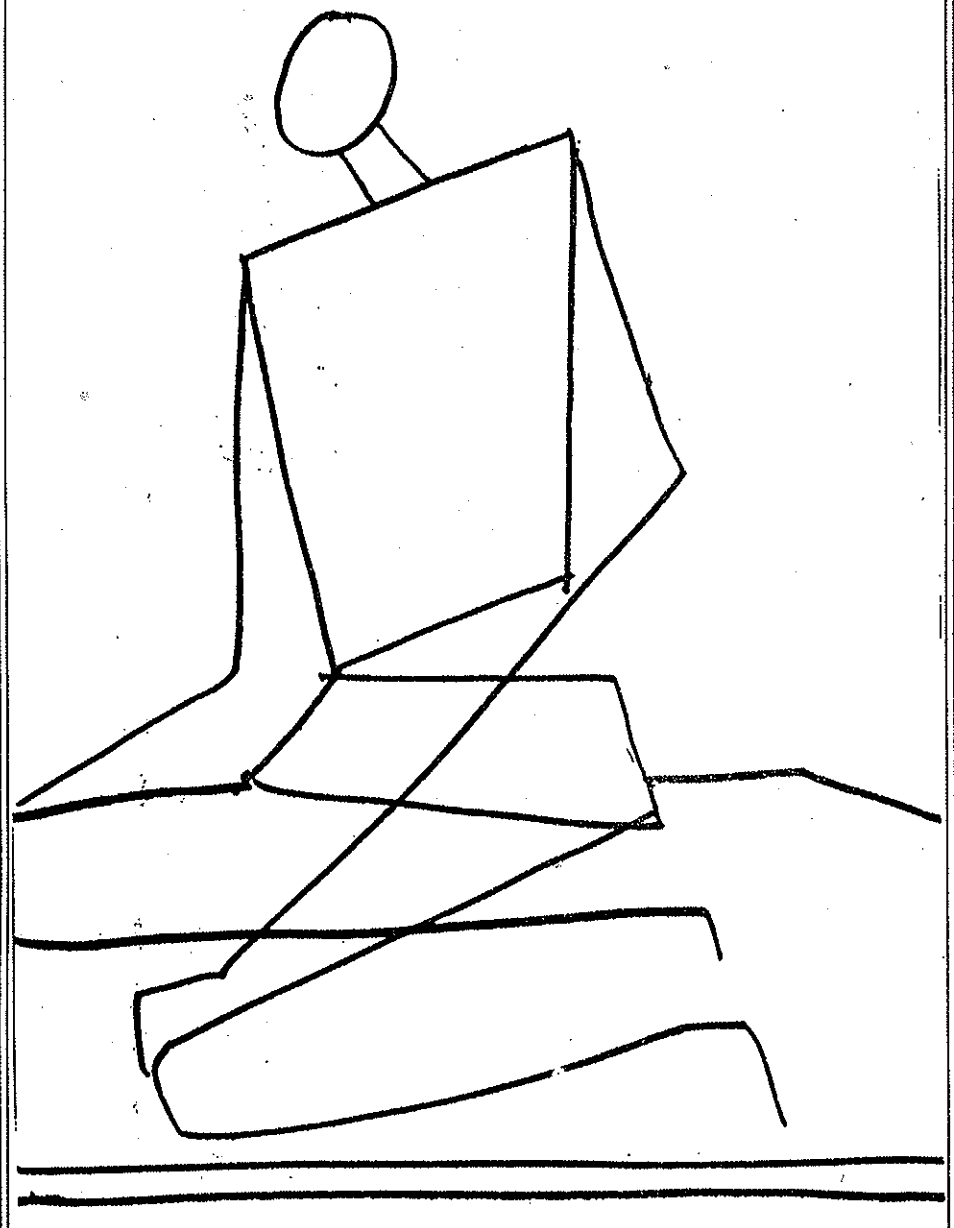

कार्य करते स्टिक फिगर बनायें।

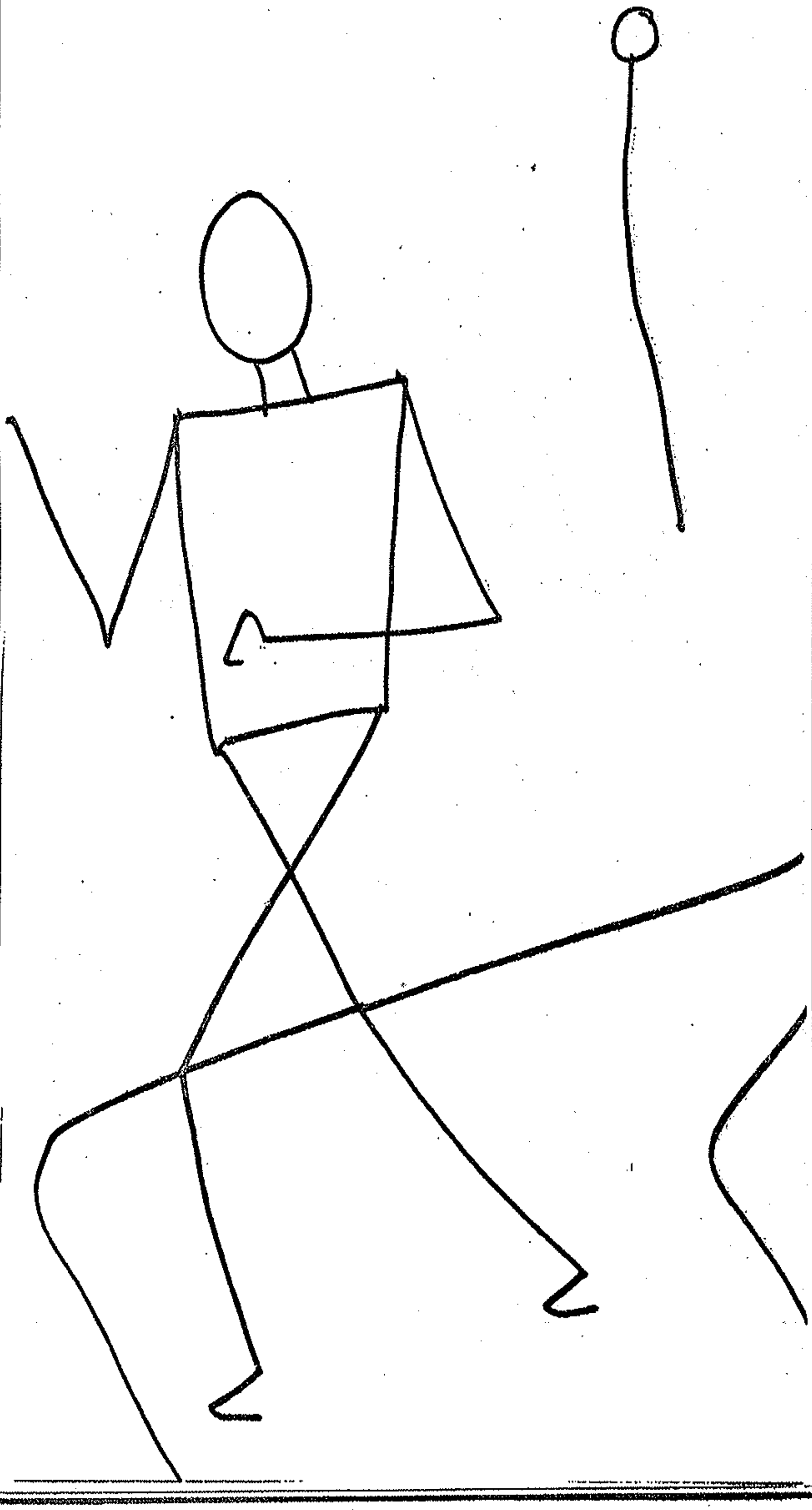

कार्य करते स्टिक ´ गर बनायें।

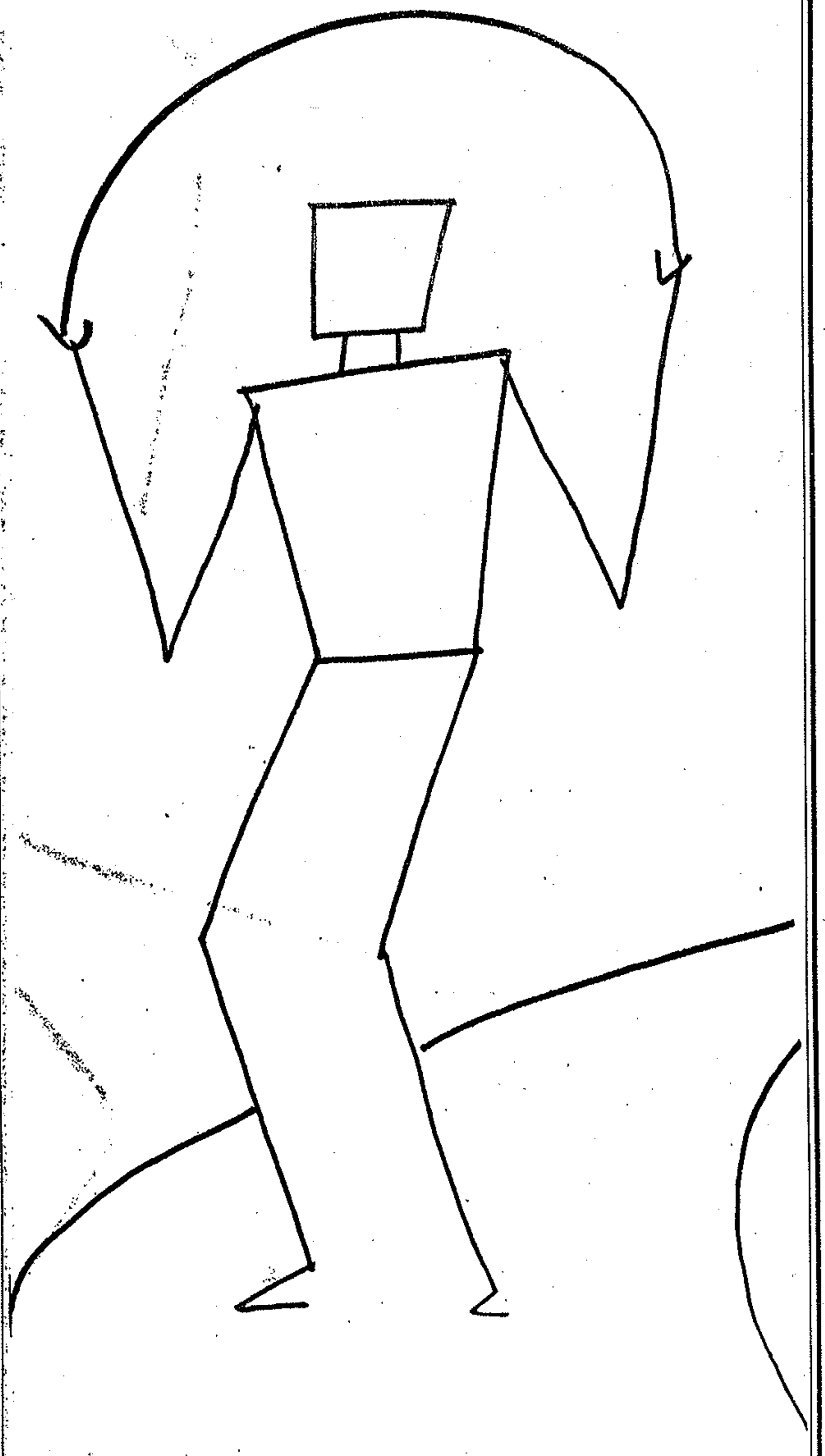

कार्य करते स्टिक फिगर बनायें।

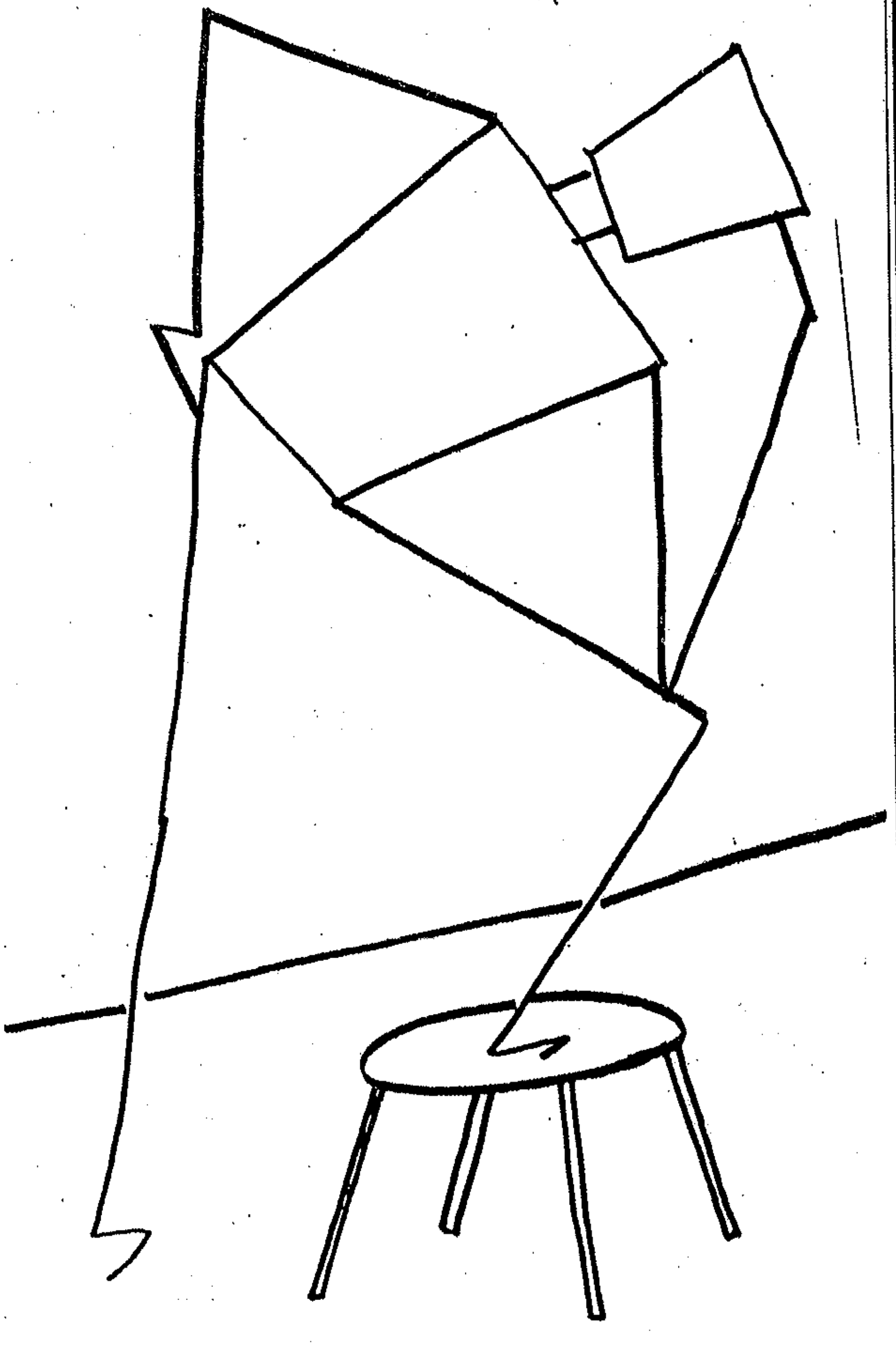

कार्य करते स्टिक पि ! बनायें।

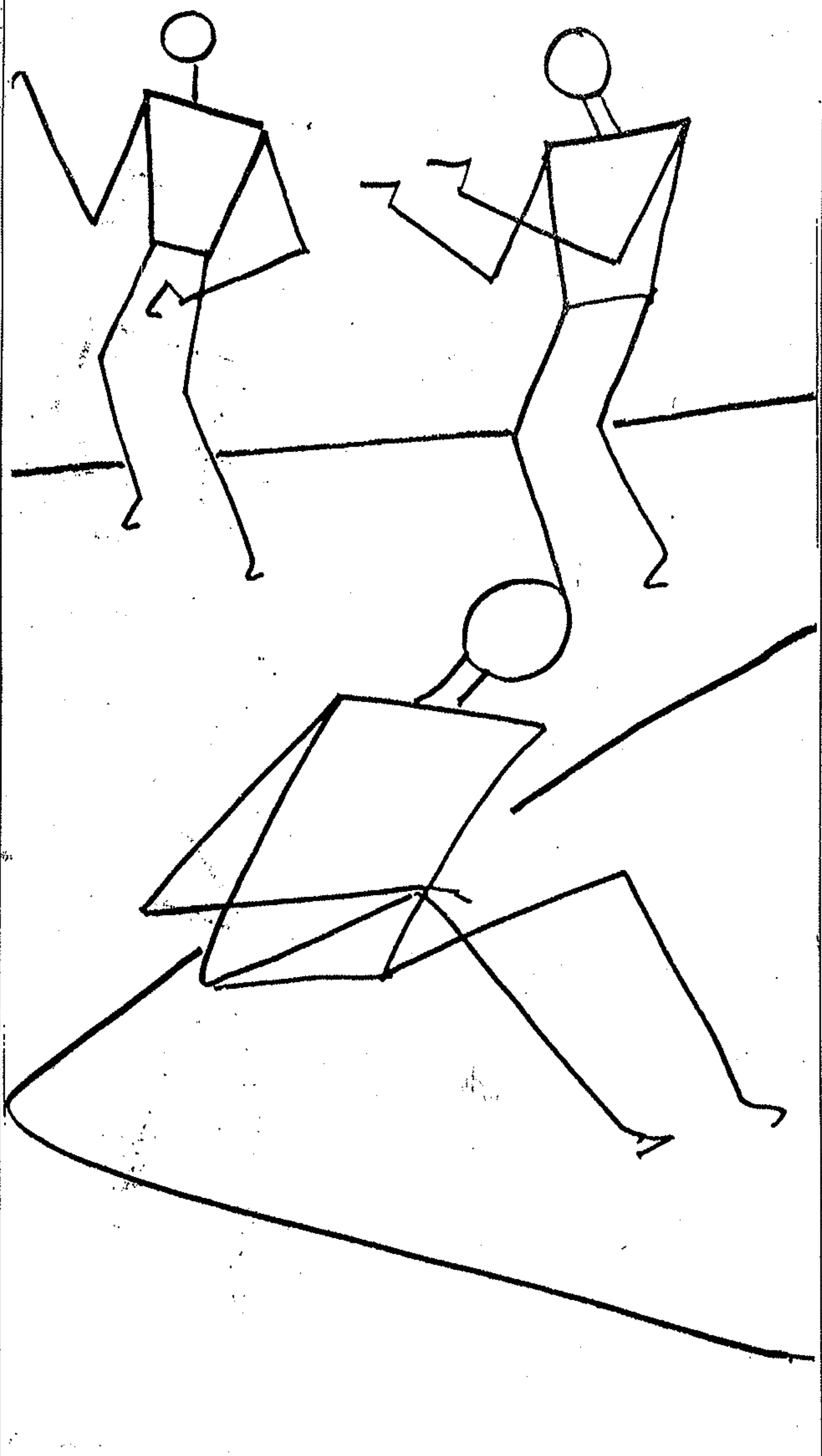

कार्य करते स्टिक फिगर बनायें।

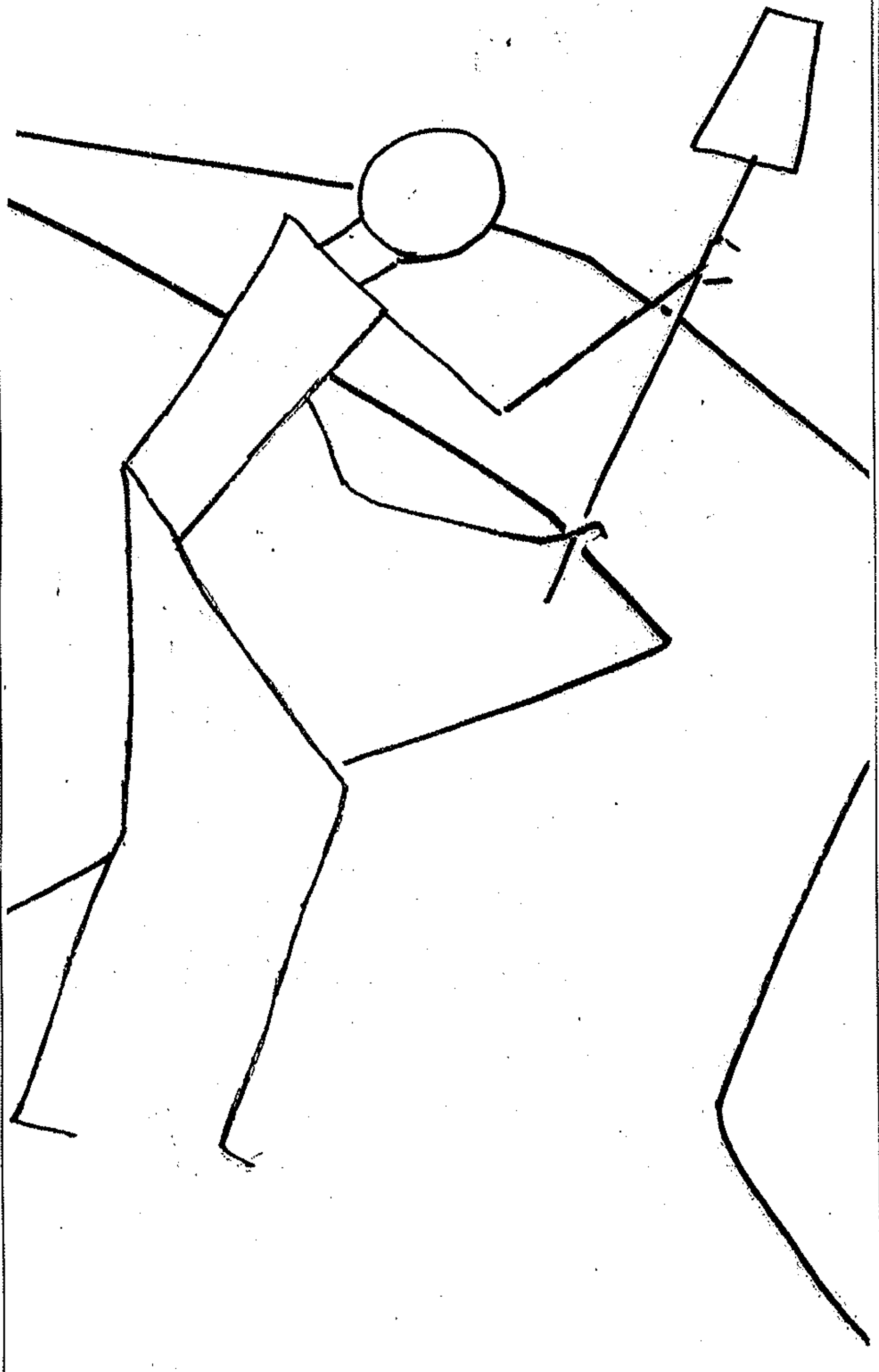

कार्य करते स्टिक f   र बनायें।

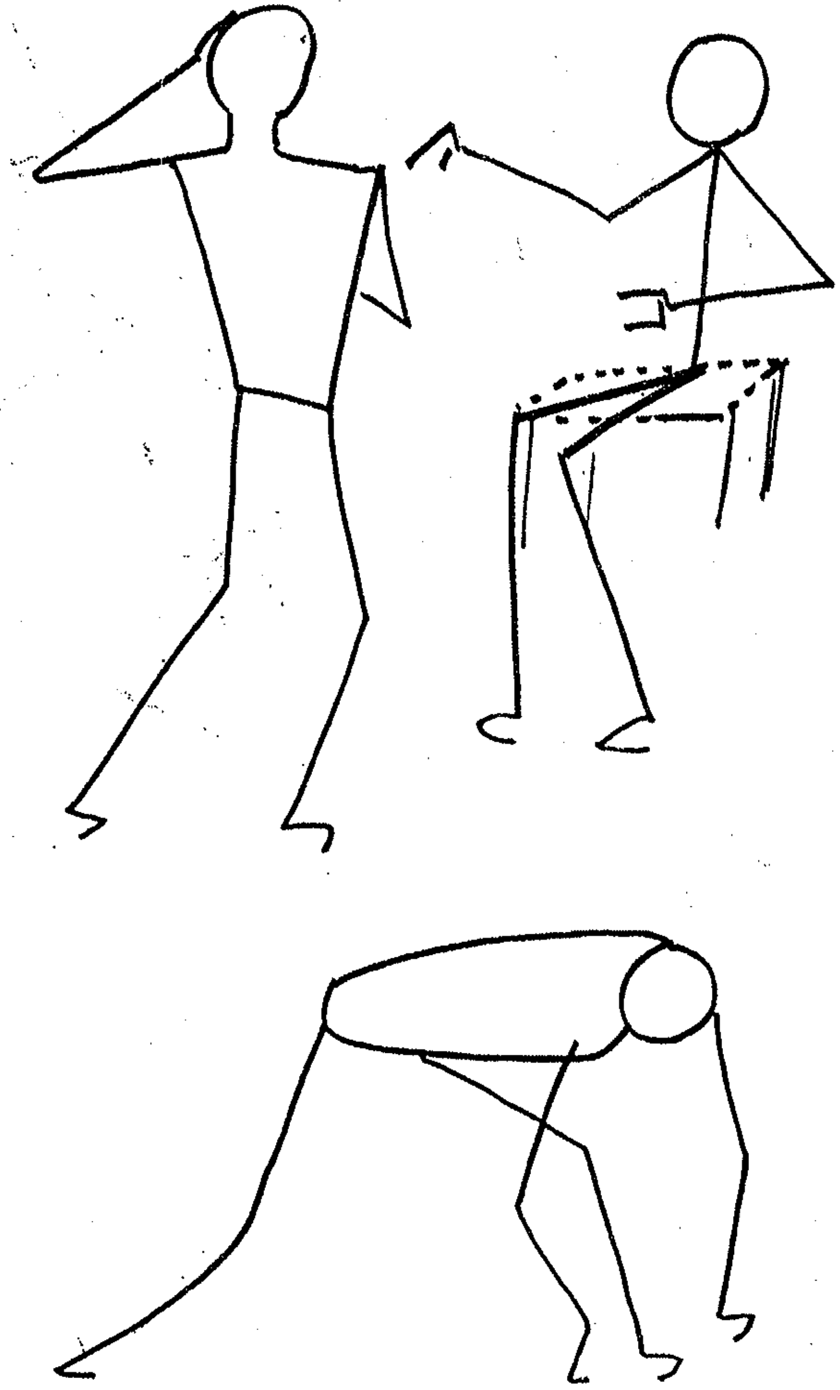

कार्य करते स्टिक फिगर बनायें।

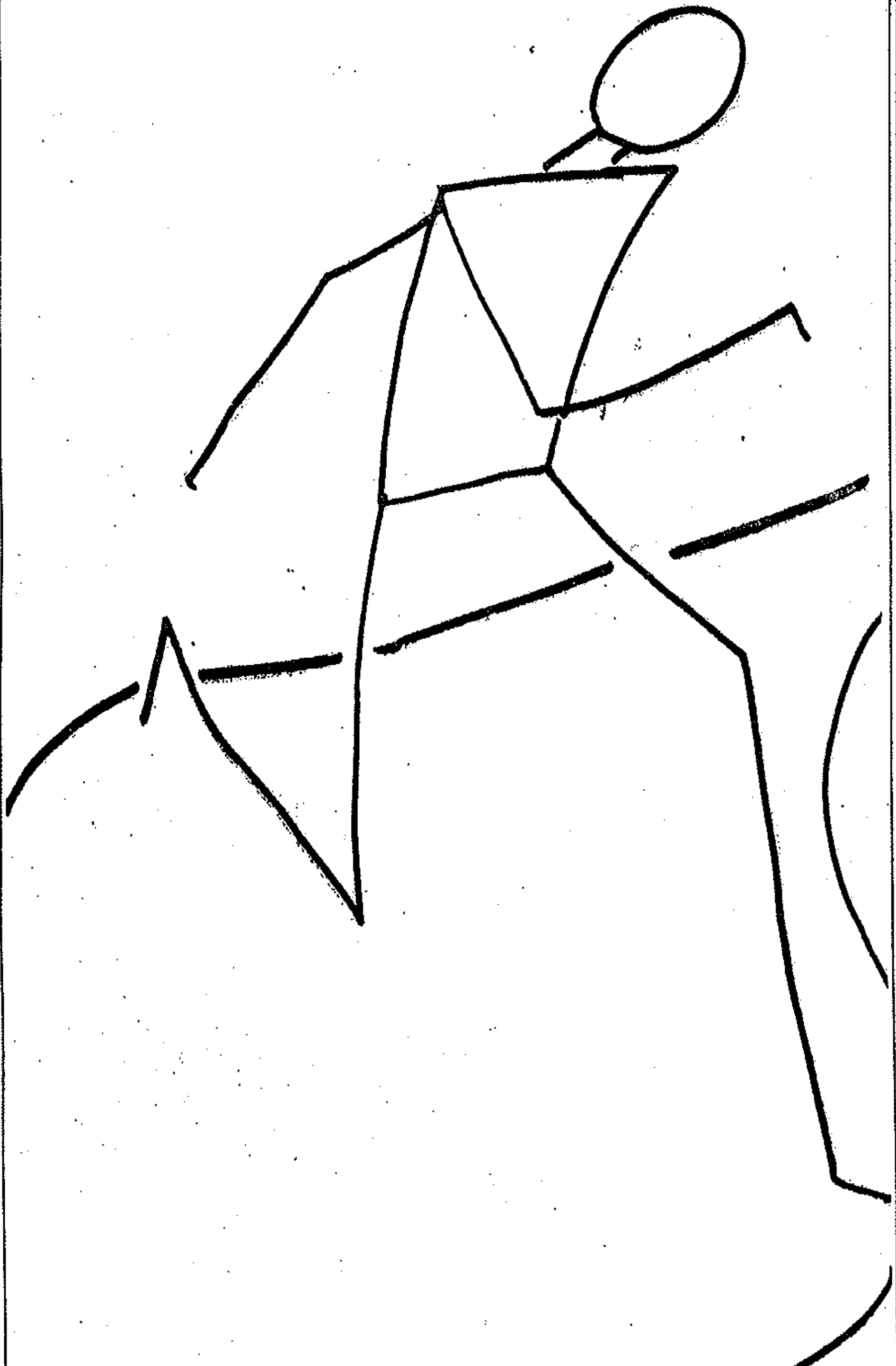

कार्य करते स्टिक फिगर बनायें।

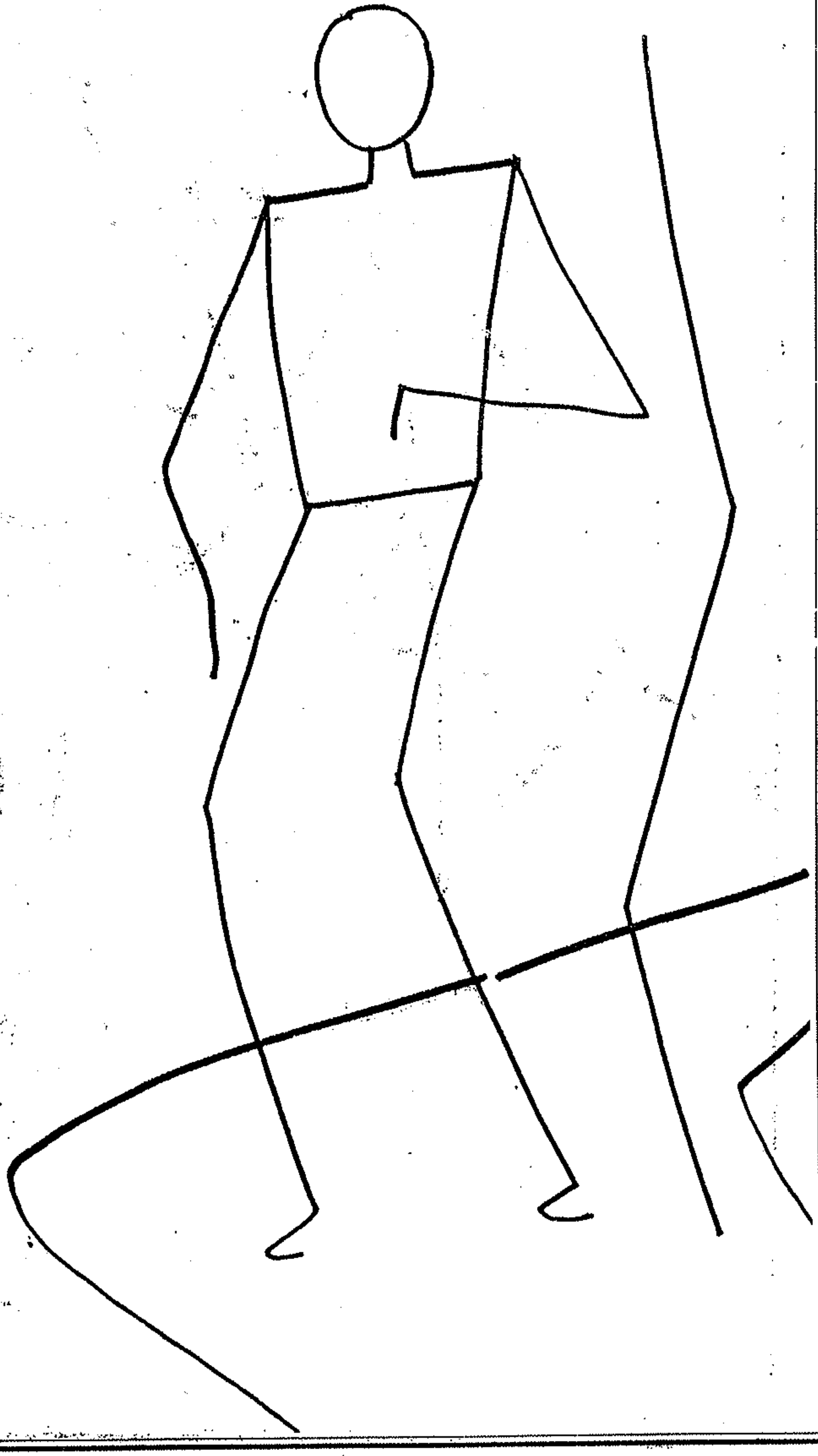

कार्य करते स्टिक फिगर बनायें।

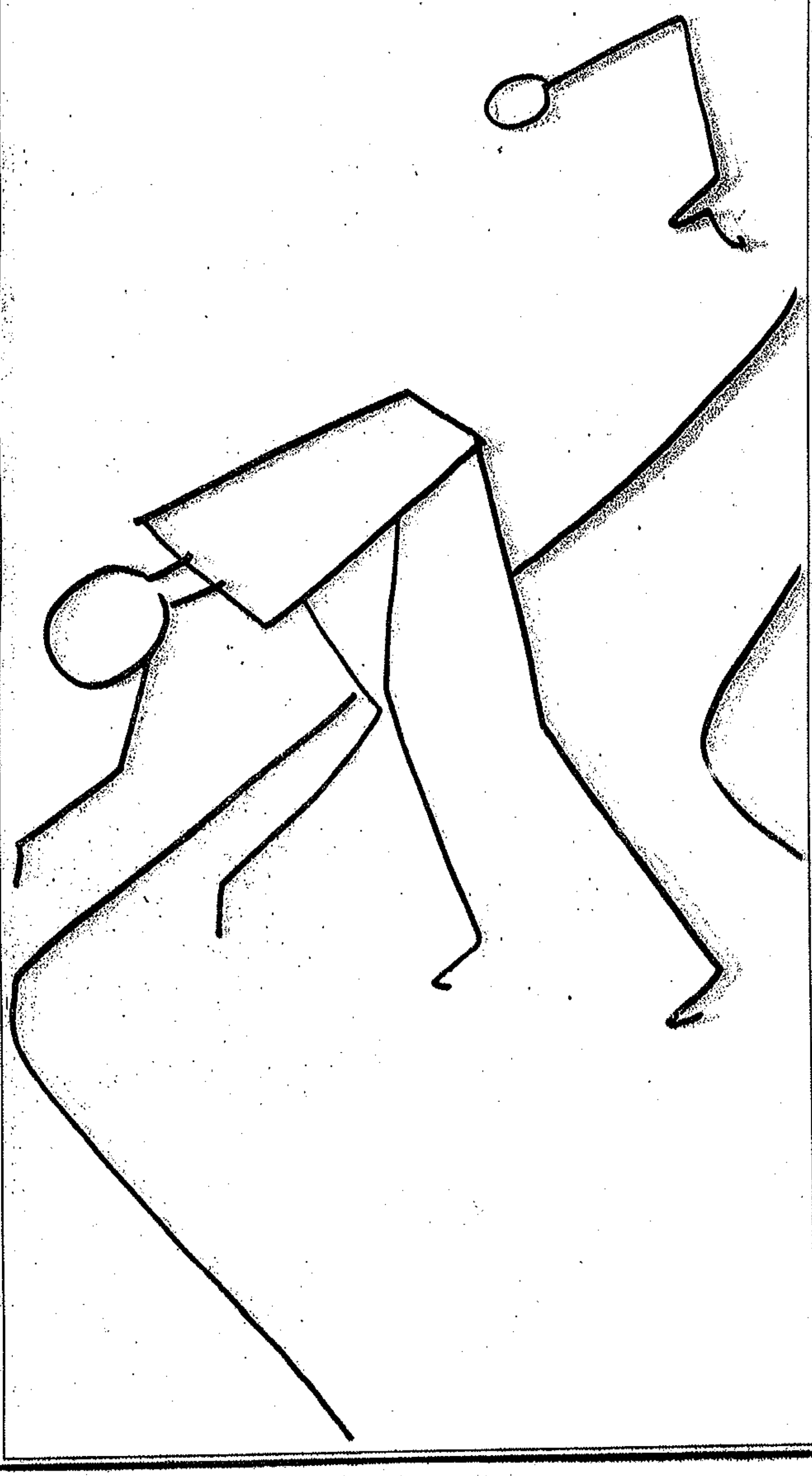

कार्य करते स्टिक फिगर बनायें।

कार्य करते स्टिक फिगर बनायें।

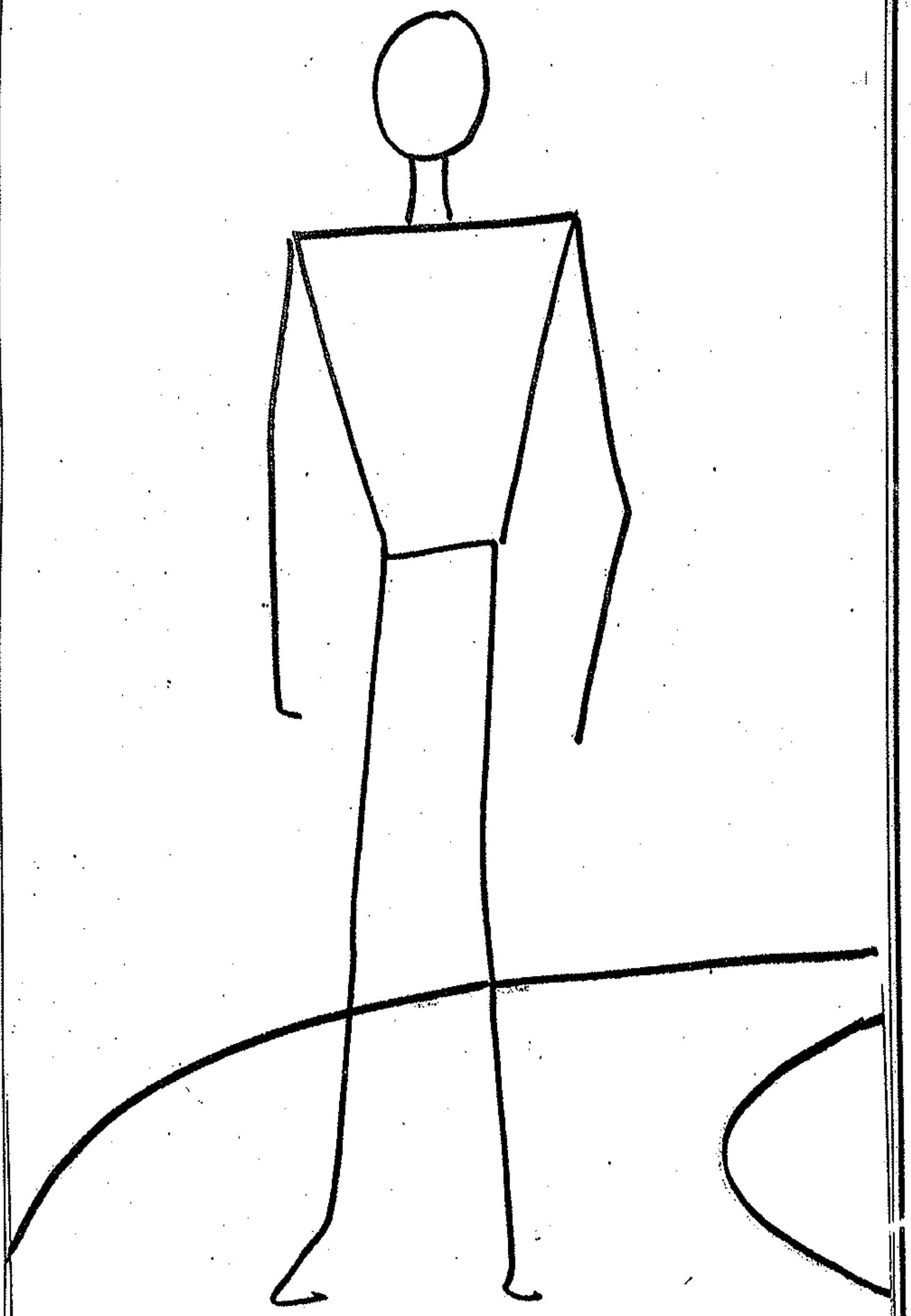

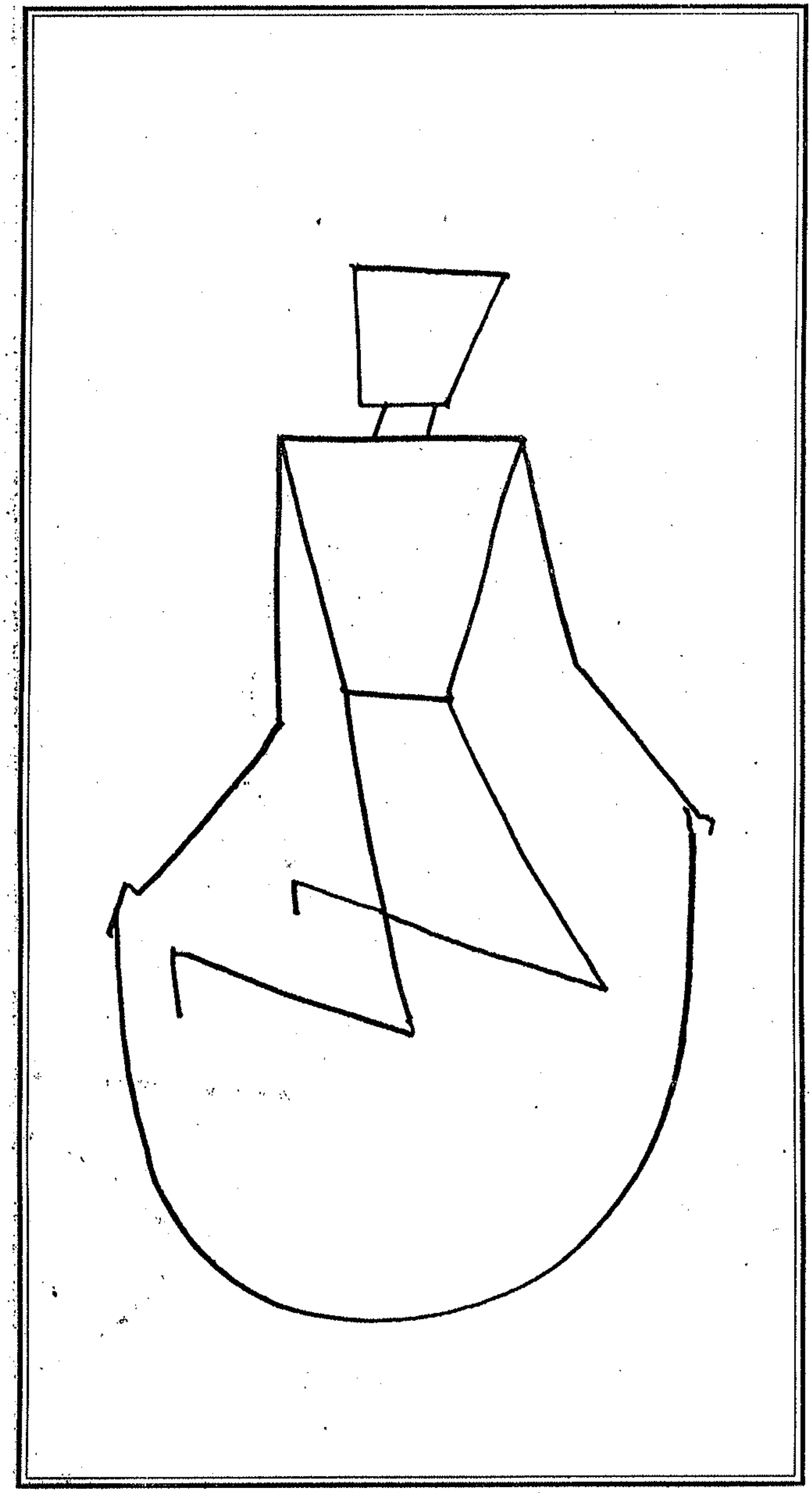

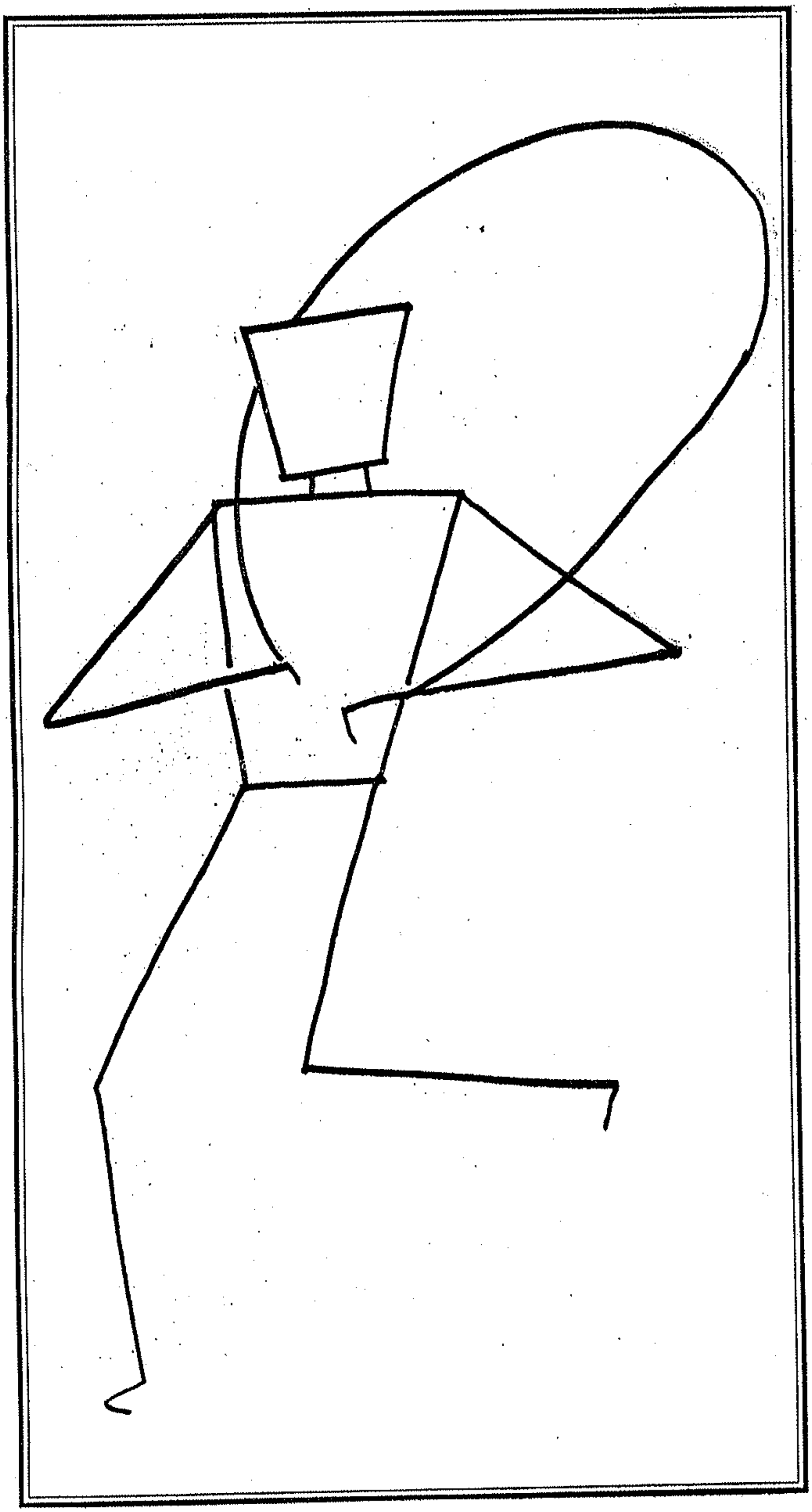

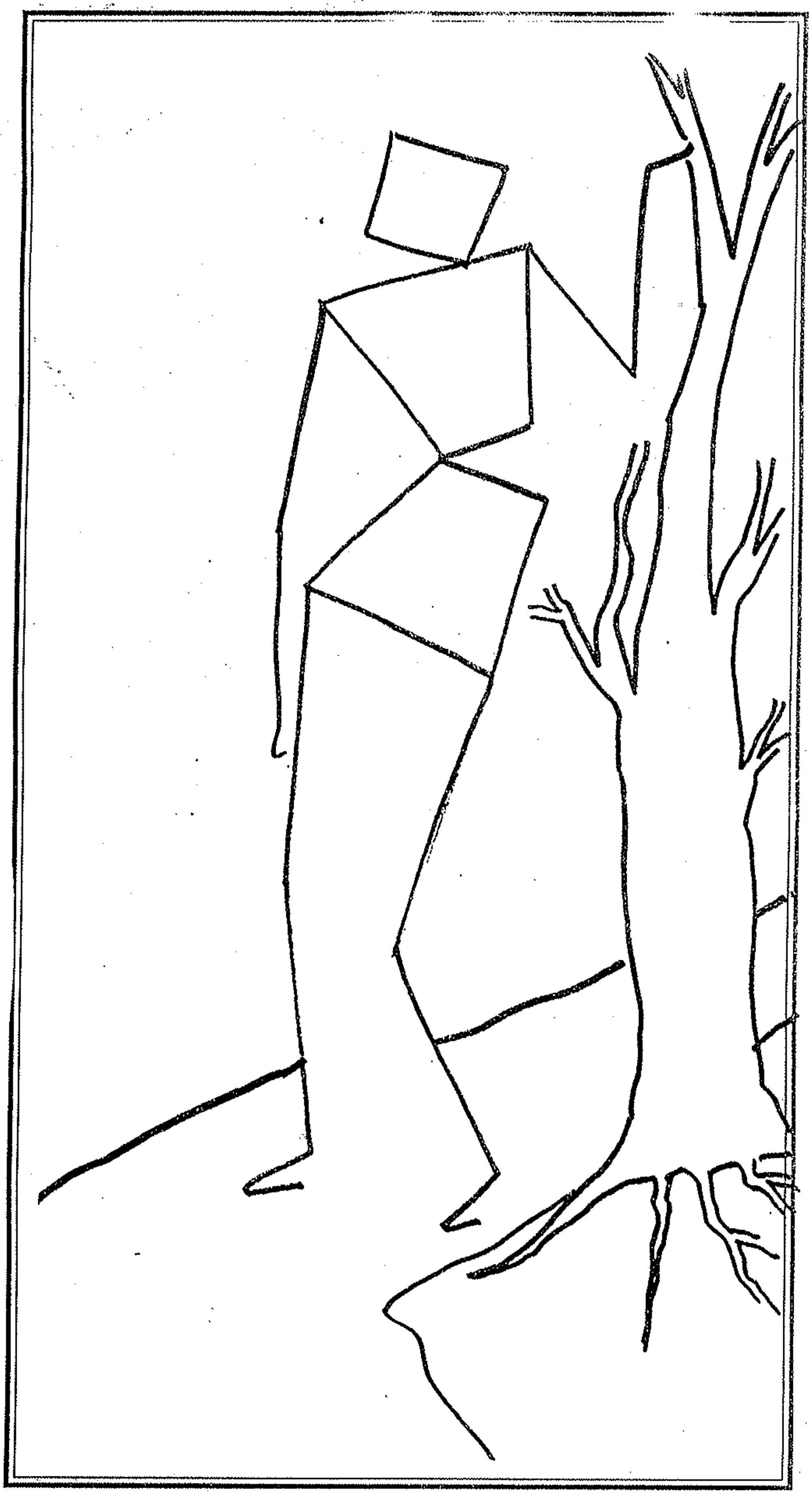

अभ्यास-

१– विभिन्न मैगज़ीनों को लें और उनमें फिगर्स की तस्वीरें देखें और उनकी स्टिल फिगर इमेजेस को ड्रॉ करें।

५.४ सारांशः-

स्टिक फिगर ड्रॉइंग शरीर के विभिन्न भागो के सही स्थान पर रखना तथा बेसिक बनावट बताता है। यह लाइन ड्रॉइंग है जो फिगर को जहाँ आप चाहते हैं, बनाने में सहायता करती है, जिससे पूरी ड्रॉइंग इस बेसिक स्ट्रक्चर पर बनाई जा सकती है।

५.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न–१ दो खड़े आकृति के स्टिक फिगर ड्रॉ करें।

प्रश्न–२ दो बैठी हुई मुद्रा में स्टिक फिगर बनायें।

प्रश्न–३ दो दौड़ते हुए स्थिति मे स्टिक फिगर बनायें

प्रश्न–४ दो जमीन पर बैठे हुए स्टिक फिगर बनायें।

प्रश्न–५ दो काम करते हुए स्टिक फिगर बनायें।

५.६ स्वाध्ययन हेतु

१– एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फ़ैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२– कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैज़ल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

संरचना

६.१ यूनिट प्रस्तावना

६.२ उद्देश्य

६.३ ब्लॉक फिगर्स

६.४ सारॉश

६.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

६.६ स्वाध्ययन हेतु

६.१ यूनिट प्रस्तावना:-

ब्लॉक फिगर्स, ड्रॉइंग का दूसरा चरण है। स्टिक फिगर बनाने के बाद उसमें ब्लॉक लगाना शुरू करें। इससे आपका फिगर डाइमेन्शनल प्रभाव देगा।

६.२ उद्देश्य:-

ब्लॉक फिगर, फलेश फिगर बनाने में आपकी सहायता करती है साथ ही यह मालूम हो जाता है कि आपकी फिगर का प्रोपोरशन ठीक है।

६.३ ब्लॉक फिगर्स:-

स्टिक फिगर पर ब्लॉक फिगर बनाने से पहले हमे फिगर के प्रोपोरशन के बारे में पता होना चाहिये।

अगले कुछ पृष्ठ में पुरूष तथा स्त्रियों के कुछ फिगर प्रोपोरशन दिये गये हैं। अतः दिये गये प्रोपोरशन फिगर का अभ्यास करें और आगे के रेखांकन के लिए सभी पर ब्लॉक फिगर जोड़े।

दिये गये ब्लॉक फिगर, सामान्य फिगर हैं जो सात हेड थ्योरी सिद्धान्त के अनुसार हैं।

मनुष्य की लम्बाई तीन बराबर भागो में बॉटी गई है। कंधे से कमर तक, कमर से घुटने तक तथा घुटने से एड़ी तक। हर भाग सिर के दो भाग के बराबर होता है।

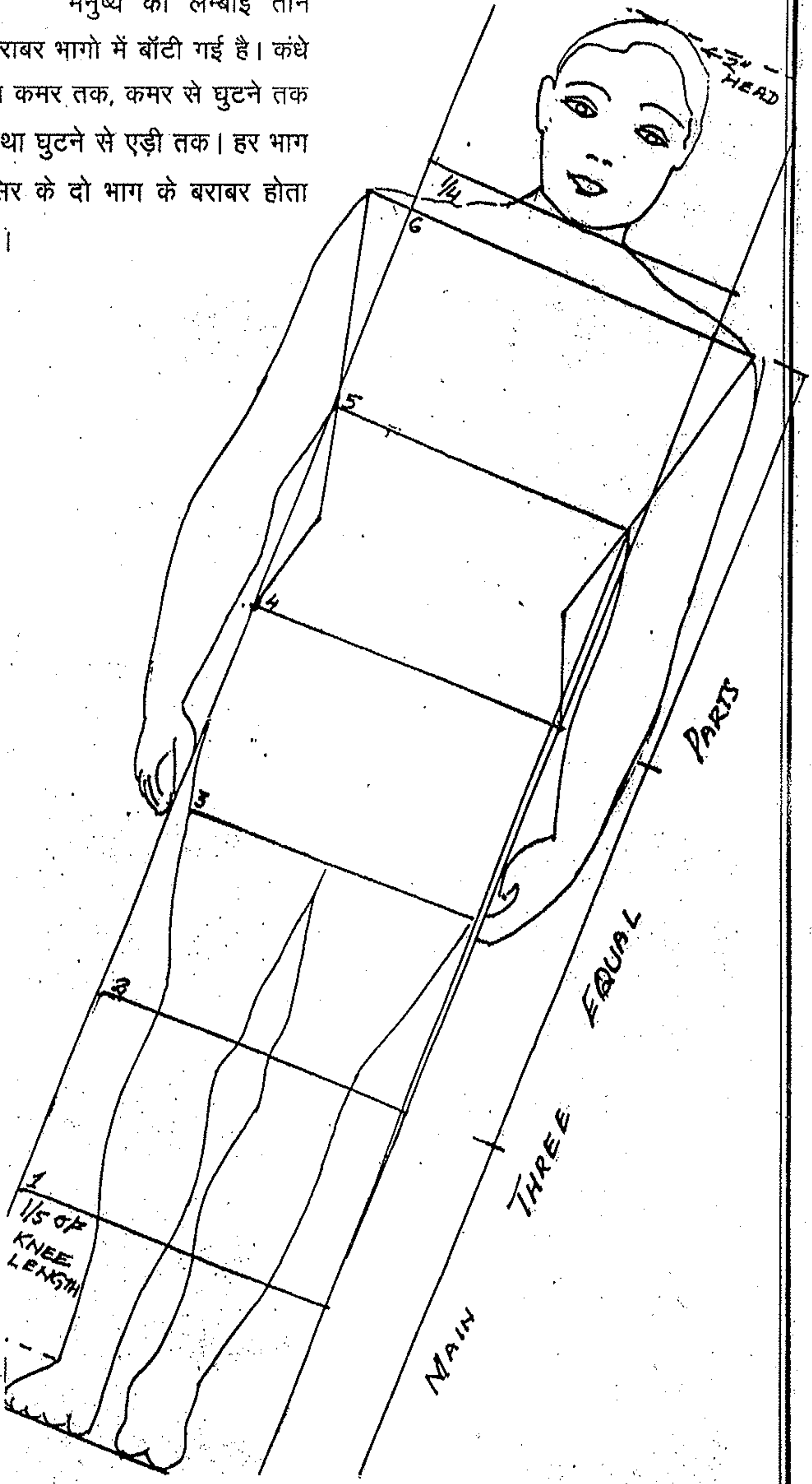

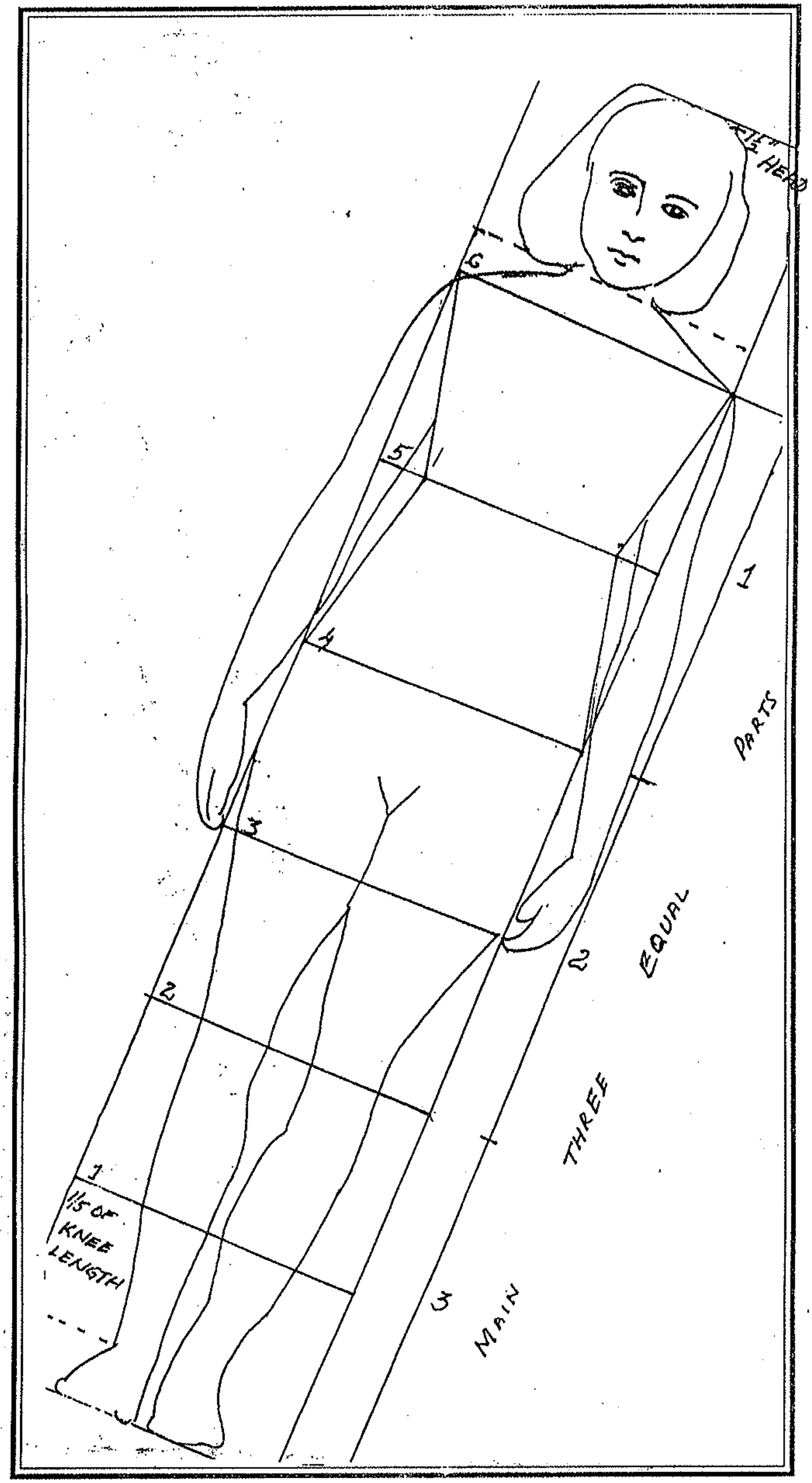
HEAD
6
5
4
3
2
1
1/5 OF KNEE LENGTH
1
2
3
MAIN THREE EQUAL PARTS

ब्लॉक फिगर एवं शरीर की चाल

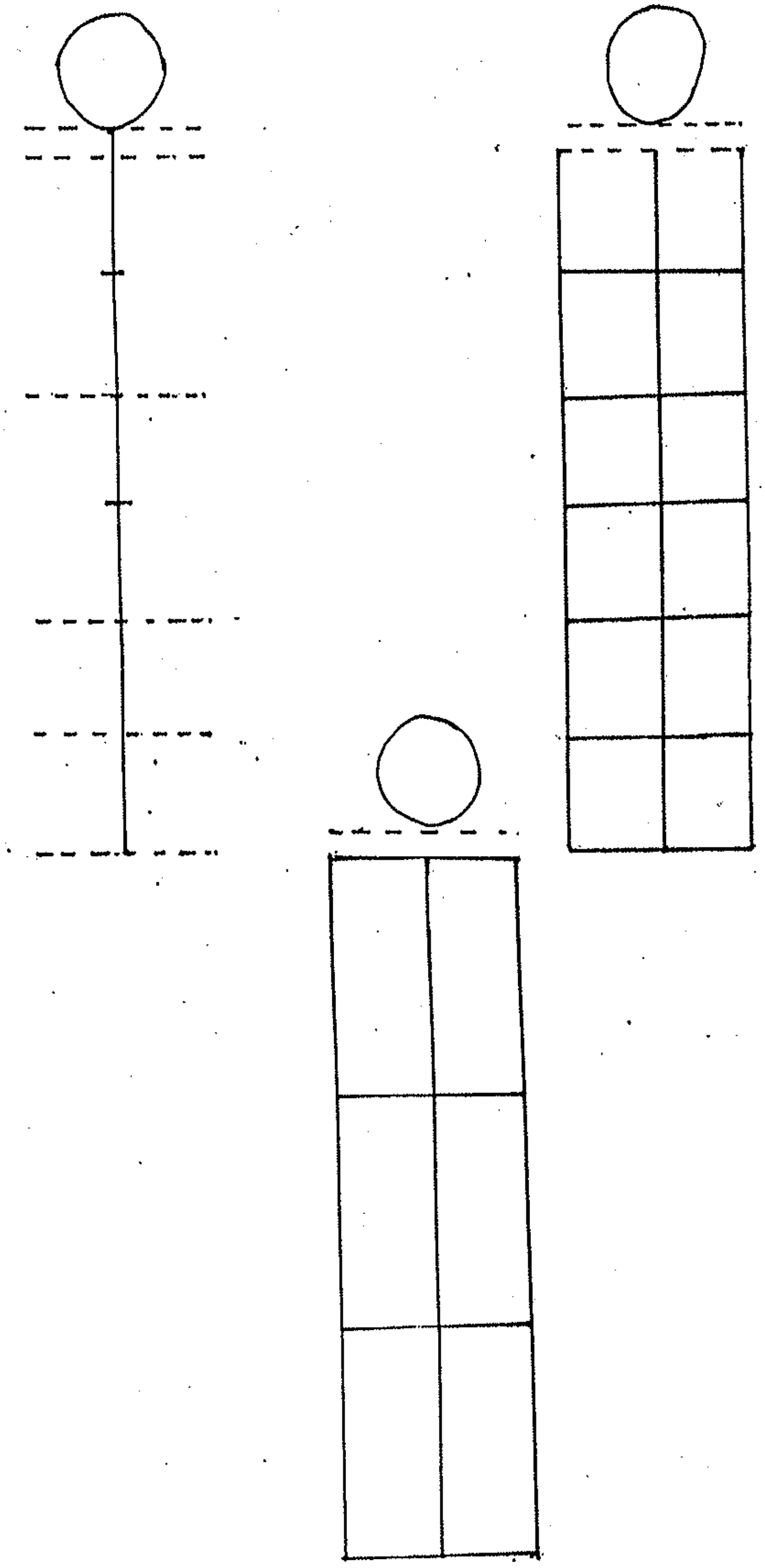

ब्लॉक फिगर एवं शरीर की चाल

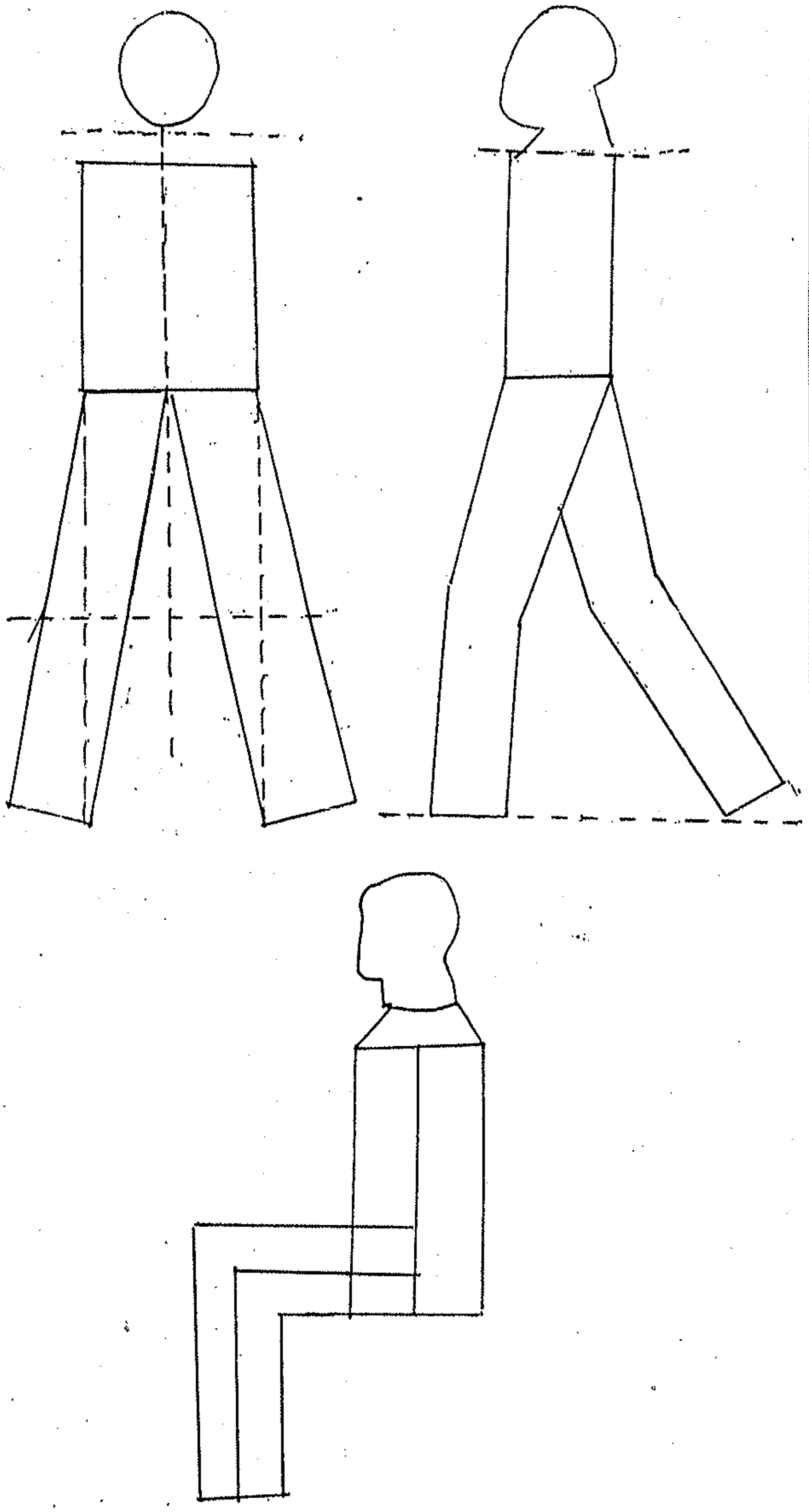

ब्लॉक फिगर एवं शरीर की चाल

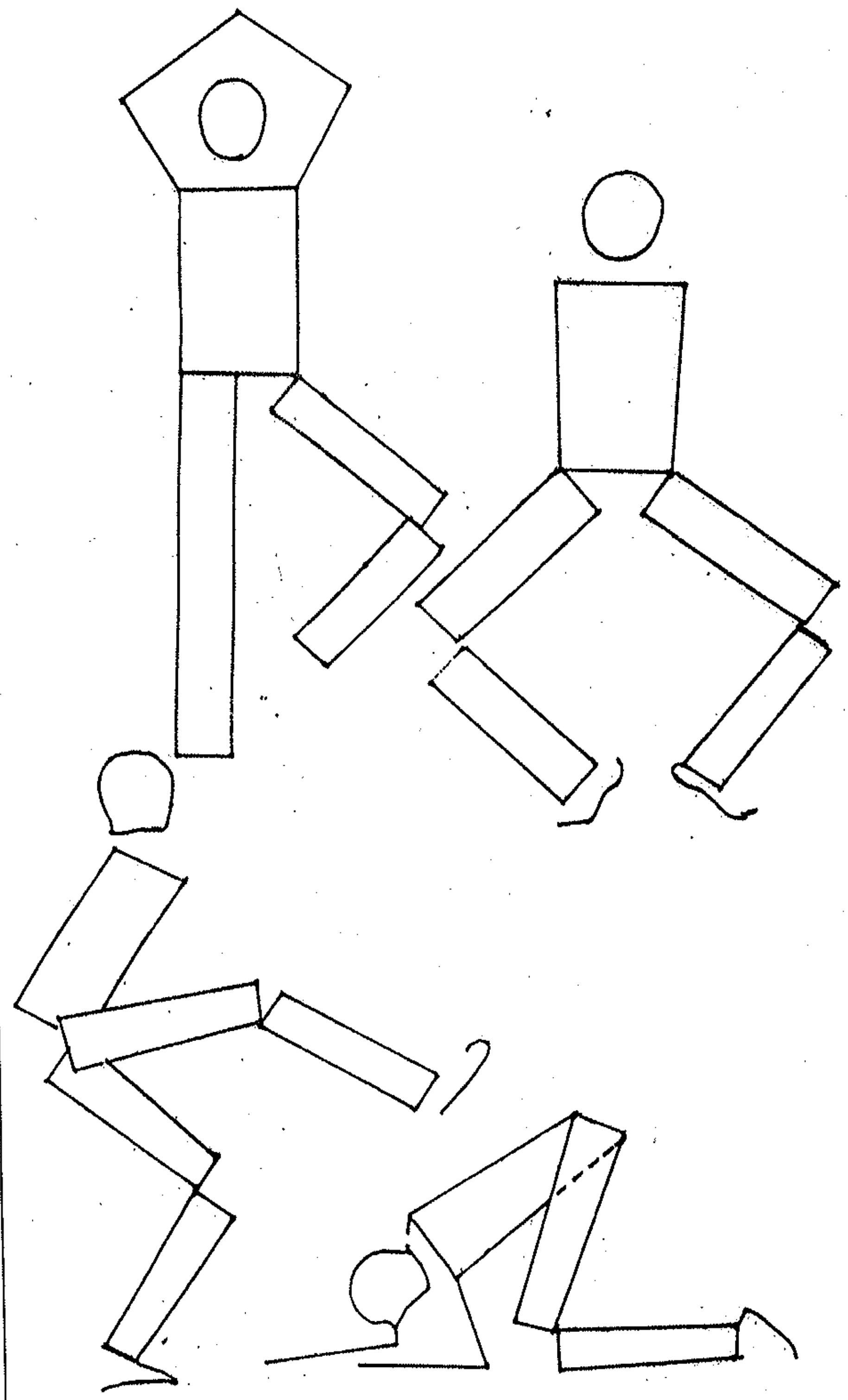

ब्लॉक फिगर एवं शरीर की चाल

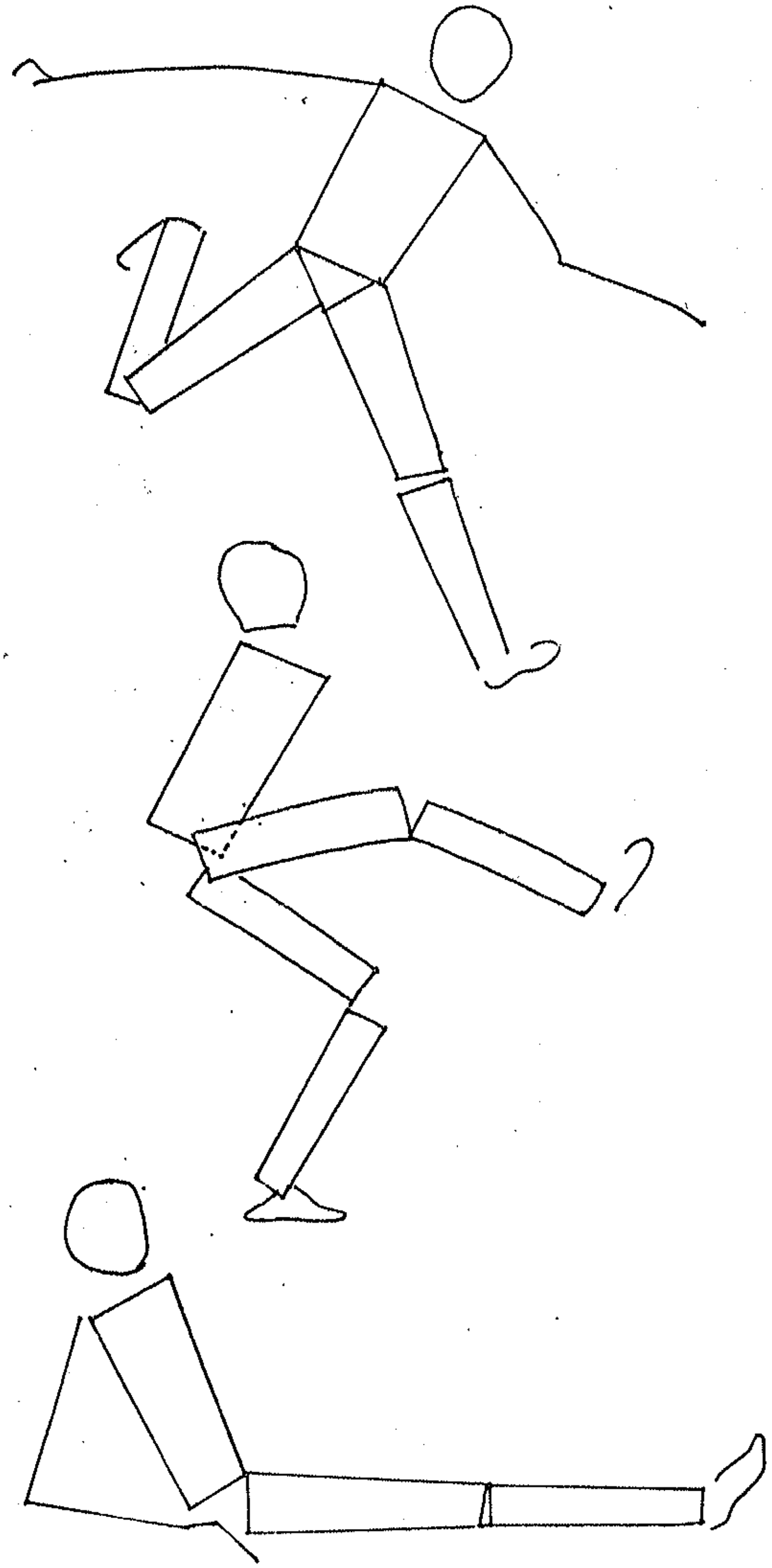

ब्लॉक फिगर एवं शरीर की चाल

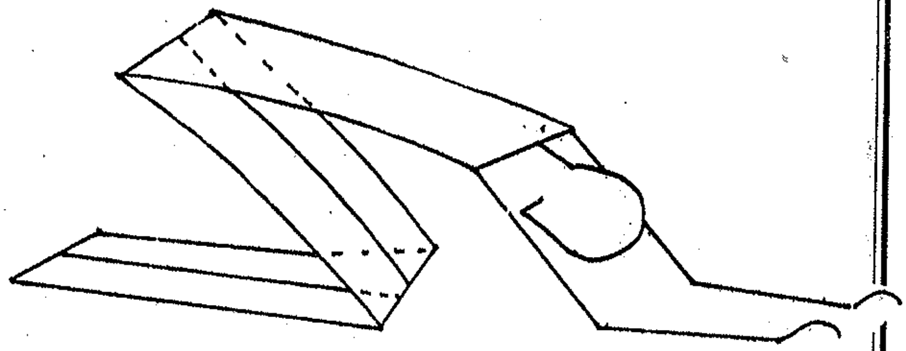

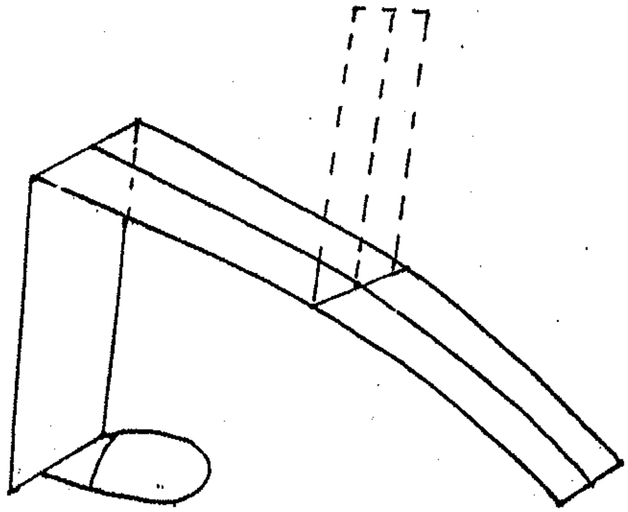

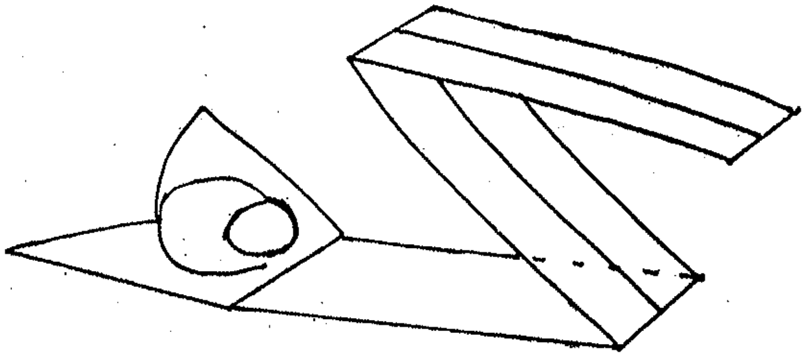

ब्लॉक फिगर एवं शरीर की चाल

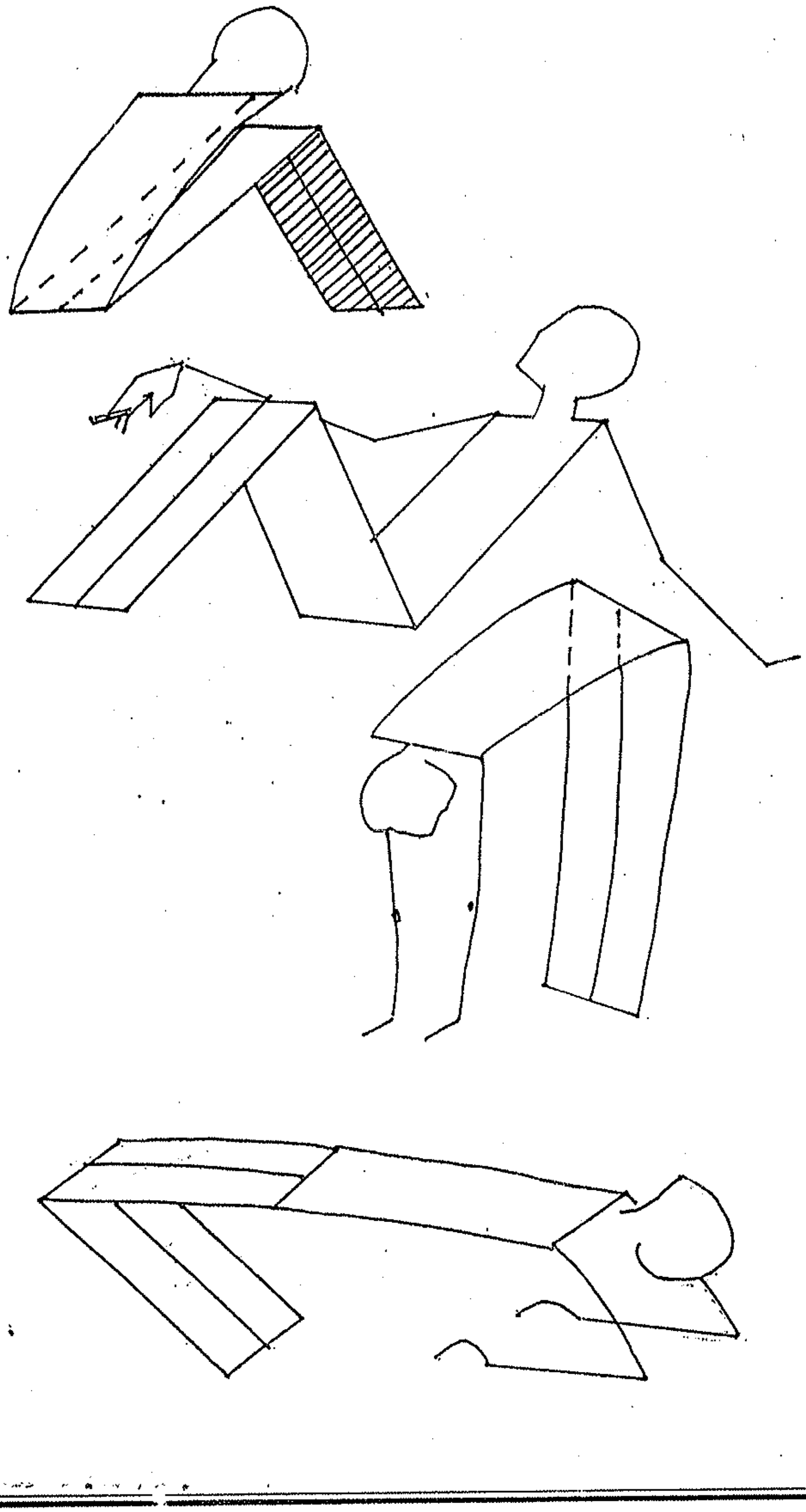

विभिन्न मुद्राओं मे ब्लॉक फिगर

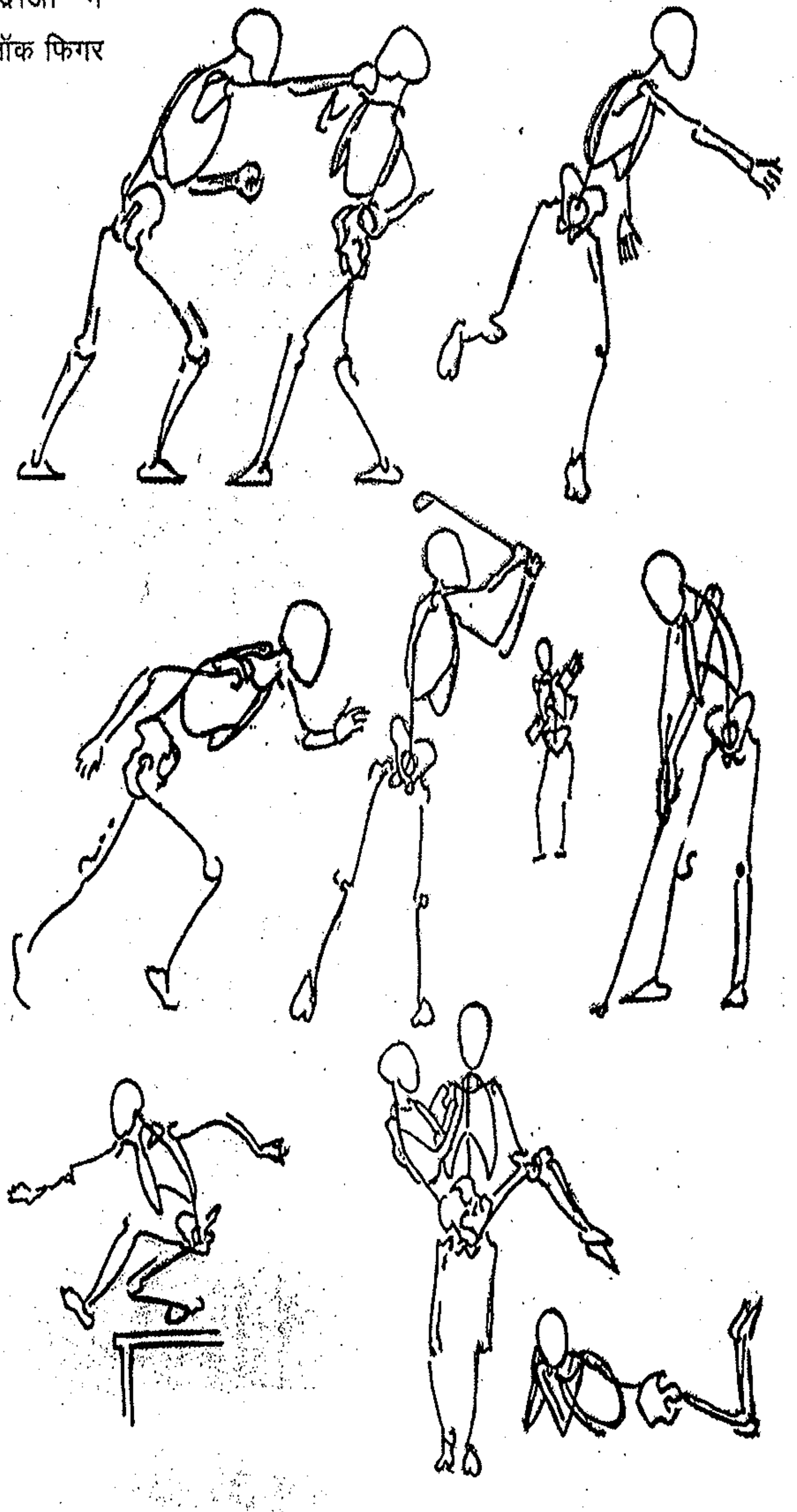

किनारा और बैठा हुआ ब्लॉक फिगर

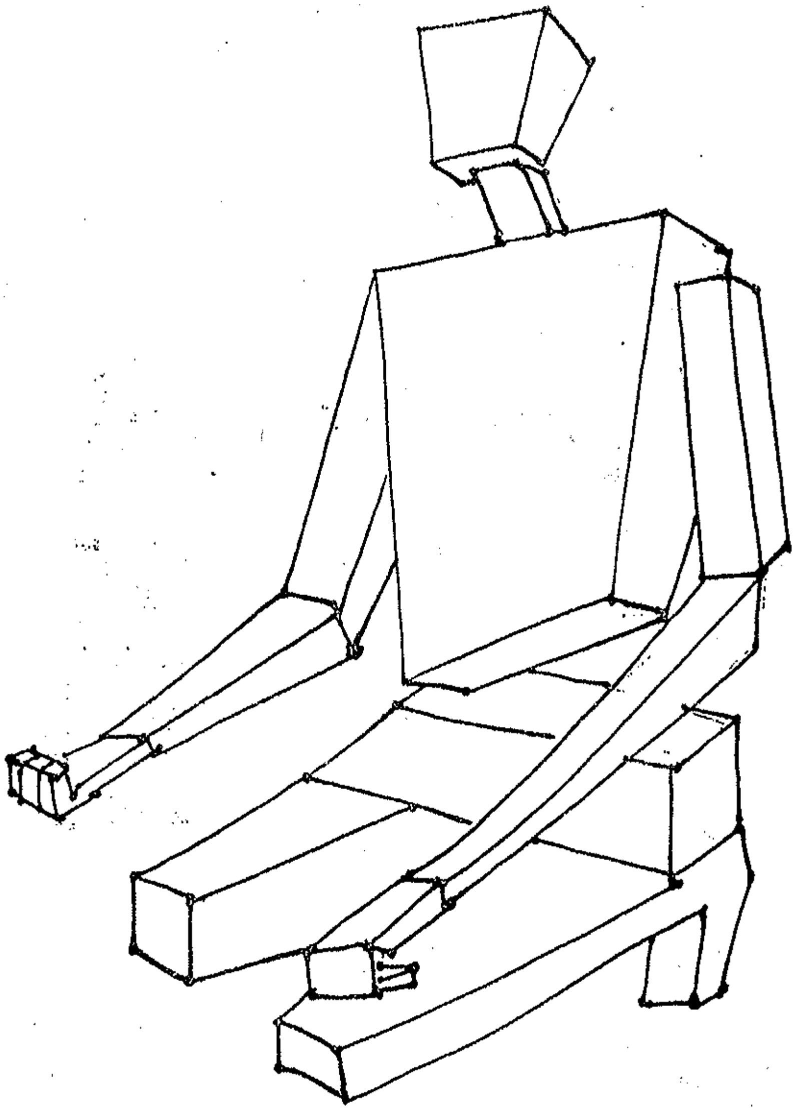

कार्य मुद्रा मे ब्लॉक फिगर

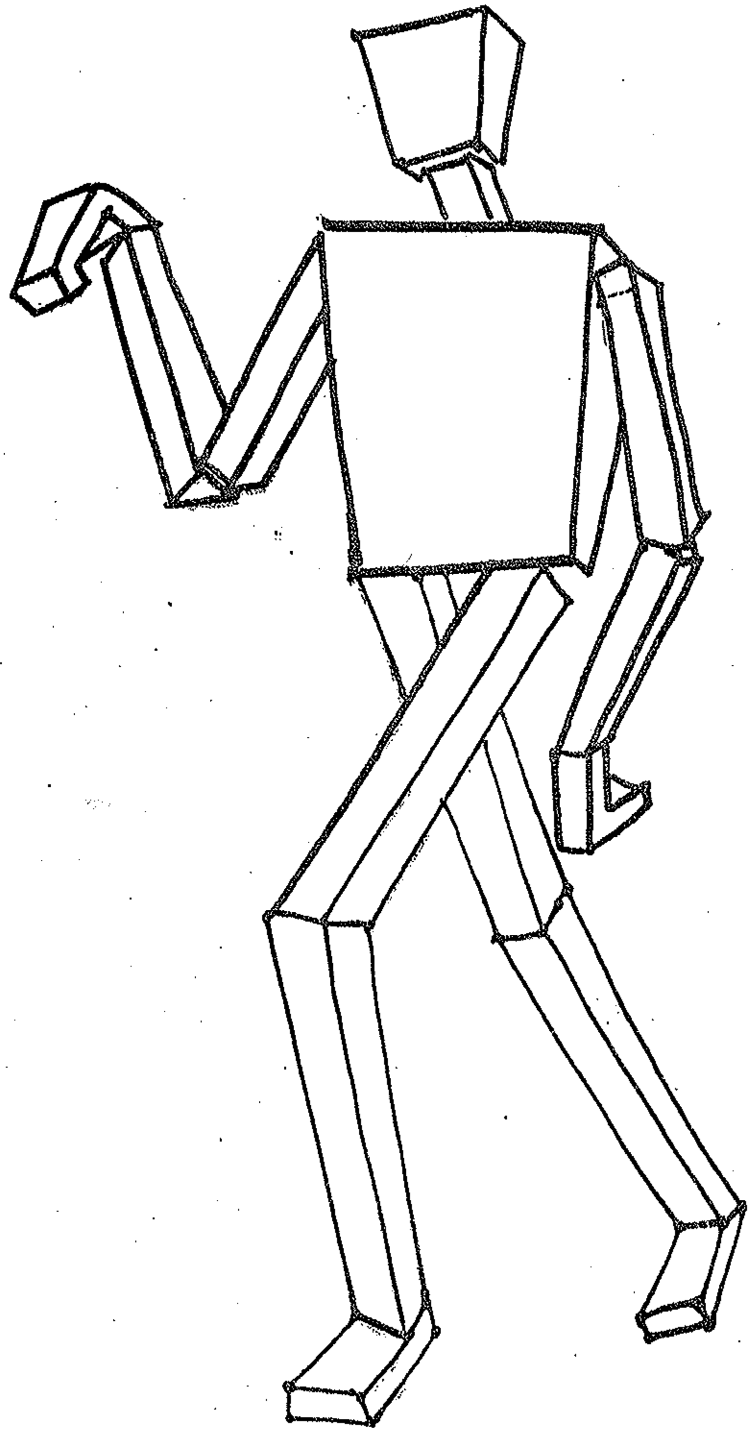

अभ्यास-

१— अब तक बनाई गई सभी स्टिक फिगर पर ब्लॉक्स लगायें।

६.४ सारांशः-

पहले स्टिक फिगर ड्रॉइंग करें फिर उसके बाद ब्लॉक फिगर बनायें। जब ब्लॉक फिगर बना लें तब उसमें फ्लेस्ट और कर्व जोड़े।

६.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न—१ दो बैठी हुई आकृति में ब्लॉक फिगर बनायें।

प्रश्न—२ दो खड़े हुए आकृति में ब्लॉक फिगर बनायें।

प्रश्न—३ दो दौड़ते हुए स्थिति में ब्लॉक फिगर बनायें।

प्रश्न—४ दो झुकी हुई आकृति में ब्लॉक फिगर बनायें।

प्रश्न—५ दो खेलने की क्रिया में ब्लॉक फिगर बनायें।

६.६ स्वाध्ययन हेतु

१— एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२— कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैजल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

यूनिट-७

संरचना

७.१ यूनिट प्रस्तावना

७.२ उद्देश्य

७.३ क्विक स्केचेस

७.४ सारॉश

७.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

७.६ स्वाध्ययन हेतु

७.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

क्विक ड्राइंग, कोई भी ड्रॉइंग शीघ्र अति शीघ्र ड्रॉ करने का तरीका है। बिना सूक्ष्म विवरण भरे जो प्रभाव आप देना चाहते हैं वह हो जाये। यह यूनिट क्विक स्केचेस के उदाहरण भी देता है।

७.२ उद्देश्यः-

क्विक स्केचिंग से आपकी स्केचिंग करने की क्षमता और विश्वास बढ़ेगा। जब आप प्रेजेन्टेशन बनायेगें तब यह आपकी सहायता करेगा।

७.३ क्विक स्केचेसः-

क्विक स्केचेस शुरू करने के लिए एक कमरे में बैठे या अपना काम ध्यानपूर्वक करते हुए व्यक्ति को देखें। अब उसी स्थिति में जिसमें वे बैठे हो, क्विक स्केचेस बनायें।

आप ऐसे स्केचेस बनाने के लिए रेलवे स्टेशन या बाजार में भी जा सकते हैं। आप अनेक लोगों को विभिन्न तरीकों से बैठे या खड़े पायेगें। उनके पोस्चर को विभिन्न कोणों से समझें और क्विक स्केचेस बनायें। बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए क्विक स्केचेस बनाने में ४बी या ६बी पेंसिल का प्रयोग करें।

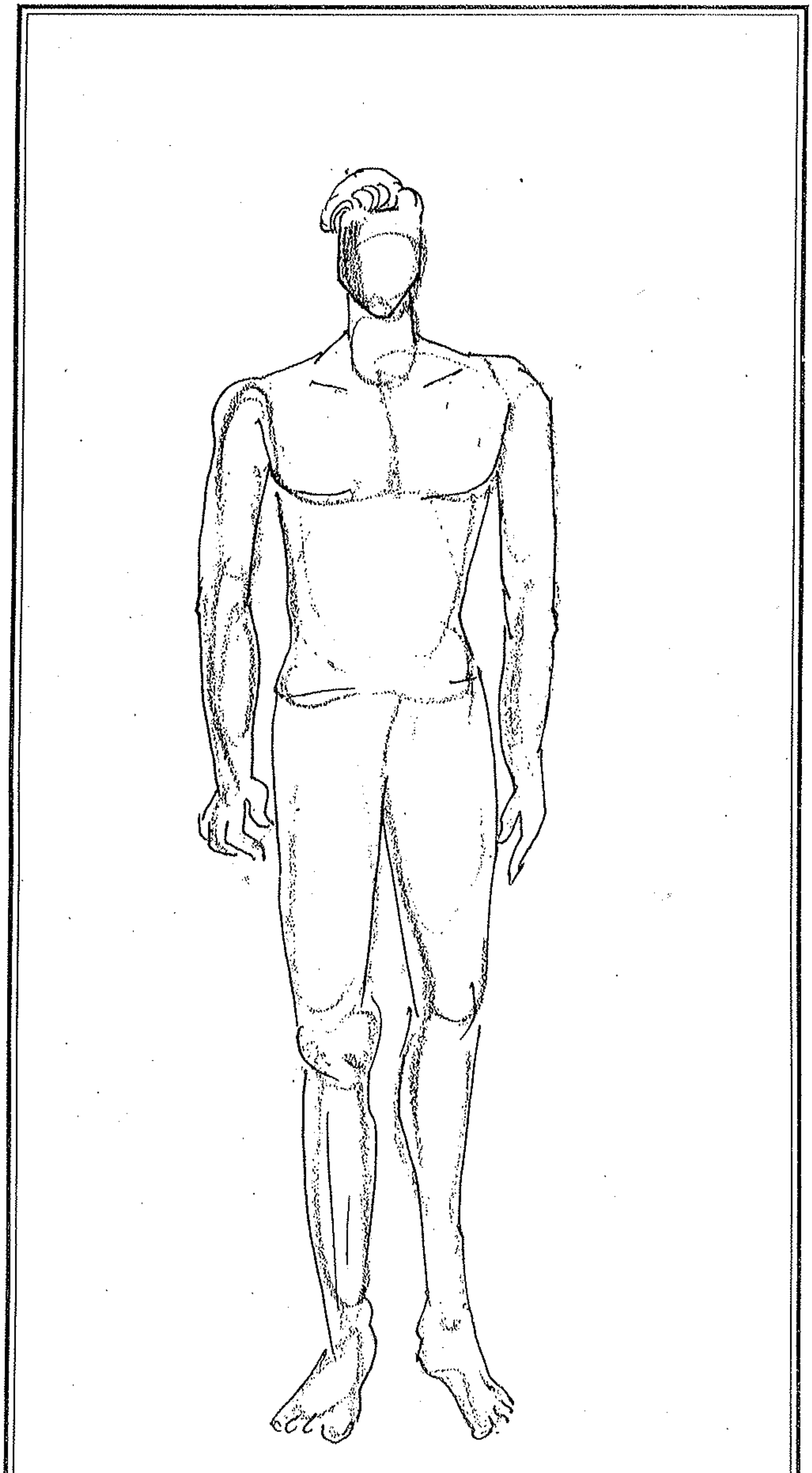

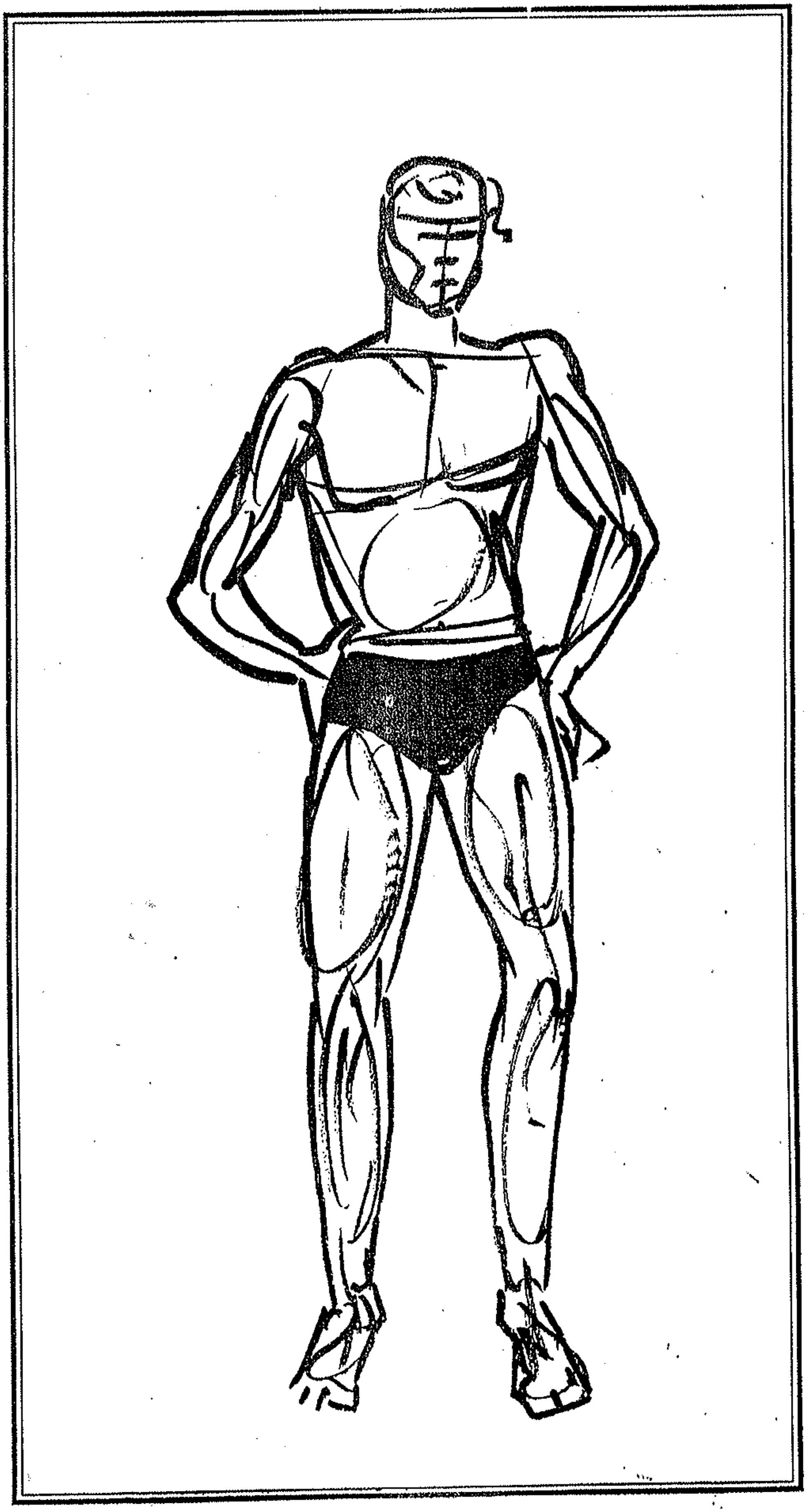

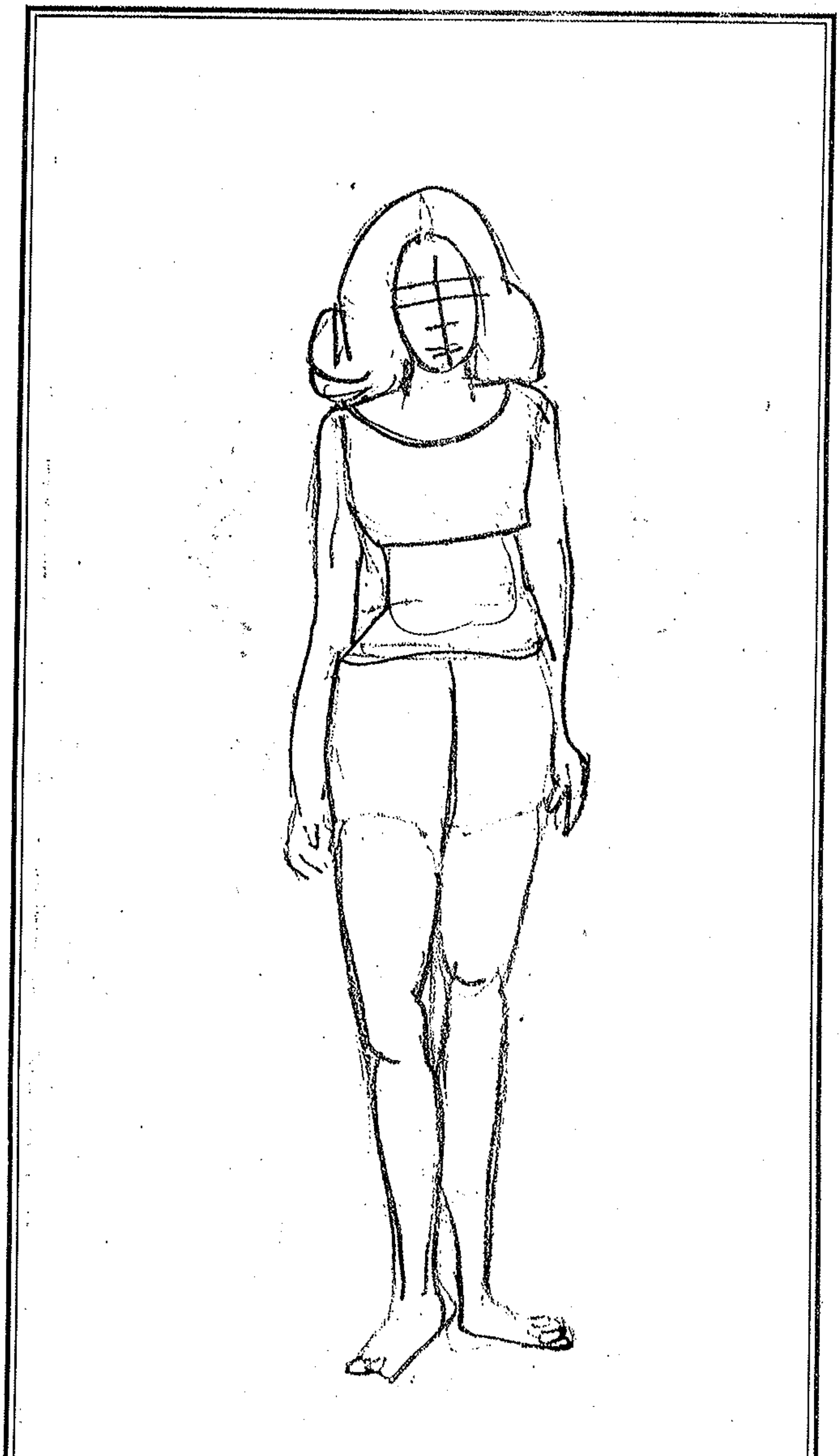

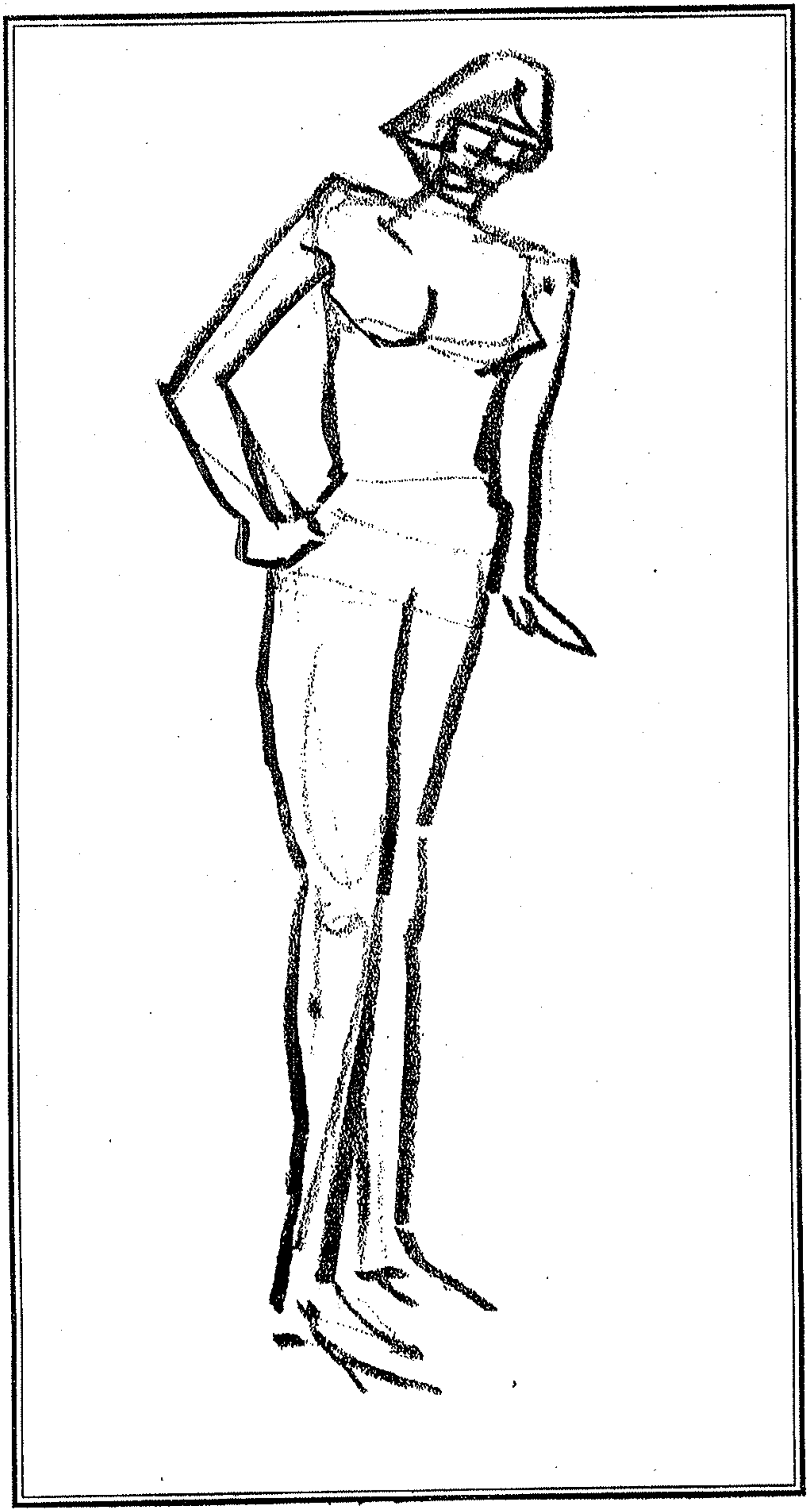

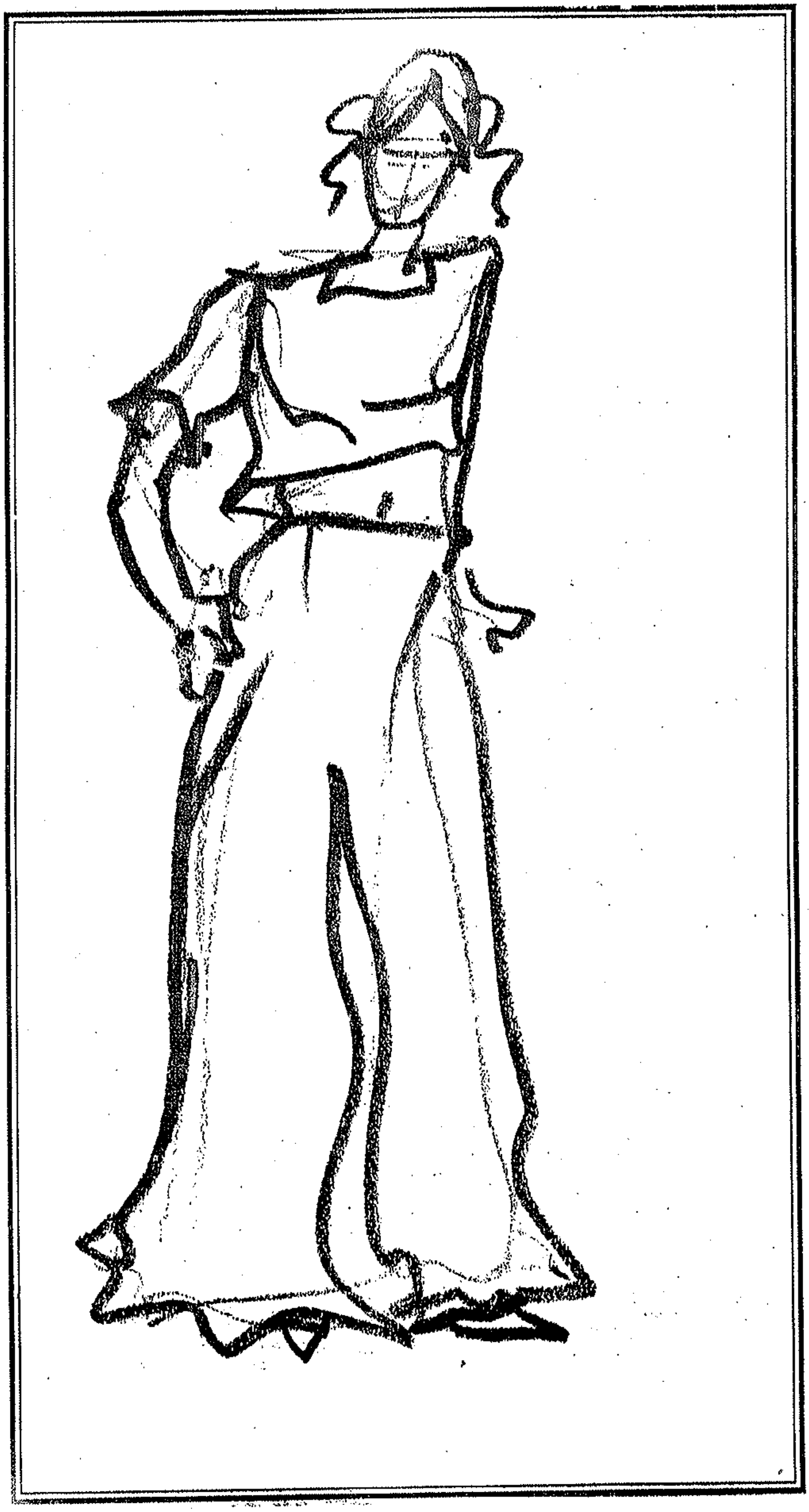

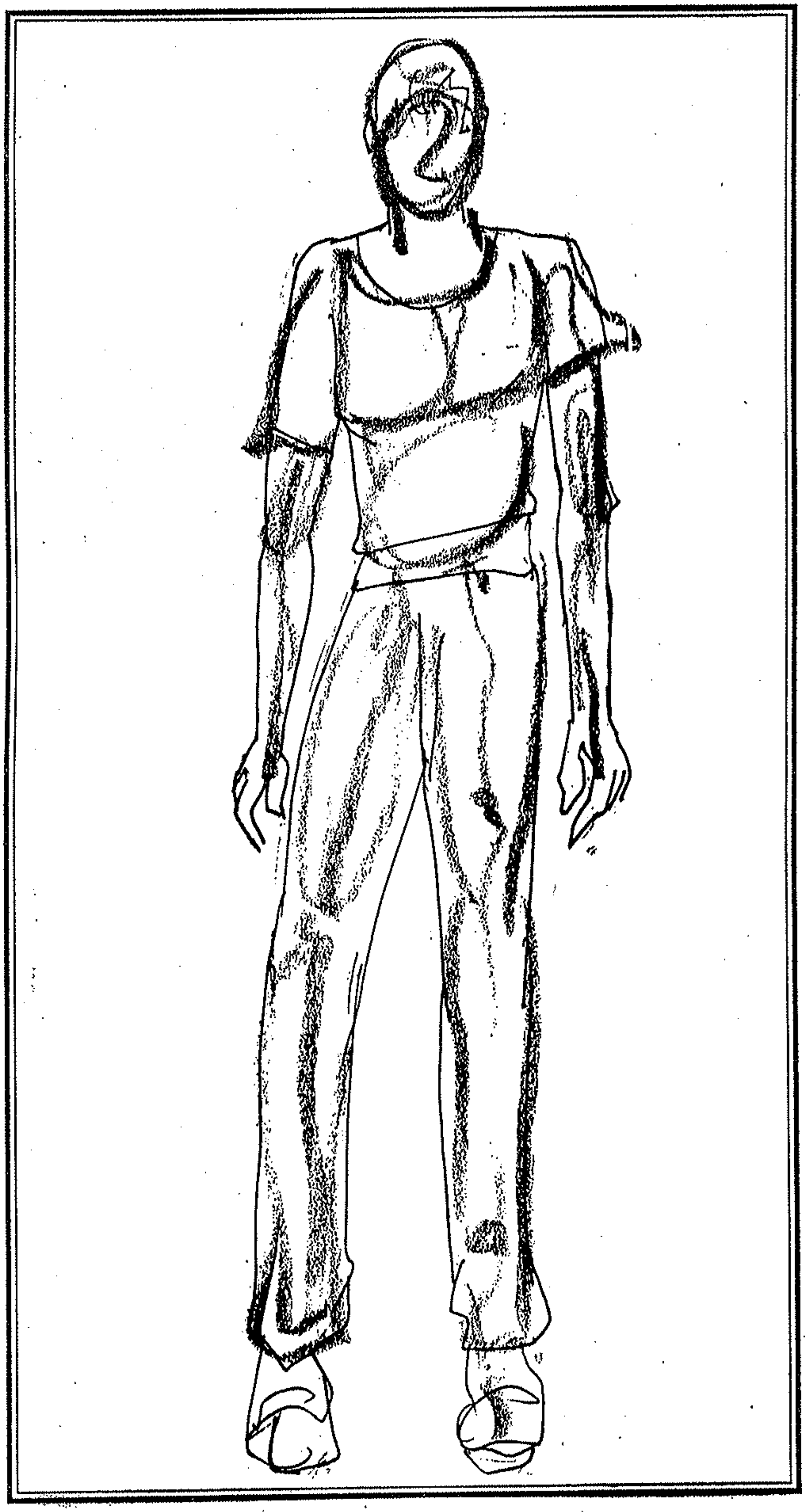

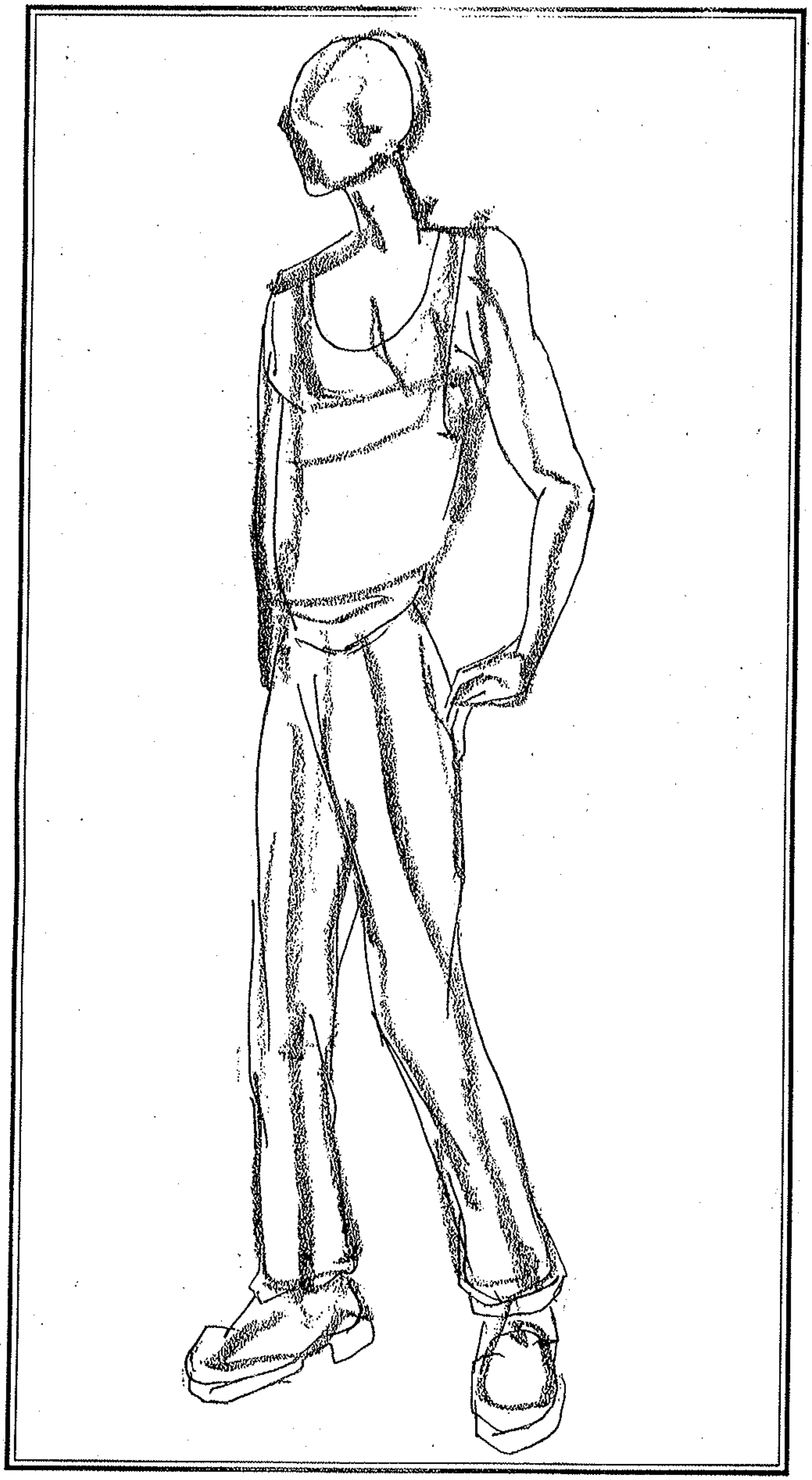

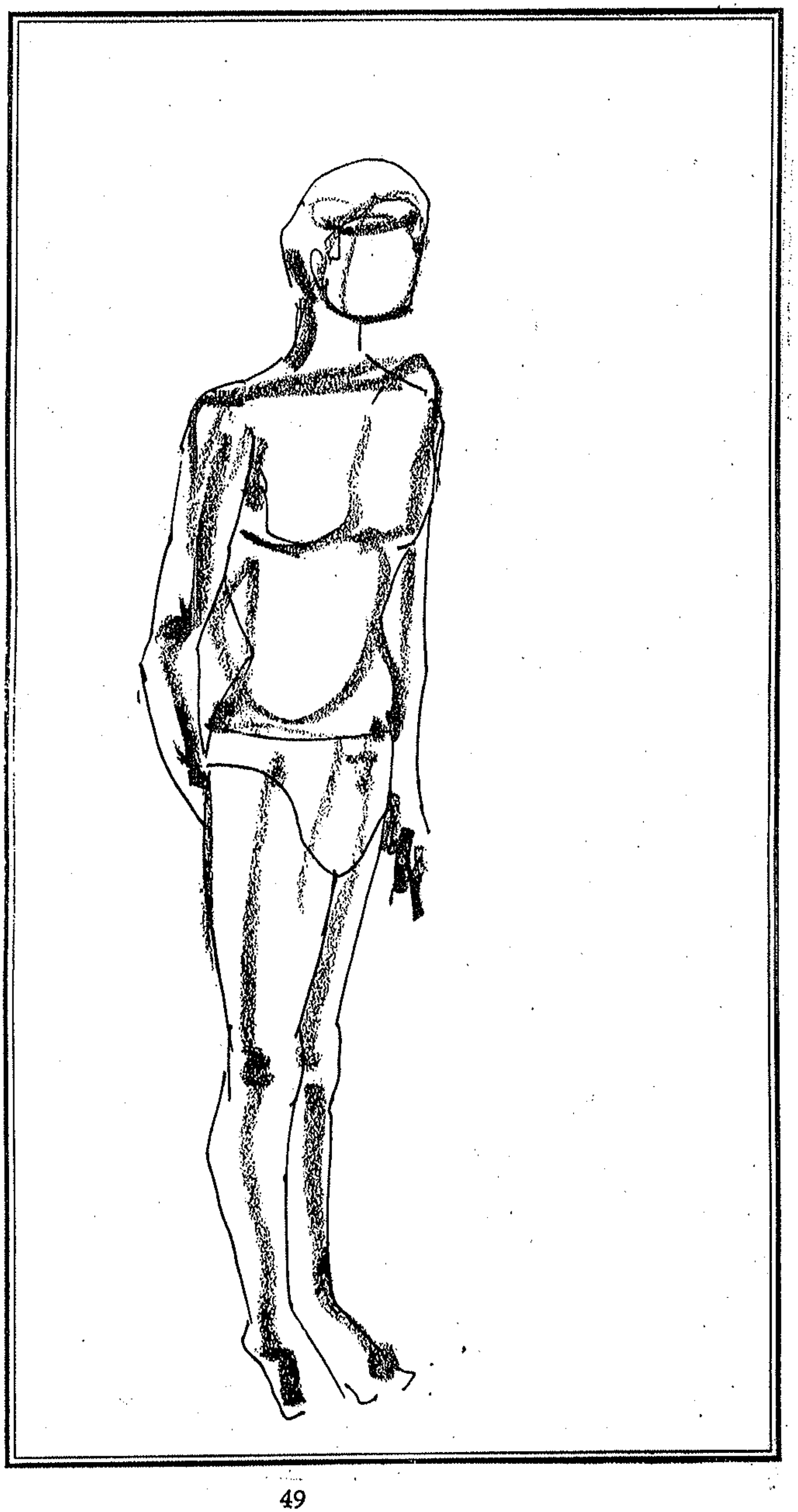

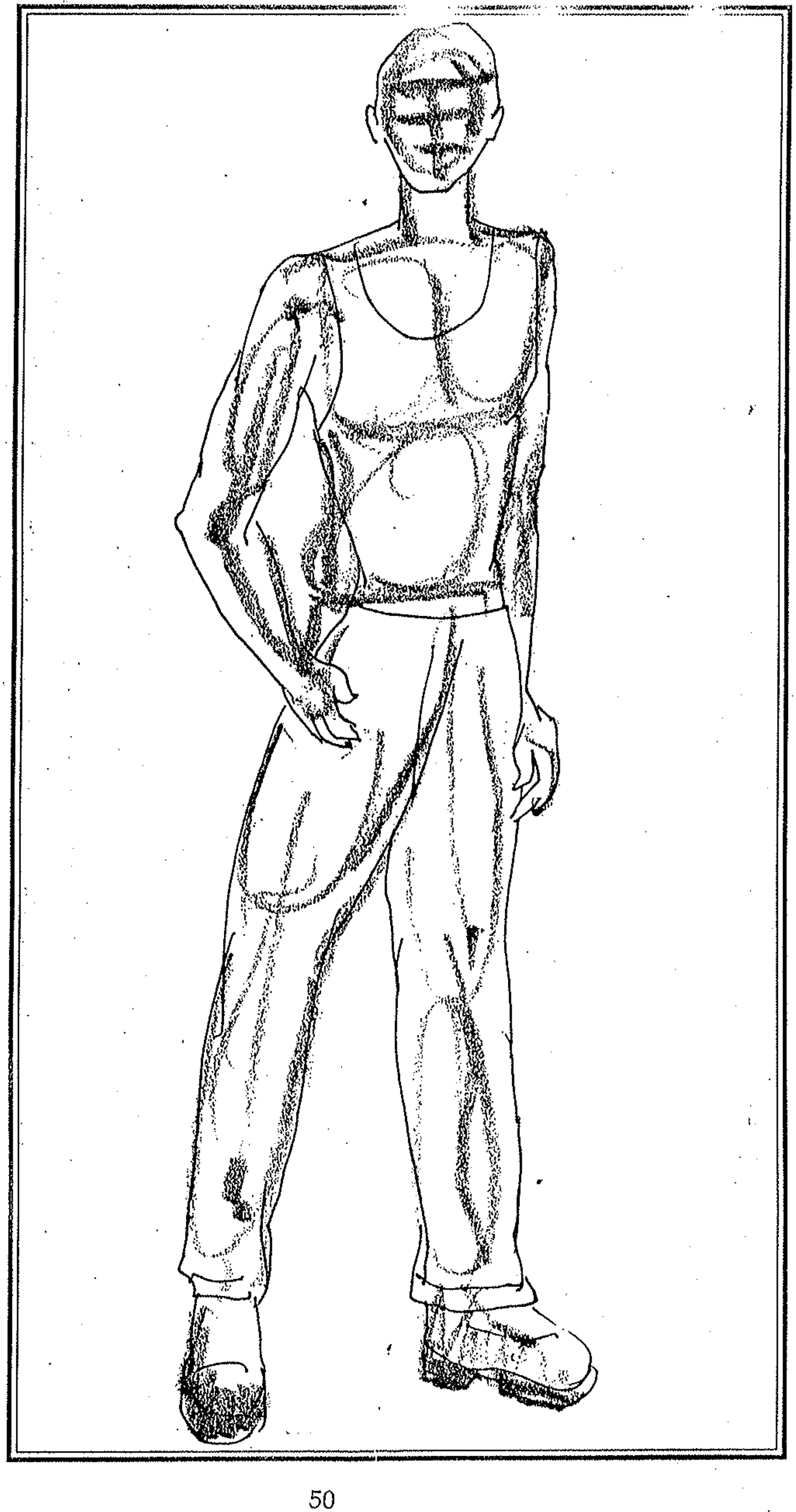

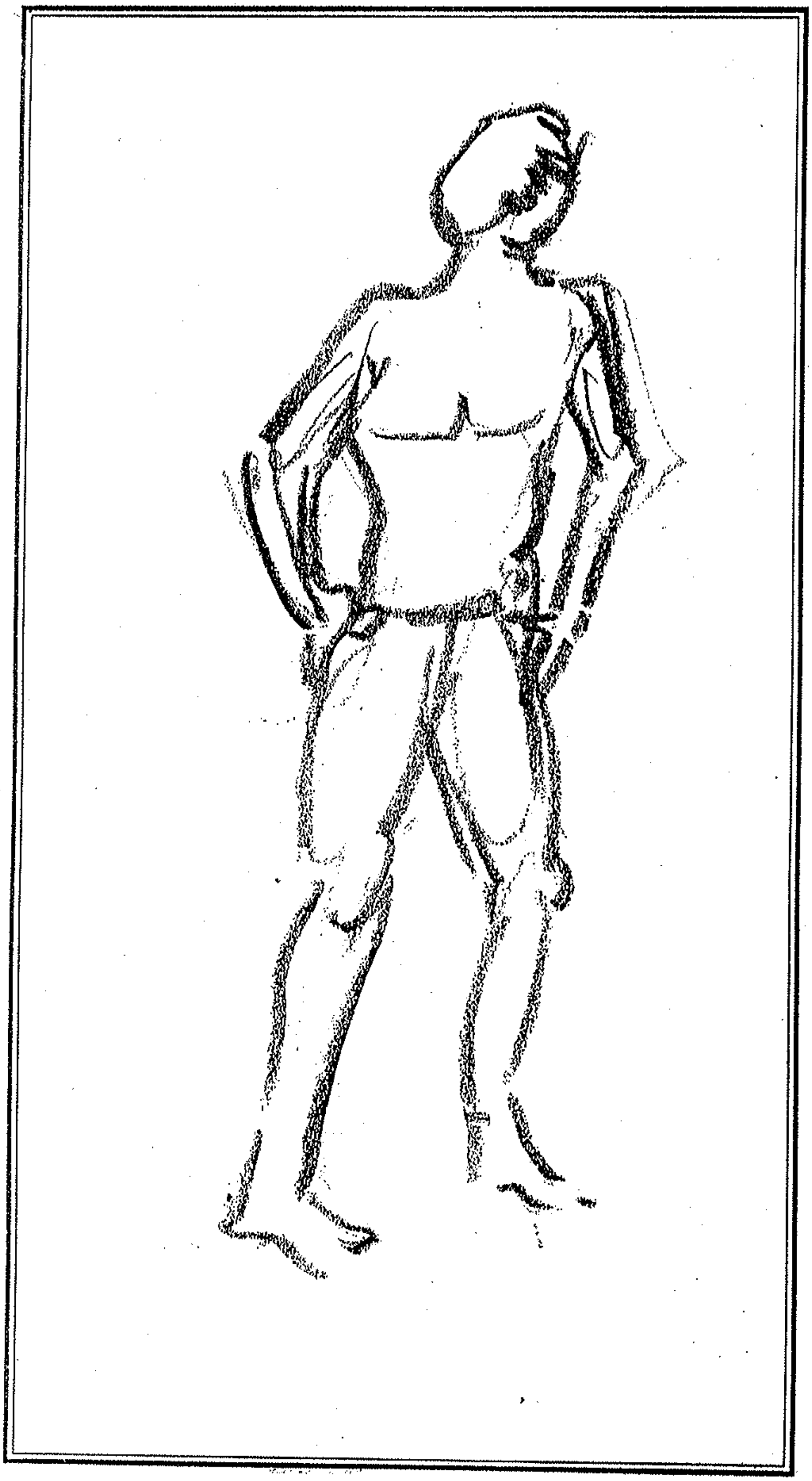

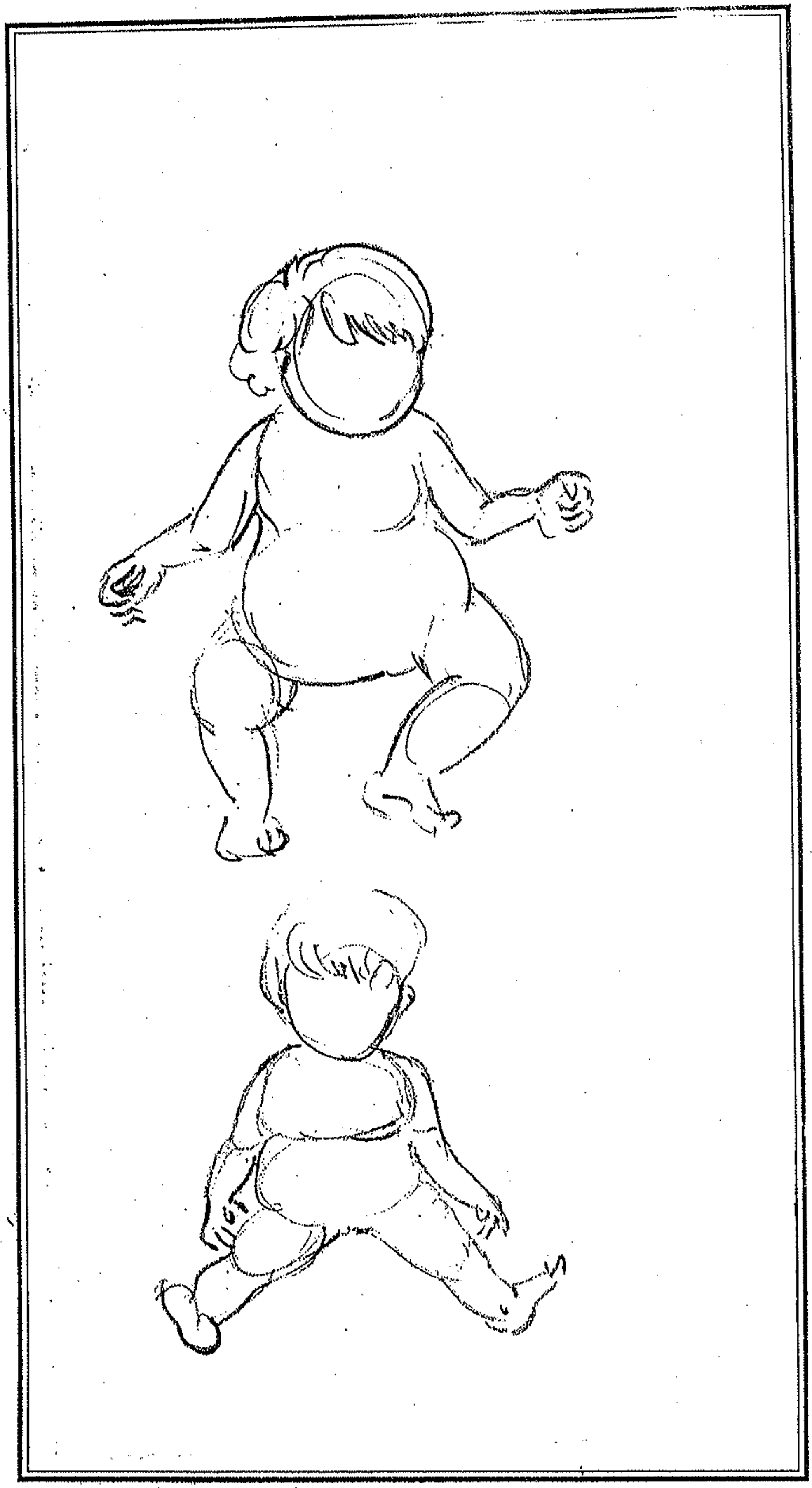

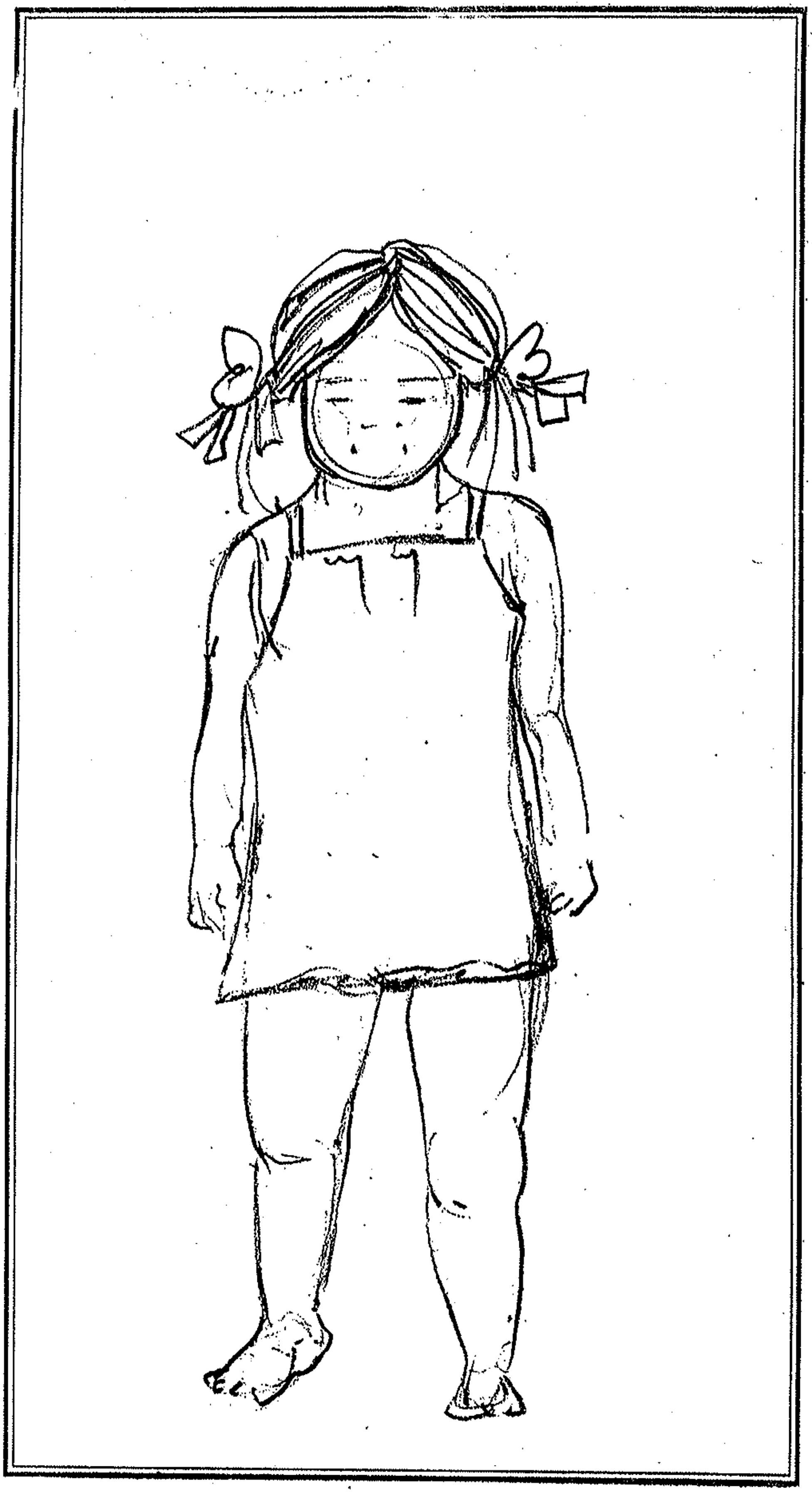

अभ्यास-

१— पत्रिकाओं तथा समाचार पत्रों से विभिन्न प्रकार के पोस्चर की तस्वी[illegible] काटकर स्क्रैप बुक में चिपकायें।

७.४ सारांशः-

क्विक स्केचिंग अच्छे डिजाइन प्रेजेन्टेशन बनाने मे बहुत सहायक होते हैं।

७.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न—१ खड़े व्यक्ति के दो क्विक स्केचेस बनायें।

प्रश्न—२ नाचते हुए व्यक्ति के दो क्विक स्केचेस बनायें।

प्रश्न—३ टहलते हुए व्यक्ति के दो क्विक स्केचेस बनायें।

प्रश्न—४ बैठे हुए व्यक्ति के दो क्विक स्केचेस बनायें।

प्रश्न—५ सोते हुए व्यक्ति के दो क्विक स्केचेस बनायें।

७.६ स्वाध्ययन हेतु

१— एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२— कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैजल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

संरचना

८.१ यूनिट प्रस्तावना

८.२ उद्देश्य

८.३ पोस्चर्स

८.४ सारॉश

८.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

८.६ स्वाध्ययन हेतु

८.१ यूनिट प्रस्तावना

फैशन फिगर स्केचेस बनाने से आपकी प्रेजेन्टेशन बनाने की क्षमता बढ़ेगी। इस यूनिट में विभिन्न प्रकार के पोस्चर की फिगर दर्शाई गई हैं।

८.२ उद्देश्यः-

जब फैशन प्रेजेन्टेशन बनाया जाता है तब डिजाइनर को एक फिगर ड्रेसेस को विभिन्न कोणों से दिखाना होता है जिससे यह पता चल जाता है कि सभी कोणों से ड्रेस कैसी लगेगी।

८.३ पोस्चर्सः-

पोस्चर का मतलब यहाँ मनुष्य के शरीर की पोजीशन से होता है। यह वही पोस्चर हो सकता है जो अलग अलग कोणों से देखा जा सकता है।

खड़े होना एक सामान्य पोस्चर है, लेकिन यदि आप आगे देखें तो अनेक खड़े होने के पोस्चर हो सकते हैं। प्रत्येक का एक विभिन्न गेइट होता है और इस प्रकार एक विभिन्न पोस्चर देगा। इसी प्रकार जब एक व्यक्ति खड़ा होता है या सोता है तो एक विभिन्नता रची जा सकती है।

अब हम कुछ विभिन्न पोस्च्यर्स के स्केचेंस देखते हैं।

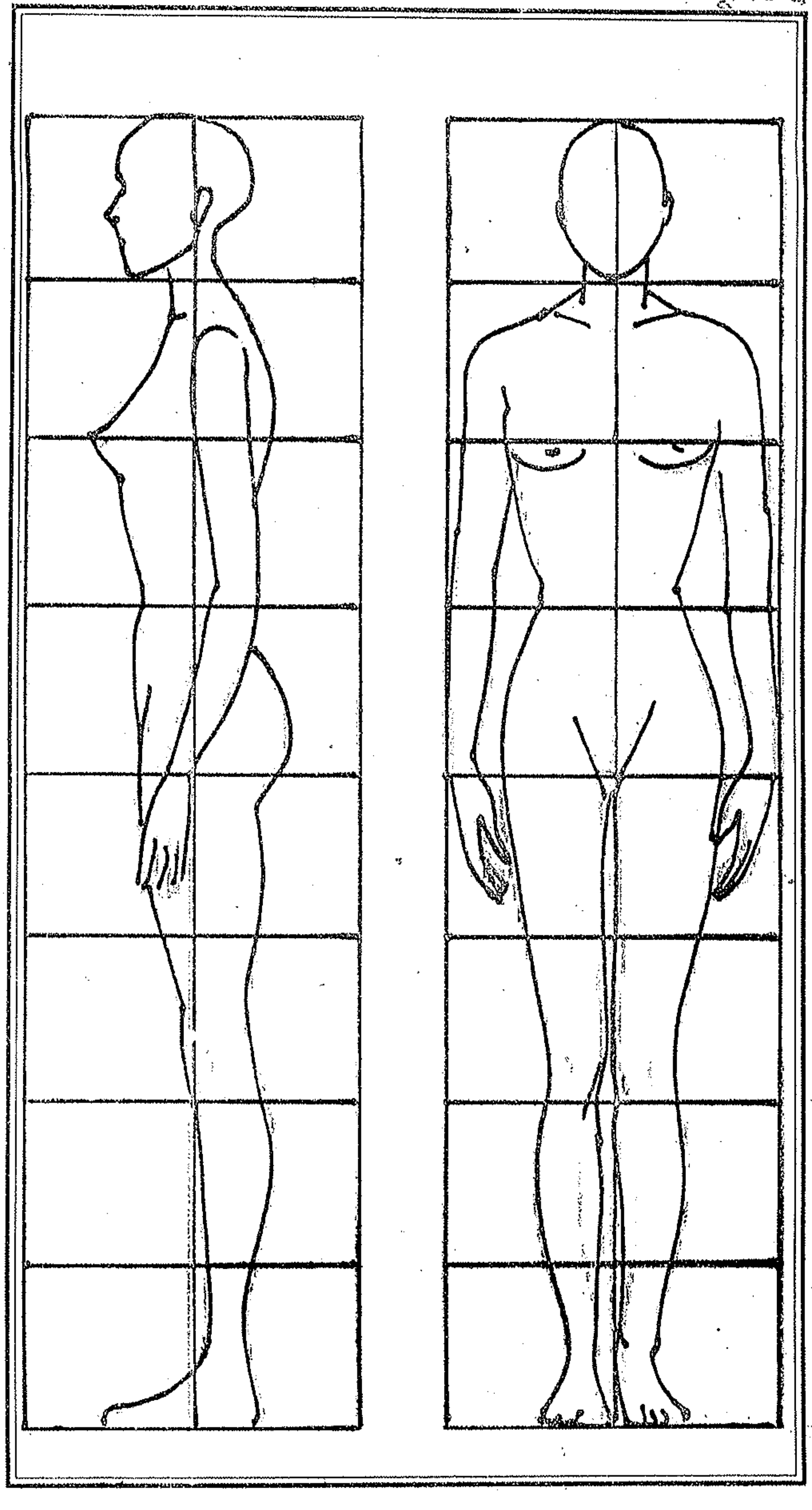

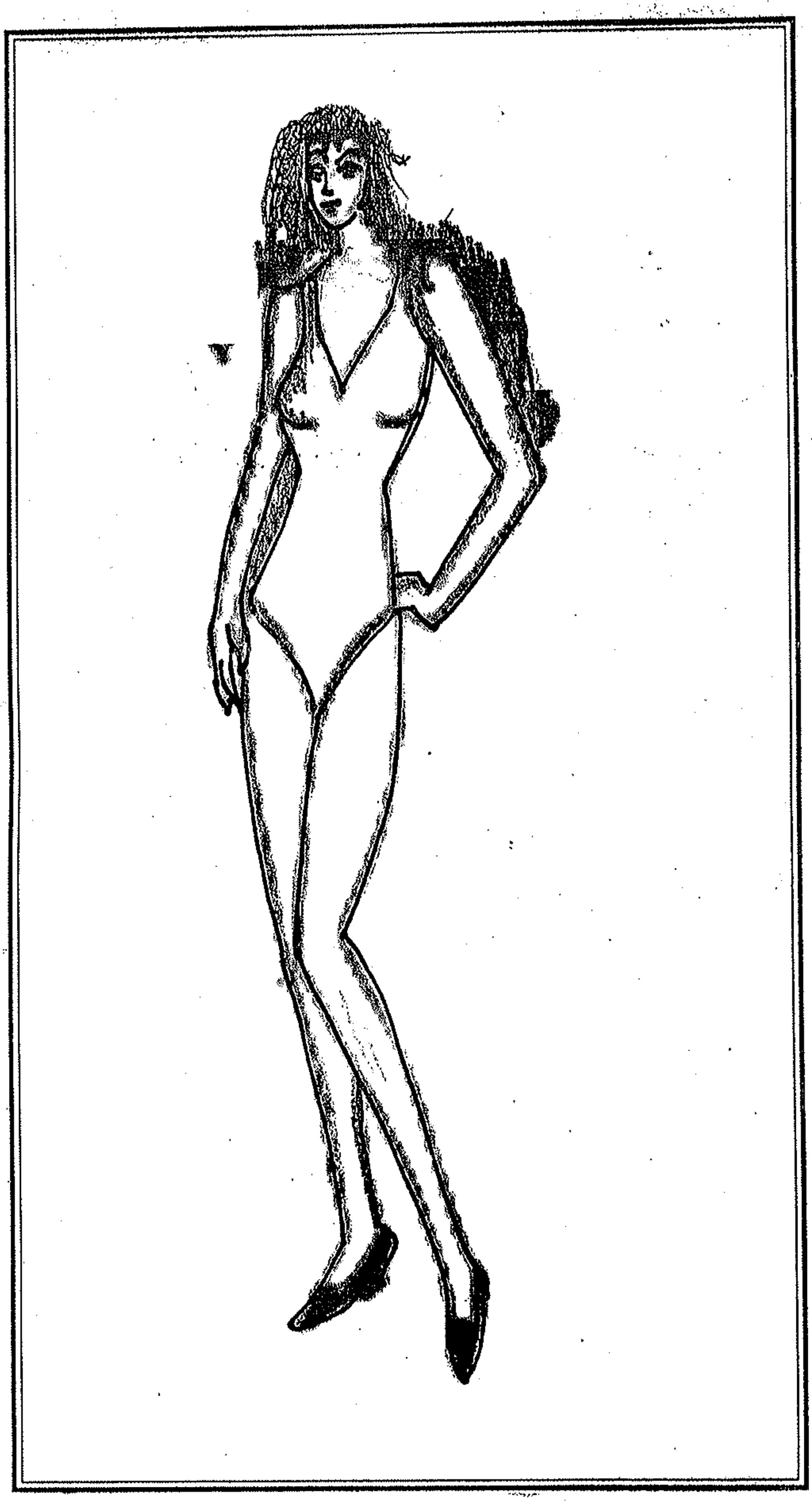

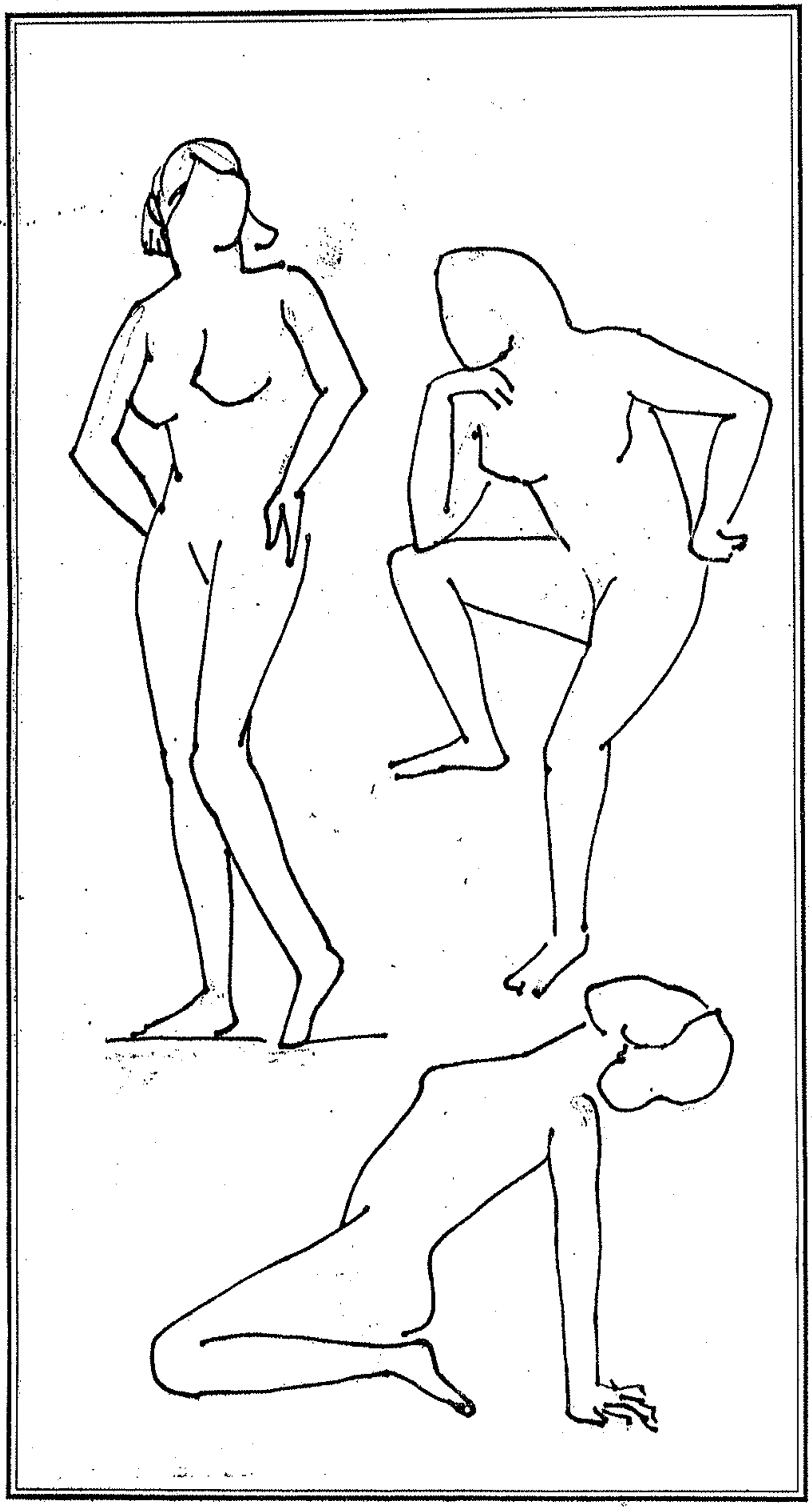

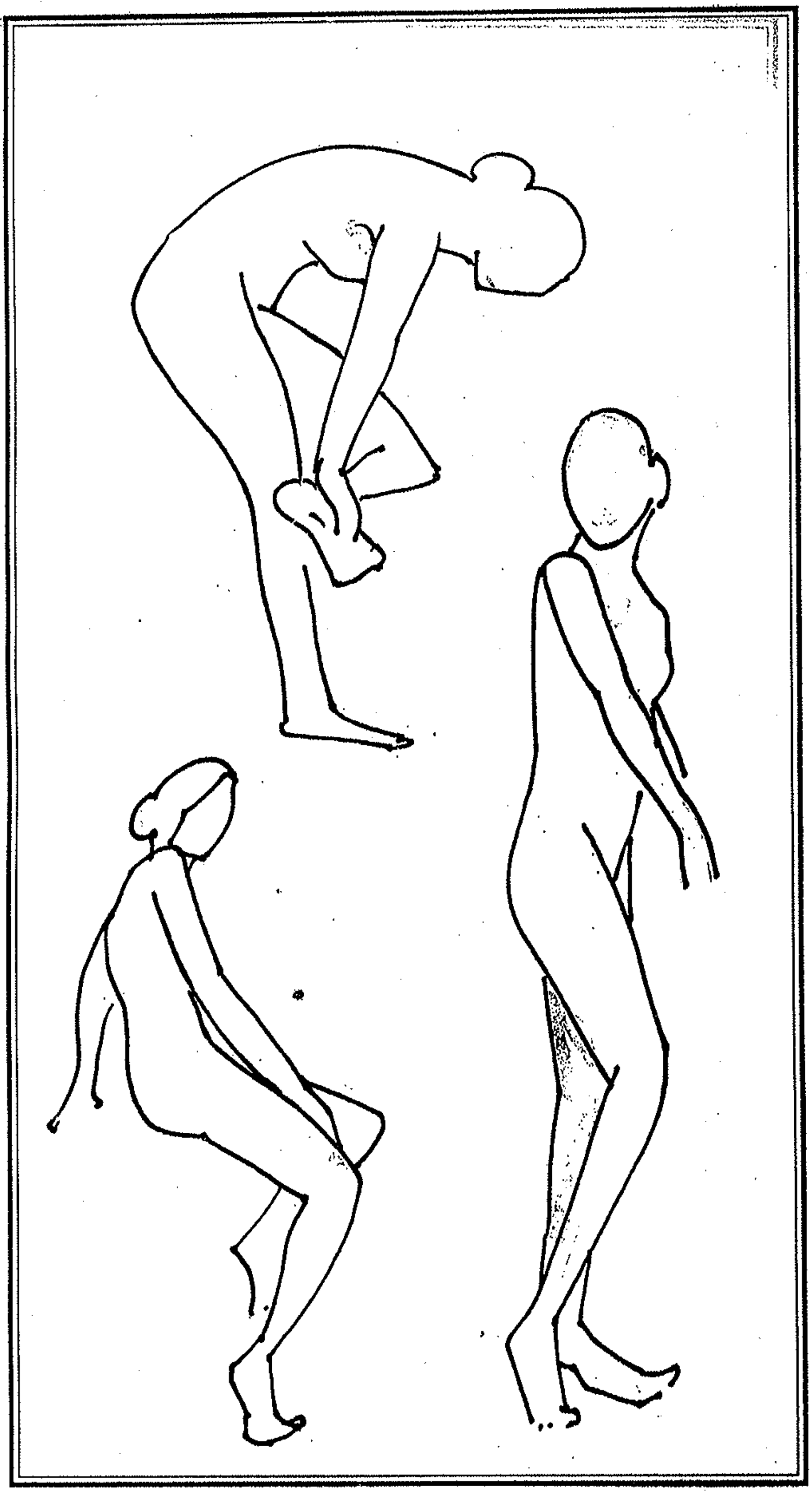

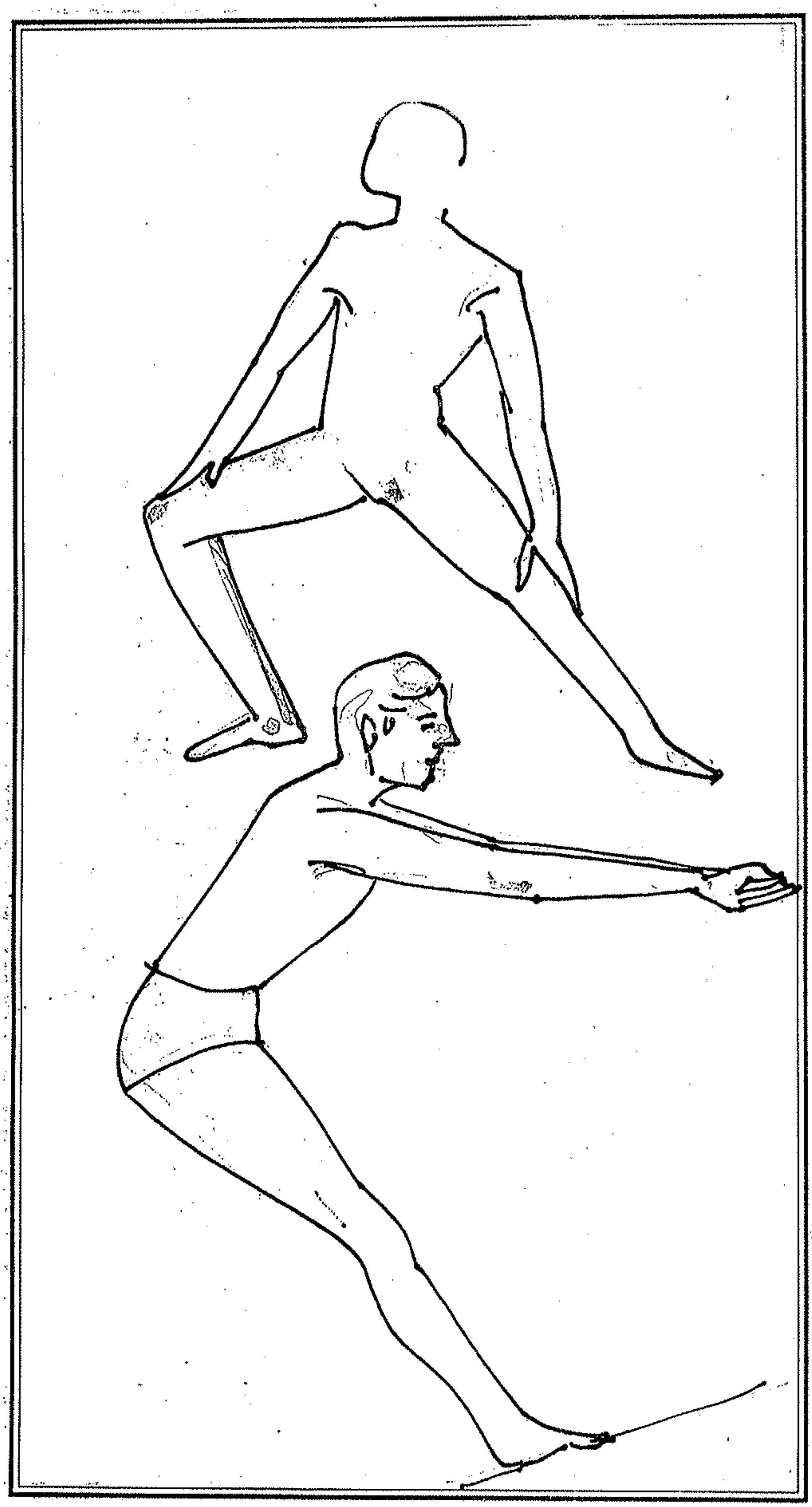

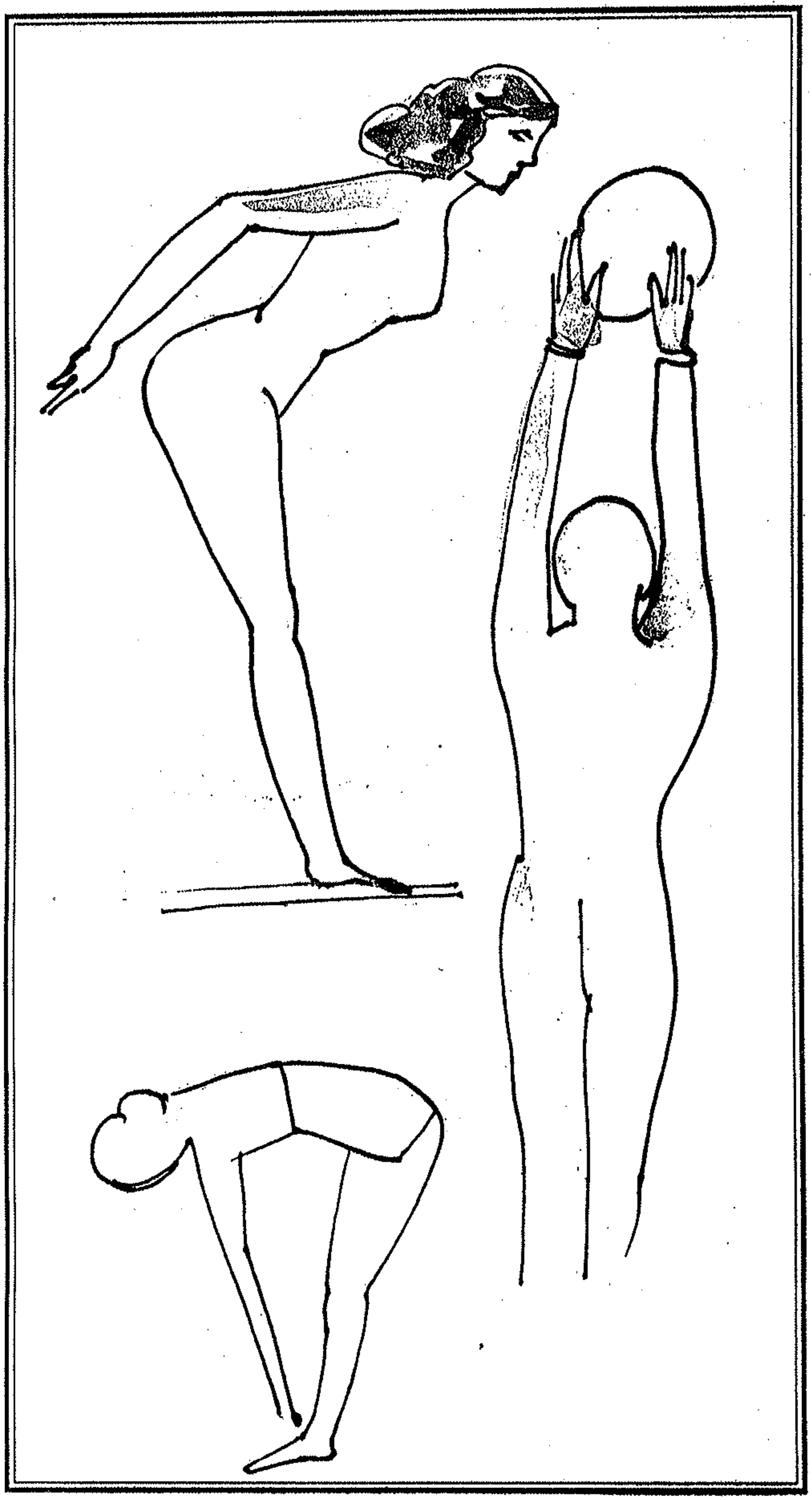

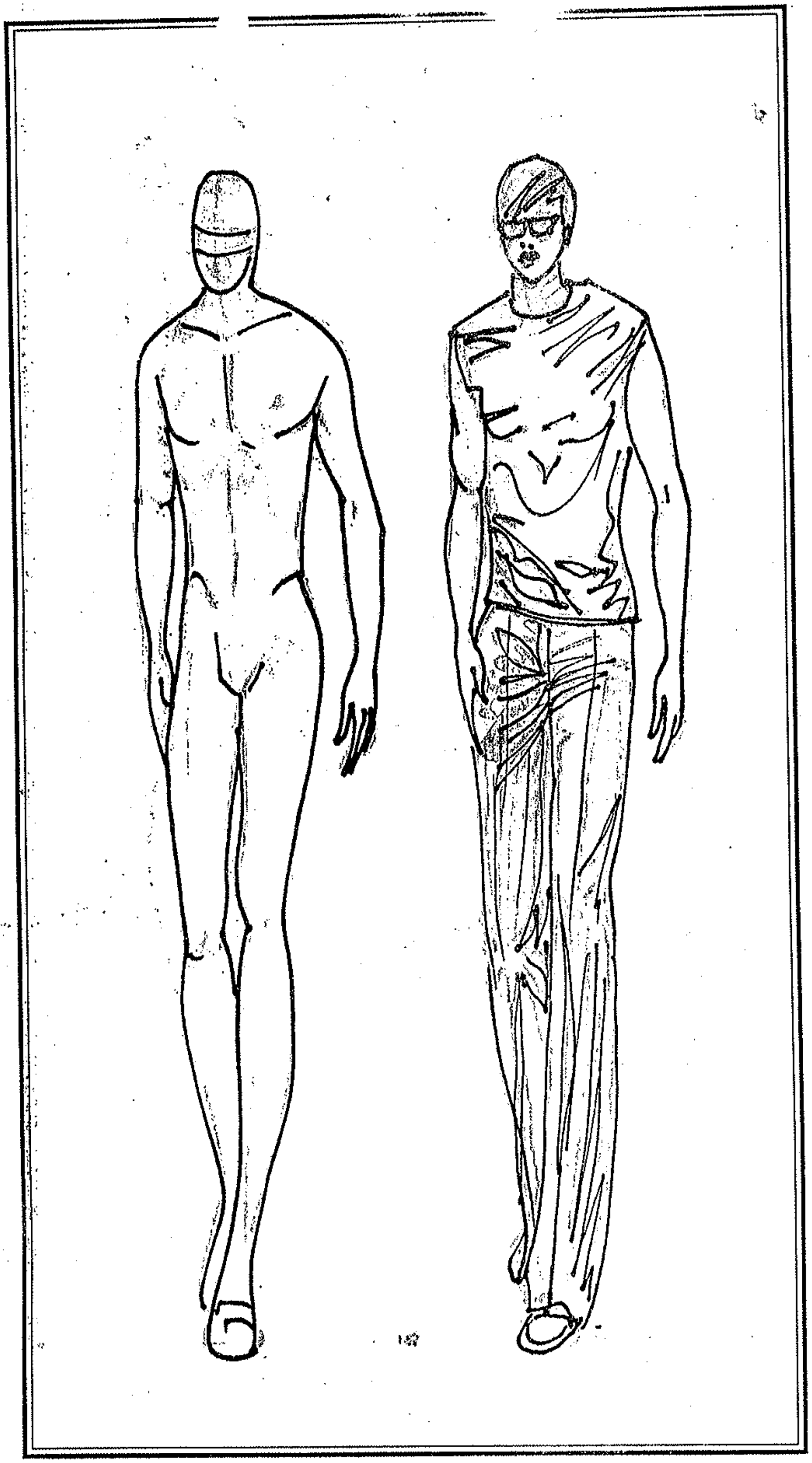

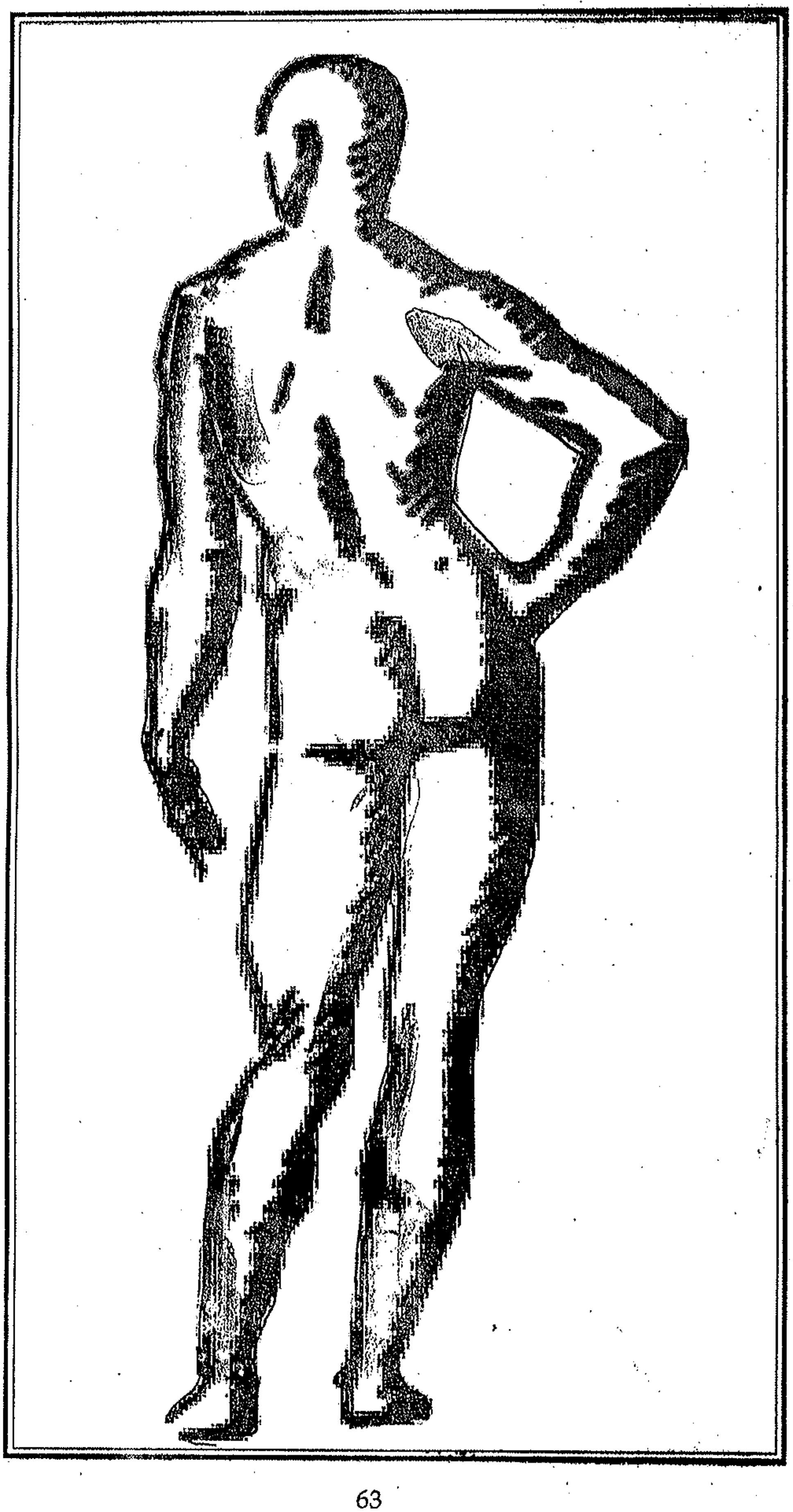

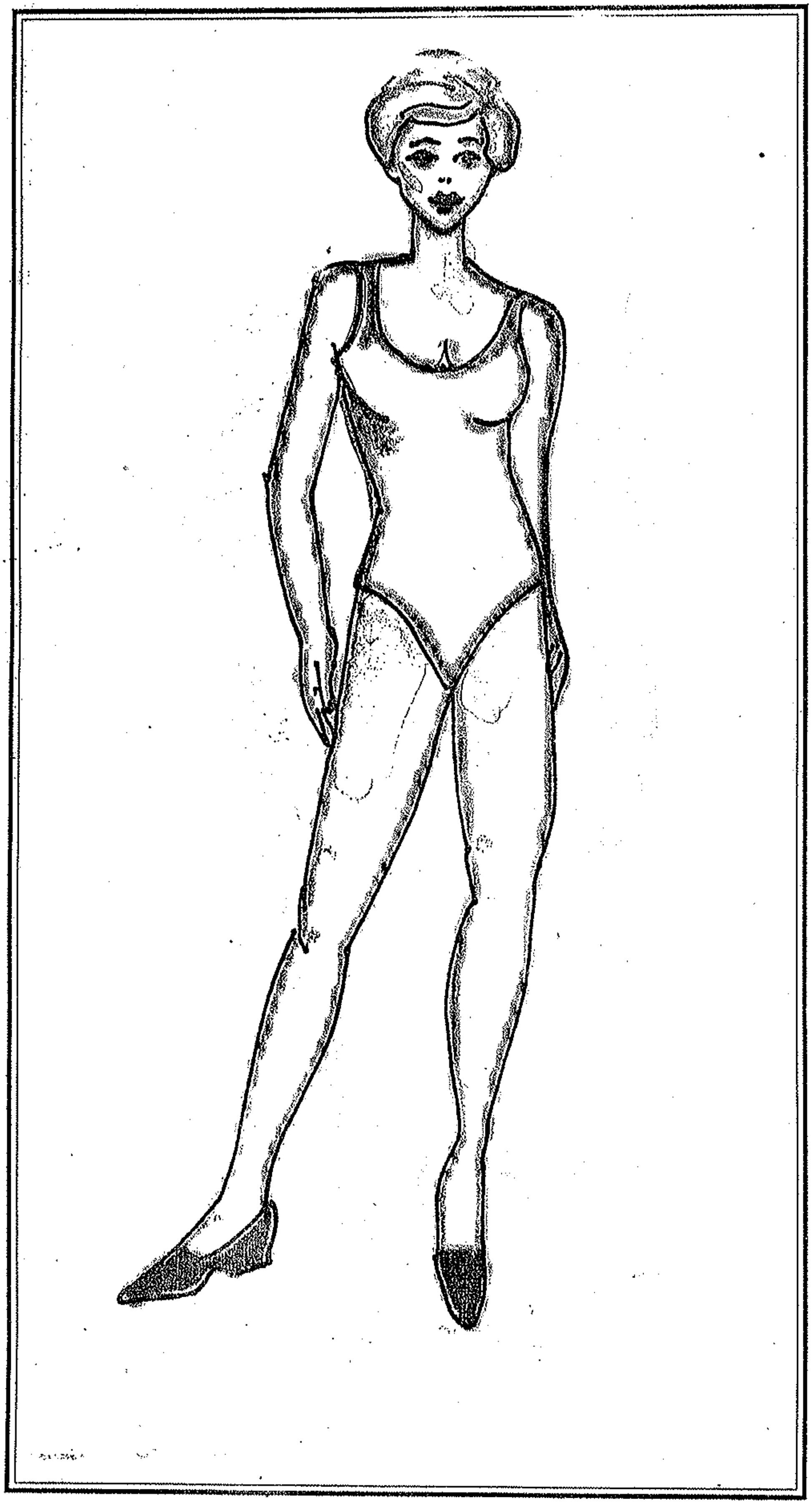

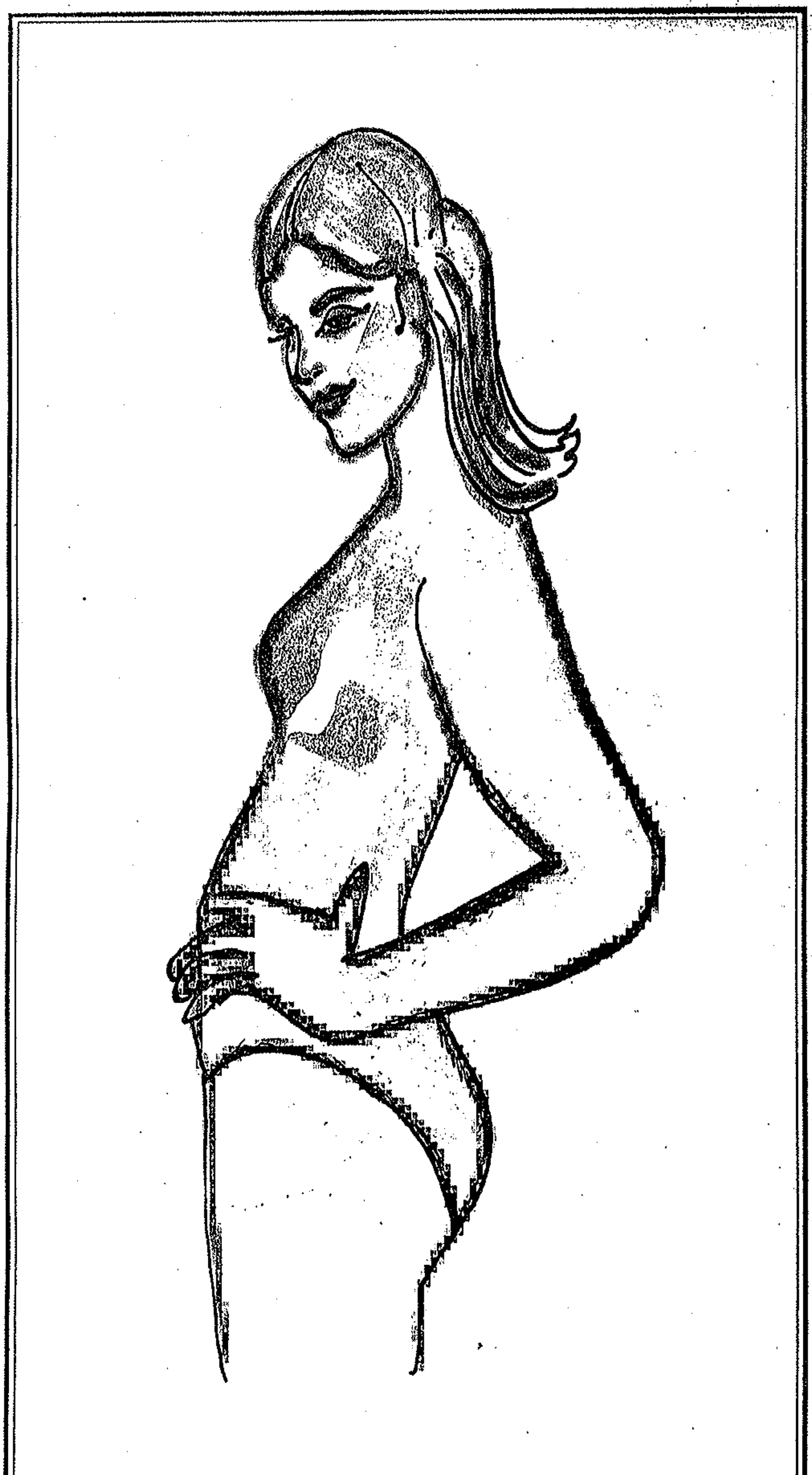

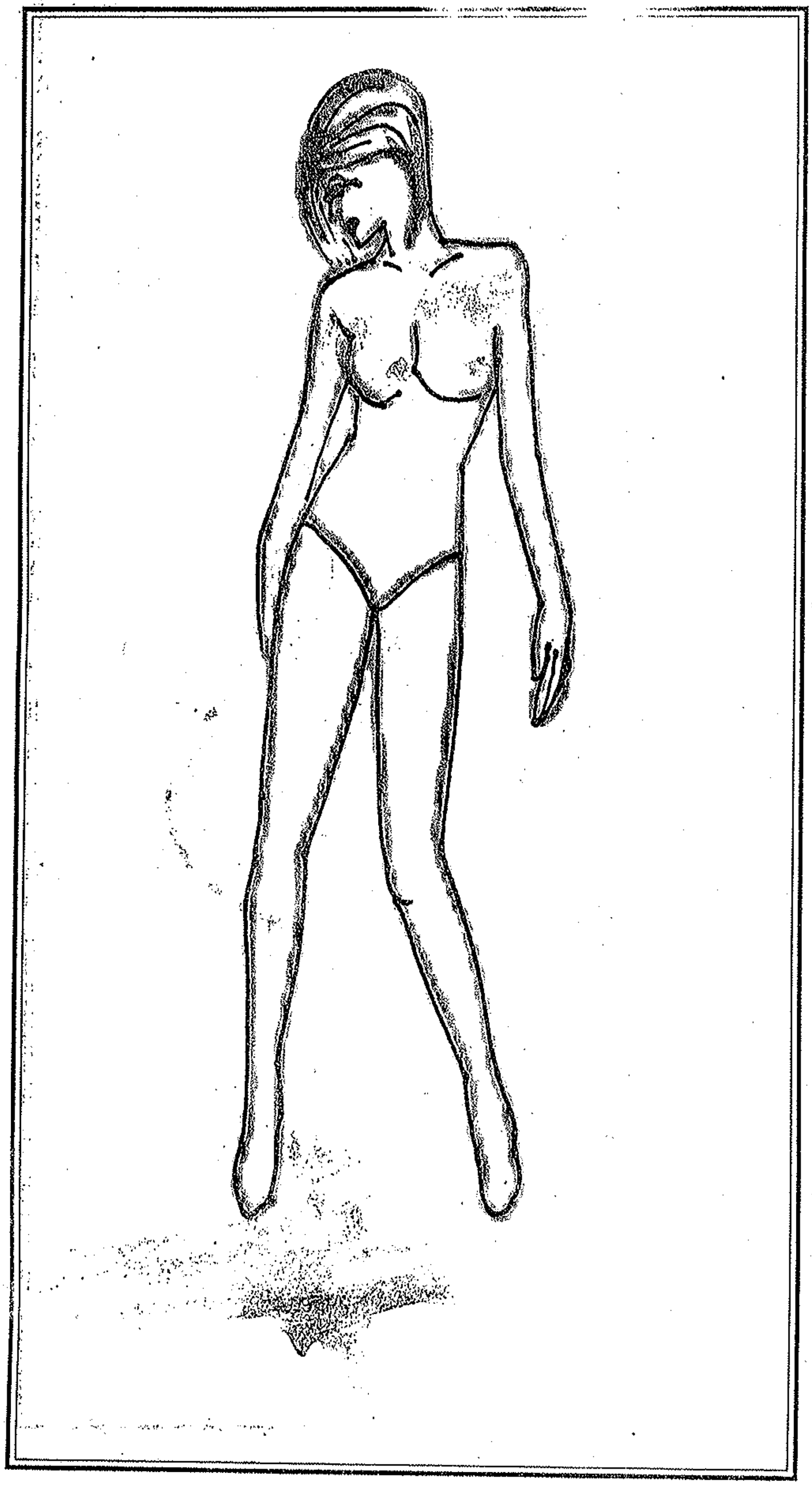

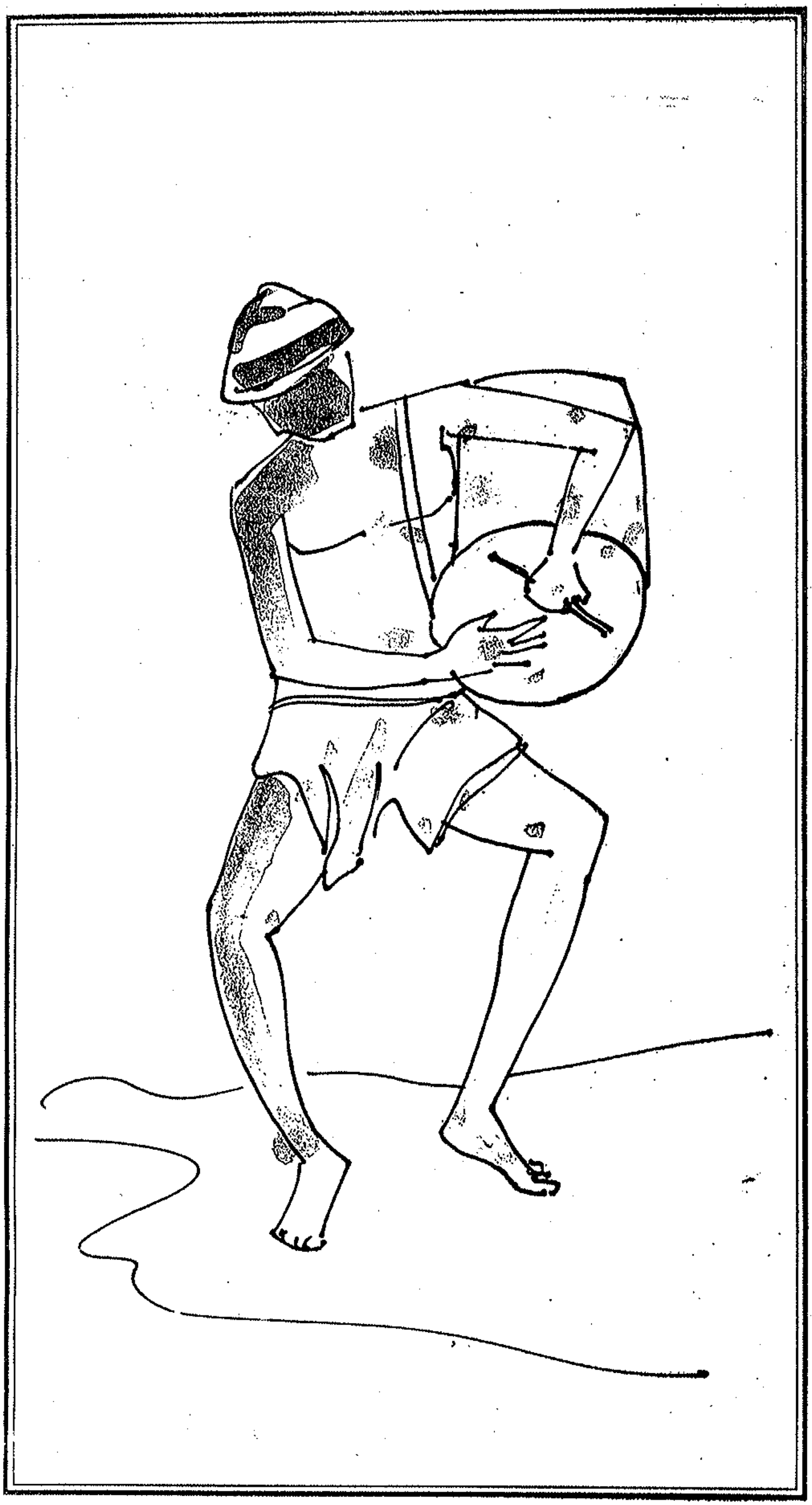

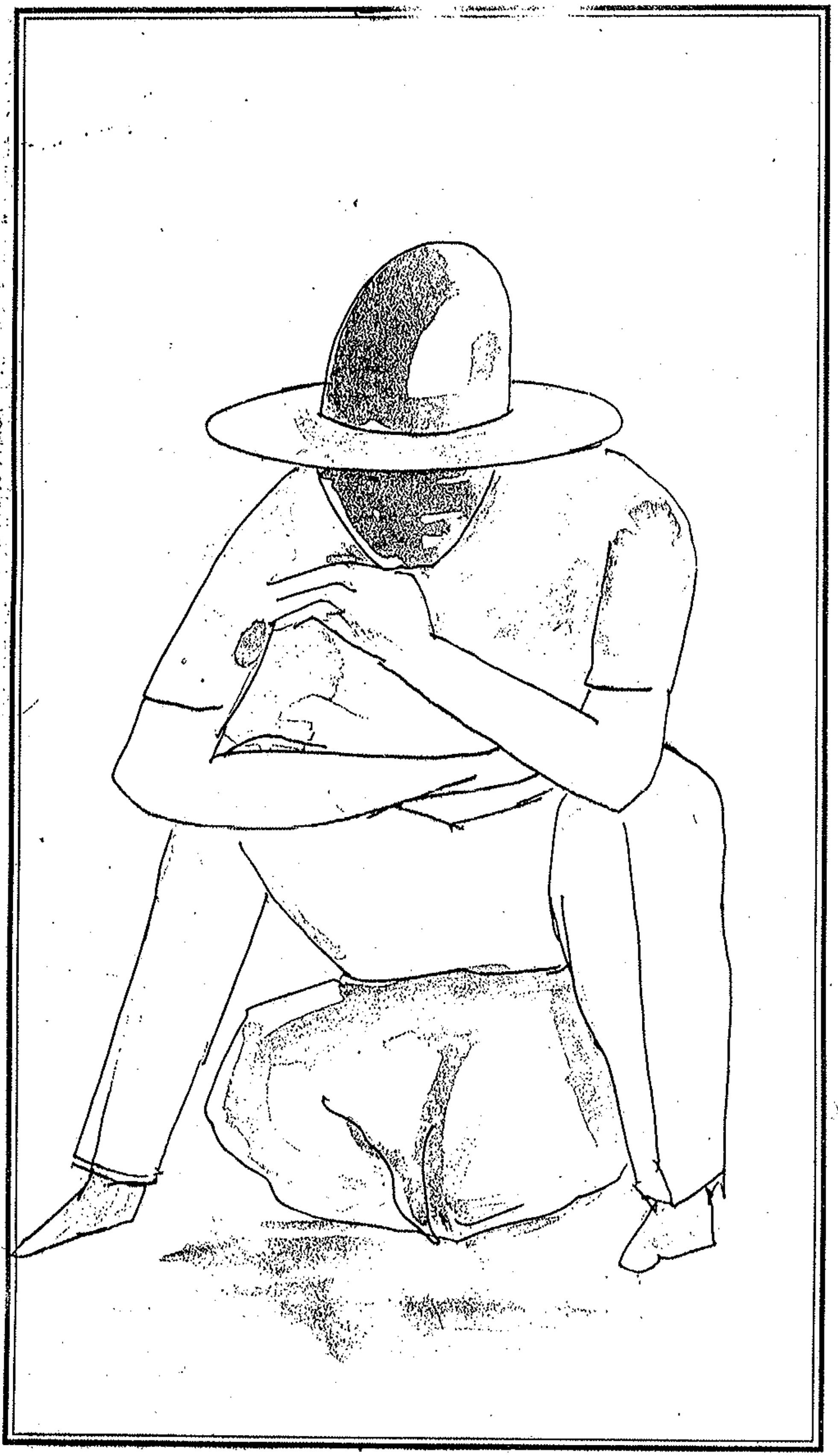

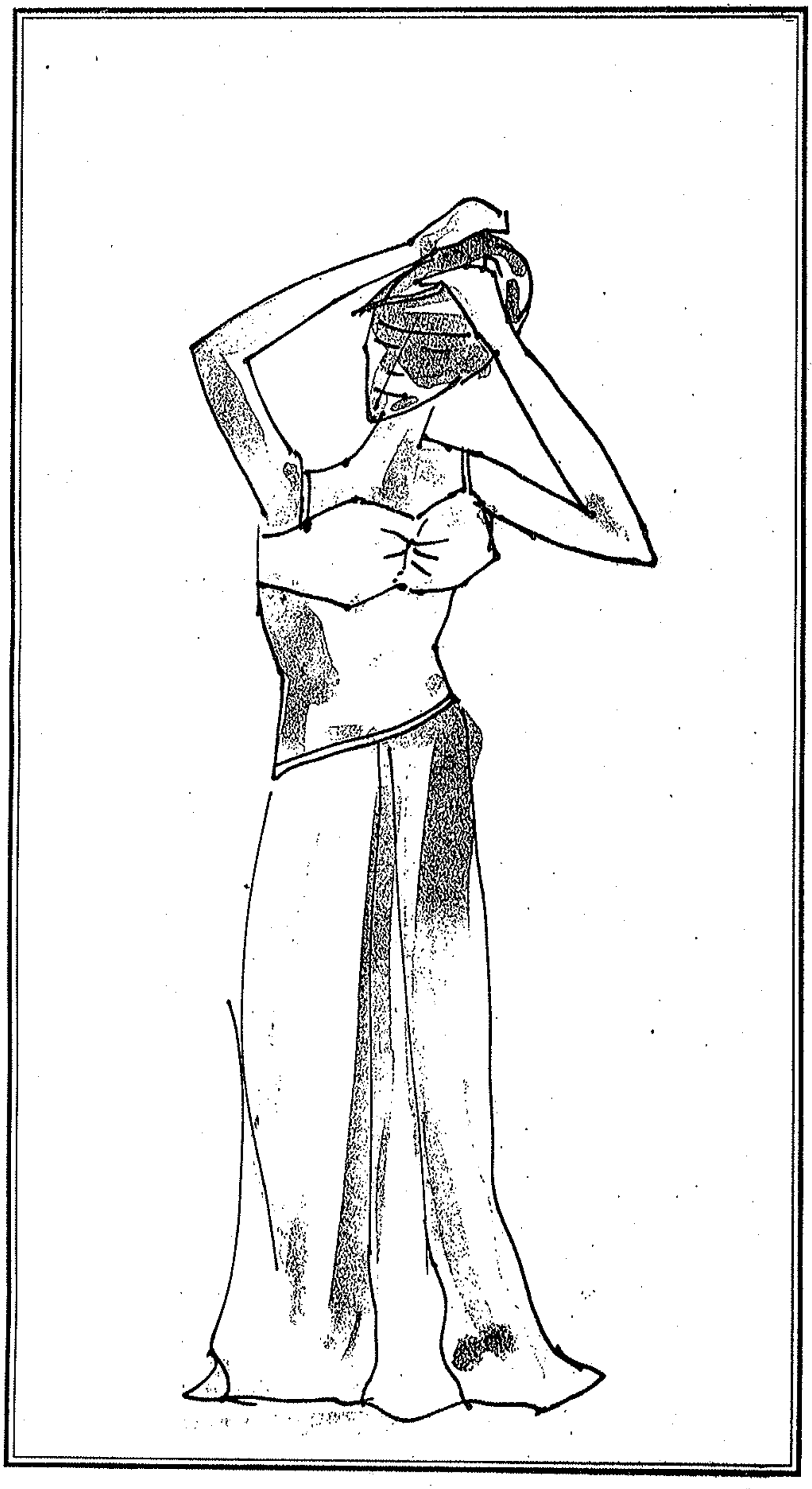

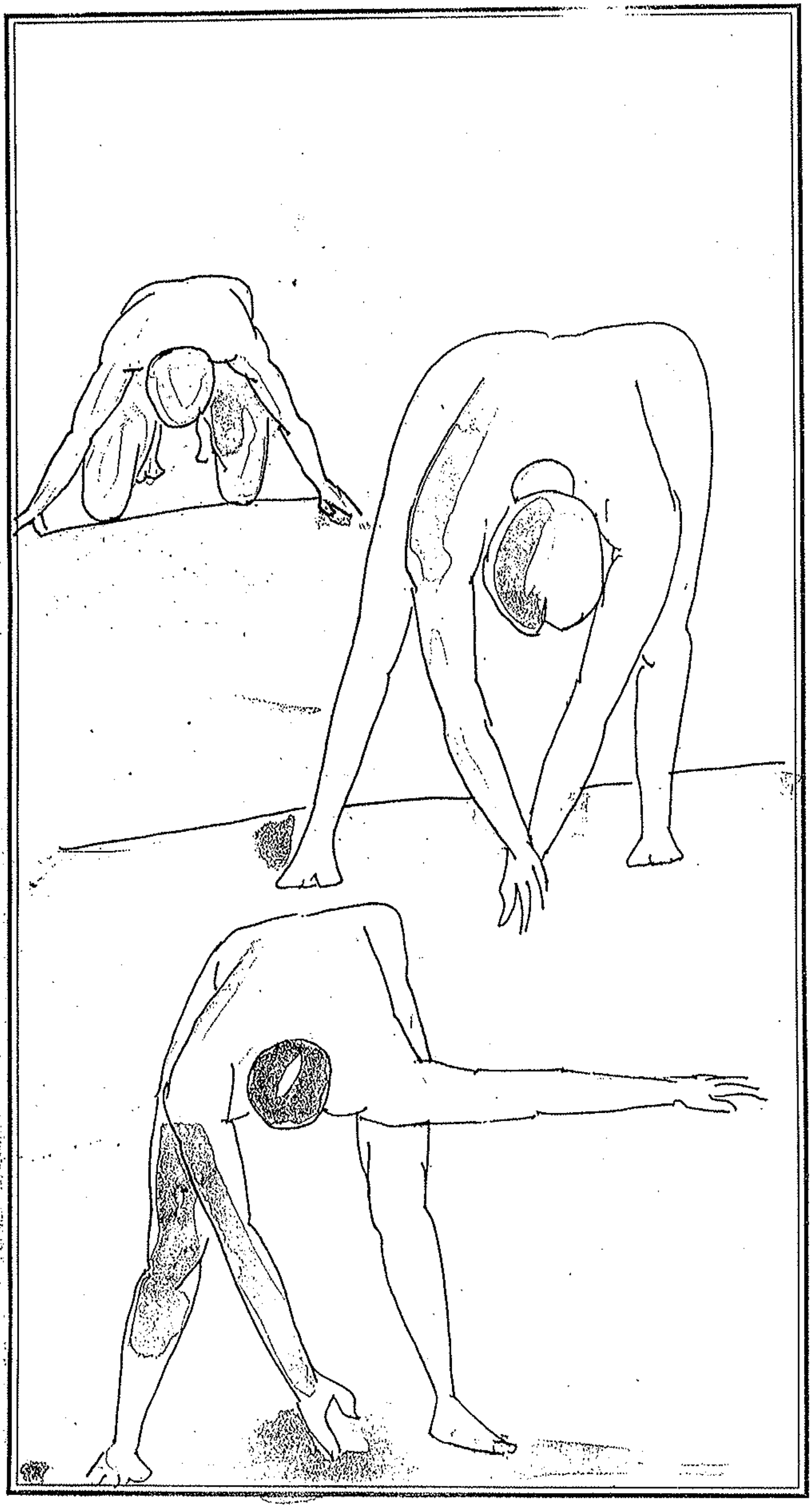

अभ्यास-

१— विभिन्न पोस्चरों की एक स्क्रैप बुक बनायें।

८.४ सारांश:-

पोस्चर से अभिप्राय मनुष्य के शरीर की विभिन्न पोजीशन से होता है।

८.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न—१ एक फिगर के सामने का भाग रेखांकित करें।

प्रश्न—२ एक फिगर के किनारे का भाग रेखांकित करें।

प्रश्न—३ एक फिगर के पीछे का भाग रेखांकित करें।

प्रश्न—४ एक फिगर का तीन चौथाई भाग रेखांकित करें।

प्रश्न—५ दिवाल के सहारे झुके हुए एक फिगर का रेखांकन करें।

८.६ स्वाध्ययन हेतु

१— एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फैशन डिटेल, द्वारा पैट्रिक जॉन आयरलैंड, प्रकाशन बी०टी० बैट्सफोर्ड लि०, लन्दन।

२— कस्ट्यूम ड्रॉइंग, द्वारा हैजल आर० डोटेन एवं कन्सटैन्ट बाउलार्ड, प्रकाशन पिटमैन पब्लिकेशन कार्पोरेशन।

NOTES

DFD-07/[redacted]

उत्तर प्रदेश
राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

फैशन डिजाइनिंग

बेसिक डिजाइन और स्केचिंग-२

ब्लाक
८
डिजाइन की रचना

यूनिट-१३

कढ़ाई के लिए डिजाइन की रचना करना

यूनिट-१४

फ्री-हैन्ड पेन्टिंग, बाटिक इत्यादि के लिए डिजाइन की रचना करना

यूनिट-१५

स्टेन्सिल, वेजीटेबिल प्रिन्टिंग, स्क्रीन प्रिन्टिंग इत्यादि के लिए डिजाइन की रचना करना

यूनिट-१६

एक कहानी बोर्ड की रचना करना

ब्लाक-४

पाठ्यक्रम प्रतिरूपः-

यह यूनिट सरफेस एम्बिलिशमेन्ट का परिचय कराता है, जो एक सादे कपड़े का लुक बदल देता है। आपको उदाहरणतया यह भी सिखाया और दिखाया गया है कि विशेष तकनीकों के द्वारा डिजाइन की रचना कैसे किये जाते हैं।

यूनिट-१३

डिजाइन की रचना करनाः-

कढ़ाई वस्त्र की सजावट को बढ़ाने का एक तरीका है। कढ़ाई, आउटफिट वस्त्र की सजावट बढ़ाकर उसको काफी खूबसूरत बना देती है। इस यूनिट में कढ़ाई के लिए कुछ नमूने वस्त्र के विभिन्न भागों के लिए दिये गये हैं।

यूनिट-१४

फ्री-हैन्ड पेन्टिंग, बाटिक इत्यादि के लिए डिज़ाइन की रचना करनाः-

जो कपड़े आप बाजार से खरीदते हैं, फ्री–हैन्ड पेन्टिंग, बॉटिक आदि उसकी सुन्दरता बढ़ा देते हैं। ये कपड़े को विभिन्न तरीकों से रंगने की तकनीकें हैं।

यूनिट-१५

स्टेन्सिल, वेजीटेबिल, स्क्रीन प्रिन्टिंग इत्यादि के लिए डिजाइन की रचना करनाः-

स्टेन्सिल, वेजीटेबिल एवं स्क्रीन प्रिन्टिंग आदि क्राफ्ट तकनीकें हैं, जो वस्त्र के व्यक्तिगत प्रभाव को बदल देते हैं। ये डिजाइन की रचना करने में मदद करते हैं।

यूनिट-१६

एक कहानी बोर्ड की रचना करनाः-

विभिन्न प्रकार की वस्तुओं एवं डिजाइनों से प्रेरणा लेकर एक स्टोरी बोर्ड की रचना हमे अनेको विचार देते हैं। यह, रंगों या आकारों के द्वारा जो डिजाइन की रचना करने में सहायक होते हैं, से हो सकता है।

संरचना

१३.१ यूनिट प्रस्तावना

१३.२ उद्देश्य

१३.३ कढ़ाई के लिए डिजाइन की रचना करना

१३.४ सारॉश

१३.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

१३.६ स्वाध्ययन हेतु

१३.१ यूनिट प्रस्तावना:-

फैशन गारमेन्ट के लिए कढ़ाई एक प्रमुख तरीका है। इस यूनिट में बताया गया है कि कढ़ाई के डिजाइन किस तरह बनाये जाते हैं।

१३.२ उद्देश्य:-

एक फैशन डिजाइनर को कढ़ाई के लिए पैटर्न बनाने मे दक्ष होना अति महत्वपूर्ण है। उपलब्ध स्थान के अनुसार कढ़ाई के पैटर्न का प्लेसमेन्ट महत्वपूर्ण है।

१३.३ कढ़ाई के लिए डिजाइन की रचना करना:-

कढ़ाई पैटर्न की रचना, आप डी०एफ०डी–०६, ब्लॉक–४ में दिये गये स्टीचेस के बेसिक कढ़ाई के तरीको के अध्ययन द्वारा अपने ज्ञान को अधिक विस्तार दे पायेगें।

आगे दिये गये पृष्ठों में डिजाइन बनाने से सम्बन्धित बेसिक हैन्ड स्टीचेस जिसमे स्टेम स्टिच, साटिन स्टिच, लॉग और शार्ट, बटन होल, फ्रेन्च नॉट, स्ट्रेट स्टिच, चेन स्टिच, लेजी–डेज़ी, फिश बोन, स्पाइडर वेब स्टिच, डबल लेजी–डेजी, हेरिंगबोन, बुलियन स्टिच, रनिंग स्टिच, डबल क्रॉस स्टिच, फीदर स्टिच, चेन फिलिंग और रैनडम क्रॉस आदि के सुझाव दिये गये हैं।

यह डिजाइन दुपट्टे या साड़ी के लिए है। इसको बार्डर की तरह या बूटी को अल्टरनेट रखकर बना सकते हैं।

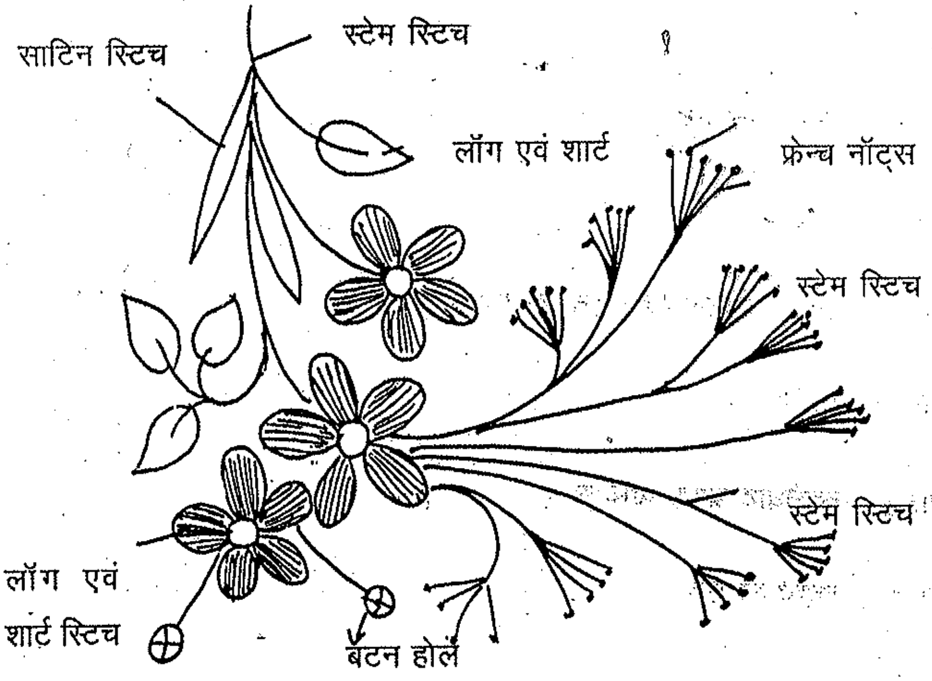

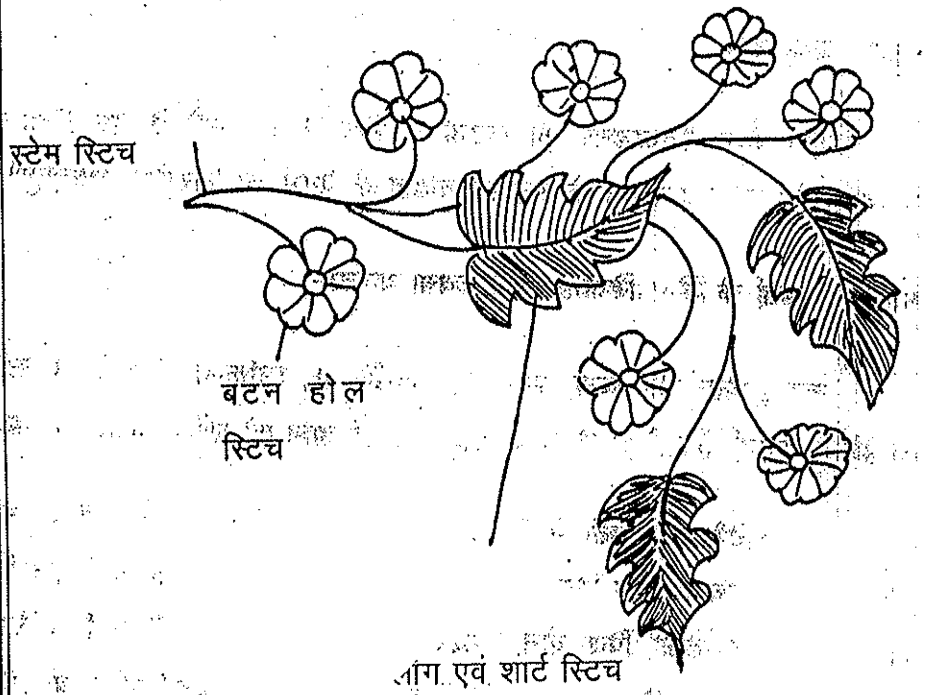

यह डिजाइन बार्डर के लिए है जो टॉप्स कुर्ते या साड़ी आदि की हेमलाइन पर बना सकते हैं।

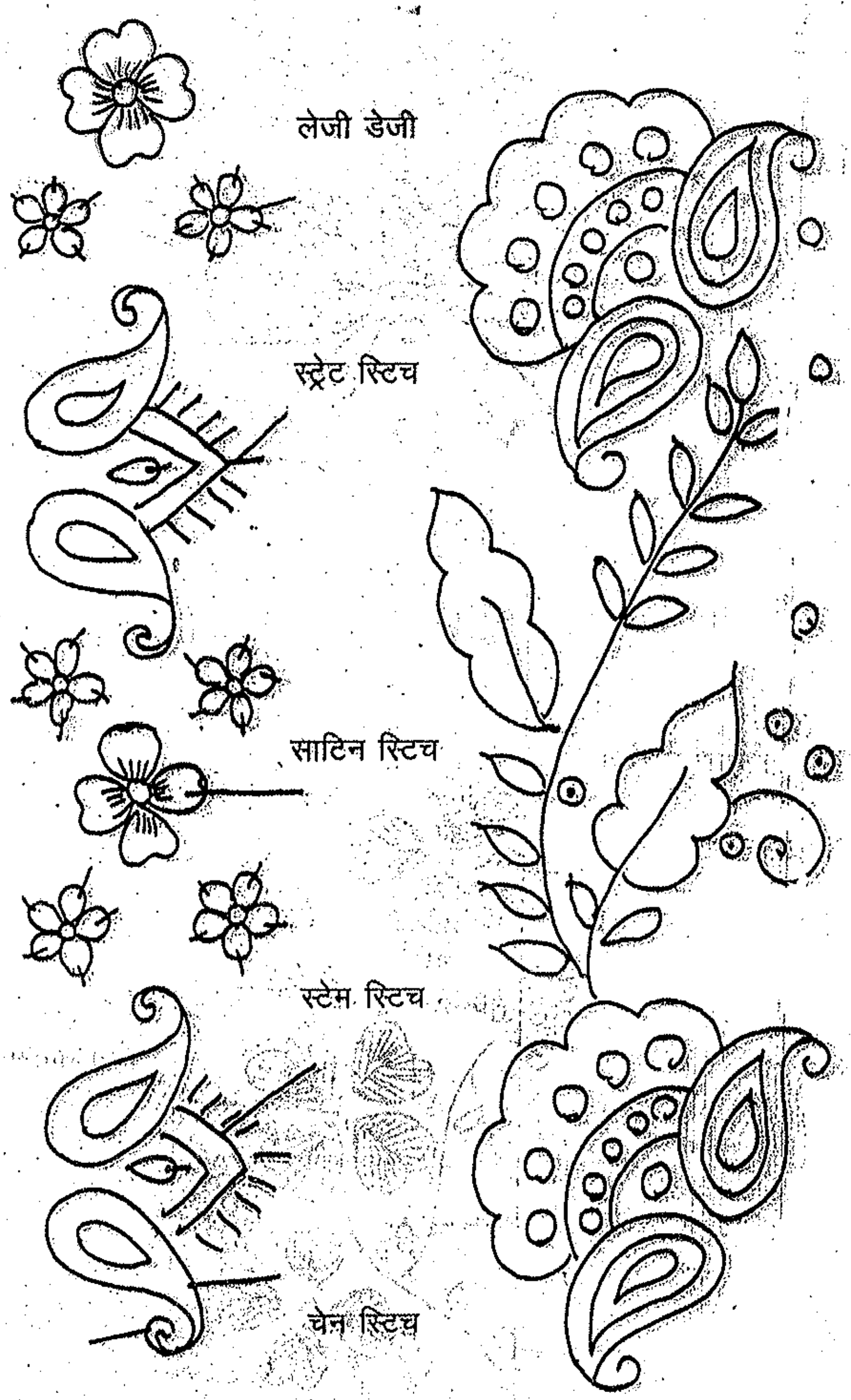

साटिन स्टिच

यह डिजाइन बूटी के लिए है जो वस्त्र के सम्पूर्ण भाग पर रखकर एक बराबर की दूरी पर बनाये जा सकते हैं।

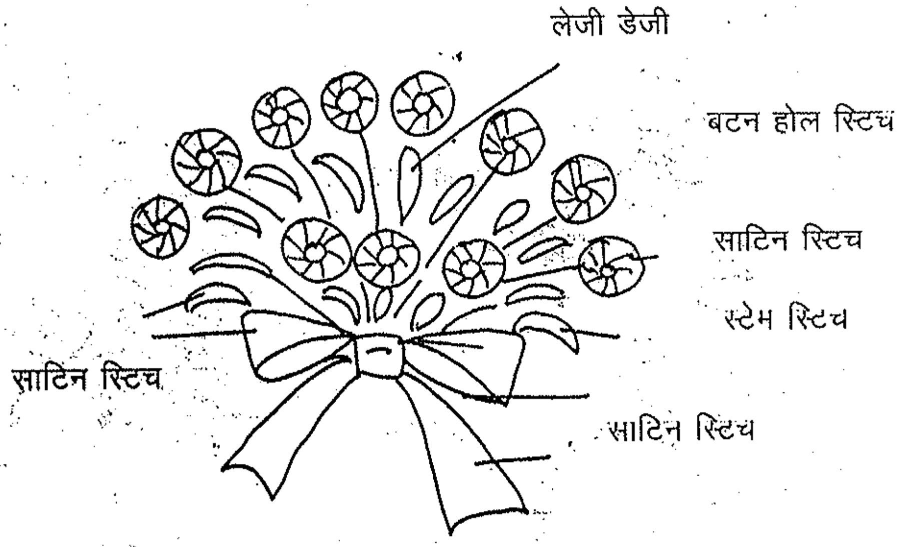

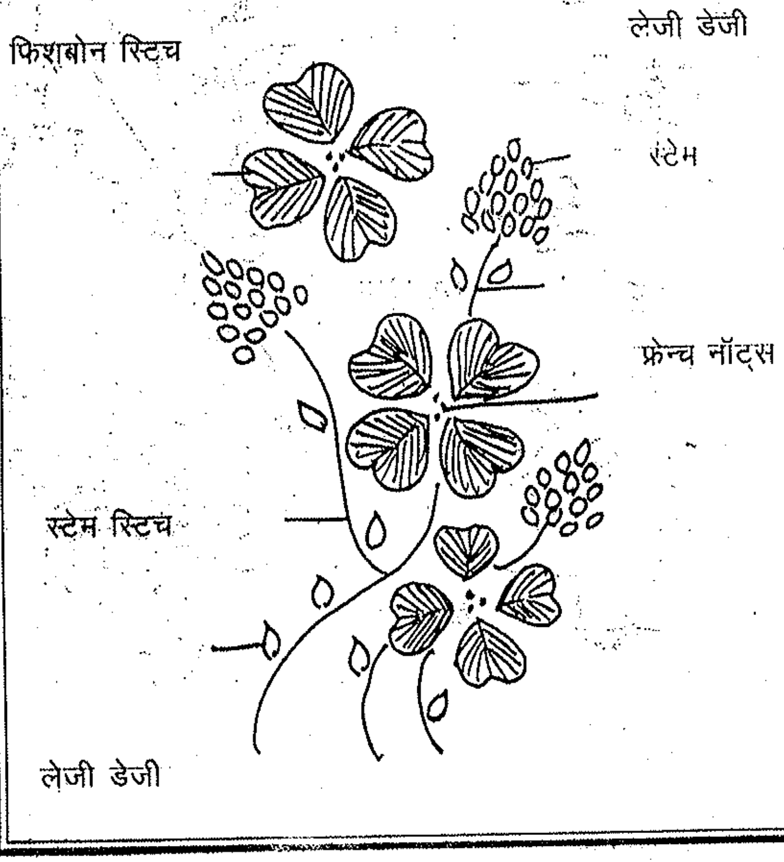

यह डिजाइन बूटी के हैं जो वस्त्र के सम्पूर्ण भाग पर बराबर दूरी पर बनाये जा सकते हैं।

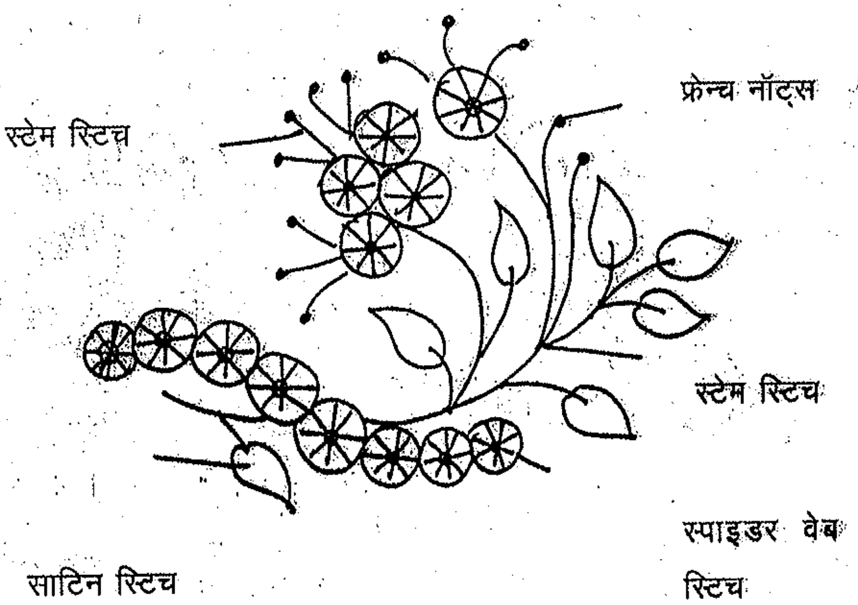

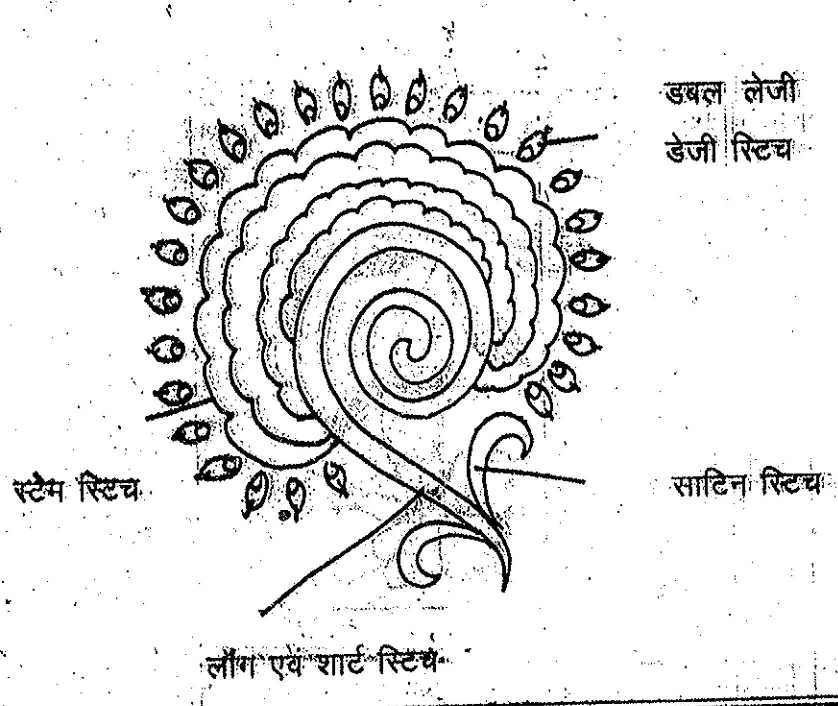

दिये गये डिजाइन बूटीज और बॉर्डर के लिए हैं जो बराबर दूरी पर काढ़े जा सकते हैं।

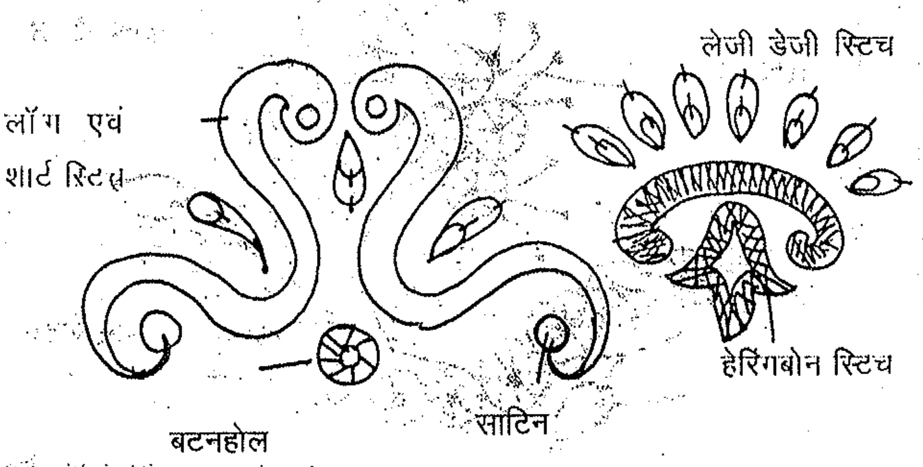

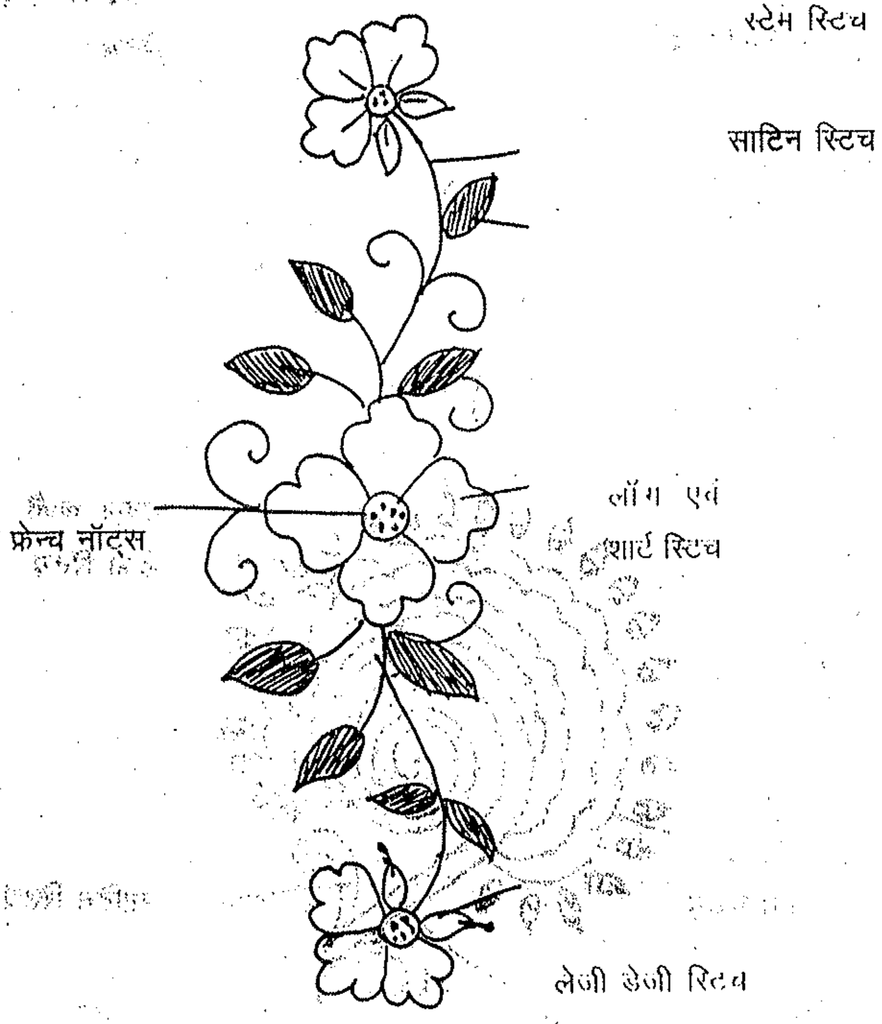

यह डिजाइन बार्डर एवं बूटी के लिए हैं जो टॉप, कुर्ता और साड़ी की हेमलाइन पर काढ़े जा सकते हैं।

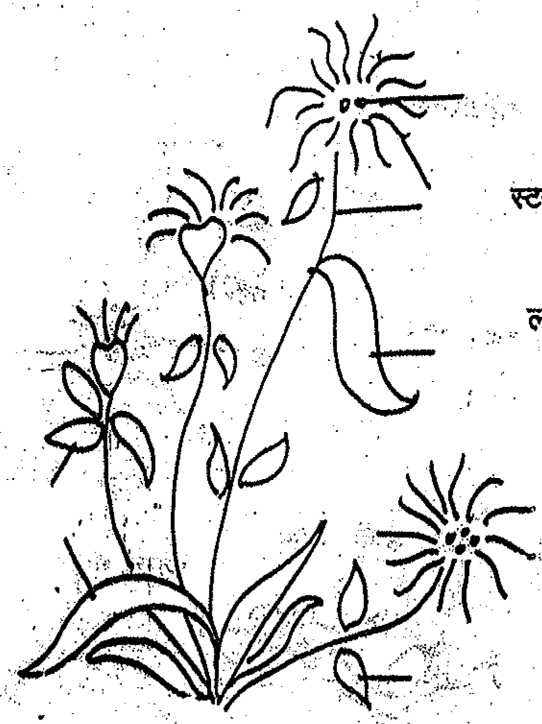

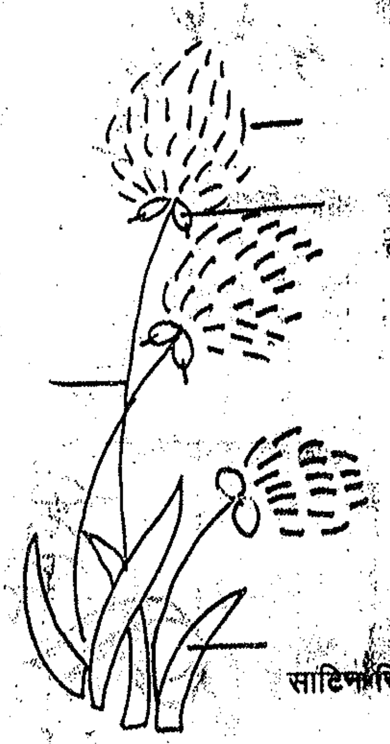

दिये गये डिजाइन छोटी बूटी के हैं। यह वस्त्र के सम्पूर्ण भाग पर, बराबर दूरी पर बनाये जा सकते हैं।

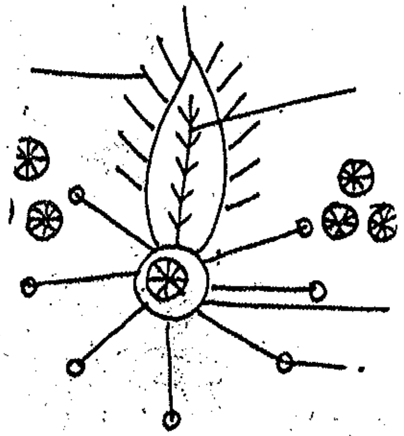

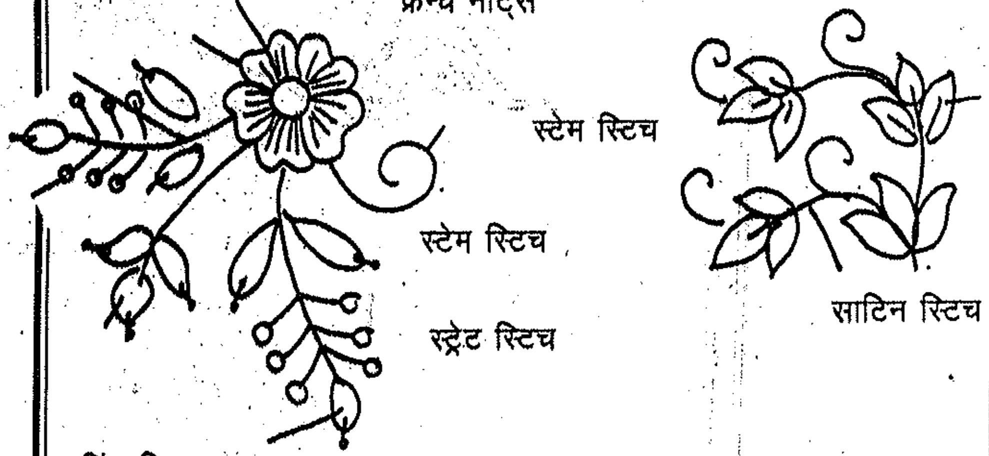

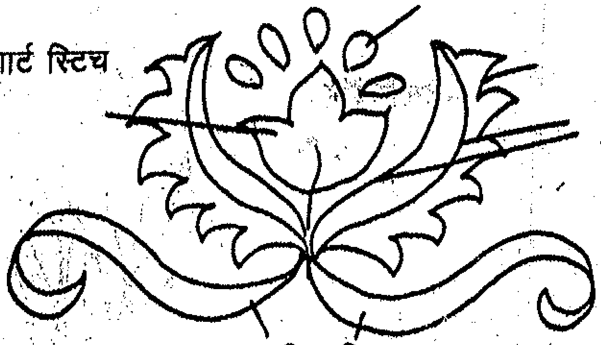

यह डिजाइन बच्चों के कपड़ों पर बनाने के लिए हैं। यह वस्त्र पर बराबर दूरी पर बनाये जा सकते हैं।

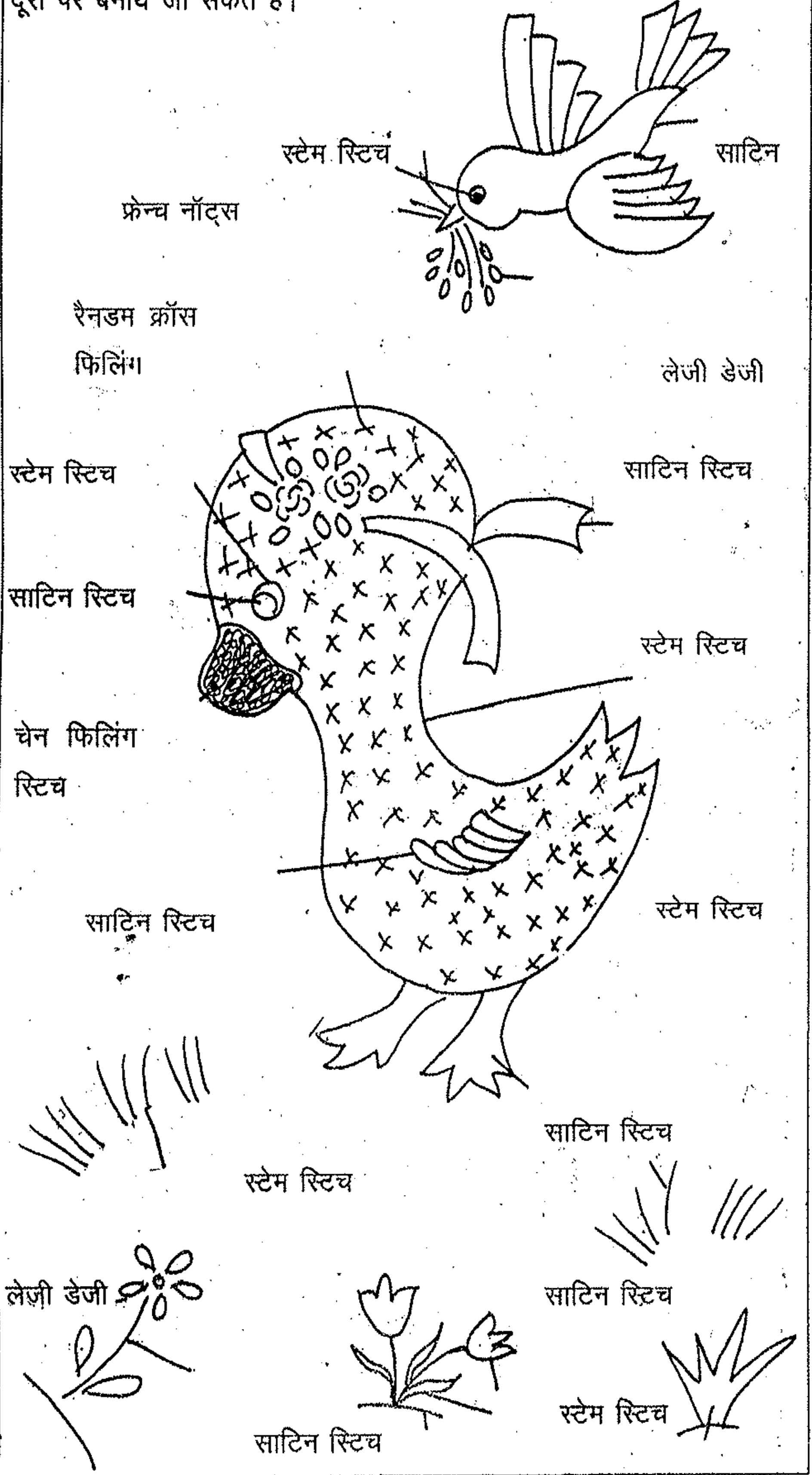

दिये गये डिजाइन बच्चों के कपड़ों के लिए हैं। ये बच्चों के कपड़ों पर बराबर दूरी पर बनाये जा सकते हैं।

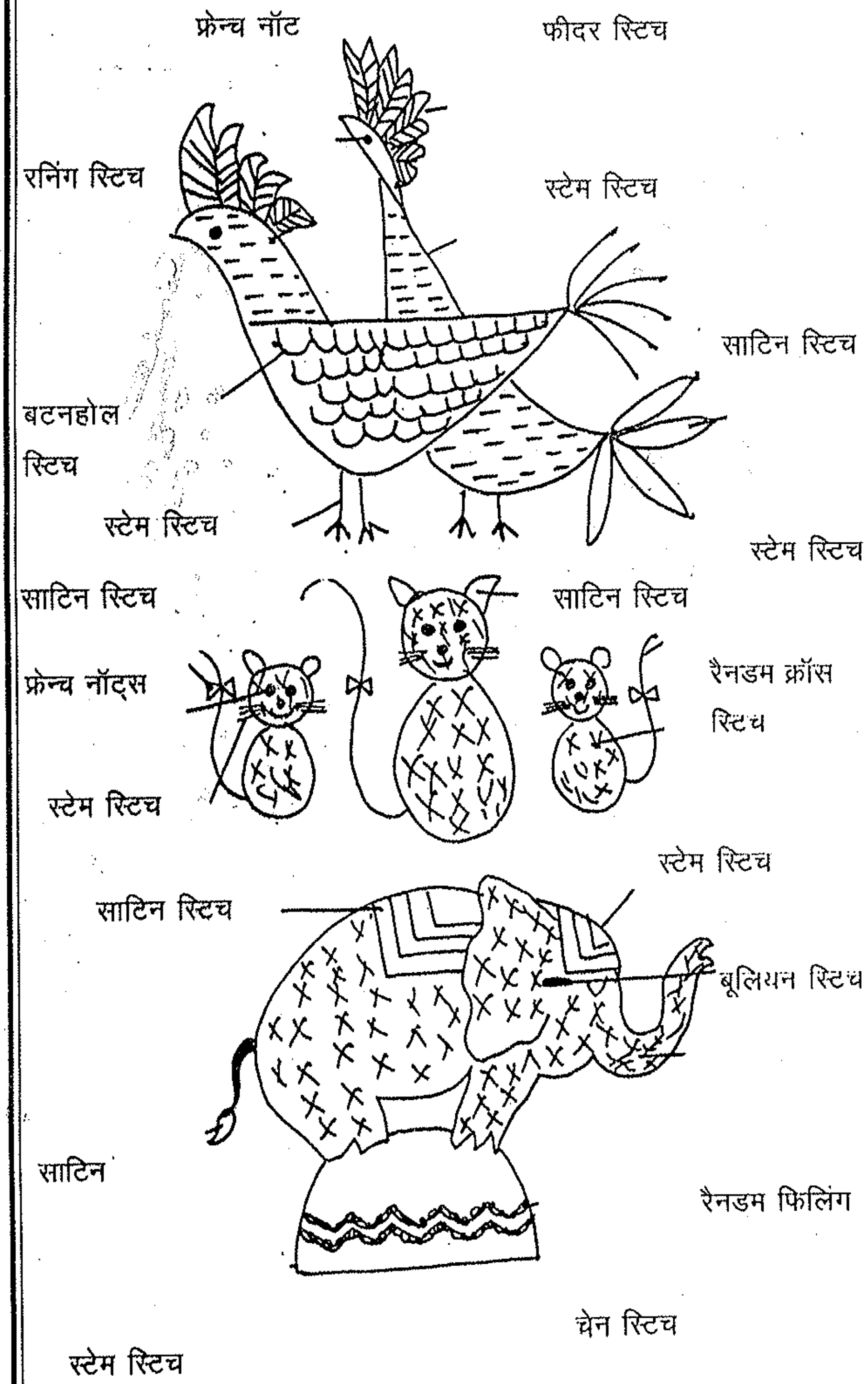

यह डिजाइन फूल पत्ती की छोटी बूटी के लिए है। यह बच्चों के कपड़ों पर बराबर दूरी पर बनाये जा सकते हैं।

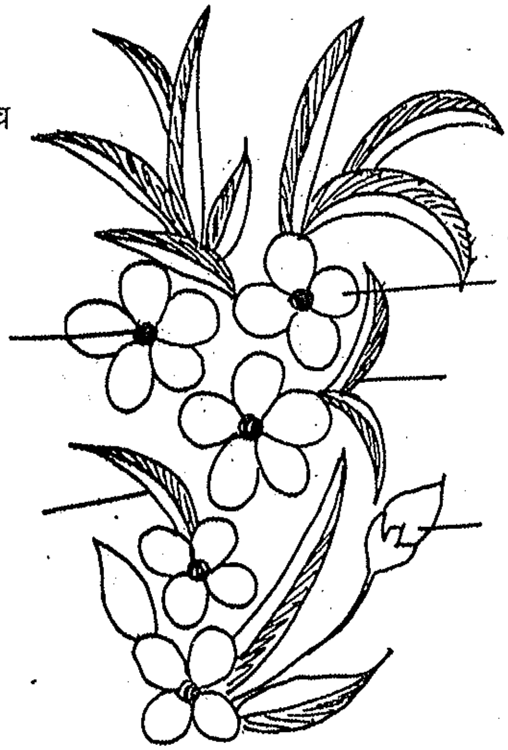

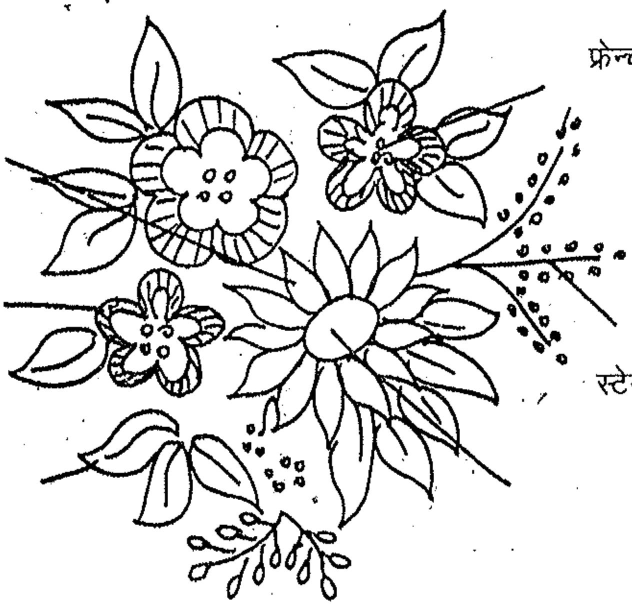

यह डिजाइन फ्लोरॉल डिजइन है जो वस्त्र के सम्पर्णू भाग पर बराबर दूरी पर बनाये जा सकते हैं।

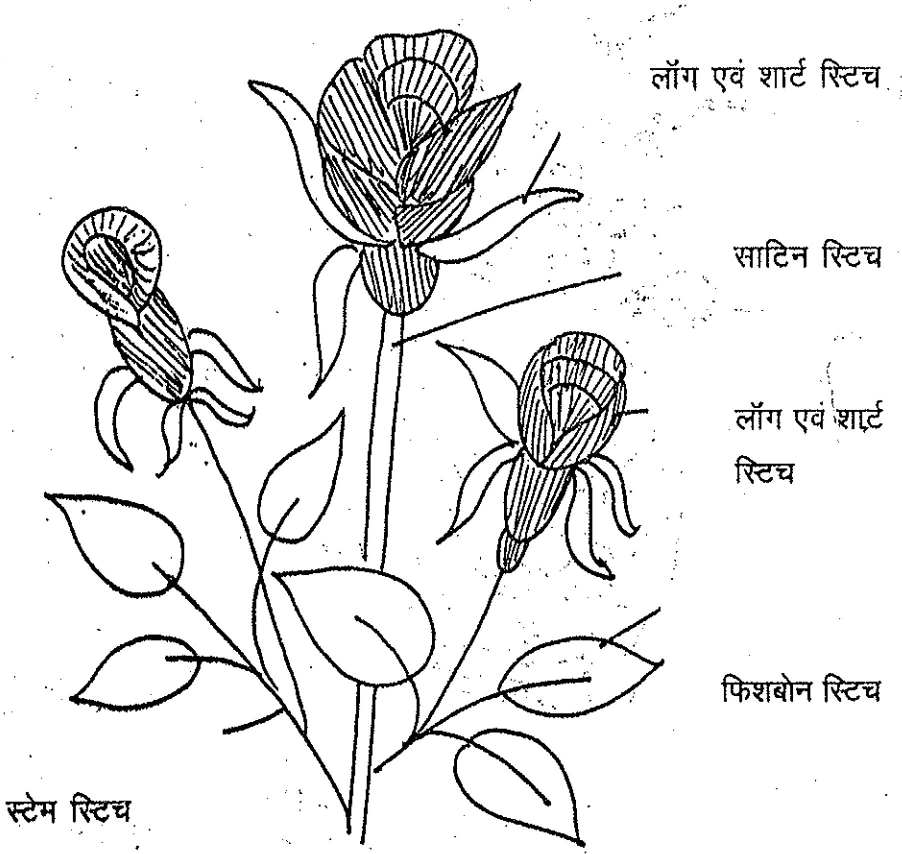

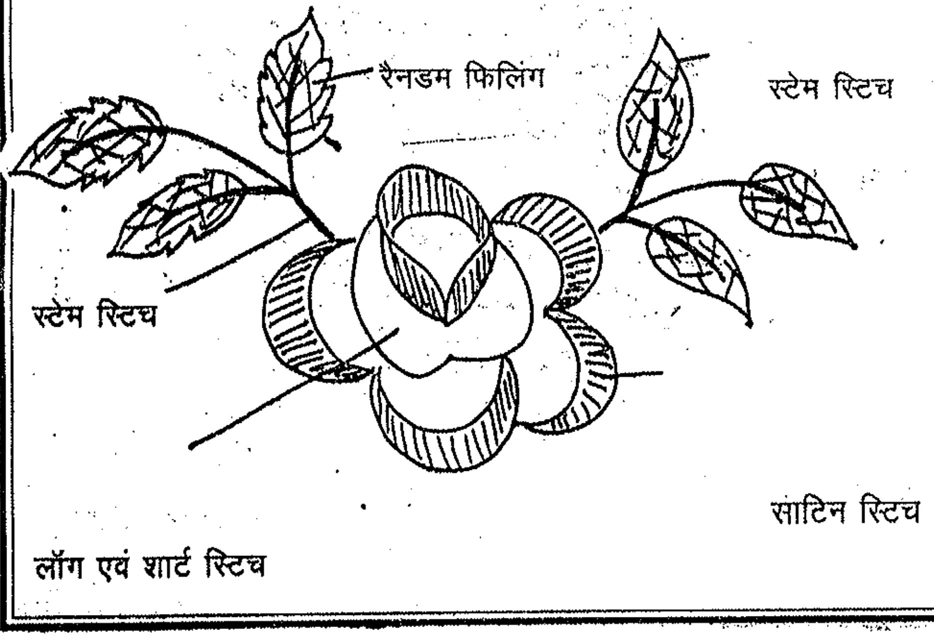

दिये गये डिजाइन बूटी के हैं जो बार्डर पर एक के बाद एक बनाया जा सकता है।

स्ट्रेट स्टिच

चेन स्टिच

फ्रेन्च नॉट्स

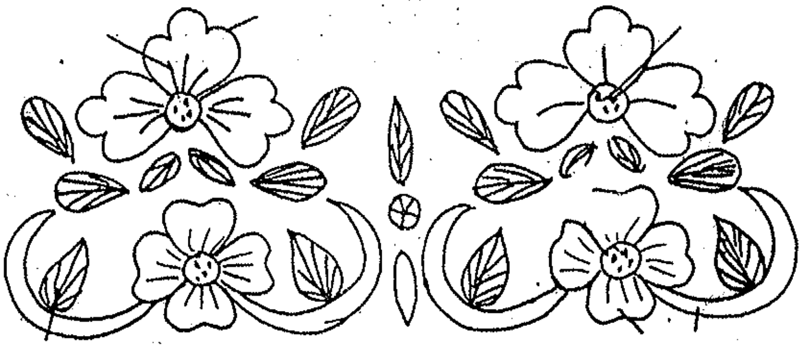

बटनहोल स्टिच

साटिन स्टिच

लेजी डेजी

स्टेम स्टिच

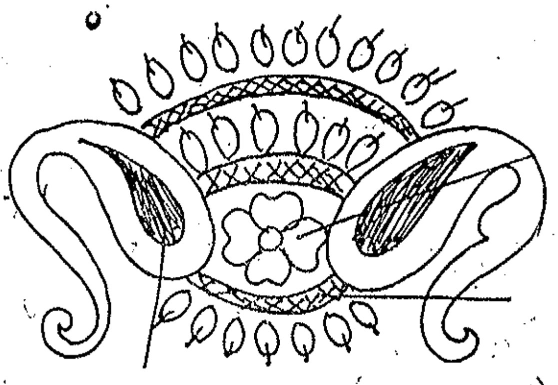

साटिन स्टिच

चेफ़रान स्टिच

साटिन स्टिच

फिशबोन स्टिच

लॉंग एवं शार्ट विद लाइट कलर

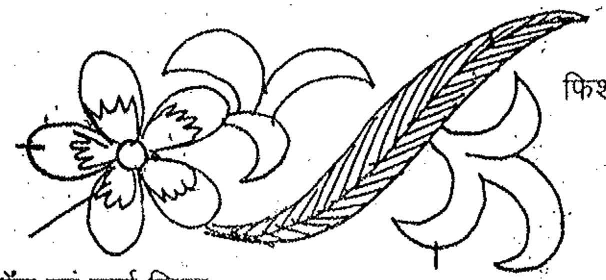

लॉंग एवं शार्ट स्टिच विद डार्क कलर

साटिन स्टिच

दिये गये डिजाइन छोटी बूटीज के लिए हैं जो सम्पूर्ण वस्त्र पर पास--पास बनाने से भारी काम दिखाई देगा।

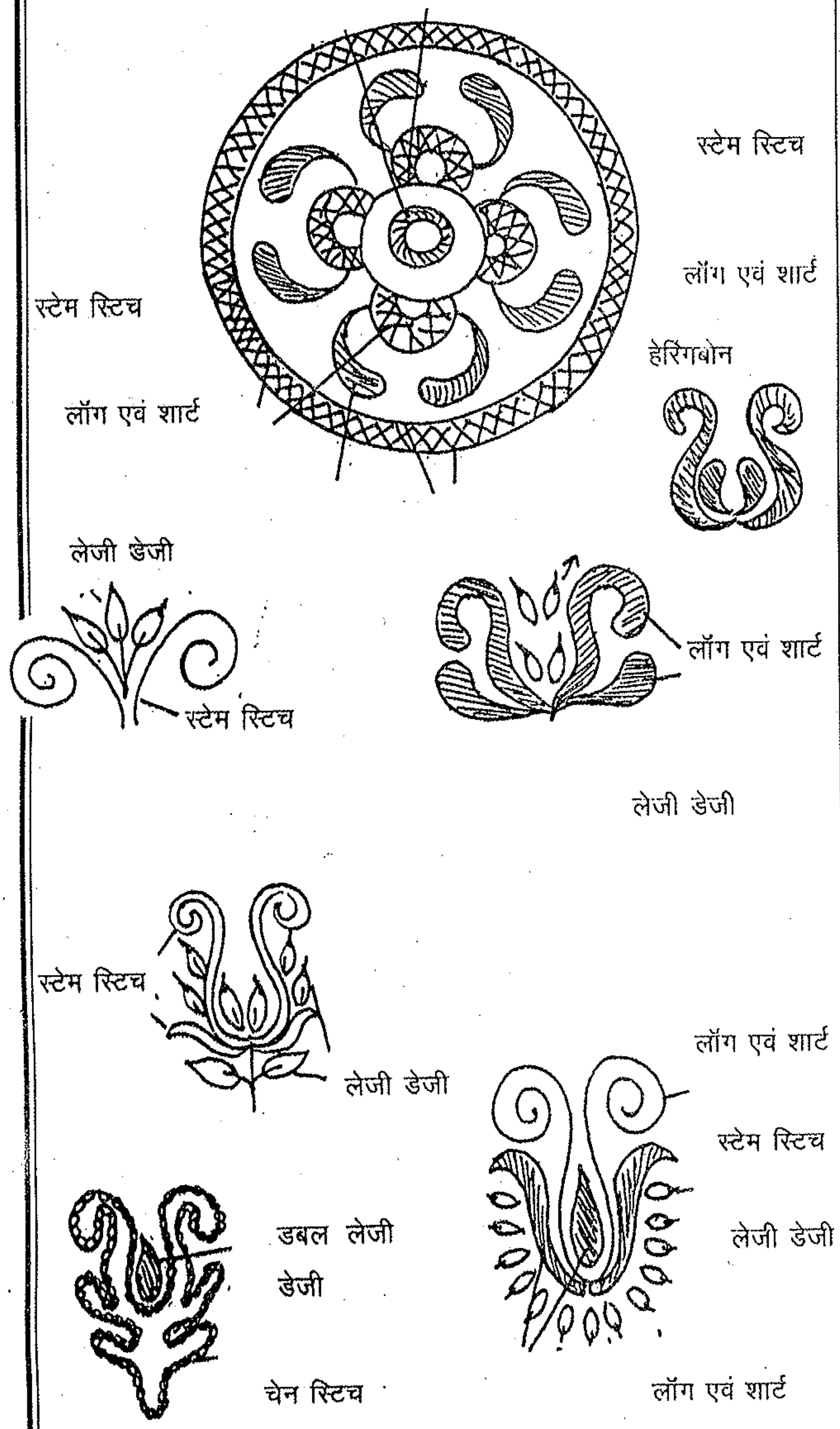

यह-डिजाइन हेरिंगबोन स्टिच के लिए दिये गये हैं।

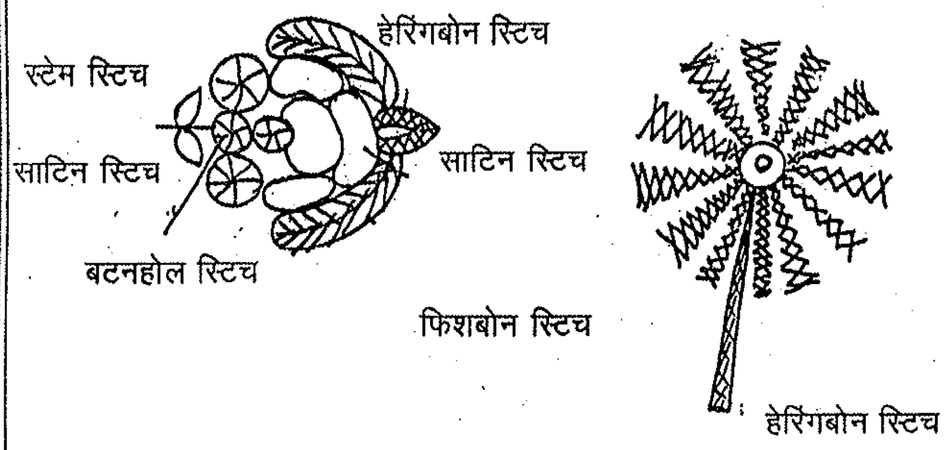

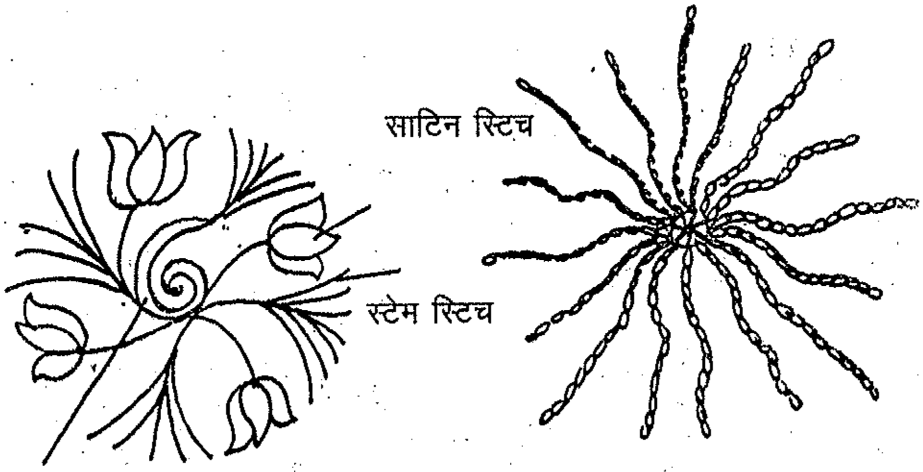

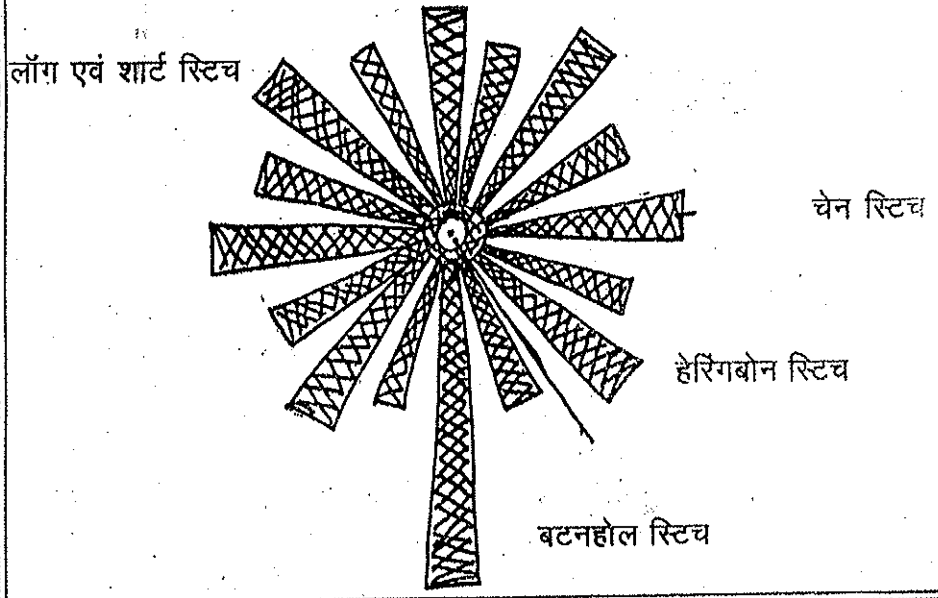

यह डिजाइन लेडीज कुर्ते के लिए साटिन लॉग एवं शार्ट स्टिच के लिए है। इस कढ़ाई के कुते काफी बारी लुक वेगें।

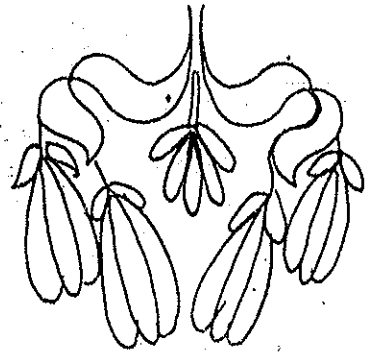

वर्क दा व्होल डिजाइन इन लॉग एण्ड शार्ट स्टिच

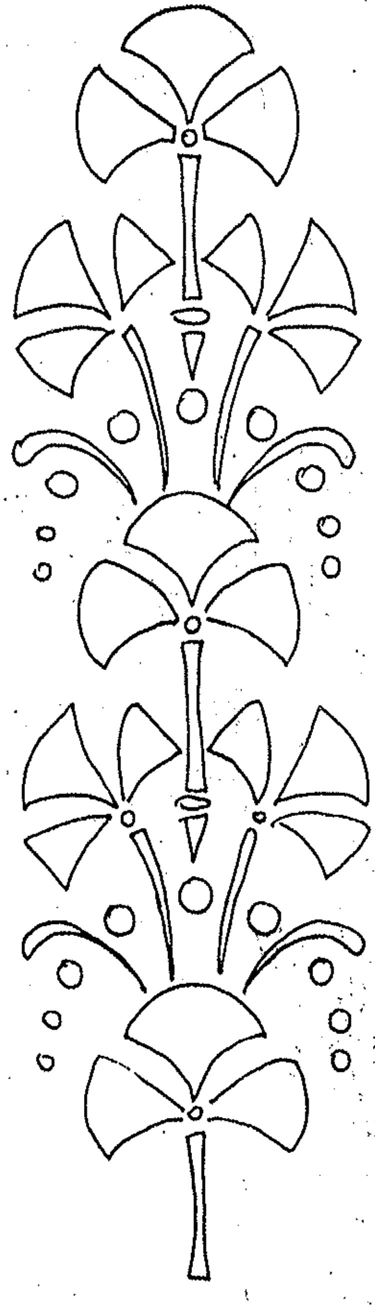

वर्क दा व्होल डिजाइन इन साटिन स्टिच

वर्क दा व्होल डिजाइन इन स्टेम स्टिच

यह डिजाइन लेडीज कुर्ते के लिए भारी लुक के लिए साटिन लॉग एवं शार्ट स्टिच से बनेगें।

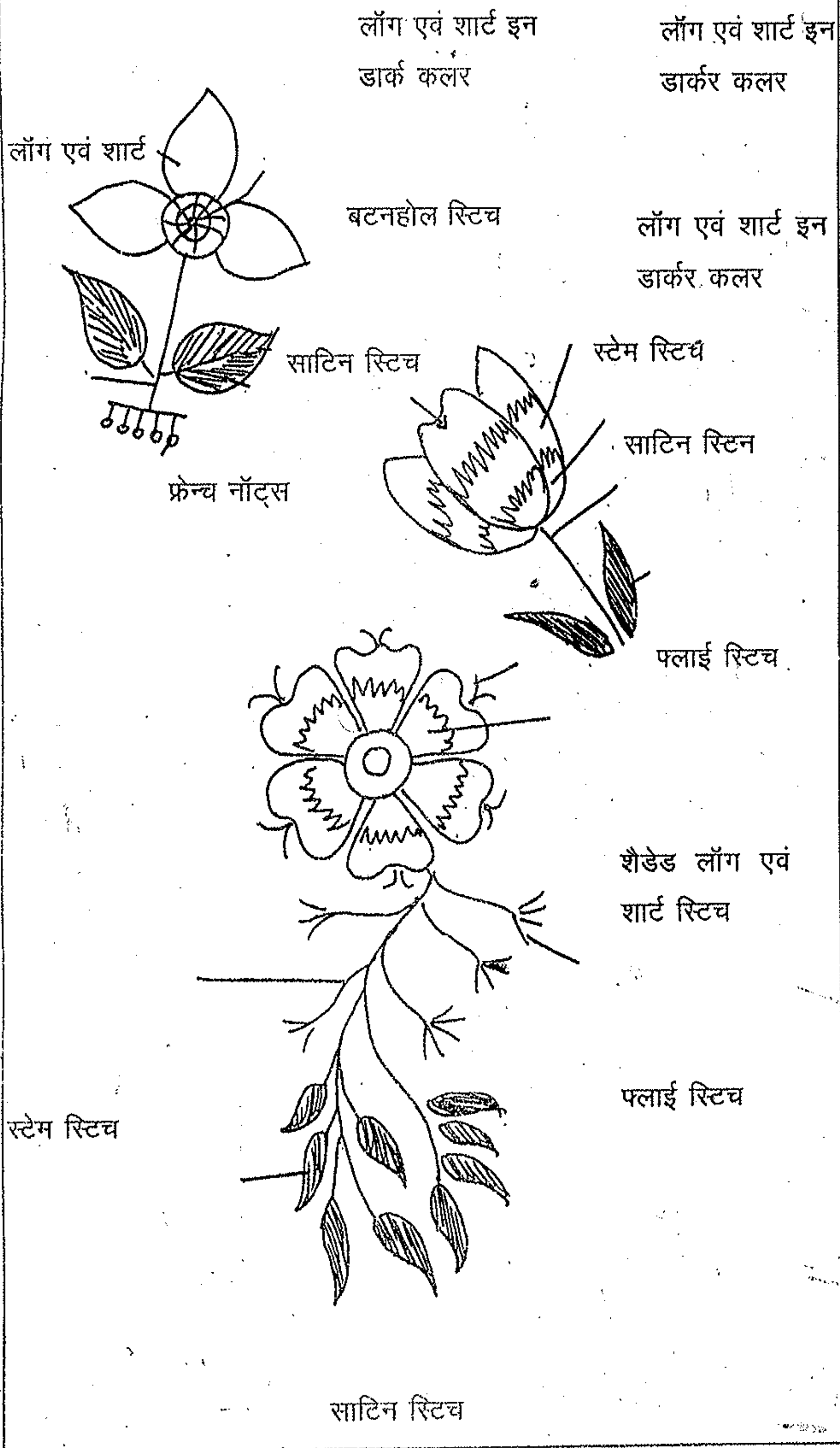

अभ्यास

१— मैगजीनों से कढ़ाई के डिजाइन बनायें।

१३.४ सारांशः-

अच्छे कढ़ाई के डिजाइन वस्त्रों को सुन्दर बनाने के तरीके हैं।

१३.५ स्वनिर्धार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न—१ दुपट्टे के लिए कढ़ाई का डिजाइन बनायें।

प्रश्न—२ स्कर्ट की हेमलाइन बार्डर के लिए कढ़ाई का पैटर्न बनायें।

प्रश्न—३ वी—नेकलाइन की कढ़ाई के लिए पैटर्न बनायें।

प्रश्न—४ साड़ी ब्लाउज के लिए कढ़ाई का पैटर्न बनायें।

प्रश्न—५ आदमी के कुर्ते की नेकलाइन पर कढ़ाई के लिए पैटर्न बनायें।

१३.६ स्वाध्ययन हेतु

१— गुड हाउस कीपिंग, स्टेप टू स्टेप एनसाइक्लोपीडिया ऑफ नीडिल क्राफ्ट, द्वारा जुडिथ ब्रिटियन पब्लिकेशन इबुरे प्रेस।

संरचना

१४.१ यूनिट प्रस्तावना

१४.२ उद्देश्य

१४.३ फ्री–हैन्ड पेन्टिंग एवं बाटिक आदि के लिए डिजाइन की रचना करना।

१४.४ सारांश

१४.५ स्वनिर्धार्य प्रश्न/अभ्यास

१४.६ स्वाध्ययन हेतु

१४.१ यूनिट प्रस्तावना:-

इस यूनिट में बाटिक व फ्री–हैन्ड पेन्टिंग के डिजाइन कैसे बनाये जाते हैं, इसके ज्ञान से अवगत कराया गया है।

१४.२ उद्देश्य:-

ये दोनो माध्यम बहुत सरल एवं सहज हैं जिससे व्यक्तिगत डिजाइन बनाये जा सकते हैं। डिजाइन की रचना करना और माध्यमों का प्रयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

१४.३ फ्री-हैन्ड पेन्टिंग और बाटिक इत्यादि के लिए डिजाइन की रचना करना:-

फ्री–हैन्ड पेन्टिंग बिना किसी डिजाइन को ट्रेस किये ही बनाये जाते हैं। ब्रश पर रंग लगाकर कपड़े पर डिजाइन ब्रश से ही बनाये जाते हैं इसलिए ब्रश स्ट्रोक अच्छे तथा मजबूती से दिये जाने चाहिए।

फ्री–हैन्ड डिजाइन बोल्ड होते हैं। जब रंग कपड़े पर लगाते हैं तो कपड़ा स्वयं रंग ले लेता है। उसी रंग को ब्रश से फैलाया जाता है। अनेकों रंगों के डिजाइन बना सकते हैं। हर पीस फ्री–हैन्ड पेन्टिंग का होना चाहिए। इसमें कोई काम करने का शीघ्र तरीका नही होता। हर पीस हाथ से पेन्ट किया होता है जो बिना किसी डिजाइन को ट्रेस किये ही बनाया जाता है। अतः हर डिजाइन में एक दूसरे से कुछ अन्तर रहता है।

हैन्ड पेन्टेड डिजाइन में कुछ विशेष साफ्टनेस होती है जो किसी अन्य प्रकार की प्रिन्टिंग में नही होती।

आइएँ, सर्वप्रथम कागज पर रंगों को फैलाकर शुरूआत करें। याद रखें की कागज रंग न सोखे क्योंकि प्रभाव विभिन्न होगें लेकिन कागज पर अभ्यास करना ही ठीक होगा।

बाटिक पुराने समय का रेसिस्ट डाइंग का तरीका है। इसका प्रयोग आज भी हो रहा है। जावा बाटिक आर्ट के लिए प्रसिद्ध है। यह अधिकतर सूती कपड़ों पर किया जाता है। कभी–कभी सिल्क कपड़े भी प्रयोग में लाये जाते हैं।

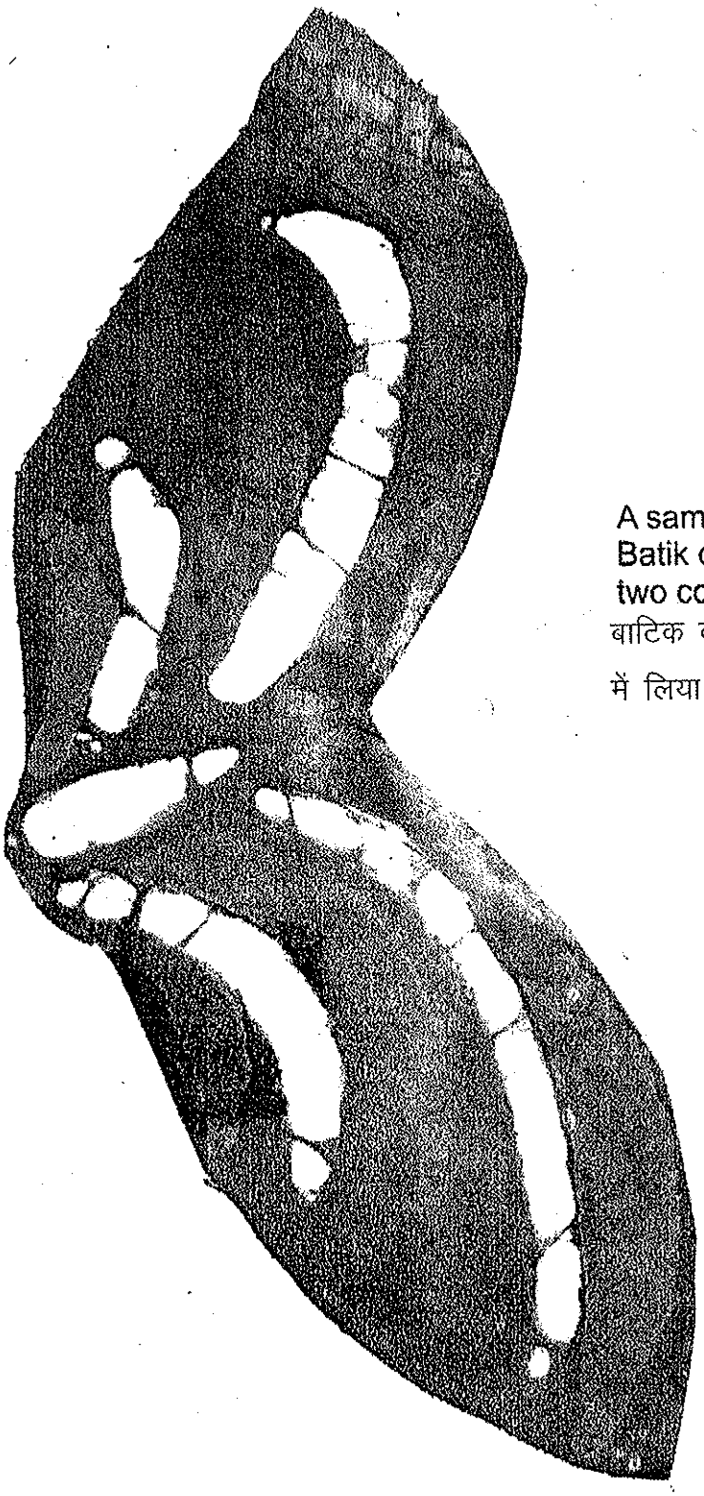

A sample of Batik done in two colours

बाटिक का नमूना दो रंगों में लिया गया है।

बाटिक के लिए कपड़ा तैयार किया जाता है। रिंच रंग साफ, मुलायम टेक्सचर का होता है। बाटिक के उत्पाद में सम्पूर्ण डिजाइन वस्त्र पर छापी गई है।

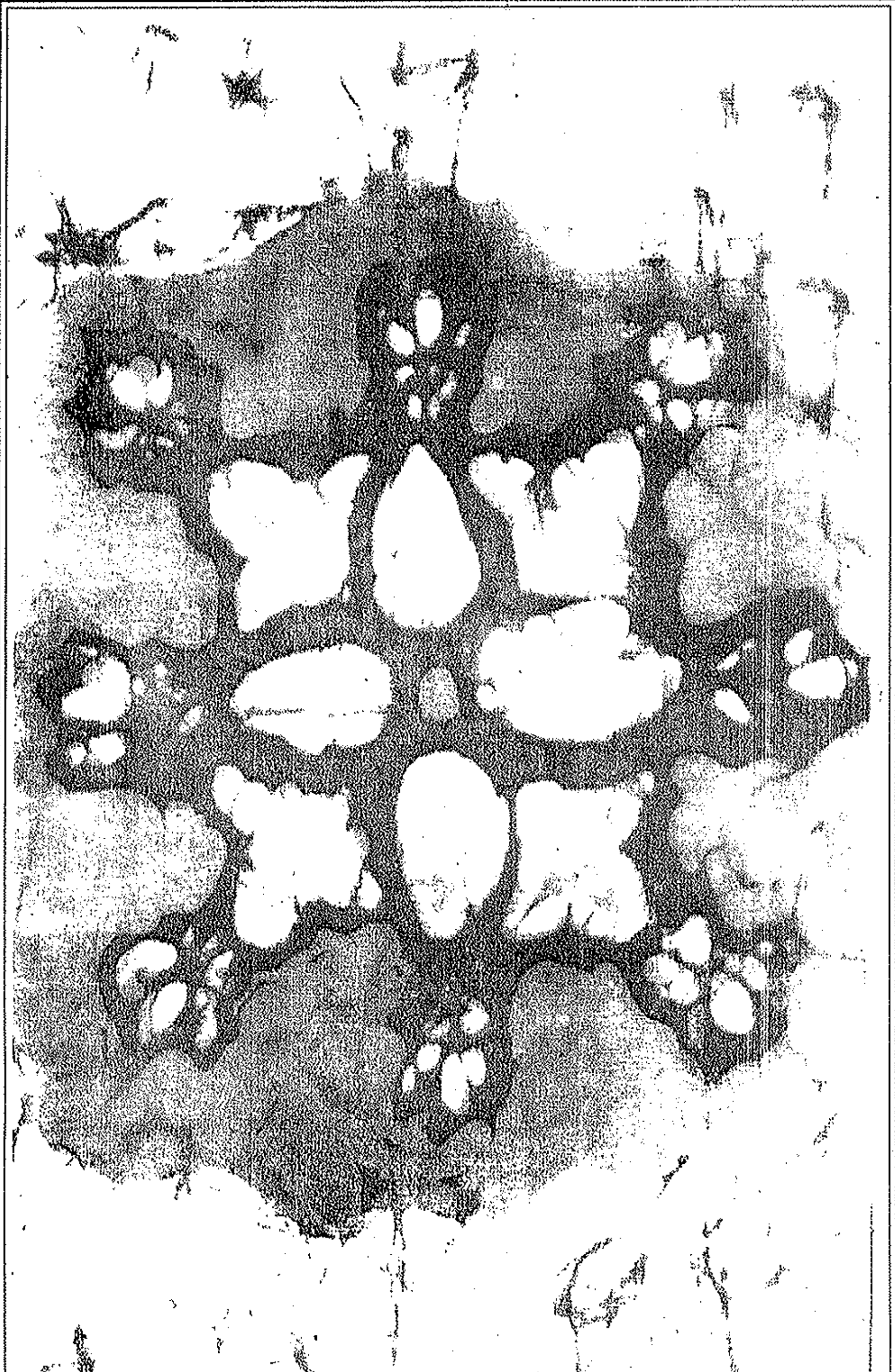

नमूना दो रंगों में बनाया गया है देखने में तीन रंगो का प्रभाव दिया गया है।

कपड़े का वह भाग जो बिना रंगें रहेगा उसे दोनो तरफ मोम पिघलाकर ब्रश से पतली परत चढ़ा देते हैं, तब उसे रंगा जाता है।

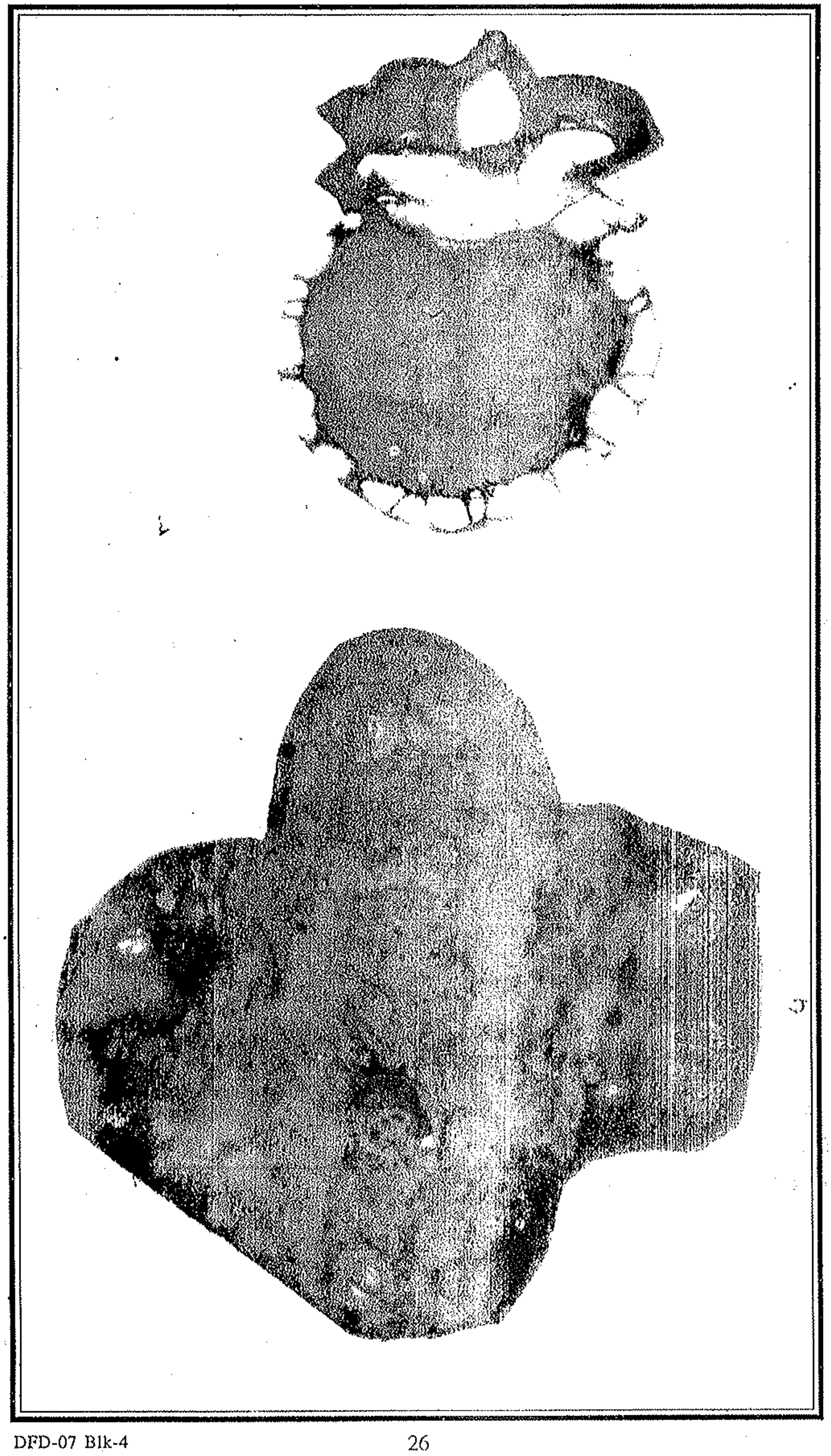

जावा के लोग बाटिक में हर रंगाई के बाद मोम हटाते हैं फिर दुबारा जिस भाग पर रंग नही चाहिए मोम लगाते हैं। यूरोप और अमेरिका में इसी विधि का प्रयोग किया जाता है।

एक रंग दूसरे पर रँगा गया है। मोम पीस के पूरा होने बाद ही हटाया जायेगा।

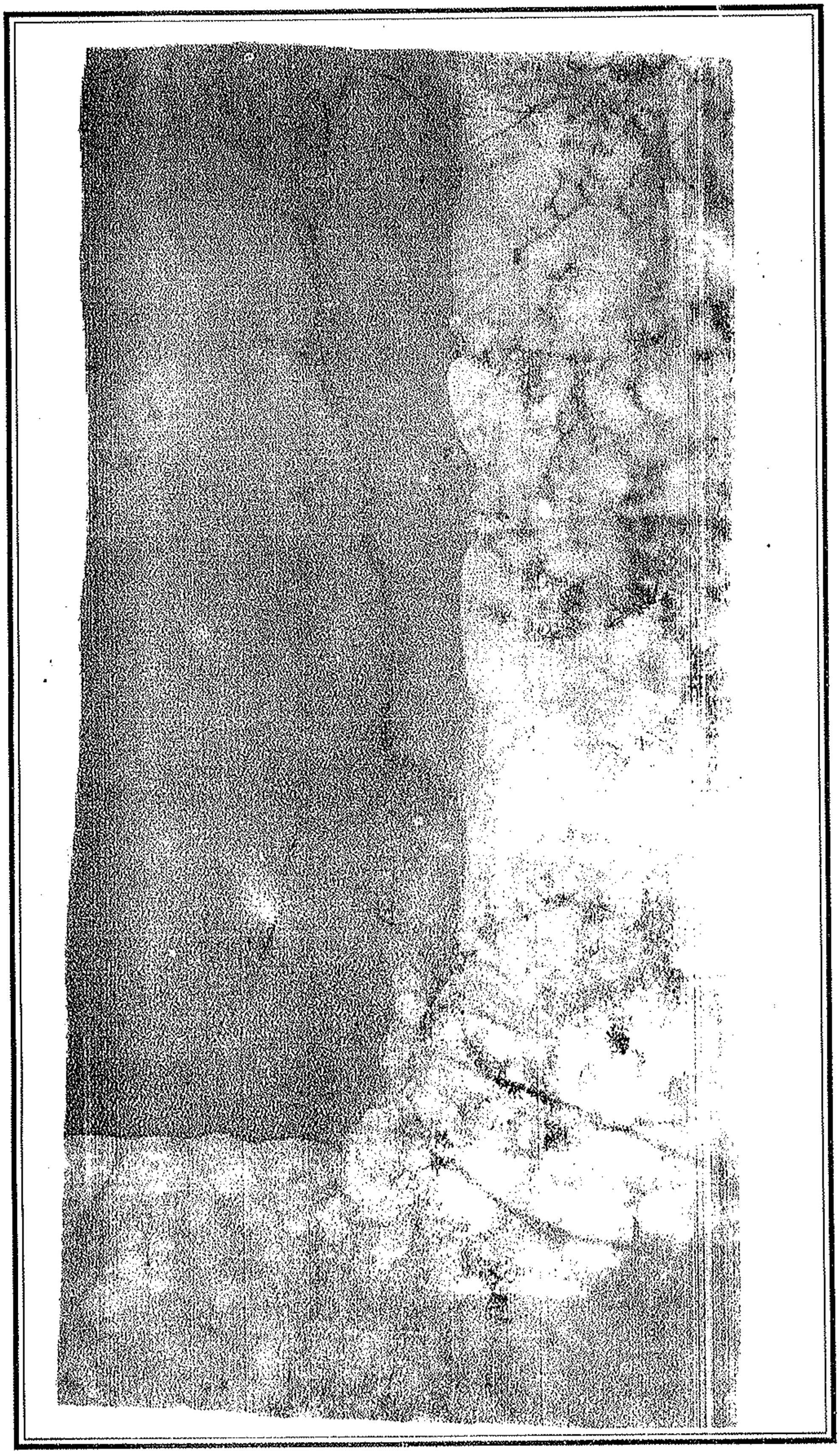

बाटिक में रंग प्रक्रिया हल्के रंग से गहरे रंग की ओर की जाती है। हल्का रंग पहले रंगा जायेगा फिर उससे गहरा। उदाहरण के लिए पहले पीला रंग, फिर नॉरंगी फिर लाल, उसके बाद काला या नीला।

वैक्सिंग करने में जो भाग सफेद रखना है उसे पहले मोम किया जायेगा फिर कपड़े को पीले रंग में रंगा जायेगा। फिर पीला भाग मोम किया जायेगा और उसे नारंगी रंग में रंगा जायेगा। फिर नॉरंगी भाग को वैक्स किया जायेगा, फिर कपड़े को लाल रंग में रंगेंगे। और अन्त में लाल रंग को वैक्स किया जायेगा। फिर काले रंग में रंगा जायेगा।

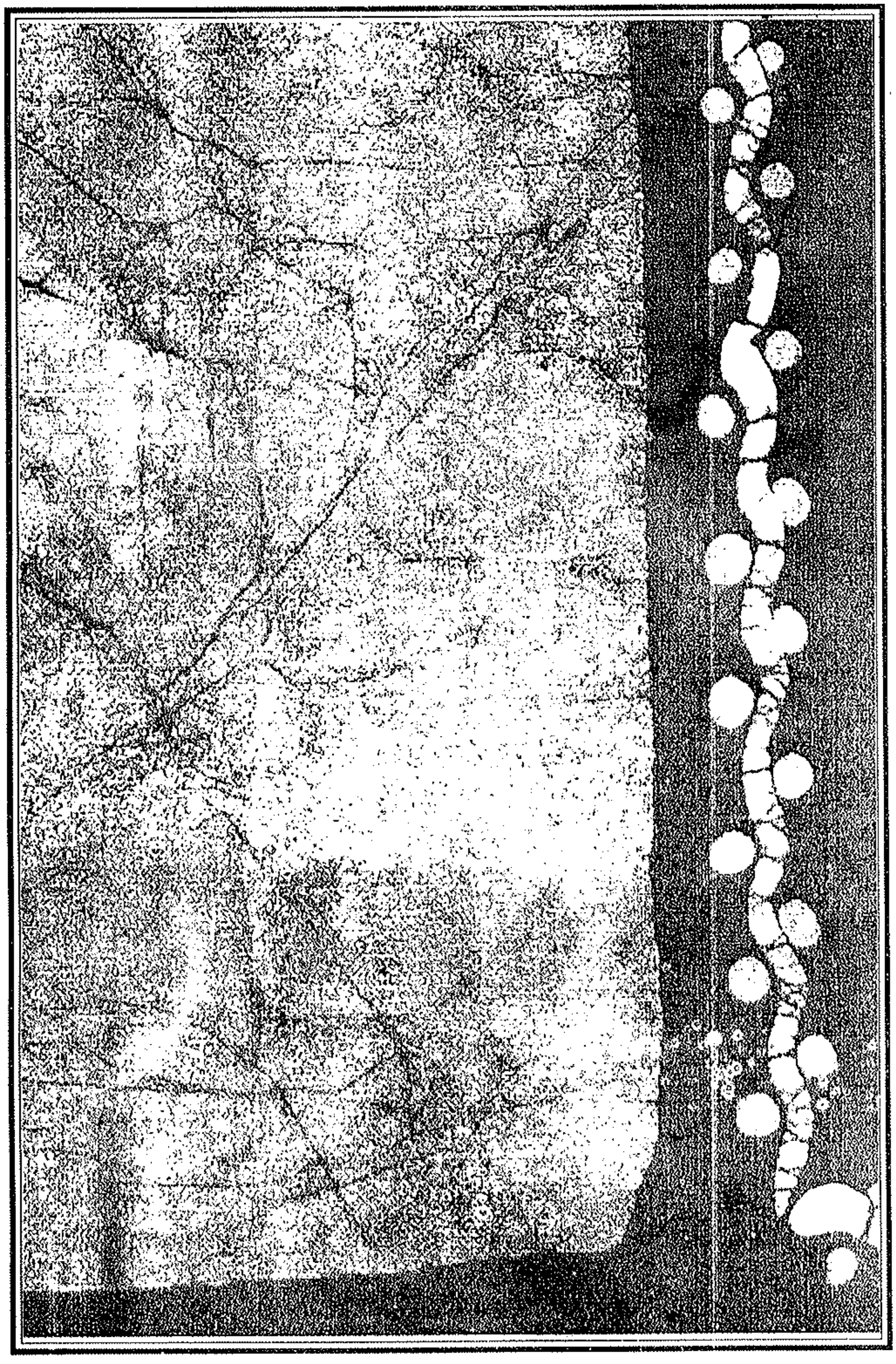

अन्तिम डिप के बाद वैक्स कपड़े को अखबार की तह के नीचे रखकर इस्त्री करके वैक्स निकाला जाता है। फिर खौलते पानी में डिप करके वैक्स निकाल दिया जाता है।

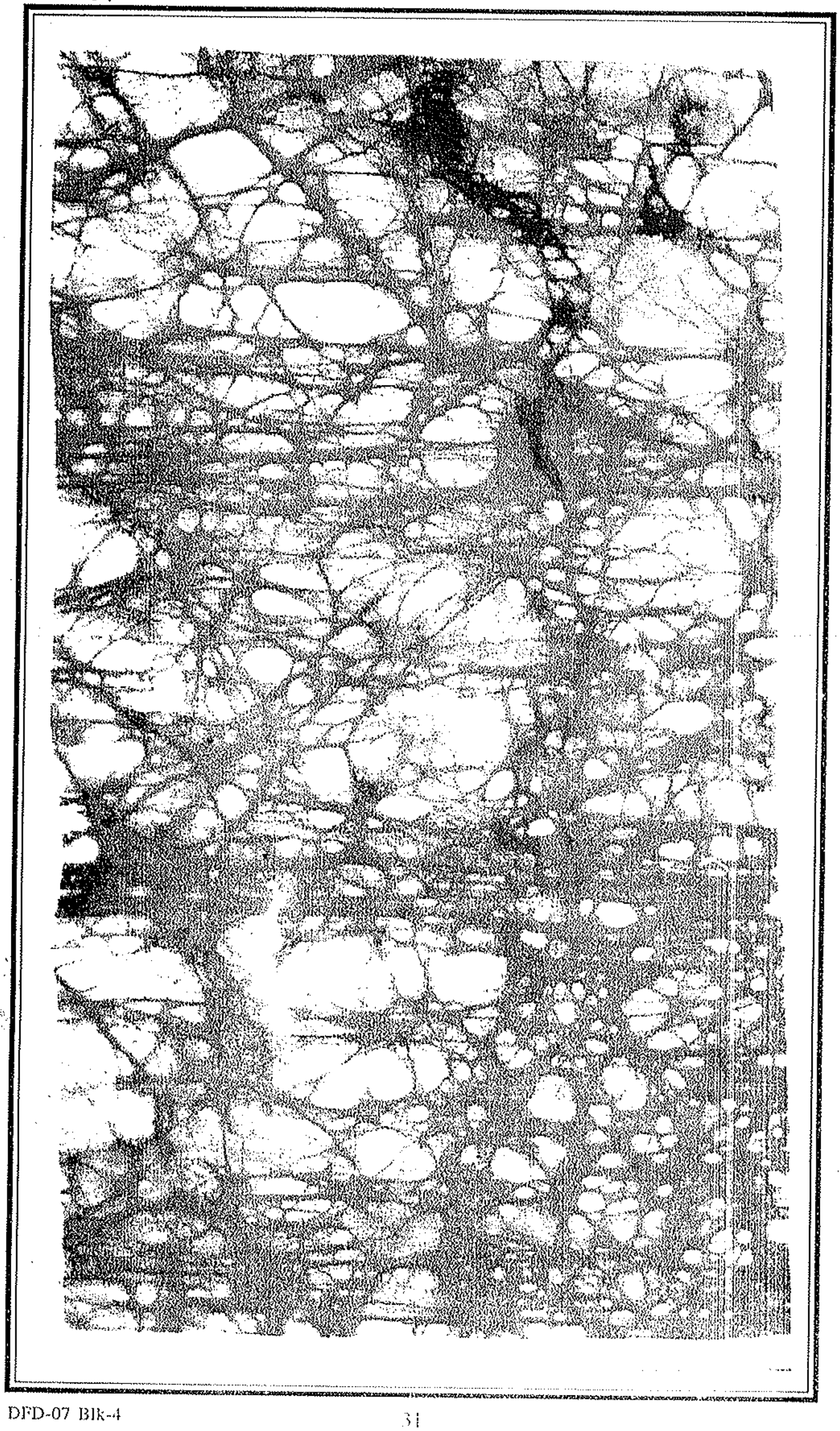

बाटिक आमतौर पर टेक्सटाइल कपड़ो में काम में लाया जाता है। यह हर प्रकार के कपड़े पर किया जा सकता है, जो रंगा जा सकता है। हाथ से रंगा यह कपड़ा सस्ता बनता है और इससे फर्निशिंग, डेकोरेशन, स्कार्फ या छोटी–छोटी चीजें बनाई जा सकती है।

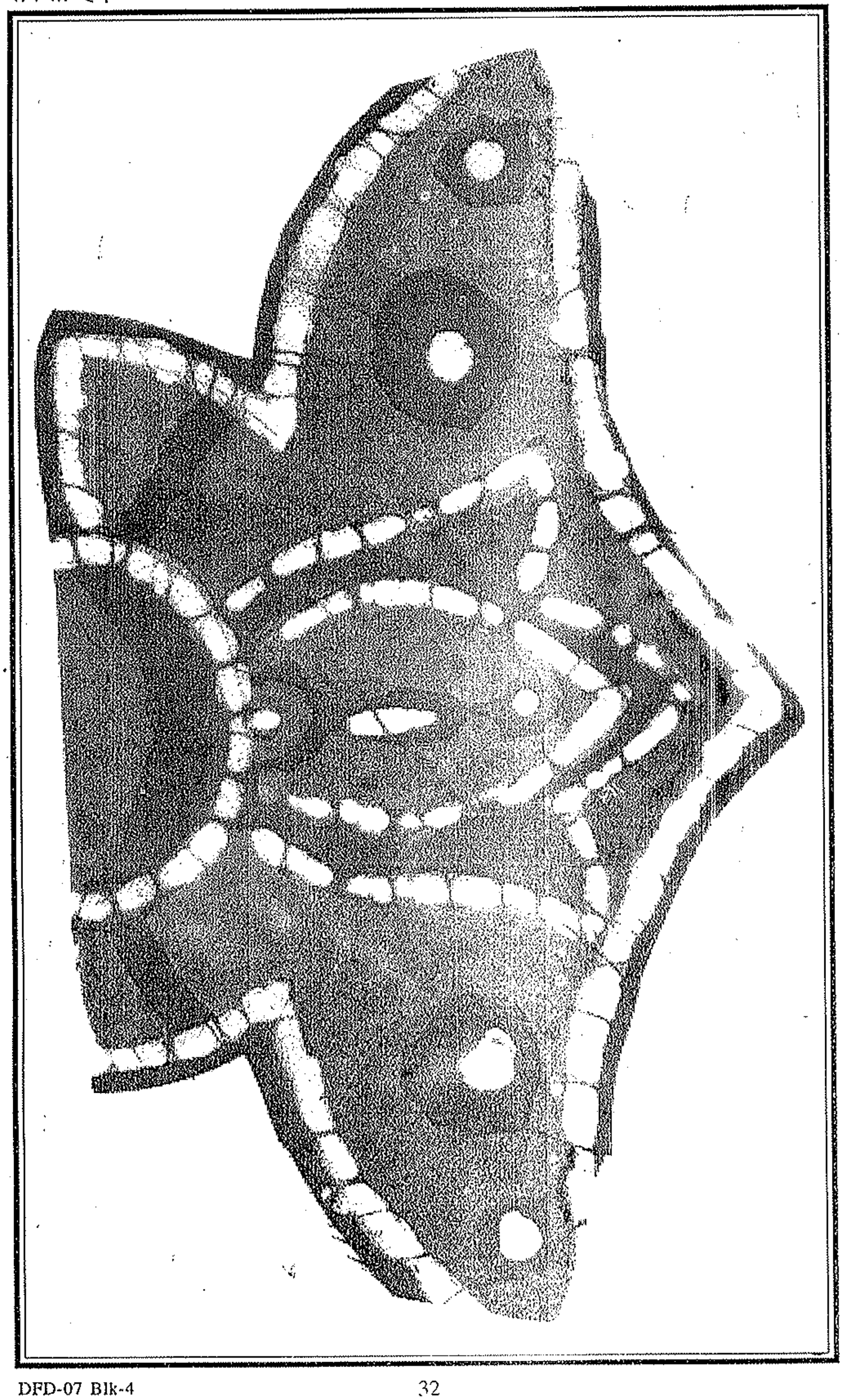

कपड़े रंगने की दूसरी विधि टाई एवं डाई है। टाई एवं डाई कपड़े के बाँधने पर जो कपड़ा ढ़ीला रहता है वह रंग सोख लेता है, इस तरह कपड़े के फोल्ड्स में रंग चला जाता है।

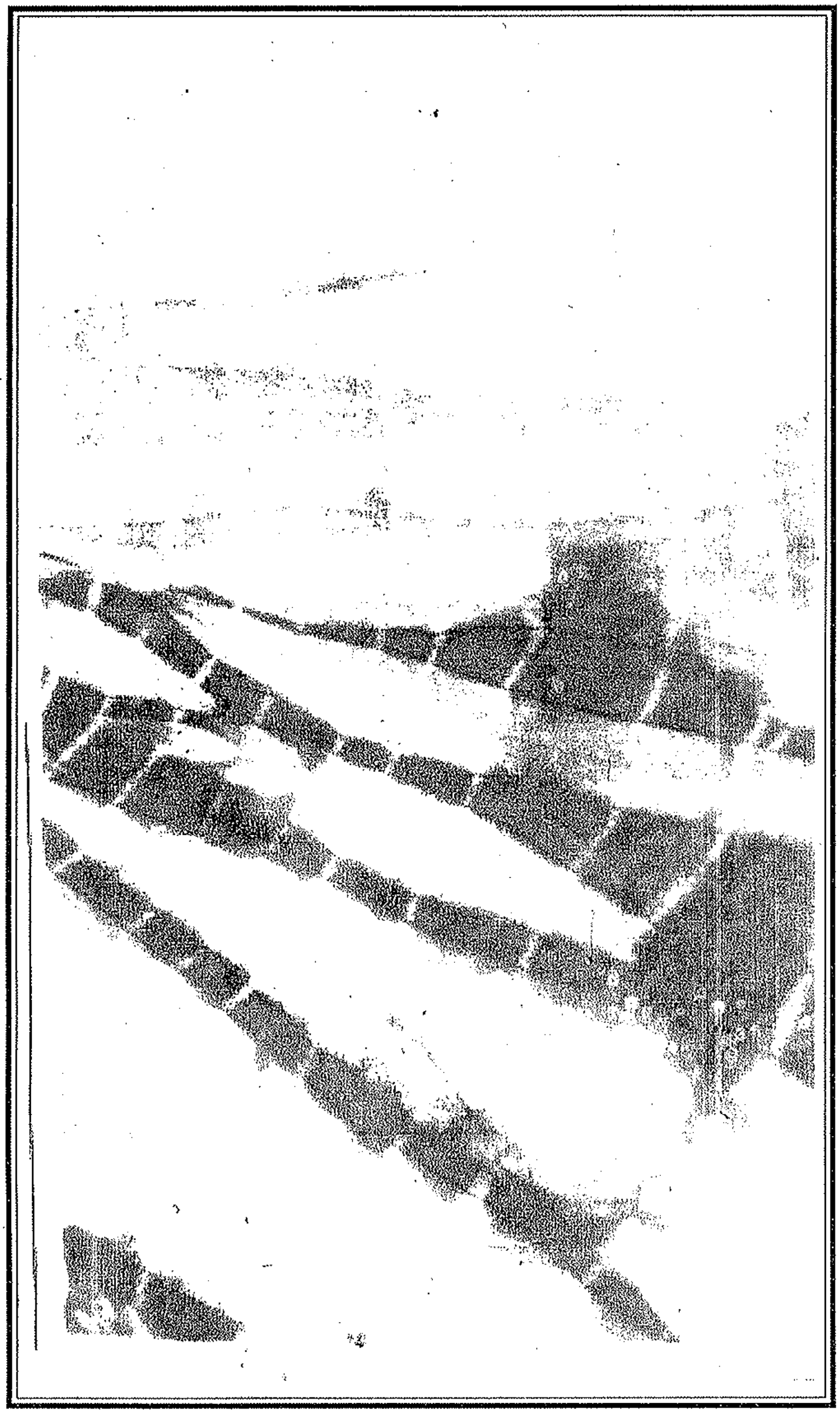

फैब्रिक का कुछ हिस्सा बाँध दिया जाता है जिससे उस भाग पर रंग न चढ़े। जब फैब्रिक रंग दिया जाता है तब रंग बिना किसी खास डिजाइन के और बिना किसी निश्चित लाइन के रंग चढ़ जाता है। इससे फैब्रिक को आगे फिर, और रंग भी बाँधने के बाद चढ़ाया जा सकता है।

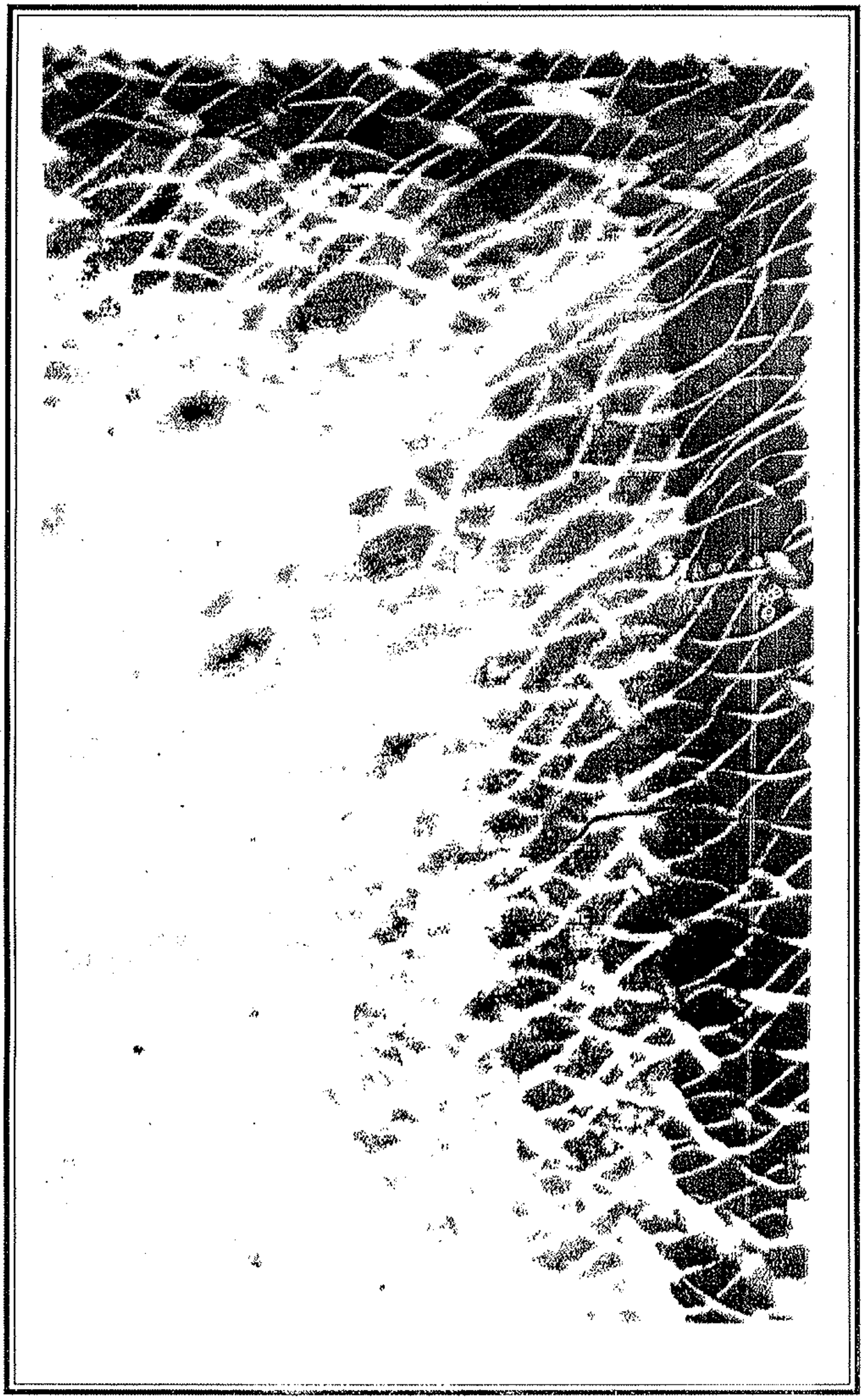

टाई एवं डाई कपड़े को रंगने का दूसरा तरीका है। इसमें गर्म डाईज का प्रयोग होता है। फैब्रिक को अलग–अलग तरीके से फोल्ड करके सूती धागे से बॉध दिया जाता है। तब इसे गर्म पानी में डाई करते हैं। कलर फास्टनेस के लिए गर्म पानी में नमक के साथ रंग मिलाया जाता है। कपड़े में चमक पाने के लिए विनेगर मिलाया जाता है। तब कपड़े को पहले ठंडे पानी में डिप किया जाता है और फिर इस खौलते पानी में डिप करते हैं। यह प्रक्रिया पॉच मिनट तक निरन्तर जारी रखते हैं। तब कपड़े को बाहर निकालते है और ठंडे पानी में तब तक रिंस करते है जब तक अतिरिक्त रंग बाहर नही निकल आता। इस प्रकार दूसरे रंग को करने के लिए टाई एवं डिप प्रक्रिया पुनः करते हैं।

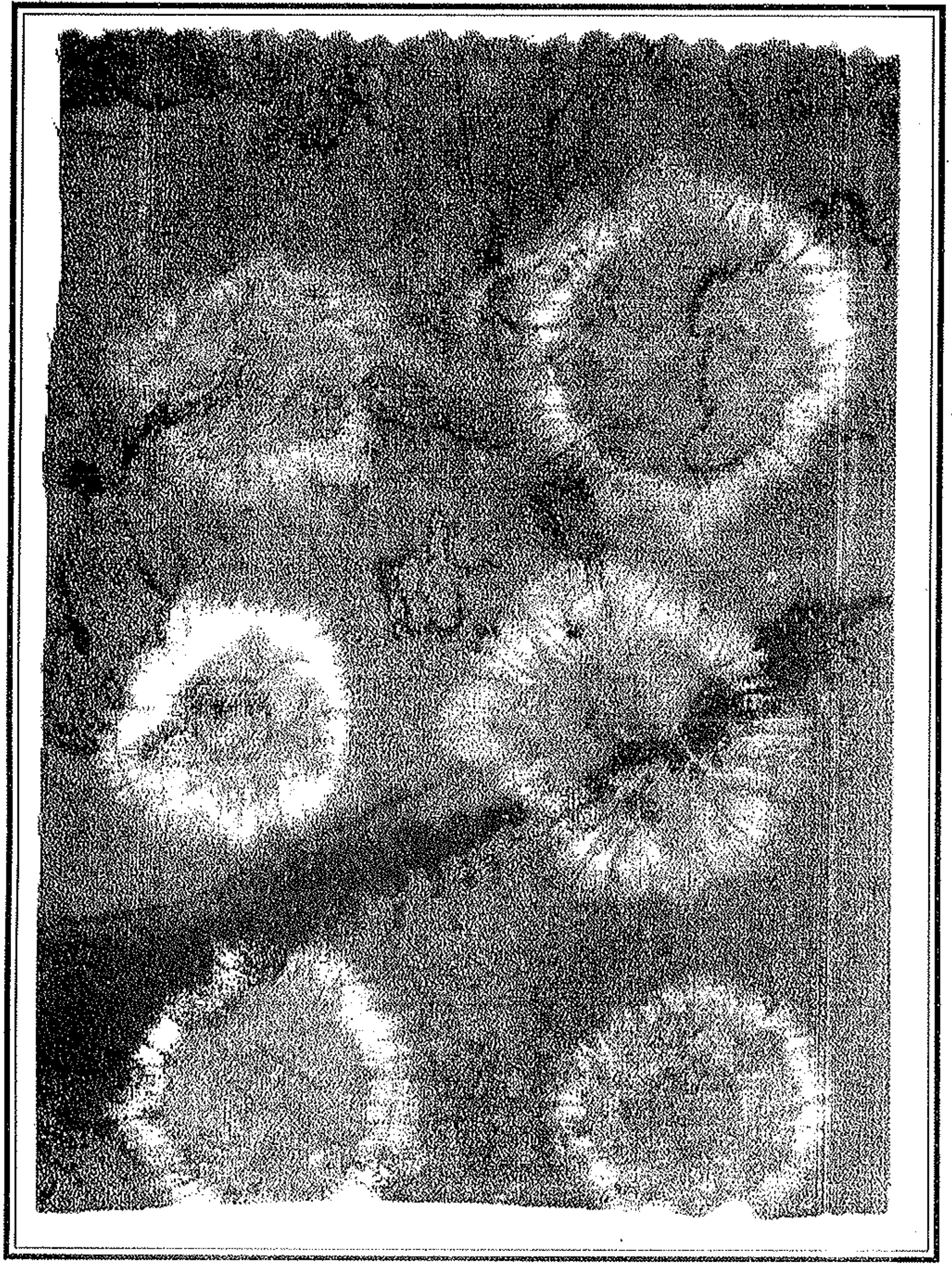

टाई एवं डाई रंग प्रक्रिया में हल्के रंग से गहरे रंग की ओर की जाती है। **उदाहरणार्थ**– पहले हल्के रंग जैसे पीला, फिर नॉरंगी, फिर लाल तब काला।

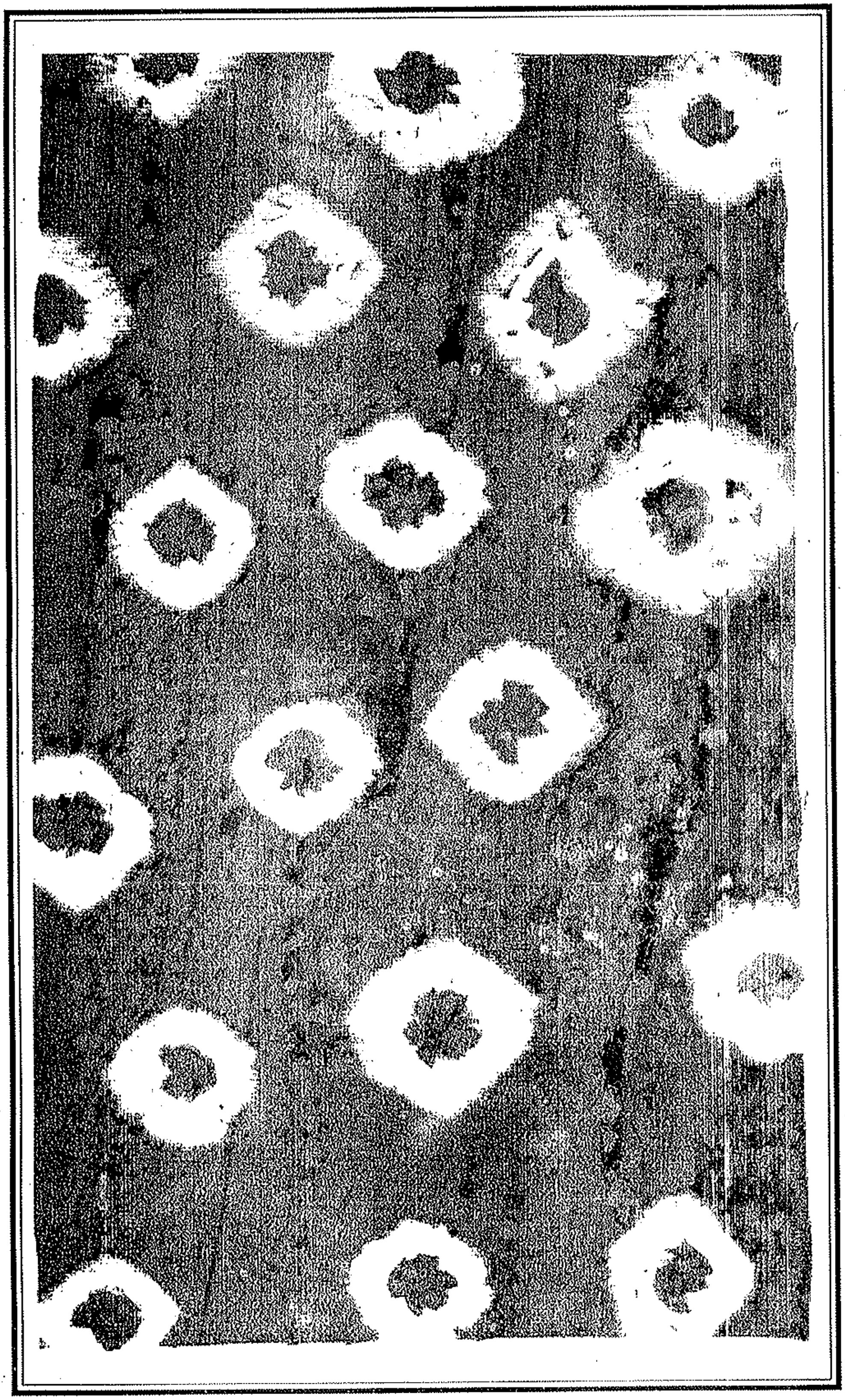

अभ्यास-

१– बाजार से बाटिक, टाई एवं डाई तथा हैन्ड पेन्टिंग किये कपड़ों के नमूने एकत्रित करें। फिर उन संग्रहों के डिजाइन कापी पर बनायें।

१४.४ सारांशः- फ्री–हैन्ड पेन्टिंग बिना कपड़े पर ट्रेसिंग किये की जाती है। ब्रश पर रंग लगाकर सीधा कपड़े पर रंग लगाया जाता है। इसके डिजाइन बोल्ड होते हैं। अधिकतर रंग को कपड़े पर फैलाकर बनाया जाता है।

बाटिक बहुत प्राचीन रंगने की कला है जो आज भी काम लाई जाती है। इसका मैटेरियल काफी देखकर तैयार किया जाता है जिससे फैब्रिक चमक के साथ गहरा रंग ले तथा मुलायम रहे।

बाटिक मे कलर स्कीम हल्के रंग से गहरे रंग मे लगाये जाते हैं।

दूसरा तरीका रंगने का टाई एवं डाई है। इसमें गीला रंग फैब्रिक के फोल्ड्स के बीच मे चला जाता है। रंग कपड़े पर बँधे या फोल्ड के ढ़ीलेपन पर निर्भर करता है।

१४.५ स्वनिर्धार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न–१ स्कर्ट के लिए फ्री–हैन्ड पेन्टिंग का डिजाइन बनायें।

प्रश्न–२ एक रंग के लिए बाटिक का डिजाइन बनायें।

प्रश्न–३ बाटिक के लिए दो रंग का डिजाइन बनायें।

प्रश्न–४ बाटिक का डिजाइन तीन रंग के लिए बनायें।

प्रश्न–५ दुपट्टे के लिए टाई एवं डाई का डिजाइन बनायें।

१४.६ स्वाध्ययन हेतु

१– ब्लॉक प्रिन्टिंग एवं डाइंग ऑफ बागरू राजस्थान, द्वारा बिज्वाय चन्द्र मोहन्ती और जगदीश प्रसाद मोहन्ती, प्रकाशन कैलिको म्यूजियम ऑफ टेक्सटाइल्स अहमदाबाद।

२– फैब्रिक आर्ट हेरिटेज ऑफ इन्डिया, द्वारा सुक्ला दास, प्रकाशन अभिनव पब्लिकेशन।

संरचना

१५.१ यूनिट प्रस्तावना

१५.२ उद्देश्य

१५.३ स्टेन्सिल, वेजीटेबल, स्क्रीन प्रिन्टिंग आदि के लिए डिजाइन की रचना करना

१५.४ सारॉश

१५.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

१५.६ स्वाध्ययन हेतु

१५.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

इस यूनिट में आपको वेजीटेबिल प्रिन्टिंग, स्क्रीन प्रिन्टिंग, स्टेन्सिल आदि के डिजाइन बनाना बताया गया है।

१५.२ उद्देश्यः-

ये बहुत सरल तरीके हैं जिनसे व्यक्तिगत रूप से विभिन्न प्रकार के डिजाइन बनाये जा सकते हैं। डिजाइन की रचना एवं माध्यम का प्रयोग अति महत्वपूर्ण है।

१५.३ स्टेन्सिल, वेजीटेबिल, स्क्रीन प्रिन्टिंग आदि के लिए डिजाइन की रचना करना

स्टेन्सिल द्वारा पेपर को मोड़कर और मोड़ के किनारों की लाइन से सरल तरीकों से काटकर आप संतुलित डिजाइन की रचना कर सकते हैं।

स्टेन्सिल फ्लोराल डिजाइन पर भी काटे जा सकते हैं। डिजाइन किसी भी तरह का हो सकता है।

इसमें ध्यान रखने की बात केवल यह है कि डिजाइन में प्रत्येक आकार काफी करीब हो, और दो आकारों के बीच में एक सीमित दूरियॉ हों।

नीचे दिये गये कागज के कटे पैटर्न पेपर को इलस्ट्रेट कैसे करते हैं पर दिये

गये हैं। यह डॉटेड लाइन पर मोड़ा गया है। तब ये आकार फोल्डेड लाइन के साथ काटे गये हैं। गोलकार एक आफिस पंचिंग मशीन के द्वारा बनाये गये हैं। जब आप फोल्ड को खोलेंगे तो यह नीचे दिये गये डिजाइन की तरह दिखेगा।

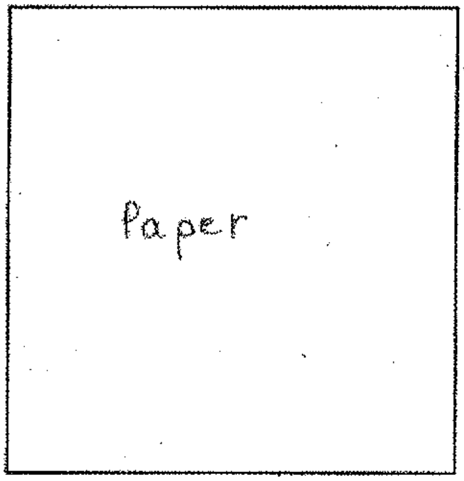

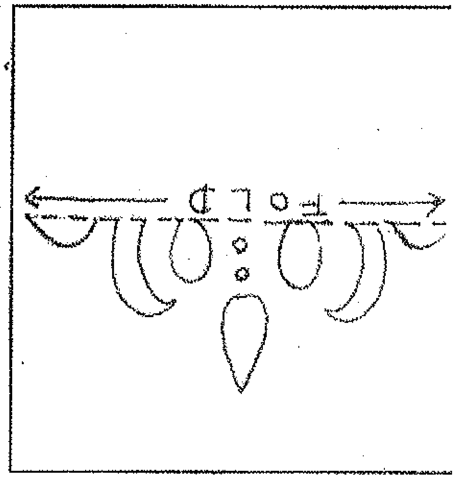

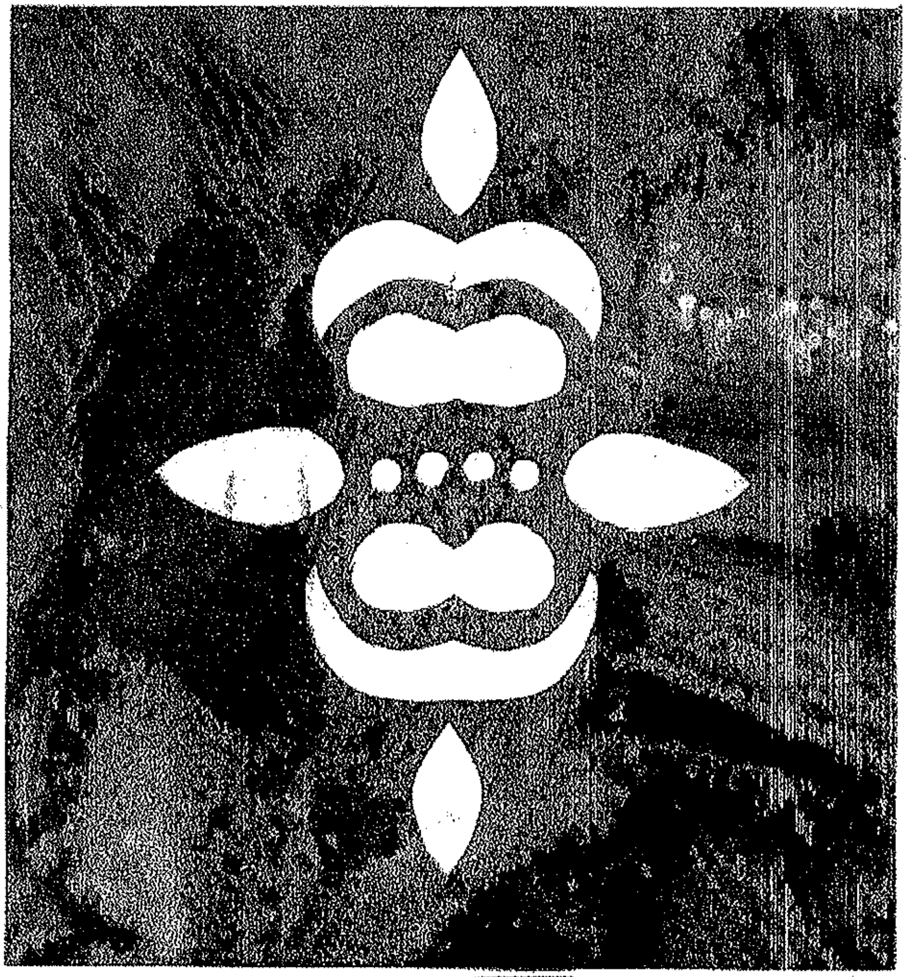

नीचे दिये गये कटे पैटर्न पेपर को इलस्ट्रेट करता है और इसमें दिखाया गया है कि इन्हे डाइगोनली, डॉटेड लाइन के साथ कैसे मोड़ा गया है। तब इन कर्वड आकारो को डाइगोनल फोल्डेड लाइन के साथ काटा गया है। गोल आकार एक आफिस पंचिंग मशीन के द्वारा बनाया गया है। जब आप फोल्ड खोलेगें तो डिजाइन नीचे दिये गये नमूने की तरह दिखेगा।

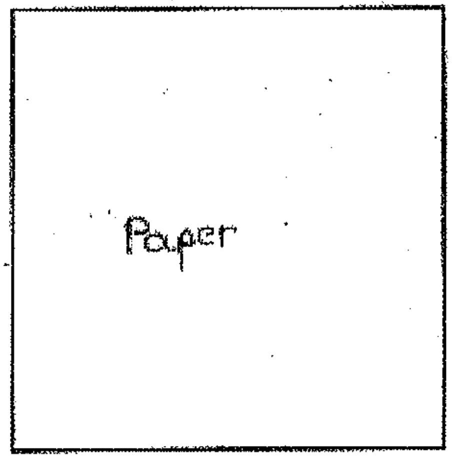

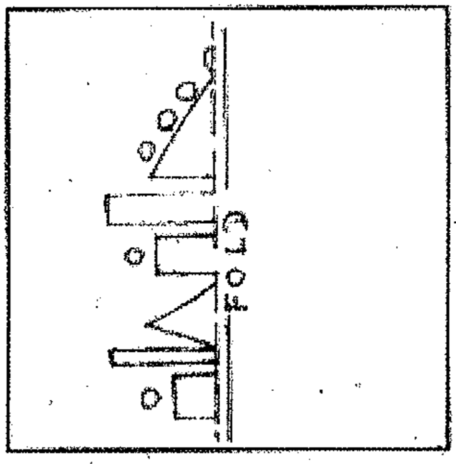

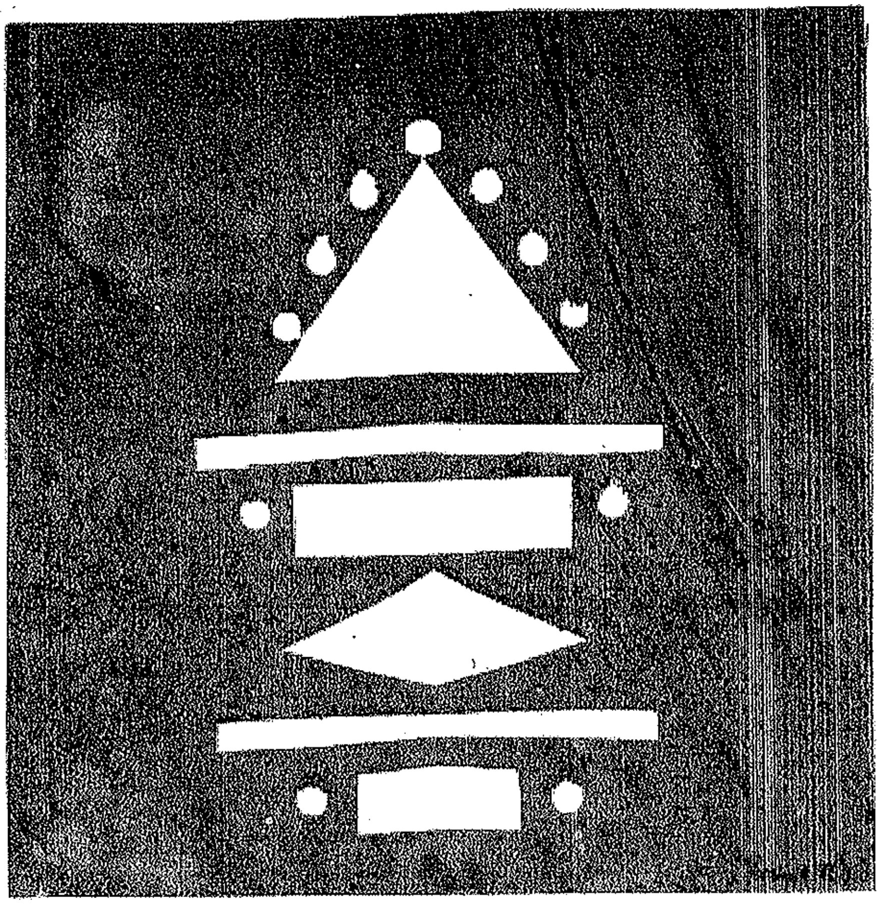

नीचे दिये गये कटे पैटर्न पेपर को इलस्ट्रेट करता है और इसमें दो बार पेपर को डॉटेड लाइन के साथ मोड़ा गया है। तब ये आकार दोनो फोल्डेड लाइन के साथ काटे गये हैं और कुछ कट किनारो पर बने हैं। गोल आकार एक ऑफिस पंचिंग मशीन का प्रयोग करके बनाया गया है। जब आप फोल्ड को खोलेगें तो यह नीचे दिये गये डिजाइन की तरह दिखेगा।

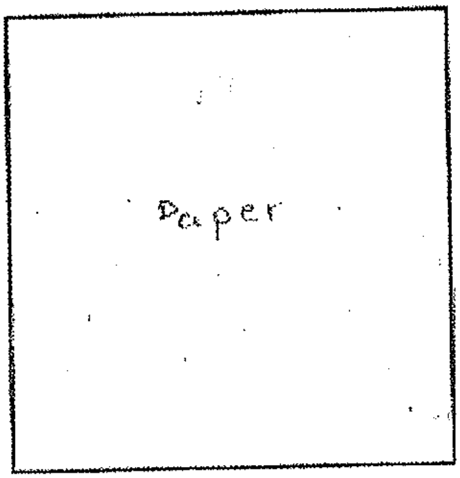

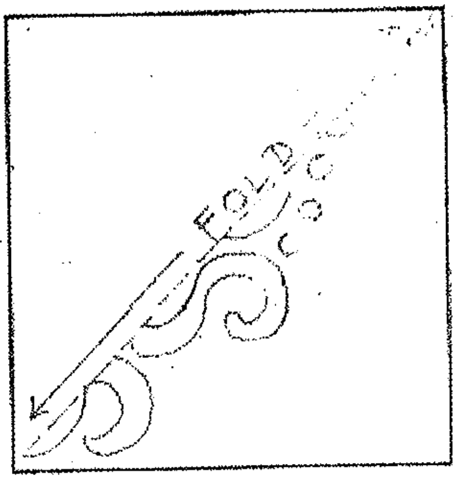

नीचे दिया गया कटा पैटर्न पेपर को इलस्ट्रेट करता है और यह डॉटेड लाइन के साथ होरिजेन्टली मोड़ा गया है। तब इन आकारों को होरिजेन्टली फोल्ड के साथ काटा गया है। गोल आकार को एक आफिस पंचिंग मशीन के द्वारा बनाया गया है। जब आप फोल्ड को खोलेगें तो यह नीचे दिये गये डिजाइन की तरह दिखेगा।

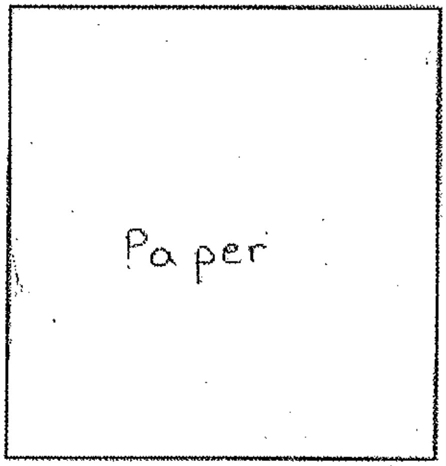

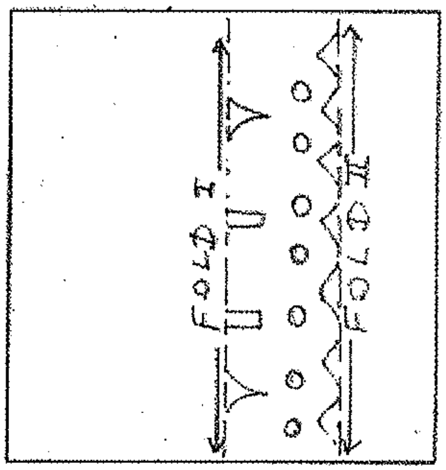

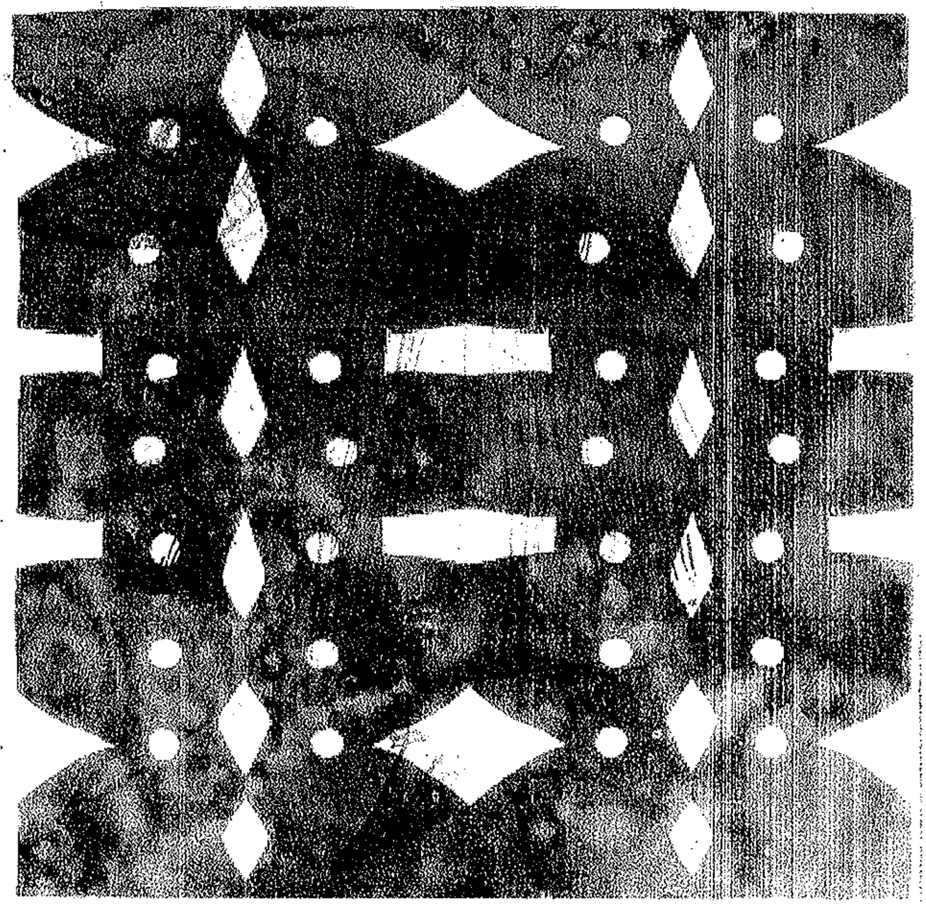

हस्त ब्लॉक प्रिन्टिंग, डाइंग और पेन्टिंग, आकर्षक महंगे रंगो और पैटर्न से सेपरेटली या कम्बीनेट करके उत्पादन करने की भारत में प्राचीन कला है। यह कला भारत में विभिन्न स्थानों पर विभिन्न प्रोसीड्यूरल तकनीक द्वारा सामाग्रियो और यंत्रो से आकर्षक वस्त्रो के उत्पादन में बढ़ रही है।

टाई एवं डाई कपड़े पर ब्लॉक प्रिन्टिंग का एक उदाहरण

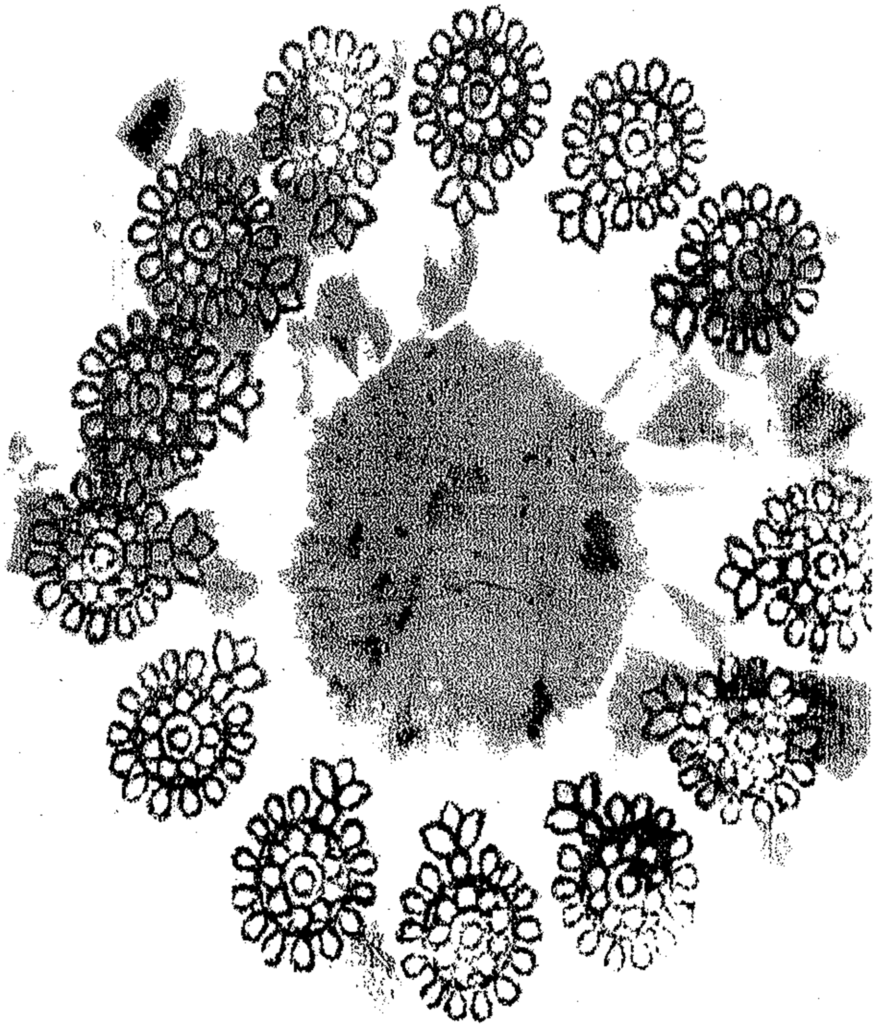

लकड़ियों के ब्लॉकों का प्रयोग करके कपड़े पर पैटर्न बनाना सबसे सरल तरीका है। ब्लॉक प्रिन्टिंग तकनीक चीनियों और भारतियों द्वारा लगभग दो हजार वर्ष पूर्व से जानी जाती है। यह मोटे लकड़ी के ब्लॉक से कार्विंग की जाती है इसलिए पैटर्न डिजाइन पर उभर कर आता है।

इस ब्लॉक को रंग लगाकर, कपड़े पर दाब देकर पैटर्न छापा जाता है। ब्लॉक प्रिन्टिंग मे बहुत बारीक डिजाइन बनाये जा सकते हैं जहाँ आकर्षक पैटर्न बनाने में इनका प्रयोग किया जाता है। आजकल ब्लॉक प्रिन्टिंग के स्थान पर मशीन प्रिन्टिंग की जाती है। पूरी दुनिया में इस तरह की छपाई की जाती है। यह रोलिंग प्रिन्टिंग के नाम से जानी जाती है।

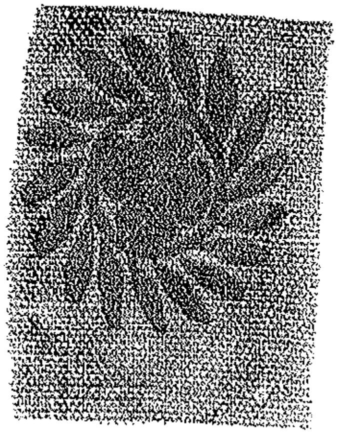

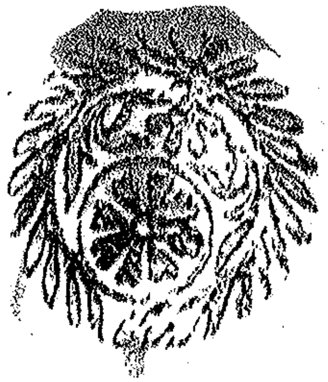

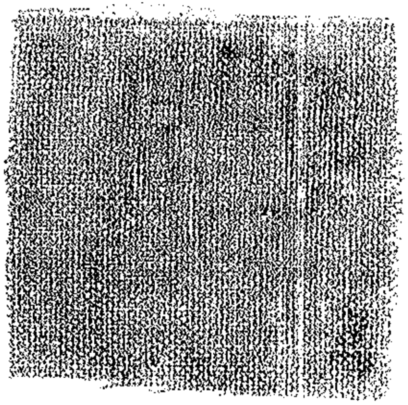

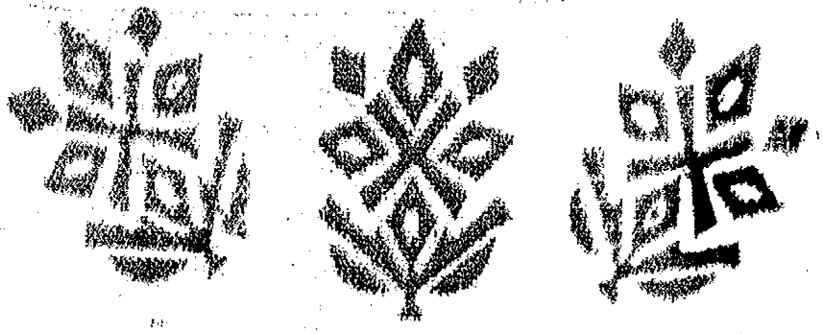

कपड़े पर छपाई के लिए लकड़ी के ब्लॉक का प्रयोग सबसे आसान तरीका है। चीन तथा भारत में दो सौ वर्ष पूर्व से ही ब्लॉक प्रिन्टिंग के बारे में जाना जाता है। यह लकड़ी पर डिजाइन बनाकर उसके चारो ओर की लकड़ी को ही कर्व करके निकाल दिया जाता है। डिजाइन उभर कर आ जाता है। ब्लॉक को रंग में लगाकर कपड़े पर दबाव डालकर छापा जाता है। इस रंगीन पैटर्न कपड़े पर आ जाता है।

ब्लॉक प्रिन्टिंग से बहुत बारीक डिजाइन बनाये जा सकते हैं। जहाँ आकर्षक पैटर्न बनाना होता है वहाँ इसका प्रयोग करते हैं।

प्रयोग की जाने वाली वस्तुऐंः-

१- **कपड़ाः-**

जो कपड़ा प्रयोग मे आता है वह शुद्ध प्राकृतिक फाइबर होना चाहिए। कपड़ा चाहे सूती हो या सिल्क उसे पहले धोकर इस्त्री करना चाहिए। इससे छपाई एक बराबर आती है एवं रंग पक्के रहते हैं। छापने के बाद ४८ घन्टे कपड़े को छोड़ देना चाहिए। फिर उल्टी तरफ से गर्म प्रेस से इस्त्री करना चाहिए इससे रंग ठीक तरह पक्के हो जाते हैं।

२- **रंगः-**

एक्रामिन डाईज का प्रयोग होता है। यह जलीय होते हैं और प्रयोग करने के लिए सरल एवं दीर्घकालिक होते हैं। ये बाइन्डर के डाई रंग और एक्राफिक्स (डाई फिक्सर) मिलाकर बनाये जाते हैं। रंग मिलाने की मात्रा एवं विधि नीचे दी जा रही है।

छः बड़े चम्मच बाइन्डर+दो छोटे चम्मच एक्राफिक्स+आधा छोटा चम्मच डाई रंग

ऊपर दिये गये तरीके से अच्छी तरह मिलायें जिससे रंग ठीक से और बराबर मात्रा में मिल जाये। अतिरिक्त रंग को एक हवा रहित पात्र में रखे और सूर्य के प्रकाश से दूर रखें।

३- **स्पोन्जः-**

बराबर मात्रा में कलर उठाने के लिए स्पोन्ज का प्रयोग करते हैं। प्रयोग किये जाने वाला स्पोन्ज १ से०मी० की मोटाई का होना चाहिए। ब्लॉक से थोड़ा बड़ा टुकड़ा लेना चाहिए। इसे भिगाएँ और एक चौड़े प्लेट में रखे और तब इस पर रंग फैलायें।

४- **ब्लॉकः-**

ये लकड़ी पर कुरेदे गये डिजाइन के टुकड़े होते हैं जो कपड़े पर छपाई के लिए प्रयोग किये जाते हैं। ब्लॉक्स एक रंग के हो सकते हैं। दो रंग तथा तीन रंग के डिजाइन के लिए भी ब्लॉक्स बनाये जा सकते हैं। इनका प्रयोग एकल या कम्बीनेशन सेट्स के लिए भी किया जा सकता है।

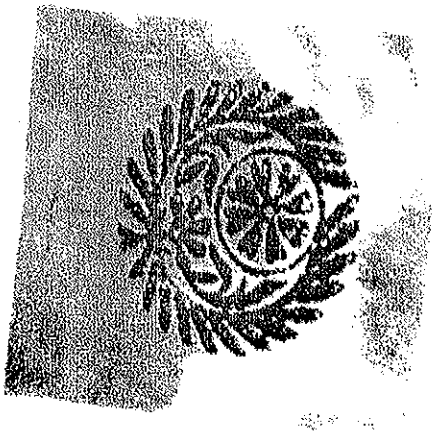

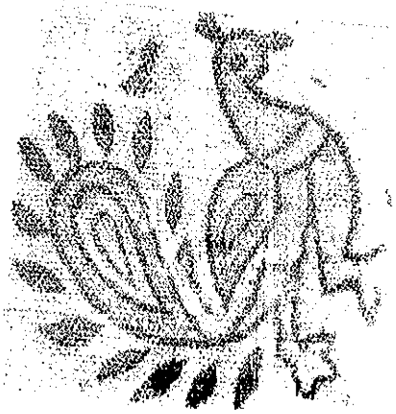

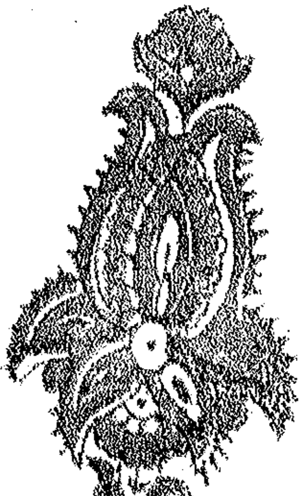

स्क्रीन प्रिन्टिंग, स्टेन्सिल प्रिन्टिंग का एक उन्नत रूप है। साधरण स्टेन्सिल को लकड़ी के फ्रेम पर फास्टेन्ड करके नॉयलान फैब्रिक से बनाया जा सकता है। स्क्रीन इनामेल से कोटेड की जाती है जहाँ वे पैटर्न के अनुसार कई भागों में छाप दिये जाते हैं।

प्रत्येक रंग के लिए एक अलग स्क्रीन की जरूरत होती है। स्क्रीन को चीपली बनाया जाता है और अन्त मे कपड़े पर जहाँ आवश्यकता होती है, चलाया जाता है। कपड़े को एक खुले चौड़ाई के लम्बे फैब्रिक पर फ्लैट करके रखा जाता है। स्क्रीन को फैब्रिक पर छोड़ा जाता है और रंग को एक स्क्वीजी से दबाव डालकर पेस्ट किया जाता है। इस प्रक्रिया में स्क्रीन को उठाया जाता है और अगले स्थान के लिए जहाँ पैटर्न की जरूरत होती है छोड़ा जाता है।

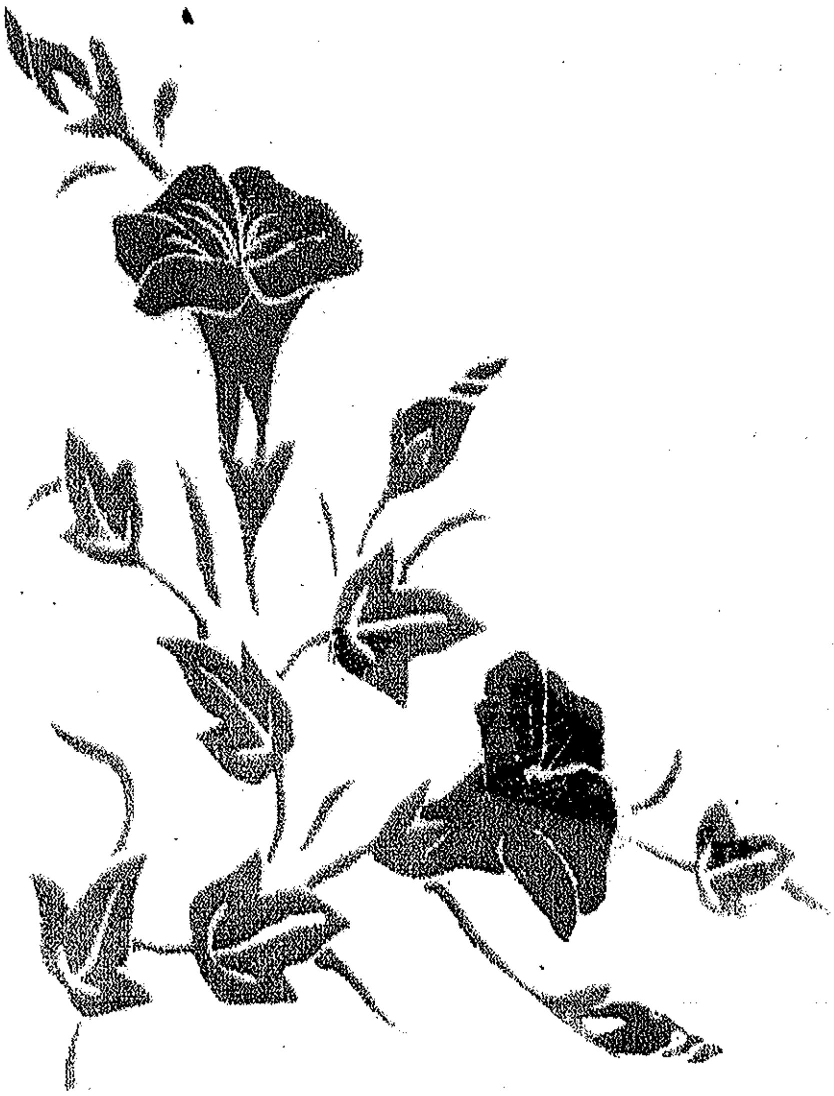

जबकि दूसरा ऑपरेटिव पैटर्न के दूसरे रंगीन भाग के साथ कमेन्स्ड होता और पहले ऑपरेटिव का अनुसरण करता है। अनेको रंगो के अनुसार जो इस पर किया जायेगा, ऑपरेटिव का एक सफल अनुसरण एक दूसरे से तब तक होगा जब तक वस्त्र पूरी तरह पैटर्न से ढ़क नही जाता।

फैब्रिक रोलर प्रिन्टिंग की तरह स्टीम की जाती है। स्क्रीन प्रिन्टिंग के डिजाइन बहुत अच्छे लगते हैं। रोलर प्रिन्टिंग के मुकाबले बहुत अच्छे लगते हैं। स्क्रीन प्रिन्टिंग से १४ या १६ रंगों का डिजाइन भी तैयार किया जा सकता है।

इस प्रकार स्क्रीन प्रिन्टिंग बहुत ही अधिक लोकप्रिय हो गई है। इसकी खास बात है कि स्क्रीन प्रिन्टिंग पैटर्न सस्ते तथा जल्दी तैयार हो जाते हैं।

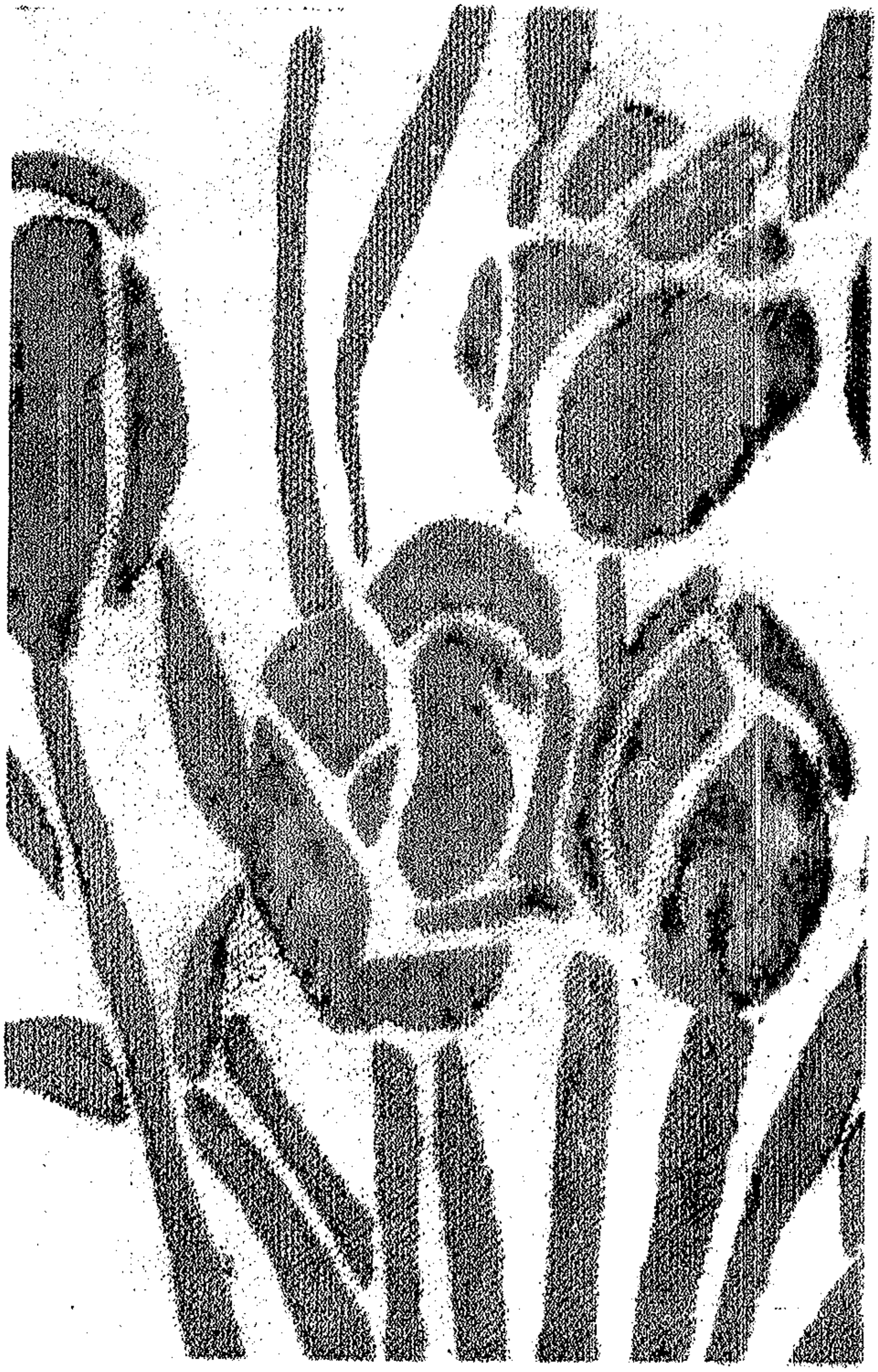

वेजीटेबिल प्रिन्टिंग ब्लॉक प्रिन्टिंग की तरह है। इसमें हम वेजीटेबिल से ब्लॉक तैयार कर सकते हैं। इस यूनिट में सब्जी से ब्लॉक कैसे तैयार किया जाता है, बताया गया है।

वेजीटेबिल से ब्लॉक बनाकर लकड़ी के ब्लॉक प्रिन्टिंग के लिए कैसे प्रयोग करते हैं यह कन्सेप्ट क्लीयर हो जायेगा।

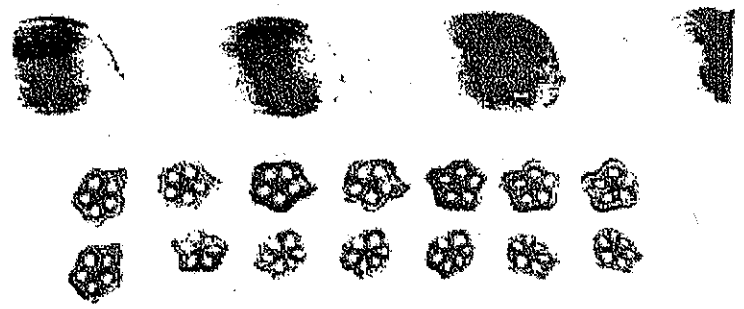

जैसा कि नाम से पता चलता है वेजीटेबिल ब्लॉक सब्जी को काटकर बनाये जाते हैं जैसे आलू, प्याज, भिन्डी आदि। शिमला मिर्च से भी ब्लाक बनता है। वेजीटेबिल काटकर डिजाइन की ऊपरी सतह पर रंग लगाकर कपड़े पर छापा जा सकता है।

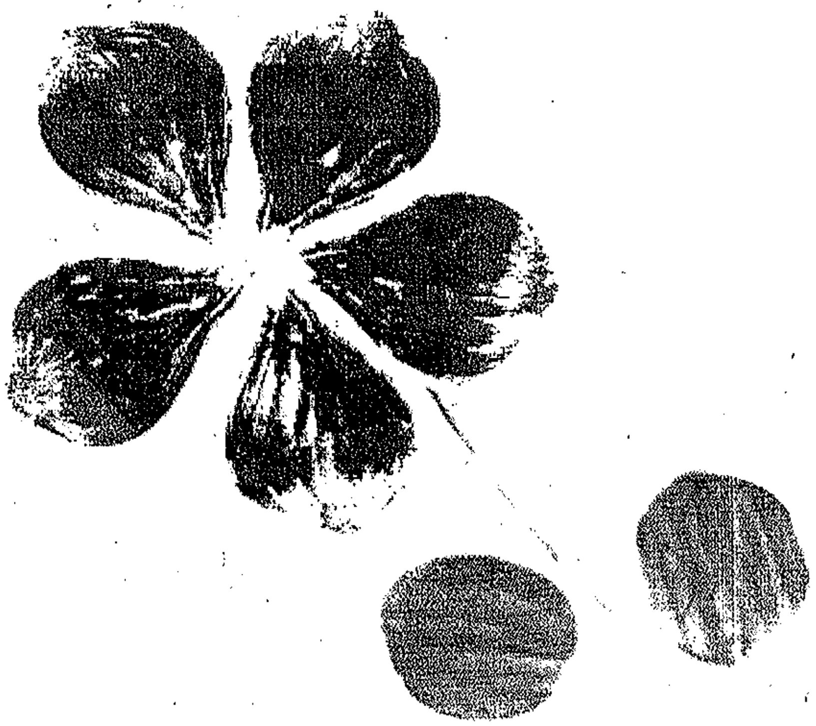

सब्जियों को काटना भी एक कला है। आपकी रचनात्मक क्षमता की जरूरत यहाँ होती है। भिन्डी, प्याज और शिमला मिर्च का अपना टेक्सचर होता है। आलू को आप जैसा आकार देना चाहें दे सकते हैं।

भिन्डी से छापना शुरू करते हैं। भिन्डी लें उसे क्षैतिज काटें। अब पोस्टर रंग लगाकर कागज पर उसे छाप दें। याद रखें जब कागज पर छापना हो तो पोस्टर कलर का प्रयोग करें और जब आप इनका इस्तेमाल कपड़े पर करें तो फैब्रिक कलर का प्रयोग करें। अब दिखाये गये तरीके से छाप बनायें।

अब एक शिमला मिर्च से छापें। एक शिमला मिर्च लें और उसे क्षैतिज काटें। पोस्टर कलर लगायें और उसके प्रभाव को एक कागज पर लें। दिखाये गये तरीके से उसका प्रभाव छापें।

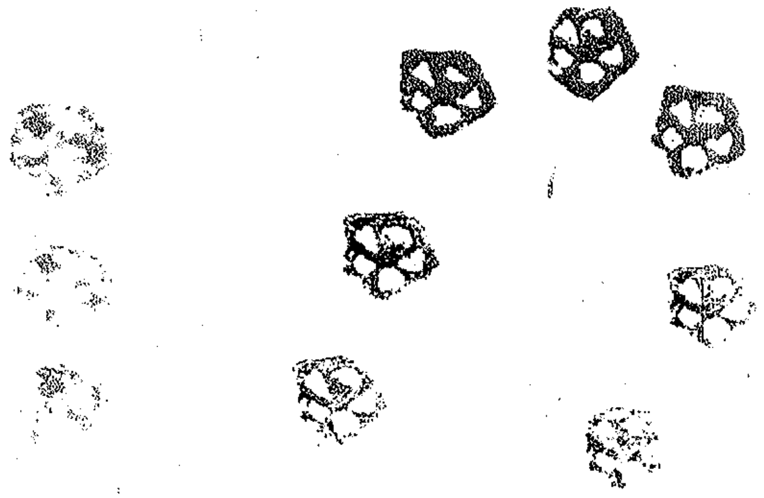

अब सर्वप्रथम एक स्ट्रे बोर्ड बनायें। शीर्षक से मिलते–जुलते फोटोग्राफ और तस्वीरे लें और एक कोलाज बनायें। एक नमूना दिखाया गया है।

कोलाज पर तितलियाँ स्वतंत्र हैं......................

अब एक पतली स्ट्रिप काटे और इम्प्रेशन बनायें.........................

अब एक हीरे को काटें और उसका प्रभाव लें...........................

अब एक त्रिकोण काटें और उसका प्रभाव लें............................

अभ्यास

१—. वेजीटेबल, ब्लॉक और स्क्रीन प्रिन्ट के वस्त्रों को देखें। डिजाइन को कॉपी करें।

१५.४ सारांशः-

स्टेन्सिल द्वारा पेपर को मोड़कर और मोड़ के किनारों की लाइन से सरल तरीकों से काटकर आप संतुलित डिजाइन की रचना कर सकते हैं।

इसमें ध्यान रखने की बात केवल यह है कि डिजाइन में प्रत्येक आकार काफी करीब हो, एवं दो आकारों के बीच में एक सीमित दूरियॉ हों।

हस्त ब्लॉक प्रिन्टिंग, डाइंग और पेन्टिंग, आकर्षक महंगे रंगो और पैटर्न से सेपरेटली या कम्बीनेट करके उत्पादन करने की भारत में प्राचीन कला है। यह कला भारत में विभिन्न स्थानों पर विभिन्न प्रोसीड्यूरल तकनीक द्वारा सामाग्रियो और यंत्रो से आकर्षक वस्त्रो के उत्पादन में बढ़ रही है।

स्क्रीन प्रिन्टिंग, स्टेन्सिल प्रिन्टिंग का एक उन्नत रूप है। साधरण स्टेन्सिल को लकड़ी के फ्रेम पर फास्टेन्ड करके नॉयलान फैब्रिक से बनाया जा सकता है। स्क्रीन इनामेल से कोटेड की जाती है जहॉ वे पैटर्न के अनुसार कई भागों में छाप दिये जाते हैं। प्रत्येक रंग के लिए एक अलग स्क्रीन की जरूरत होती है।

वेजीटेबिल प्रिन्टिंग ब्लॉक प्रिन्टिंग की तरह है। इसमें हम वेजीटेबिल से ब्लॉक तैयार कर सकते हैं। वेजीटेबिल से ब्लॉक बनाकर लकड़ी के ब्लॉक प्रिन्टिंग के लिए कैसे प्रयोग करते हैं, यह कन्सेप्ट क्लीयर हो जायेगा।

१५.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न—१ एक स्टेन्सिल डिजाइन बनायें।

प्रश्न—२ स्क्रीन प्रिन्टिंग के लिए एकल रंग की डिजाइन बनायें।

प्रश्न—३ स्क्रीन प्रिन्टिंग के लिए दो रंग की डिजाइन बनायें।

प्रश्न—४ स्क्रीन प्रिन्टिंग के लिए चार रंग की डिजाइन बनायें।

प्रश्न—५ मेजपोश के लिए वेजीटेबल से एक डिजाइन बनायें।

१५.६ स्वाध्ययन हेतु

१— ब्लॉक प्रिन्टिंग एवं डाइंग ऑफ बागरू राजस्थान, द्वारा बिज्वाय चन्द्र मोहन्ती और जगदीश प्रसाद मोहन्ती, प्रकाशन कैलिको म्यूजियम ऑफ टेक्सटाइल्स अहमदाबाद।

२— फैब्रिक आर्ट हेरिटेज ऑफ इन्डिया, द्वारा सुक्ला दास, प्रकाशन अभिनव पब्लिकेशन।

संरचना

१६.१ यूनिट प्रस्तावना

१६.२ उद्देश्य

१६.३ स्टोरी बोर्ड बनाना

१६.४ सारॉंश

१६.५ स्वर्निधार्य प्रश्न/अभ्यास

१६.६ स्वाध्ययन हेतु

१६.१ यूनिट प्रस्तावनाः-

स्टोरी बोर्ड बनाना डिजाइनिंग ऐस्पेक्ट का एक भाग है। इस यूनिट में यह बताया गया है कि एक स्टोरी बोर्ड कैसे बनाया जायेगा। डिजाइनों से प्रेरणा लें और स्टोरी बोर्ड का प्रयोग करके वस्त्रों के लिए डिजाइन बनायें।

१६.२ उद्देश्यः-

डिजाइनिंग का यह तरीका नई डिजाइन की रचना को बढ़ाता है, क्योंकि इन्नोवेटिव डिजाइन एक निरन्तर डिजाइन प्रोसेस है जिसमें एक सोच दूसरी की ओर अग्रसर करती है, जिससे यूनिक डिजाइन की रचना के बेहतर परिणाम मिलते हैं।

१६.३ स्टोरी बोर्ड बनानाः-

इसे हम एक उदाहरण लेकर समझने का प्रयास करते हैं। अपनी डिजाइन की प्रेरणा के लिए एक स्लोगन या एक विचार या एक मुहावरे को लें। यह नीचे दिए गये प्ररूप की तरह कुछ भी हो सकता है।

स्वतंत्र तितलियाँ

अब हम एक प्याज से छपाई करते हैं। एक प्याज लें और इसे बेड़े रूप में काटें। अब टुकड़े पर पोस्टर कलर लगायें और कागज पर उसका प्रभाव लें। अब और प्याज आधा काटें और नीचे दिखाये गये तरीके से उसके प्रभाव को छापें।

अब एक आलू से छपाई करें। आलू को बेड़े रूप में काटें। अब उस पर पोस्टर कलर लगायें और पेपर पर उसका प्रभाव छापें। अब आलू को आधा काटें और नीचे दिखाये गये तरीके से उसके प्रभाव को छापें।

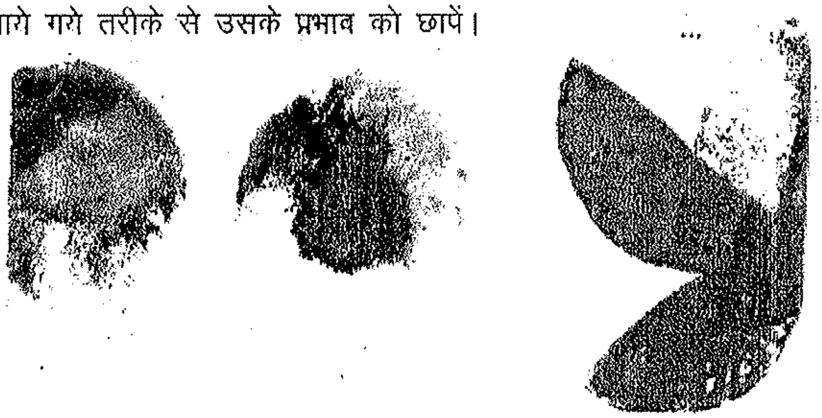

अब आलू छोटे टुकड़े में दिखाये गये तरीके से काटें और उसका प्रभाव छापें।

कोलाज़ को ध्यानपूर्वक देखकर इसके जो आकार आपको सबसे अच्छा लगे वह ले लें। एक साधारण ट्रेसिंग पेपर लें और उस रेखा को ट्रेस कर लें जिसका आपको अभ्यास करना है। याद रखे कि आप उसी लाइन का चुनाव करेगें जो आपकी रचनात्मक क्षमता के अनुसार हो। चुनाव और ट्रेस करने योग्य लाइनें नीचे उदाहरण के रूप मे दिखाई गई हैं।

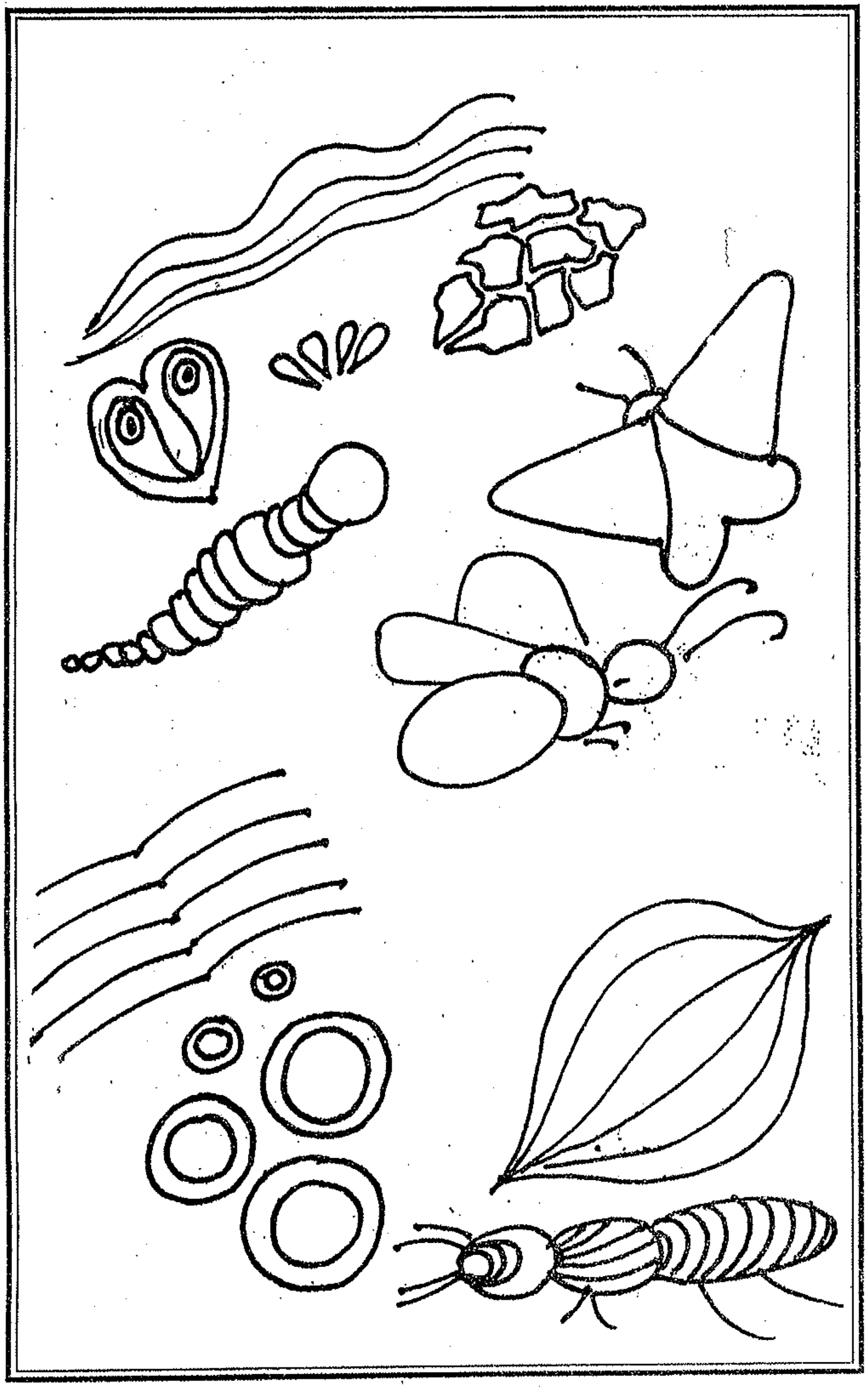

आइयें डिजाइनिंग के लिए कुछ और अकारों का चुनाव करें।

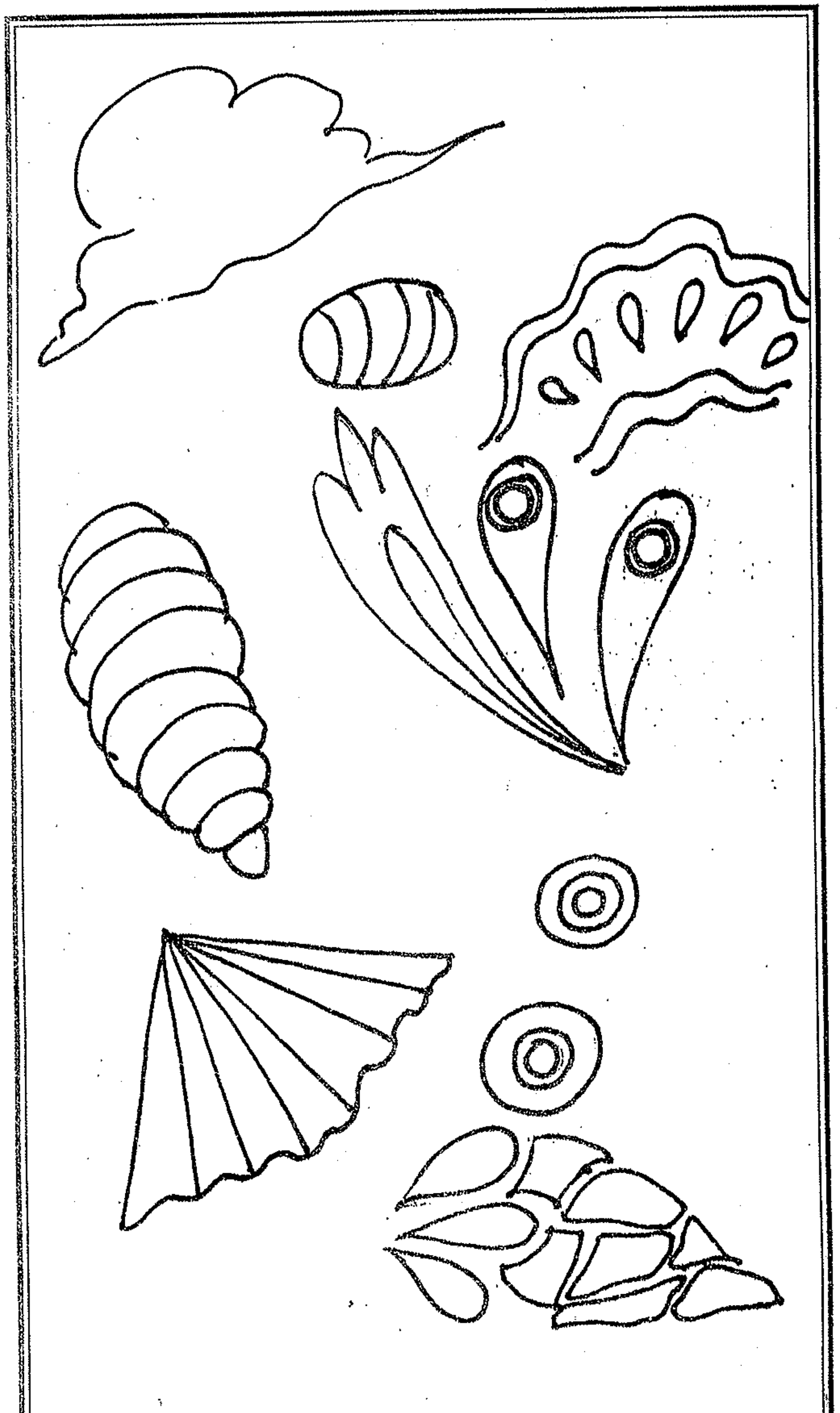

डिजाइनिंग शुरू करने से पहले आपको निश्चित करना होगा की आप क्या डिजाइन करने जा रहे हैं। अब हम अपने मॉडेल को उसकी उम्र, फिगर, कार्य प्रणाली एवं रहन–सहन के तौर तरीके को दर्शाते हुए बनायें। आइये एक कोलाज बनाते हुए ऐसा करने की कोशिश करें।

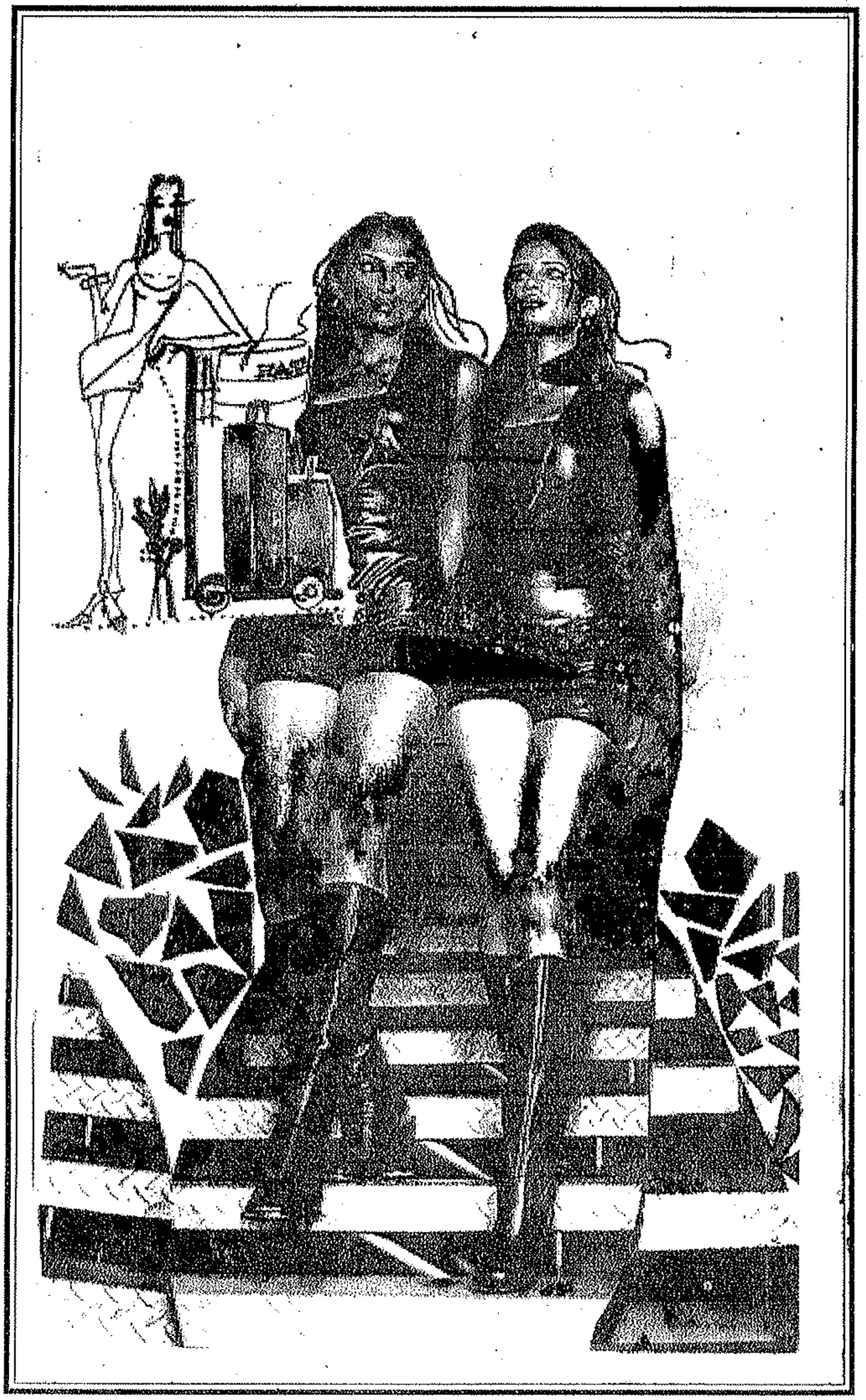

अब अपने इस मॉडेल के लिए पूर्व में रची गई डिजाइन की लाइनों का प्रयोग करके वस्त्र के लिए डिजाइन करें। कोलाज की जीवनशैली एक लगभग २५ वर्ष की उम्र की काम करती लड़की को दर्शाता है, जो एक खेल खेलती है, अनेको स्थान का भ्रमण करती है और एक तीव्र जीवनशैली व्यतीत करती है। निश्चित रूप से ऐसी लड़की के लिए वार्डरोब काम पर जाने के लिए प्रयोगिक होनी चाहिए। आइये उसके प्रतिदिन पहनने के लिए कुछ ड्रेसेस डिजाइन करें। अब उसके लिए कुछ रफ स्केचेस हेतु लाइनों का प्रयोग करें।

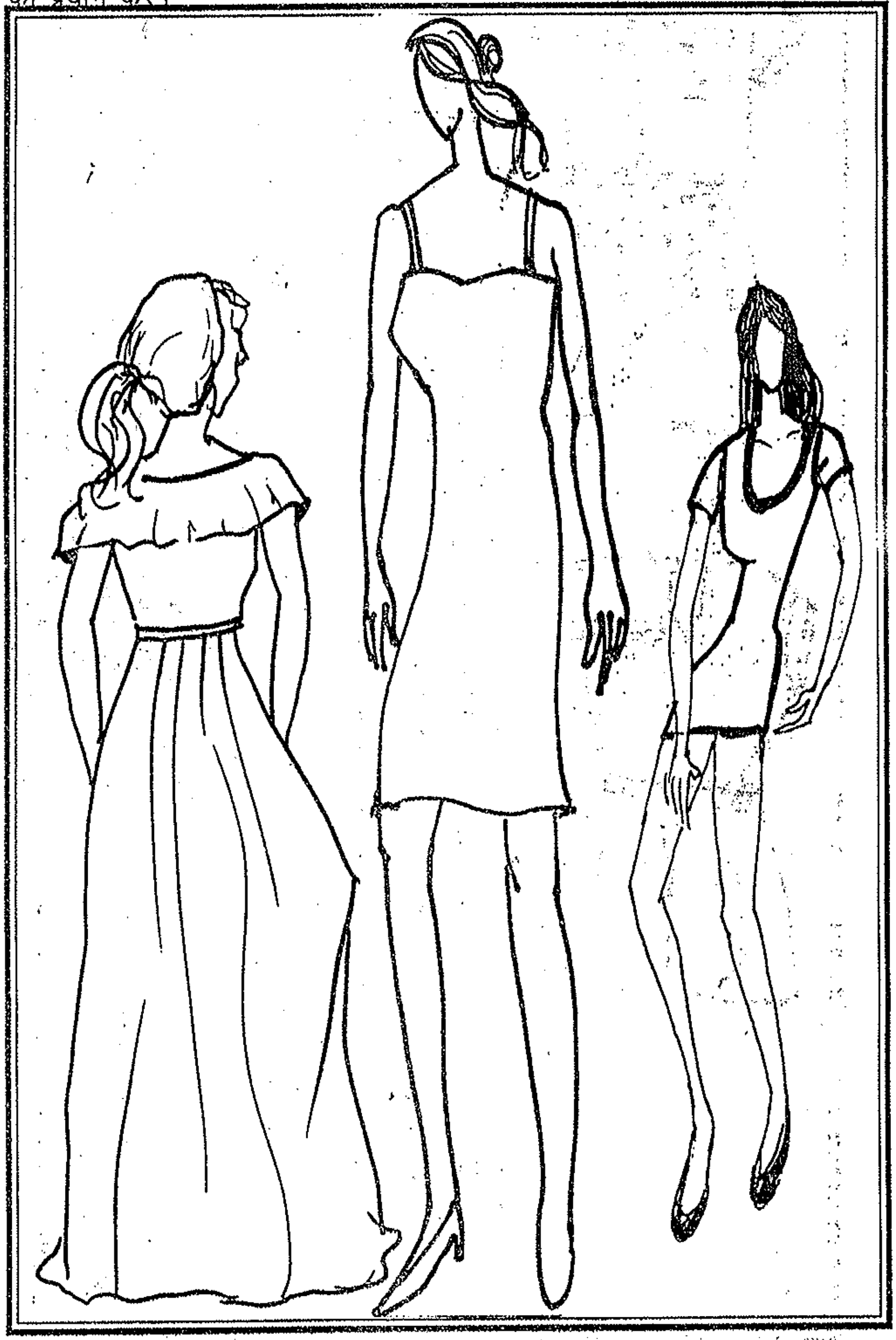

उसके लिए कुछ स्पोर्टस् ड्रेसेस की डिजाइन करें।

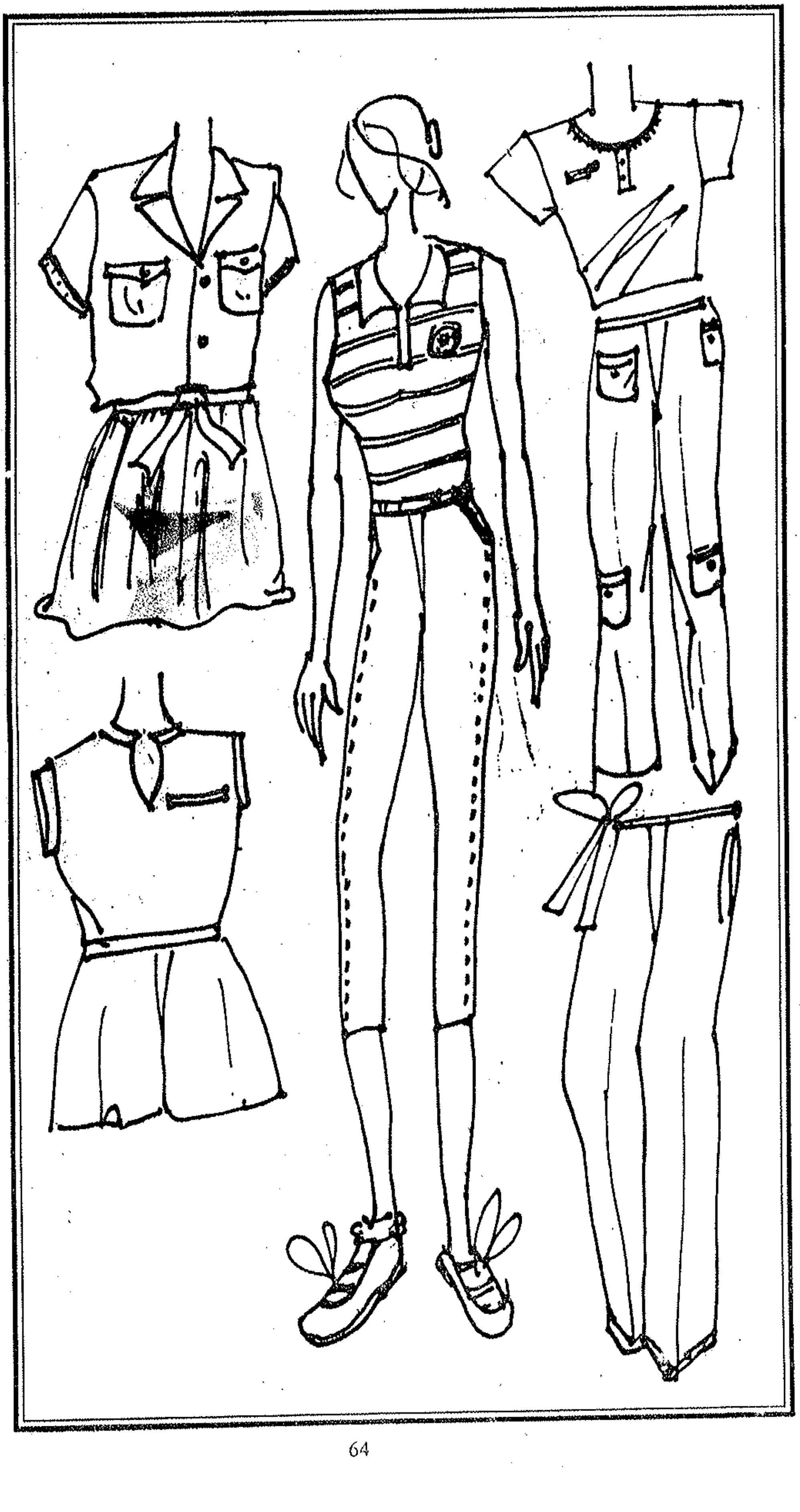

उसके लिए कुछ इवनिंग वियर ड्रेसेस की डिजाइन करें।

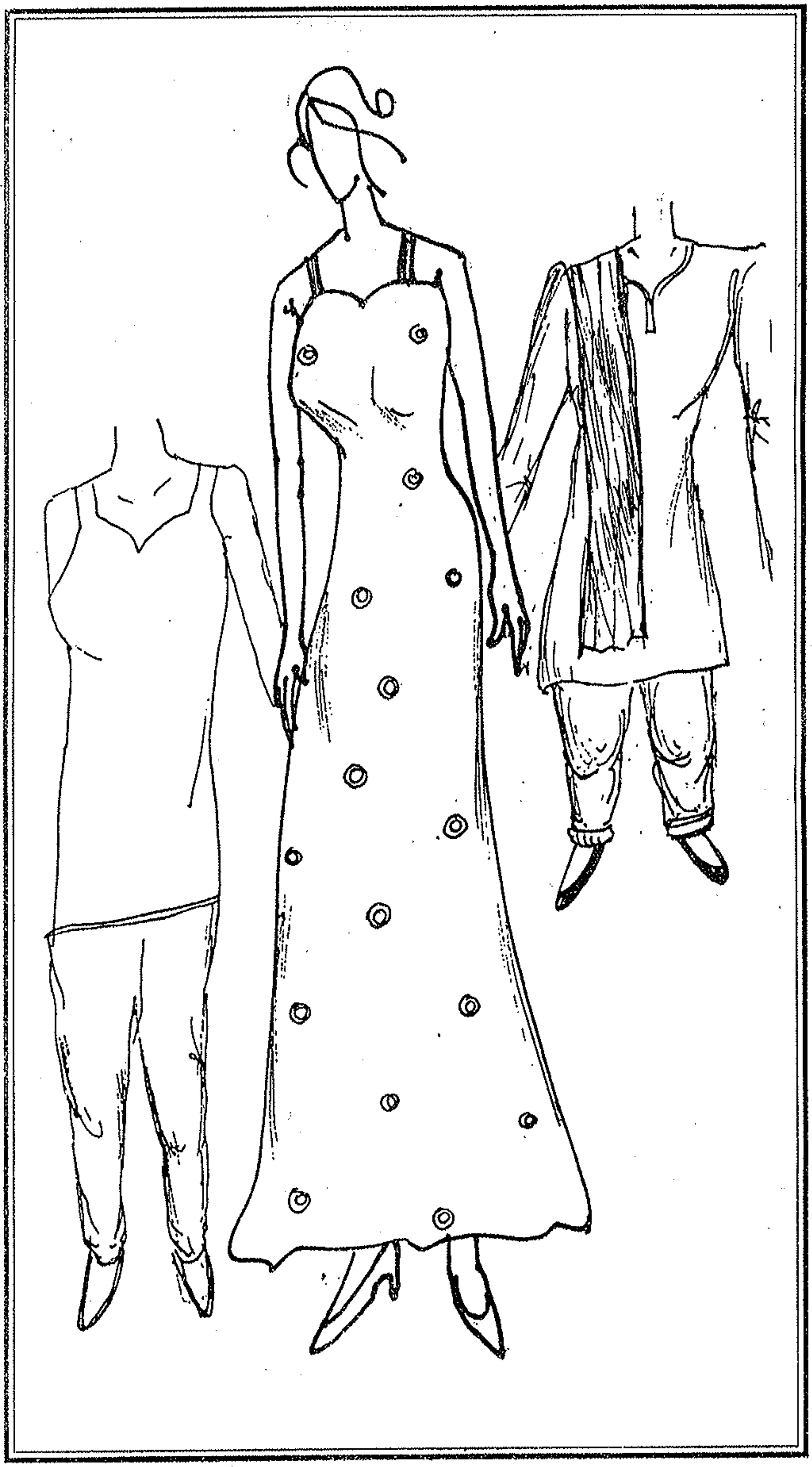

जो डिजाइन आपने बनाये हैं उनमें अपने कोलाज से रंग भरें। कोलाज से कुछ रंग लेकर उन वस्त्रों में भरें जो आपने डिजाइन किये हैं।

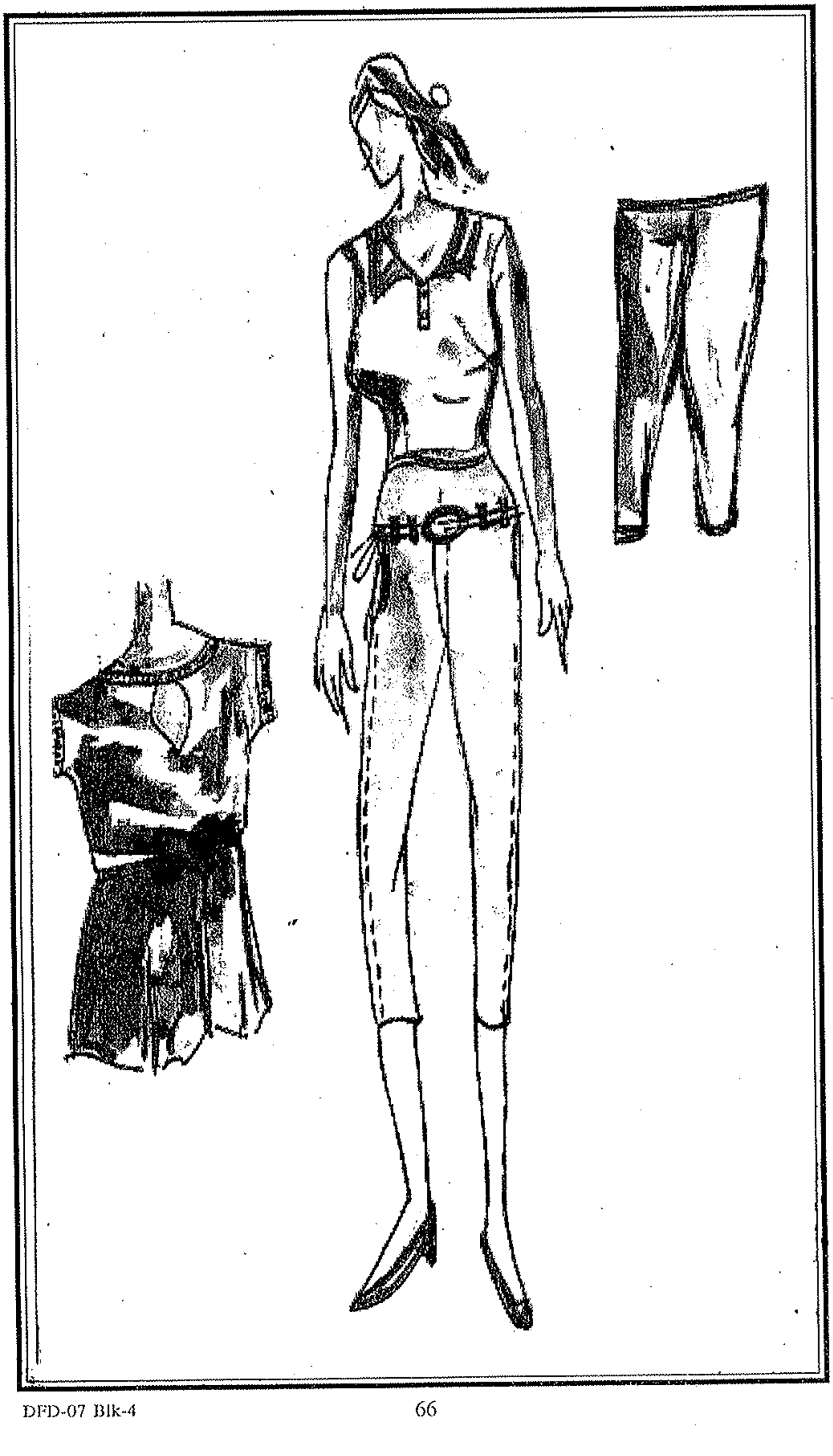

अब कुछ और डिजाइन बनायें और उनमें रंग भरें।

अब कैजुवल वियर से जिसे आपने डिजाइन किया है, एक डिजाइन चुनें और डिजाइन को अन्तिम रूप दें। देखें सामने और पीछे का भाग कैसा दिखेगा।

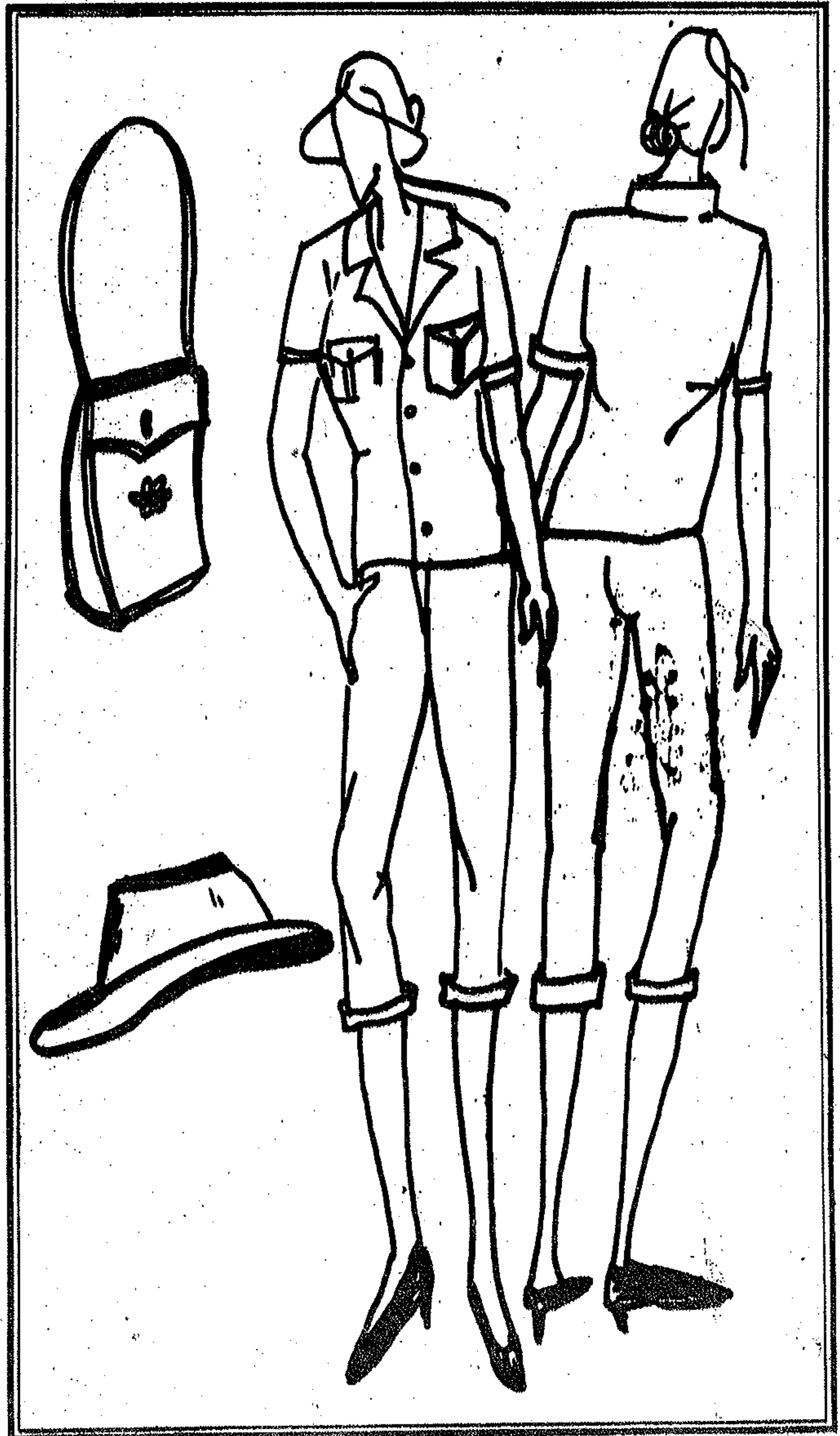

अब स्पोर्टस् वियर से जिसे आपने डिजाइन किया है, एक **डिजाइन** चुनें और डिजाइन को अन्तिम रूप दें। देखे सामने और पीछे का भाग कैसा दिखेगा।

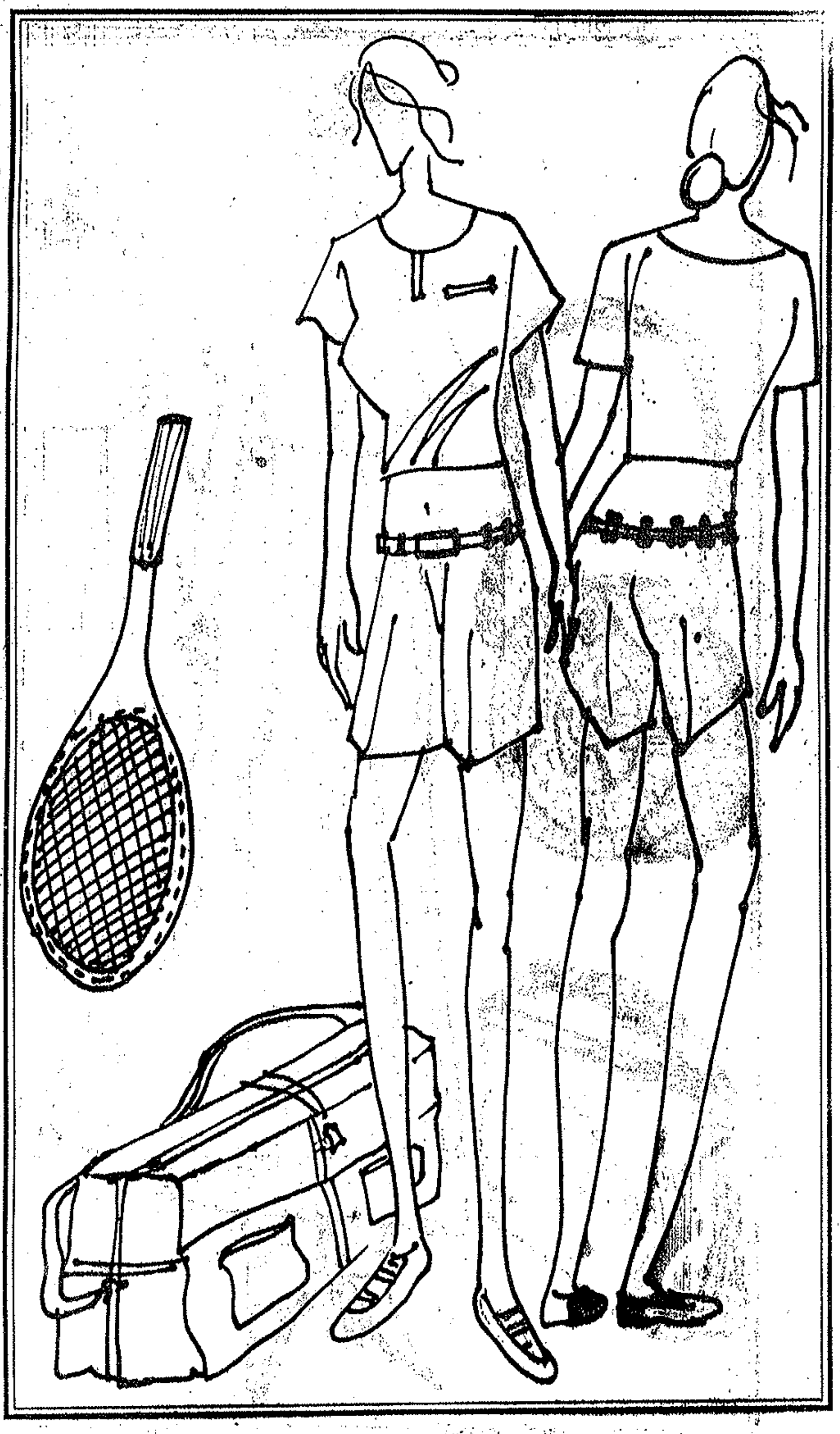

अब इवनिंग वियर से जिसे आपने डिजाइन किया है, एक डिजाइन चुनें और डिजाइन को अन्तिम रूप दें। देखें सामने और पीछे का भाग कैसा दिखेगा।

यदि इस पर अब कुछ परिवर्तन या ऐडीशन की जरूरत हो तो करें। आपकी विजुलाइजेशन अब पूर्ण होनी चाहिए।

अब एक डिजाइन के लिए, डिजाइन स्पेसीफिकेशन चार्ट बनायें। लेकिन याद रखें जब आप एक डिजाइन पोर्टफोलियो बनायें तो आपको एक–दूसरे के लिए इसी प्रकार डिजाइन करना होगा। स्पेसीफिकेशन चार्ट के लिए एक नमूना दिया गया है।

SPECIFICATION SHEET

STYLE SKETCH

ORDER NO:

DRESS-

MEASUREMENT CHART............................

FABRICATOR......................................

DESCRIPTION ....

LABEL ....

LINING..

BUTTON HOLES/ BUTTONS........................

ZIPPER/ELASTIC...................................

THREADS (THREE PLY)...........................

STITCHING DETAIL ....

OVERLOCKING DETAIL..............................

SPECIAL INSTRUCTION ....

MEASUREMENT CMS/CHES	SIZE SPECIFICATION						
FULL LENGTH							
BODICE LENGTH							
CHEST							
CROSS BACK							
LOWER HEM							
WAIST							
SLEEVE LENGTH							
SLEEVE HEM							
COLLAR LENGTH x WIDTH							
COLLAR POINT							
BAND							
BAND WIDTH							
POCKET							
NECK							
OPEN NECK							
BACK NECK							
FRONT PLACET							
ARMHOLE							
CUFF LENGTH x WIDTH							
HEM							
SKIRT LENGTH							
SIDE OPENING							
BELT WIDTH							
BELT TO POCKET							
POCKET WIDTH							

SIGNATURE OF THE FABRICATOR

SIGNATURE OF ISSUING AUTHORITY

DATE

एक ड्रेस का ड्राफ्ट बनाते हैं।

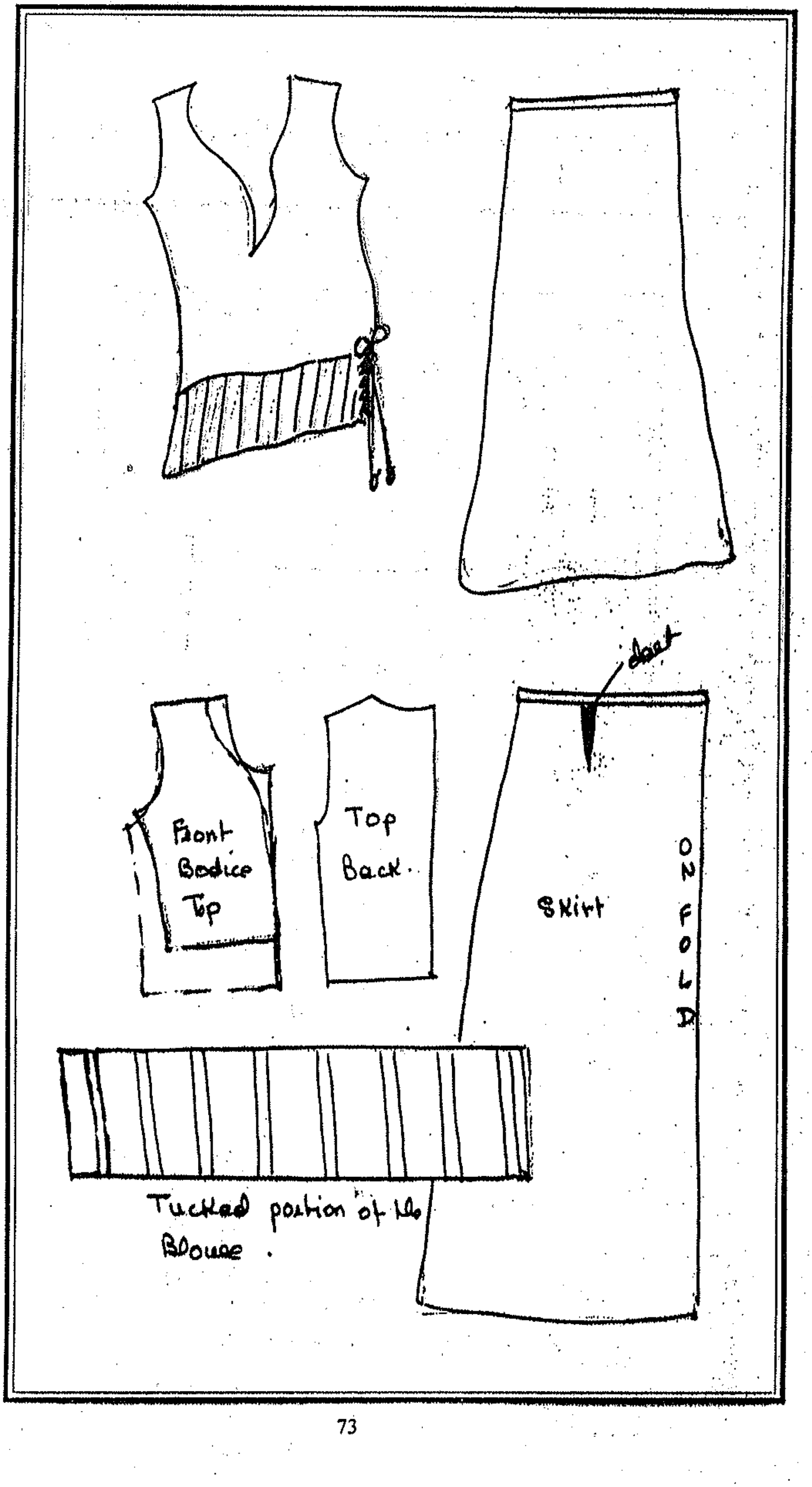

आइये एक ड्रेस का पैटर्न ले–ᴈ आवश्यक सामग्रियों की गणना करते हैं।

दिखाई गई सभी शीटें आपकी पूर्ण पोर्टफोलियों डिजाइन से अधिक विस्तारित होगीं।

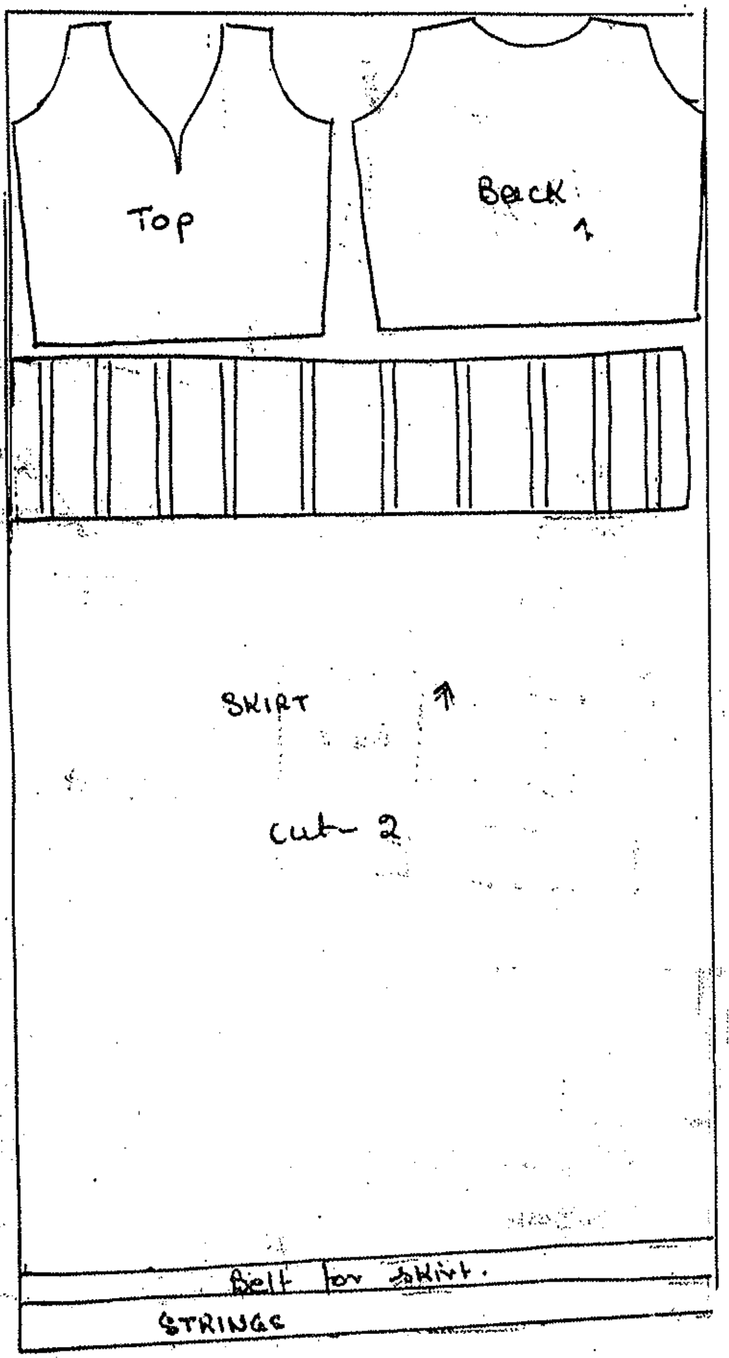

१७० से०मी० वस्त्र की जरूरत टॉप और स्कर्ट दोनो के लिए आवश्यक है।

१६.४ सारांश:-

स्टोरी बोर्ड बनाना डिजाइनिंग ऐस्पेक्ट का एक भाग है। डिजाइनिंग का यह तरीका नई डिजाइन की रचना को बढ़ाता है। एक शीर्षक लेकर इससे सम्बन्धित कोलाज बनायें। आकार चुनें और कोलाज शीट से विचार लें और डिजाइनिंग आउटफिट शुरू करें। इनिसियल डिजाइनिंग के बाद, अपने कार्य को निर्धारित करें एवं डिजाइनिंग शीट को स्पेसीफिकेशन शीट बनाये और पैटर्न ले–आउट बनायें। सम्पूर्ण काम पोर्टफोलियों का भाग होगा।

अभ्यास

१– मैगजीनों का निरीक्षण करके वस्त्र के लिए डिजाइन देखें। थीम को पहचानने का प्रयास करें जिनसे ये डिजाइन बनें हैं।

१६.५ स्वनिर्धार्य प्रश्न/अभ्यास

प्रश्न–१ नीचे दिये गये थीम से एक स्टोरी बोर्ड बनायें।

पंखो के समूह के संग पक्षी

१६.६ स्वाध्ययन हेतु

१– कॉस्ट्यूम्स १०६६–१६६०, द्वारा जॉन पीकॉक, प्रकाशन थेम्स एवं हडसन।

NOTES